गेल (इंडिया) लिमिटेड
भारत का यंगेस्ट महारत्न

सुदृढ़ पर्यावरण प्रणाली का संरक्षण

सतत् विकास रिपोर्ट : 2015–16

सुदृण पर्यावरण प्रणाली का संरक्षण

हम एक गतिशील दुनिया में रहते हैं, जहां केवल परिवर्तन ही स्थिर रहता है तथा तेल और गैस उद्योग भी कोई अपवाद नहीं है। इस वर्ष इस क्षेत्र पर तेल की घटती कीमतों, कमजोर परिसम्पत्तियों, और कम उपभोक्ता मांग का अत्यधिक प्रभाव पड़ा। इस वर्ष प्रतिस्पर्धी मूल्यों में हरित प्रौद्योगिकियों की तरफ रुझान भी देखा गया जो परम्परागत ईंधनों के अस्तित्व के लिए विघटनकारी सिद्ध हो सकता है। इसके साथ–साथ विकास के पर्यावरणीय प्रभाव के संबंध में भी विश्व में चिंता बढ़ रही है, जैसा कि पेरिस में आयोजित सीओपी 21 से स्पष्ट है। इस प्रकार, इन विषमताओं में भी इसके सभी शेयरधारकों के विकास के लिए सुदृढ़ पर्यावरण का ***संरक्षण*** किए जाने की आवश्यकता है।

सुदृढ़ पर्यावरण प्रणाली में विपरीत परिस्थितियों के बुरे प्रभावों को बेअसर करने की क्षमता है। सफल संगठन वहीं हैं जो स्वयं को बदलते बाजारों के अनुरूप ढाल लें। इस वर्ष गेल के मुख्य शेयरधारक, भारत सरकार ने वैश्विक गैस मूल्यों में कमी के अनुसार गैस मूल्यों के पुनर्निधारण हेतु कतर स्थित रास–गैस से बातचीत की और इस प्रकार गैस की बिक्री से मुनाफा बढ़ा।

प्राकृतिक गैस वर्तमान में उपलब्ध सबसे बेहतरीन जीवाश्म ईंधनों में से एक है। सरकारी क्षेत्र का उपक्रम होने के नाते गेल को प्रमुख भूमिका निभानी है। वित्तीय कठिनाइयों के बावजूद गेल ने रूके हुए विद्युत संयंत्रों में फिर से जान फूंकी है और इन परियोजनाओं को चलाने और राष्ट्र को गति प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। हम अपने आधारभूत ढांचे से सम्पूर्ण मूल्य श्रृंखला, जिसमें गैस एक पसंदीदा ईंधन बन सकती है, में ***पर्यावरण प्रणाली*** का पुनरुद्धार करने तथा उसका विकास करने के लिए प्रमुख शेयरधारकों के साथ सहयोग कर रहे हैं।

इसका मुख्य उद्देश्य न केवल, आर्थिक, सामाजिक अथवा पर्यावरणीय बदलावों में अपने अस्तित्व को बनाए रखना है, बल्कि ऐसी उथल–पुथल के दौरान भी विकास करते रहना है। वित्त वर्ष 2015–16 के लिए हमारी सतत् विकास रिपोर्ट का शीर्षक **'सुदृढ़ पर्यावरण प्रणाली का संरक्षण'** बिल्कुल उपयुक्त है जो मुश्किल की घड़ी में भी विकास हेतु सुदृढ़ पर्यावरण प्रणाली का संरक्षण और विकास करने के हमारे प्रयासों को दर्शाता है।

रिपोर्ट के बारे में

4

सतत् विकास कार्यनीति

21

कार्य–निष्पादन की रूपरेखा

99

विषय–सूची -->

4 --> रिपोर्ट के बारे में

6 --> अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक का संदेश

9 --> गेल के बारे में

13 --> कॉर्पोरेट अभिशासन और जोखिम प्रबंधन

21 --> सतत् विकास कार्यनीति

25 --> शेयरधारकों को शामिल करना और उनका महत्व

31 --> प्रचालनात्मक उत्कृष्टता के माध्यम से सुदृढ़ प्रणालियां और प्रक्रियाएं सुनिश्चित करना

43 --> मानव पूंजी: विकास हेतु क्षमताओं का संवर्धन

51 --> हमारे लोगों और पर्यावरण की सुरक्षा सुनिश्चित करना

61 --> नई पर्यावरण प्रणाली अपनाना: लाभप्रदता हेतु अभिनव परिवर्तन

73 --> आपूर्ति श्रृंखला में सुदृढ़ आधारभूत ढांचे का सृजन

83 --> प्रभावी समन्वय और साझेदारी हेतु संप्रेषण

95 --> विनियामक परिदृश्य में अवसरों का सृजन

99 --> निष्पादन रूपरेखा

105 --> स्वतंत्र आश्वासन विवरण

108 --> जीआरआई विषय–सूची

116 --> एनजीवी–एसईई सिद्धांतों के साथ संयोजन

117 --> एपीआई/आईपीआईईसीए, यूएनजीसी, आईएसओ 26000 सिद्धांतों के साथ संयोजन

122 --> भावी मार्ग

रिपोर्ट के बारे में

तेल और गैस क्षेत्र में अस्थिरता से निपटने के लिए गेल की सुदृढ़ प्रतिक्रिया के पीछे **'सुदृढ़ पर्यावरण प्रणाली का संरक्षण'** मंत्र रहा है। हमारी वित्त वर्ष 2015–16 की सतत् विकास रिपोर्ट में इस बात पर ध्यान केन्द्रित किया गया है कि गेल ने किस प्रकार अपनी चुनौतियों और वित्तीय दबाव की स्थितियों का विश्लेषण किया है तथा इनसे निपटने में तुरंत कार्रवाई की है। वित्त वर्ष 2015–16 की सतत् विकास रिपोर्ट के हमारे छठे संस्करण में प्रचालन दक्षता के कार्यान्वयन में अभिनवता और लचीलेपन का संयोजन, बाजार में लागत बचत तथा पुनः बातचीत और संगठन के माध्यम से उत्तरदायित्वपूर्ण विकास को बनाए रखने का उल्लेख किया गया है। सामाजिक और पर्यावरण के क्षेत्रों में उत्कृष्टता विकसित करते हुए वित्तीय स्थिरता को बनाए रखने की दोहरी चुनौती से निपटने की अपनी सुदृढ़ प्रतिक्रिया के माध्यम से हमनें अपने नेतृत्व को एक लचीले संगठन के तौर पर दर्शाया हैं।

एक जिम्मेदार कॉर्पोरेट नागरिक के तौर पर हम राष्ट्र की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्राकृतिक गैस प्रदान करने हेतु प्रतिबद्ध हैं। प्राकृतिक गैस परम्परागत जीवाश्म ईंधनों जैसे कोयला और तेल का एक स्वच्छ विकल्प है। यह देश के विकास में गति प्रदान करने तथा इसकी सफलता की कहानी लिखने में अभिन्न भूमिका निभाता है। इन मूल्यों को अर्थव्यवस्था के लाभ के लिए प्राकृतिक गैस तथा इसके अंशों के प्रभावी और किफायती उपयोग में तेजी लाने और इसके अधिकतम उपयोग हेतु हमारे मिशन में दर्शाया गया है।

इस वर्ष की सतत् विकास रिपोर्ट ***'सुदृढ़ पर्यावरण प्रणाली का संरक्षण'*** विकल्प कोर [जी4–32] 'के अनुरूप' हमारी दूसरी जीआरआई जी4 रिपोर्ट है। पृष्ठ 108–115 पर जीआरआई विषय–सूची में जीआरआई कार्य–निष्पादन संकेतकों तथा मानक प्रकटीकरण का विस्तार से उल्लेख किया गया है। जीआरआई जी4 के साथ निम्नलिखित रिपोर्टिंग प्रपत्रों का भी अनुपालन किया गया है:

- कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा सामाजिक, पर्यावरणीय और आर्थिक उत्तरदायित्वों संबंधी प्रकाशित राष्ट्रीय स्वैच्छिक दिशा–निर्देश (एनवीजी) के 9 सिद्धांत।
- पर्यावरणीय और सामाजिक मुद्दों संबंधी वैश्विक तेल और गैस उद्योग संघ (आईपीआईईसीए) और अमेरिकी पेट्रोलियम संस्थान (एपीआई) द्वारा विकसित स्वैच्छिक सतत् विकास रिपोर्टिंग संबंधी तेल और गैस उद्योग मार्गदर्शन (2010)।
- संयुक्त राष्ट्र वैश्विक कम्पेक्ट (यूएनजीसी) के अंतर्गत सिद्धांत और प्रकटीकरण अपेक्षाएं।
- संगठनात्मक सामाजिक उत्तरदायित्व संबंधी आईएसओ 26000:2010

गेल के 10 स्थानों (परियोजना स्थलों और कार्यालयों सहित) पर विभिन्न शेयरधारकों के साथ परामर्श से सामग्री मूल्यांकन और शेयरधारक सहभागिता प्रक्रिया के माध्यम से महत्वपूर्ण मुद्दों की पहचान की गई और इनका उल्लेख इस रिपोर्ट के प्रासंगिक खंडों में किया गया है। प्रत्येक महत्वपूर्ण पहलू का मापन जीआरआई जी4 दिशा–निर्देशों के तहत किया गया है। गेल के समक्ष आने वाली विशिष्ट चुनौतियों तथा इनका समाधान करने के लिए हमारी पहलों को रेखांकित करने हेतु हमने 'व्यवसाय विकास और लाभप्रदता' अध्याय में इसका विस्तार से परीक्षण किया है।

डाटा प्रबंधन दृष्टिकोण

रिपोर्ट के प्रत्येक खंड में विभिन्न शेयरधारकों के संदर्भ में प्रणालियों, प्रक्रियाओं और अवसंरचना के माध्यम से हमारे कार्य–निष्पादन तथा अध्याय के लिए प्रासंगिक महत्वपूर्ण पहलुओं का विस्तार से उल्लेख किया गया है। इसके अलावा, रिपोर्ट वर्ष के दौरान की गई पहलों को भी रिपोर्ट में शामिल किया गया है। नई योजनाओं, आशयों और भविष्य की योजनाओं के संबंध में भी जानकारी प्रदान की गई है। चूंकि, ये कार्यकलाप विकास के विभिन्न चरणों में हैं तथा बाजार के उतार–चढ़ाव, विनियामक निर्णयों में परिवर्तन और भू–राजनैतिक स्थिति पर आधारित हैं, इसलिए उनके पूरा होने में थोड़ी–बहुत अनिश्चितता रहती है। इस रिपोर्ट में प्रस्तुत डाटा की मात्रा को निर्धारित करने तथा आकलन करने के लिए कुछ अवधारणाओं, मानक दिशा–निर्देशों और पद्धतियों का प्रयोग किया गया है। जहां–कहीं भी इनका प्रयोग किया गया है, वहां इनकी जानकारी दी गई है। इस रिपोर्ट में प्रस्तुत डाटा को संबंधित विभागाध्यक्षों द्वारा सत्यापित किया गया है।

रिपोर्ट का कार्यक्षेत्र और सीमा जी4–18

इस रिपोर्ट में निम्नलिखित प्रचालन शामिल किए गए हैं:

- गैस प्रोसेसिंग यूनिट (जीपीयू) गंधार, पाता, उसर, वाघोडिया और विजयपुर;
- पेट्रोकेमिकल यूनिट, पाता;
- इस वर्ष पाता और विजयपुर में नवनिर्मित पीसी।। संयंत्रों को भी शामिल किया गया है;
- प्राकृतिक गैस कम्प्रेशर केन्द्र दिबियापुर, हजीरा, झाबुआ, खेड़ा, वाघोडिया और विजयपुर;
- एलपीजी पम्प करने/प्राप्त करने के केन्द्र आबू रोड, चेरलापल्ली, जी कोन्डूरू, जामनगर, कांडला, लोनी, मनसारामपुरा, नसीराबाद, समाखियाली तथा विशाखापत्तनम;
- क्षेत्रीय पाइपलाइन केन्द्र अगरतला, बड़ौदा, मुम्बई, पुदुचेरी और राजमंड्री;
- जयपुर और नोएडा में गेल प्रशिक्षण संस्थान (जीटीआई);
- कॉर्पोरेट कार्यालय, नई दिल्ली और इन्फो हब, नोएडा; तथा
- क्षेत्रीय विपणन कार्यालय – दिल्ली, कोलकाता, चेन्नई, बंगलौर, भोपाल, चंडीगढ़, जयपुर, हैदराबाद, लखनऊ, मुम्बई, अहमदाबाद।

गत वर्ष की प्रतिवेदन अवधि से पाता और विजयपुर में नए निर्मित संयंत्रों को शामिल किए जाने के अतिरिक्त सीमा और क्षेत्र के अर्थों में कोई महत्वपूर्ण बदलाव नहीं हुआ है जी4–23, जी4–13 ई एंड पी प्रचालन, संयुक्त उपक्रम, सहायक कंपनियां, पट्टा सुविधाएं, बाहरी स्रोत से किए गए प्रचालन और अन्य संस्थाएं इस रिपोर्ट की सीमा और क्षेत्र से बाहर हैं। इस रिपोर्टिंग सीमा के अनुसार, सभी पहलुओं की रिपोर्टिंग भारतीय क्षेत्र के लिए की जाती है (जब तक कि अन्यथा उल्लेख न हो) रिपोर्ट की विषय–वस्तु को परिभाषित करने के लिए शेयरधारक समावेशिता, महत्ता, सतत् विकास संदर्भ और पूर्णता के सिद्धांतों का निरंतर पालन किया गया है।

आश्वासन जी4–33

गेल की सतत् विकास संबंधी सभी रिपोर्टों के संबंध में बाह्य तृतीय पक्षकार द्वारा आश्वासन दिया गया है। इसी प्रथा को जारी रखते हुए इस वर्ष की सतत् विकास रिपोर्ट के संबंध में मैसर्स डीएनवीजीएल द्वारा आश्वासन दिया गया है। यह एए1000एएस (2008) मानक पर आधारित टाइप 2 मध्यम स्तर आश्वासन रिपोर्ट है। इस आश्वासन प्रक्रिया में गेल के उन विभिन्न स्थलों पर डाटा का सत्यापन शामिल है जो गेल को अपनी प्रक्रिया और डाटा प्रबंधन तंत्र में सुधार करने में निरंतर सहायता प्रदान करेगा।

इस रिपोर्ट का एक संक्षिप्त और ऑनलाइन प्रारूप वेबसाइट http://www.gailonline.com/final_site/Sustainability.html पर उपलब्ध कराया जाएगा।

अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक का संदेश जी4–1, जी4–2

प्रिय शेयरधारको,

मुझे वित्त वर्ष 2015–16 के लिए गेल की सतत् विकास रिपोर्ट के छठे संस्करण को प्रस्तुत करते हुए प्रसन्नता हो रही है, जिसका शीर्षक ***'सुदृढ़ पर्यावरण प्रणाली का संरक्षण'*** है। सतत् विकास गेल के स्वभाव में है, जिसे हमारे विजन और मिशन विवरणों के माध्यम से दर्शाया गया है। यह रिपोर्ट हमारी दूसरी जीआरआई जी4 रिपोर्ट है, जिसमें बाजार के उतार–चढ़ाव से बदलती परिस्थितियों के इस दौर में संगठन के समक्ष आने वाली चुनौतियों का सामना करते हुए आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय पहलुओं के क्षेत्र में हमारे प्रयासों को दर्शाया गया है। हमारा विश्वास है कि मुश्किल की इस घड़ी में भी गेल पर्यावरण प्रणाली का हिस्सा बनते हुए अपने शेयरधारकों के प्रति जवाबदेही के साथ सतत् और लचीले संगठन के रूप में आगे बढ़ना जारी रखेगा।

इस वर्ष ऊर्जा बाजारों में बदलती मांग और प्रचुर मात्रा में आपूर्ति के कारण मूल्यों में कमी आई। वैश्विक अर्थव्यवस्था में लगातार मंदी और औद्योगीकरण की धीमी गति के कारण विश्व में ऊर्जा उपभोग में उत्तरोत्तर कमी आ रही है जिसमें चीन के धीमे औद्योगीकरण का भी हाथ है। इसके परिणामस्वरूप, वैश्विक प्राथमिक ऊर्जा उपभोग में वर्ष 2015 में केवल 1.0 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। दुनिया भर में प्राकृतिक गैस के मूल्यों में कमी आई है। हेनरी हब में इसकी वर्ष 2014 के औसत की तुलना में 40% की कमी आई है। इन तथ्यों के अतिरिक्त, तेल की कीमत कम होने के इस दौर में उपभोक्ता पैटर्न में बदलाव, प्रतिस्पर्धी दरों पर नई हरित प्रौद्योगिकियों तथा हानिकारक उत्सर्जनों के बारे में लोगों की बढ़ती जागरूकता के कारण परम्परागत ईंधन आधारित कम्पनियों को अपनी भावी कार्यनीतियों पर विचार करना होगा।

ऊर्जा क्षेत्र किसी देश के आर्थिक विकास के इंजन के रूप में कार्य करता है। भारत विश्व की सबसे तेज गति से उभरती अर्थव्यवस्था के रूप में उभर रहा है और इसकी ऊर्जा आवश्यकताएं बढ़ना स्वाभाविक है। बीपी सांख्यिकी 2016 के अनुसार, भारत विश्व का तीसरा सबसे बड़ा ऊर्जा उपभोग करने वाला देश बन गया है। गेल भारत सरकार द्वारा वर्ष 2047 तक समेकित ऊर्जा सुरक्षा की रूपरेखा तैयार करने संबंधी प्रयासों में सक्रिय दृष्टिकोण अपना रहा है और इसने मिश्रित ऊर्जा में प्राकृतिक गैस के लक्षित हिस्से की सिफारिश की है। हमें कोयले पर अपनी निर्भरता कम करने तथा बेस लोड और अधिकतम मांग की जरूरत पूरी करने के लिए प्राकृतिक गैस के साथ नवीकरणीय प्रौद्योगिकियों को अपनाने के लिए विकसित अर्थव्यवस्थाओं के नक्शे–कदम पर चलना होगा। इसके अतिरिक्त, गेल नवीकरणीय ऊर्जा क्षमताओं के सुदृढ़ीकरण तथा अन्य क्षेत्रों के साथ–साथ 'स्मार्ट सिटी' की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के अनुरूप अवसरों की निरंतर तलाश कर रहा है।

> *गेल भारत सरकार द्वारा वर्ष 2047 तक समेकित ऊर्जा की रूपरेखा तैयार करने संबंधी प्रयासों में सक्रिय दृष्टिकोण अपना रहा है और इसने मिश्रित ऊर्जा में प्राकृतिक गैस के लक्षित हिस्से की सिफारिश की है।*

व्यापक जलवायु कार्रवाई के प्रति बढ़ती चिंताओं को देखते हुए, सीओपी 21 पर पेरिस समझौते में भविष्य में कम कार्बन उत्सर्जन के वैश्विक राजनैतिक आशय को प्रकट किया गया है तथा कॉर्पोरेट क्षेत्र को एक स्पष्ट और सुगम संदेश दिया गया है। गेल को प्राकृतिक गैस – जो एक स्वच्छ जीवाश्म ईंधन है, का व्यवसाय करने के कारण, भारत के लक्षित राष्ट्रीय निर्धारित योगदान (आईएनडीसी) लक्ष्यों को प्राप्त करने तथा हमारी पर्यावरण प्रणाली के सतत् विकास का संरक्षण तथा इस परिवर्तन को साकार करते हुए प्राकृतिक गैस के समर्थन में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी है। हमने जीएचजी उत्सर्जन, ऊर्जा, जल उपभोग और पुनर्चक्रण तथा सतत् विकास के प्रति जागरूकता पैदा करने के क्षेत्र में अपनी सतत् विकास महत्वाकांक्षा 2020 के माध्यम से सक्रिय तौर पर स्वैच्छिक लक्ष्य निर्धारित किए हैं। इन पहलुओं के संबंध में हमारे कार्य निष्पादन को इस रिपोर्ट की सतत् विकास कार्यनीति खंड में दर्शाया गया है।

एक लचीले संगठन का निर्माण करने के अपने प्रयासों में गेल ने 2015 में कच्चे तेल के मूल्यों में कमी की चुनौती का लगातार सामना किया। हमने अपने उपभोक्ताओं की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए वैश्विक स्तर पर गैस दरों में कमी का सामना करने हेतु कतर स्थित रासगैस के साथ अपने सब अनुबंधों का पुनर्निर्धारण किया। इसके अतिरिक्त, हमने अपनी पाइपलाइन परिसंपत्तियों की बढ़ती उपयोगिता दर की चुनौती तथा नई संयंत्र सुविधाओं पर उत्पादन स्थिर करने पर ध्यान दिया। 11,000 किलोमीटर लंबे पाइपलाइन नेटवर्क के साथ, गेल ने देश भर में अपनी उपस्थिति दर्ज कराने तथा उपभोक्ताओं तक पहुंच बनाने के लिए अपनी भावी परियोजनाओं के साथ राष्ट्रीय गैस ग्रिड को पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। हम अपनी खुदरा और व्यापार क्षमताओं को बढ़ाने के लिए भी निवेश कर रहे हैं ताकि नए उत्पादों और भौगोलिक क्षेत्रों तक और अधिक व्यापक और विविध सेवाएं प्रदान कर सकें। असम में

अभी हाल ही में प्रारंभ की गई ब्रह्मपुत्र क्रैकर एंड पॉलीमर लिमिटेड (बीसीपीएल) परियोजना के परिणामस्वरूप उत्तर–पूर्व में पहला पेट्रोकेमिकल परिसर स्थापित किया गया है, यह गेल के लिए एक चुनौतिपूर्ण कार्य था, जो प्राकृतिक गैस मूल्य श्रृंखला में जटिल परियोजनाओं की देखरेख करने की हमारी क्षमता को दर्शाता है। इसके अतिरिक्त, पाता पेट्रोकेमिकल संयंत्र की क्षमता को 810 केटीए तक बढ़ाकर दोगुना कर दिया गया है।

पेट्रोकेमिकल बाजार के मौजूदा उतार–चढ़ाव से दिशा प्राप्त करते हुए हमारा ध्यान उपभोक्ताओं को संतुष्ट रखने और देश में विश्व स्तरीय पॉलीमर उत्पादों के पसंदीदा आपूर्तिकर्ता के तौर पर अपनी स्थिति को बनाए रखना है। इसके अतिरिक्त, गेल अपने मौजूदा संसाधनों का अधिकतम उपयोग करने, प्रचालन और प्रक्रिया दक्षताओं में सुधार करने, लागत कम करने और लाभ को अधिकतम स्तर तक बढ़ाने के लिए 'संचय' (लाभ को उच्चतम सीमा तक ले जाने) परियोजना के अन्तर्गत सबसे निचले स्तर पर निरंतर ध्यान दे रहा है।

जबकि गतिशील बाह्य वातावरण में हो रहे बदलावों के प्रति हमें अग्रसक्रिय होना है, वहीं हमें अपनी आंतरिक प्रणालियों और प्रक्रियाओं, अर्थात् सभी स्तरों, लोगों, प्रक्रिया और संयंत्र को सुदृढ़ करने की भी आवश्यकता है। प्रचालनों और प्रक्रियाओं में सुरक्षा अत्यधिक महत्वपूर्ण है। अतीत की सीखों से हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि मानक प्रचालन प्रक्रियाओं का सक्रिय तौर पर अनुपालन किया जाए और इनके अनुपालन में कोई कोताही न बरती जाए। सुरक्षा के प्रति गेल की प्रतिबद्धता को व्यक्तिगत स्तर पर संस्कृति और व्यवहार का रूप प्रदान किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, हम एक सतत् विकास चार्टर का मसौदा भी तैयार कर रहे हैं, जिसमें मुख्य कार्य क्षेत्रों को रेखांकित करने के साथ ही गेल के भीतर सतत् विकास को मुख्यधारा में शामिल करने के आगे के तौर–तरीकों का भी वर्णन किया जा रहा है। इस चार्टर में मुख्यत: प्रबन्ध प्रणालियों में सुधार करने, विभिन्न कार्यों की सतत् विकास रूपरेखा तैयार करने तथा प्रभावी कार्यान्वयन के लिए सुझायी गई कार्य योजना को शामिल किया गया है।

गेल न केवल सुरक्षा में सुधार करने अपितु प्रक्रिया दक्षता को अधिकतम स्तर तक बढ़ाने और निचले स्तर तक में सुधार करने के लिए विभिन्न अध्ययनों और परियोजनाओं के माध्यम से अन्तर्राष्ट्रीय प्रक्रियाओं (एसओपी) के अनुरूप

> **गेल को लगातार दूसरी बार सीडीपी के इंडिया लीडर्स 2015 क्लाइमेट डिस्क्लोजर लीडरशिप इंडेक्स (सीडीएलआई) में स्थान दिया गया है तथा उपयोगिता वर्ग में सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों में प्रथम स्थान प्रदान किया गया है।**

अपने संचालन मानकों और मानक संचालन प्रक्रियाओं को सुदृढ़ करने की प्रक्रिया को आगे बढ़ा रहा है। इस परिदृश्य का मुख्य उद्देश्य बाजार हिस्सेदारी का विस्तार करने के लिए आंतरिक–समूह सहयोग के माध्यम से उपभोक्ता केन्द्रित समाधान उपलब्ध करना है। इसके अतिरिक्त, गेल का उद्देश्य अपनी वाणिज्यिक शर्तों और प्रक्रियाओं की समीक्षा करते हुए कारोबार को आसान बनाने और पहलों के विस्तार तथा पसंदीदा आपूर्तिकर्ता की स्थिति को बनाए रखना है।

चूंकि, उत्पाद मूल्य में कमी, परिवहन टैरिफ में कमी, पाइपलाइन क्षमता की कम उपयोगिता तथा विदेशी मुद्रा उतार–चढ़ाव के कारण आंतरिक राजस्व में कमी आई है, इसलिए गेल के लिए सबसे महत्वपूर्ण शेयरधारक – सरकार के साथ संवाद जारी रखना, नकदी बढ़ाना और अपने नकदी प्रवाह में सुधार करना आवश्यक हो गया है। इसके अतिरिक्त, विनियामकों के साथ सतत् संवाद हमें पूर्व अनुमान लगाने, कारोबारी जोखिमों को न्यूनतम करने तथा विनियमों में किसी अचानक अथवा अभूतपूर्व परिवर्तनों के साथ बेहतर समायोजन में सहायता प्रदान करता है।

हमारा मानना है कि सुदृढ़ प्रणालियों और सतत् प्रयासों से तथा गेल के कर्मचारियों के कड़े परिश्रम की प्रतिबद्धता से हम मुश्किल की इस घड़ी में मजबूत संगठन के रूप में उभर कर सामने आएंगे। हमारी व्यक्तिगत भावना निरंतर परिवर्तनशील माहौल में गेल के उत्पादों और सेवाओं को प्रासंगिक एवं पसंदीदा बनाने के लिए सामूहिक ओर सहयोगात्मक कार्य पद्धति विकसित करने की होनी चाहिए। कर्मचारियों को कारोबार लक्ष्यों, कौशल संवर्धन के प्रति अधिक ध्यान देने तथा मौजूदा कारोबारी परिदृश्य में तैनात कर्मियों द्वारा सफल योजना बनाना बेहद जरूरी है। इसके अतिरिक्त, कारोबारी क्षेत्र में संचालन और संचार बाधाओं को तत्काल दूर करने से बाजार मे अग्रणी भूमिका बनाए रखने के लिए बिना रोक–टोक निर्णय लेने और कार्य पद्धति का तालमेल सुनिश्चित किया जा सकता है।

एक जिम्मेदार कॉर्पोरेट नागरिक के तौर पर हम हमारे 'हृदय' के सीएसआर सिद्धांत के माध्यम से समुदायों सहित शेयरधारकों के लिए सकारात्मक मूल्य सृजन सुनिश्चित करते हैं। इस वर्ष खर्च किया गया सीएसआर व्यय 160.56 करोड़ रुपए था, जो पीएटी का 6.98 प्रतिशत है। हमारी सीएसआर पहलें जैसे ग्रामीण विकास के लिए 'उन्नति', पोषण, स्वास्थ्य और पेयजल तथा स्वच्छता पर ध्यान देने के लिए 'आरोग्य', 'कौशल' विकास और आजीविका अर्जन के लिए कौशल तथा शिक्षा केन्द्रित पहलों के लिए 'उज्जवल' (सुनहरे भविष्य के लिए) कुछ ऐसे उदाहरण हैं, जो हमारे शेयरधारकों के लिए परिवेश विकसित करने की दिशा में उठाए गए कदम हैं। गेल को लगातार दूसरी बार सीडीपी के इंडिया लीडर्स 2015 क्लाइमेट डिस्क्लोजर लीडरशिप इंडेक्स (सीडीएलआई) में स्थान दिया गया है तथा उपयोगिता वर्ग में सरकारी क्षेत्रों के उपक्रमों में प्रथम स्थान प्रदान किया गया है। संयुक्त राष्ट्र वैश्विक नियमों पर हस्ताक्षर के तौर पर गेल मानवाधिकारों, श्रम मानकों, पर्यावरण एवं भ्रष्टाचार–रोधी उपायों के संबंध में यूएनजीसी के दस वैश्विक स्तर पर स्वीकृत सिद्धांतों के अनुरूप कार्य करने के लिए प्रतिबद्ध है।

हमारी प्रगति के पथ पर शेयरधारकों को शामिल करना तथा उनका विश्वास अर्जित करने के लिए श्रेष्ठतम सेवाएं प्रदान करना हमारा लक्ष्य रहा है। मैं इस अवसर पर अपने शेयरधारकों का उनके समर्थन के लिए धन्यवाद करता हूँ, जो हमारे सतत् विकास को सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण होगा।

बी. सी. त्रिपाठी
अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक
गेल (इंडिया) लिमिटेड

विज़न

वैश्विक फोकस के साथ प्राकृतिक गैस और इससे इतर एक अग्रणी कंपनी बनना, जो उपभोक्ता देखभाल, सभी शेयरधारकों के लिए मूल्य सृजन और पर्यावरण उत्तरदायित्व के लिए प्रतिबद्ध हो।

मिशन

राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था के हित के लिए प्राकृतिक गैस और इसके अंशों के प्रभावी और किफायती उपयोग में अधिकतम स्तर प्राप्त करना और इसमें तेजी लाना।

गेल के बारे में

सीएनजी केन्द्र

सहयोगी कंपनियों के माध्यम से
दो–तिहाई से अधिक सीएनजी
केन्द्रों का संचालन

बेची गई
दो–तिहाई से
अधिक प्राकृतिक
गैस
में योगदान

प्रत्येक
13वें एलपीजी
सिलेंडर
के लिए
एलपीजी का
उत्पादन

अन्वेषण और उत्पादन (ई और पी):

- ऊर्ध्व एकीकरण का भाग
- 13 ब्लॉकों में सहभागिता (ऑपरेटर–2 ब्लॉक)
- म्यांमार और अमेरिका में उपस्थिति

प्राकृतिक गैस

- 11,000 कि.मी. से अधिक का नेटवर्क
- अत्याधुनिक गैस प्रबंधन प्रणाली
- आरजीपीपीएल में सहभागिता (5 एमएमटीपीए एलएनजी री–गैसीफिकेशन सुविधा)
- दीर्घकालिक आयात पोर्टफोलियो: 24 एमएमटीपीए

PROPANE PENTANE

तरल हाइड्रोकार्बन

- 6 गैस प्रोसेसिंग संयंत्र जो एलपीजी, प्रोपेन, नाफ्था इत्यादि का उत्पादन कर रहे हैं
- एलपीजी परिवहन क्षमता 3.8 एमएमटीपीए (2038 कि.मी.)

शहर गैस वितरण

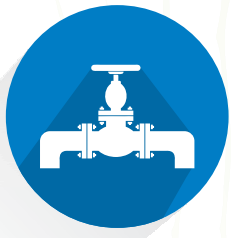

- सहायक कंपनियों और संयुक्त उपक्रमों के माध्यम से 10 लाख से अधिक वाहनों और 10 लाख से अधिक घरों तक सेवा प्रदान कर रहे हैं।
- गेल गैस लिमिटेड, 100 प्रतिशत सहायक कंपनी ने देवास, सोनीपत कोटा, मेरठ तथा ताज ट्रेपिजियम क्षेत्र में सीजीडी नेटवर्क स्थापित किया है।

G-Lene G-Lex

पेट्रोकेमिकल

- घरेलू बाजार हिस्सेदारी – 15%
- पाता (उत्तर प्रदेश) में 0.81 एमएमटीपीए क्षमता वाला पेट्रोकेमिकल संयंत्र
- बीसीपीएल और ओपॉल में सहभागिता

विद्युत और नवीकरणीय ऊर्जा

- 118 मेगावाट का पवन ऊर्जा संयंत्र और 5 मेगावाट का सौर ऊर्जा संयंत्र
- आरजीपीपीएल (क्षमता 1967 मेगावाट) में सहभागिता

हमारी उपस्थिति, सहायक कंपनियां और संयुक्त उद्यम

घरेलू सहायक कंपनियां

- गेल गैस लिमिटेड – गेल के पूर्ण स्वामित्व (100 प्रतिशत) वाली सहायक कम्पनी,
- ब्रह्मपुत्र क्रैकर्स और पॉलीमर लिमिटेड (बीसीपीएल) (70 प्रतिशत)

शहर गैस वितरण (सीजीडी) संयुक्त उद्यम

- महानगर गैस लिमिटेड–एमजीएल (32.5%, एमजीएल आईपीओ के उपरांत)
- इन्द्रप्रस्थ गैस लिमिटेड–आईजीएल (22.50%),
- भाग्यनगर गैस लिमिटेड–बीजीएल (22.50%),
- ग्रीन गैस लिमिटेड–जीजीएल (22.50%),
- सेंट्रल यू.पी. गैस लिमिटेड–सीयूजीएल (25%),
- महाराष्ट्र नेचुरल गैस लिमिटेड–एमएनजीएल (22.50%),
- अवंतिका गैस लिमिटेड–एजीएल (22.50%),
- त्रिपुरा नेचुरल गैस कम्पनी लिमिटेड–टीएनजीएल (29%)
- वडोदरा गैस लिमिटेड–वीजीएल (गेल गैस लिमिटेड का 50% समावेशी हिस्सेदारी)

विदेश में स्थित सहायक कंपनियां

- गेल (ग्लोबल) सिंगापुर पीटीई, (पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कम्पनी)
- गेल (ग्लोबल) अमेरिका इंक., (पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कम्पनी)
- गेल ग्लोबल (यूएसए) एलएनजी, एलएलसी (गेल (ग्लोबल) अमेरिका इंक. की 100 प्रतिशत सहायक कम्पनी)

संयुक्त उद्यम

- पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड–पीएलएल, (12.5%)
- ओएनजीसी पेट्रो एडिशन लिमिटेड – ओपॉल, (15.5%)
- रत्नागिरी गैस एण्ड पॉवर प्राइवेट लिमिटेड – आरजीपीपीएल, (25.5%)
- गेल चाइना गैस ग्लोबल एनर्जी होल्डिंग, (50%)
- तापी पाइपलाइन कम्पनी लिमिटेड, (5%)
- तालचर फर्टीलाइज़र लिमिटेड (29.67%)

सम्बद्ध कम्पनियां

- गुजरात राज्य ऊर्जा उत्पादन लिमिटेड (5.96 प्रतिशत)
- फेयुम गैस (19 प्रतिशत)
- चाइना गैस होल्डिंग लिमिटेड (3 प्रतिशत)
- प्राकृतिक गैस कम्पनी ''नेटगैस'' (15 प्रतिशत)
- साउथ ईस्ट एशिया गैस पाइपलाइन (एसईएजीपी) (4.17 प्रतिशत)

गेल की अखिल भारतीय उपस्थिति

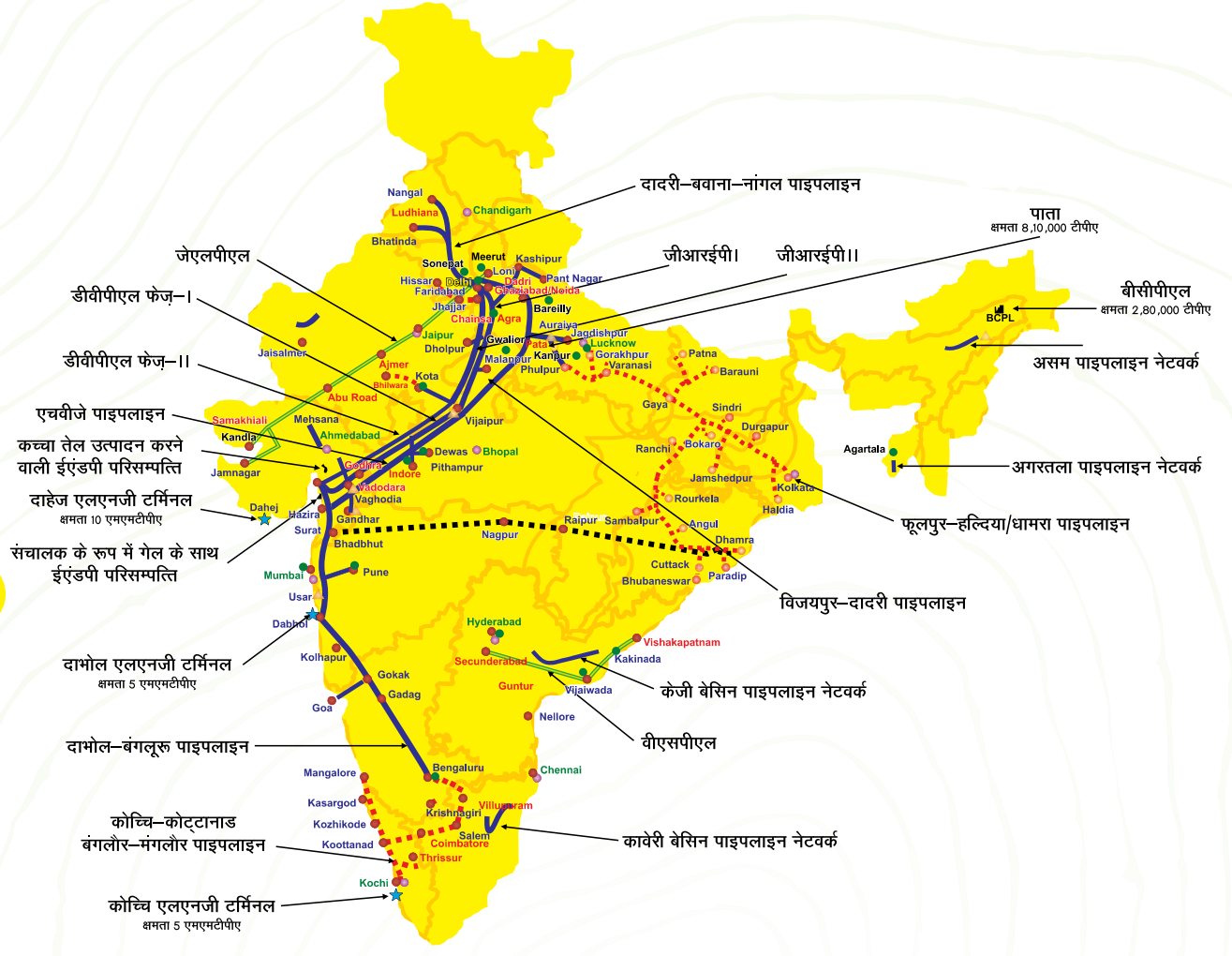

मौजूदा पाइपलाइने
निष्पादनाधीन पाइपलाइने
एलपीजी पाइपलाइन
प्राधिकृत पाइपलाइन

पाता संयंत्र
ज़ोनल कार्यालय
एलपीजी संयंत्र
शाखा कार्यालय
एलएनजी टर्मिनल
संचलनाधीन
शहर गैस वितरण
सहायक कंपनी और संयुक्त उद्यम के माध्यम से

*मानचित्र माप आधारित नहीं

यूएस, सिंगापुर, म्यांमार एवं चाइना में विदेशी उपस्थिति

कॉर्पोरेट अभिशासन और जोखिम प्रबंधन

कुल वार्षिक क्षतिपूर्ति का अनुपात

₹ ₹

2.2 : 1

गेल उपभोक्ता सेवा 24×7 गेल वेबपेज के माध्यम से ऑनलाइन

कॉर्पोरेट अभिशासन गेल में हमारे कार्य करने के तौर–तरीकों का आधारभूत घटक है। यह कंपनी की संस्कृति और प्रक्रियाओं का सिद्धांत है। गेल की अभिशासन संरचना सुशासन सिद्धान्तों जैसे हमारे प्रचालनों मे जवाबदेही, पारदर्शिता, ईमानदारी तथा सत्यनिष्ठा के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। एक प्रभावशाली अभिशासन संरचना कंपनी को एकतरफा निर्णयों को सहन करने का लचीलापन प्रदान करती है, जो कंपनी की प्रतिष्ठा और सत्यनिष्ठा को प्रभावित करते हुए इसे नुकसान पहुंचा सकते हैं। ऐसे जोखिमों को एक ऐसी प्रभावी और पारदर्शी कॉर्पोरेट अभिशासन संरचना से कम किया जा सकता है, जो संगठन और इसके शेयरधारकों के लिए मूल्य सृजित करती है।

गेल में बेहतर सुशासन, प्रक्रियाओं को बनाए रखने के लिए हम श्रेष्ठतम प्रौद्योगिकी का प्रयोग करते हैं तथा हम प्राकृतिक गैस मूल्य श्रृंखला में सभी पहलुओं जैसे प्रचालनात्मक सुरक्षा, कर्मचारियों का स्वास्थ्य, शेयरधारकों के लिए वांछित प्रतिलाभ और स्वास्थ्यकर पर्यावरण पर बल देते हैं।

गेल में सुशासन को कार्यनीति लागू करके तथा निदेशक मंडल की निगरानी के माध्यम से सुनिश्चित किया जाता है। गेल की एक बेहतर अभिशासन संरचना है जिसमें पारदर्शी नीतियों का निर्धारण कर उन्हें कार्यान्वित किया जाता है, आंतरिक नियंत्रण के लिए प्रणालियों और प्रक्रियाओं की स्थापना किए जाने के साथ ही जोखिम प्रबंधन ढांचे को सुदृढ़ किया जाता है और इस प्रकार सभी लागू कानूनों, नियमों और विनियमों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाता है। जी4–42, जी4–43

हमारी अभिशासन संरचना जी4–34, जी4–35, जी4–36, जी4–39, जी4–40, जी4–44

केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम होने के कारण गेल के सभी निदेशकों की नियुक्ति/नामांकन पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के माध्यम से भारत के राष्ट्रपति द्वारा किया जाता है। इसके निदेशक मंडल में कार्यकारी और गैर–कार्यकारी निदेशक होते हैं जो गेल को कार्यनीतिक निदेश देते हैं। इसके अतिरिक्त निदेशक मंडल ने सांविधिक विनियमों और दिशा–निर्देशों के तहत तथा कारगर एवं बेहतर नीति–निर्माण प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए यथा–अपेक्षित विभिन्न उप–समितियां भी गठित की हैं। गेल के निदेशक मण्डल ने अन्य बातों के साथ–साथ सतत् विकास योजना बनाने तथा इसके निष्पादन की निगरानी करने और एचएसई कार्य–निष्पादन एवं आपातकालीन तैयारी की समीक्षा करने के लिए सतत् विकास समिति गठित की हैं।

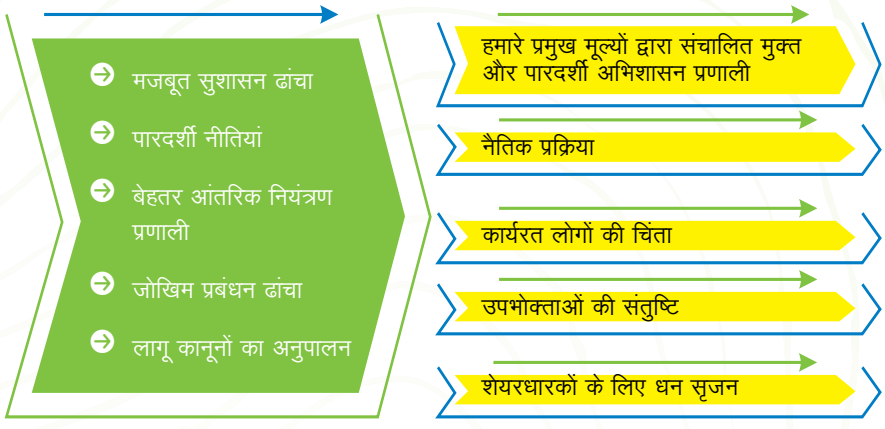

निदेशक मंडल ने अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक तथा कार्यकारी निदेशकों को शक्तियों का हस्तांतरण करने के लिए इनके हस्तांतरण को अनुमोदित कर दिया है। अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक को संस्था के अंतर्नियमों से बोर्ड स्तर से निचले स्तर के कार्यकारी को प्रतिनिधि बनाने की शक्ति प्रदान की गई है। नैतिक कारोबार आचरण को सुनिश्चित करने के लिए बोर्ड के सदस्यों और वरिष्ठ प्रबंधन कार्मिकों के लिए आचार संहिता तैयार की गई है। इसके अलावा, हमने संगठन के आंतरिक नियंत्रण के उपयुक्त प्रचालन के लिए प्रणाली तथा प्रक्रिया–विधि भी तैयार की है और इन्हें कार्यान्वित किया है। गेल अपने कॉर्पोरेट अभिशासन के संबंध में सेबी (बाध्यता सूचीबद्धता और प्रकटीकरण अपेक्षाएं) विनियम, 2015 और लोक उद्यम विभाग के दिशा–निर्देशों का अनुपालन करता है जो स्वतंत्र निदेशकों की आवश्यकता के संबंध में निदेशक मंडल के गठन, लेखा–परीक्षा समिति के गठन तथा नामांकन और पारिश्रमिक समिति के गठन पर एवं इसके परिणामी प्रभाव को छोड़कर लागू हैं। कंपनी, कंपनी अधिनियम, 2013 के अनुसार महिला निदेशकों की नियुक्ति सहित भारत सरकार के साथ यथा–अपेक्षित संख्या में स्वतंत्र निदेशकों की नियुक्ति करने का सतत् प्रयास कर रही है। भारत सरकार अपेक्षित संख्या में स्वतंत्र निदेशकों का चयन करने की कार्यवाही कर रही है। बोर्ड संघटन और इसकी समितियों का अधिक ब्यौरा वित्त वर्ष 2015–16 की वार्षिक रिपोर्ट में दिया गया है।

पारिश्रमिक और प्रोत्साहन

जी4.51, जी4.52, जी4.53, जी4.54, जी4.55

गेल प्रत्येक वर्ष पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के साथ समझौता–ज्ञापन सम्पन्न करती है। इस समझौता–ज्ञापन में भौतिक, वित्तीय, सामाजिक और पर्यावरण पैरामीटर सहित विभिन्न पैरामीटरों के लक्ष्यों को निर्धारित किया जाता है। कम्पनी के कार्य–निष्पादन का मूल्यांकन इनमें से प्रत्येक पैरामीटर के लिए निर्धारित किए गए लक्ष्यों के संदर्भ में किया जाता है और समग्र स्कोर निर्धारित किया जाता है। यह समग्र स्कोर समझौता–ज्ञापन की रेटिंग को निर्धारित करने वाला मुख्य कारक है जिसके आधार पर कार्य–निष्पादन सम्बद्ध वेतन के रूप में उस वर्ष के वेतन की सीमा निर्धारित की जाती है। निदेशकों के पारिश्रमिक का निर्धारण पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय करता है।

सभी कर्मचारियों को प्रदान किए गए कुल वार्षिक पारिश्रमिक के (वैयक्तिक कर्मचारी को प्रदान किए गए सर्वाधिक को छोड़कर) माध्य के संदर्भ में संगठन की ओर से प्रदान किए गए सर्वाधिक वार्षिक वैयक्तिक पारिश्रमिक का अनुपात 2.2:1 है। सभी कर्मचारियों (वैयक्तिक कर्मचारी को प्रदान किए गए सर्वाधिक को छोड़कर) को प्रदान किए गए वार्षिक पारिश्रमिक में इसकी माध्य प्रतिशत वृद्धि (वित्त वर्ष 14–15 से वित्त वर्ष 15–16 में) 7.83 प्रतिशत है। संगठन की ओर से प्रदान किए गए सर्वाधिक वार्षिक वैयक्तिक पारिश्रमिक में (वित्त वर्ष 14–15 से वित्त वर्ष 15–16 में) 20.25 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

हितों में टकराव जी4–41

सार्वजनिक संस्थाओं में बेहतर अभिशासन और इनमें जनता का विश्वास बनाए रखने के लिए हितों में टकराव उत्पन्न करने वाली किसी परिस्थिति का अभिनिर्धारण, संकल्प और उससे बचने का प्रयास करना अत्यधिक महत्वपूर्ण है।

गेल में बोर्ड स्तर पर हितों के टकराव की स्थिति से निम्नलिखित ग्राफिक में दिए गए तरीके से बचा जाता है तथा इनका प्रबंधन किया जाता है। इसके अतिरिक्त सेबी (एलओडीआर) विनियम, 2015 के अनुसार यथा–अधिदेशित सम्बद्ध पक्ष के संव्यवहार के बारे में कार्यवाही करने के लिए एक नीति बनाई गई है जो कम्पनी की वेबसाइट (http://www.gailonline.com/final_site/policy-1.html) पर भी उपलब्ध कराई गई है।

- प्रत्येक निदेशक लिखित रूप मे नोटिस दे कर किसी कम्पनी अथवा कम्पनियों अथवा निकायों, कॉर्पोरेट, फर्मों अथवा अन्य वैयक्तिक संघों में अपने हित का प्रकटन करते हैं और इसे बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत किया जाता है।
- यदि कोई निदेशक किसी विशेष कार्यसूची/मामले में प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से रुचि रखता है तो वह इस प्रकार की कार्यसूची मद पर विचार–विमर्श से स्वयं को अलग रखता है।
- किसी पक्ष से संबंधित इस प्रकार की जानकारी यथा–लागू लेखांकन मानकों और कम्पनी अधिनियम, 2013 तथा इसके तहत बनाए गए नियमों के अनुसार प्रदान की जाती है। कम्पनी अधिनियम, 2013 की आवश्यकता के अनुसार और लेखा परीक्षा समिति और/अथवा शेयरधारकों के सूचीबद्ध करार के खंड 49 में यथा–अपेक्षित अनुमोदन सम्बद्ध पक्ष के संव्यवहार के लिए प्राप्त किया जाता है।

सतत् विकास अभिशासन

जी4–42, जी4–43, जी4–48

गेल का ऊपर से नीचे तक सतत् विकास अभिशासन विभिन्न महत्वपूर्ण कार्यों तक विस्तारित है। सतत् विकास समिति की अध्यक्षता एक स्वतंत्र निदेशक द्वारा की जाती है और सभी कार्यात्मक निदेशक इस समिति के सदस्य हैं। यह समिति गेल में सतत् विकास कार्यक्रम को बढ़ावा देने में सक्रिय रही है जिसमें गेल के सभी प्रचालनों में सतत् विकास पैरामीटरों का कार्यान्वयन करना तथा उनकी निगरानी करना शामिल है।

गेल बोर्ड द्वारा वित्त वर्ष 2014–15 के लिए गेल की सतत् विकास रिपोर्ट का विमोचन

सतत् विकास समिति (एसडीसी)

रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान समिति की तीन बैठकें हुई और उनमें कुछ महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। सतत् विकास समिति औपचारिक तौर पर संगठन की सतत् विकास रिपोर्ट की समीक्षा करती है और इसका अनुमोदन करती है।

इस प्रकार की बोर्ड स्तरीय समिति के अतिरिक्त गेल ने एक सतत् विकास संचालन समिति भी गठित की है जिसके अध्यक्ष निदेशक (मानव संसाधन) है तथा विभागाध्यक्ष स्तर पर सभी पहलुओं को इसमें शामिल किया गया है।

एसडीसी

विभागाध्यक्ष के अतिरिक्त विभिन्न कार्य–स्थलों पर बहु–विषयक समिति भी गठित की गई है, जिसमें कार्य–स्थल समन्वयक और पहलू स्वामी सहित वरिष्ठ कार्यपालक शामिल होते हैं, जो विश्वसनीयता और प्रामाणिकता बढ़ाने के लिए सतत् विकास आंकड़ों का सत्यापन करती है।

विभिन्न समितियों के सदस्य अपने संबधित कार्यों के लिए प्रशिक्षण प्राप्त करते हैं और यह सुनिश्चित किया जाता है कि उन्हें सतत् विकास के क्षेत्र में विभिन्न घटनाक्रमों की नियमित जानकारी दी जाए। कॉर्पोरेट सतत् विकास दल भी कॉर्पोरेट योजना विभाग का एक भाग है ताकि सतत् विकास को कॉर्पोरेट की कार्यनीति में शामिल किया जा सके।

सतत् विकास संचालन समिति

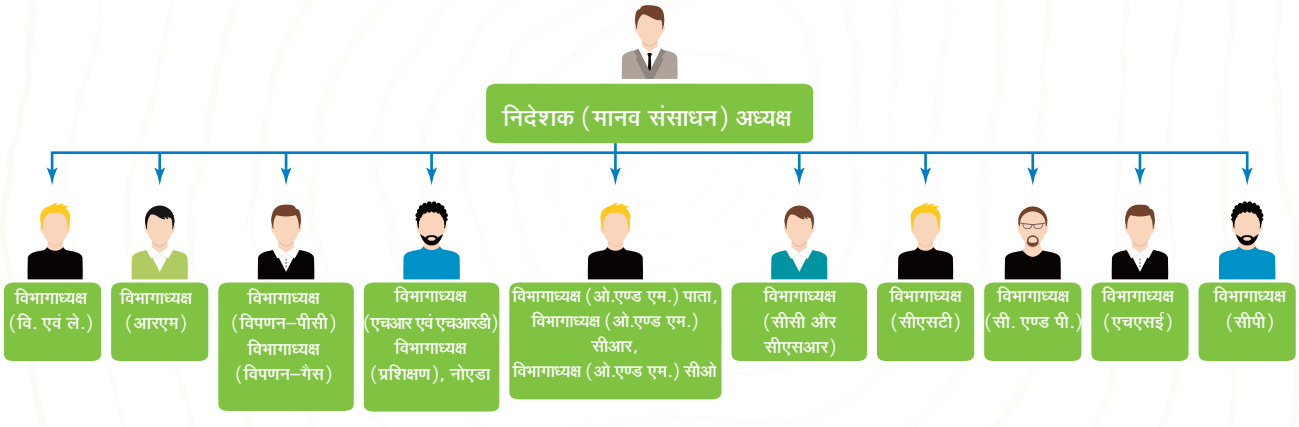

जोखिम प्रबंधन जी4–डीएमए, जी4–2, जी4–14, जी4–45, जी4–46, जी4–47

जोखिम प्रबंधन किसी कॉर्पोरेट के अभिशासन का अत्यधिक महत्वपूर्ण पहलू है। इनमें सर्वाधिक महत्वपूर्ण कॉर्पोरेट अभिशासन का आर्थिक सहयोग और विकास (ओईसीडी) सिद्धान्त और सेबी एलओडीआर विनियम, 2015 है, जो जोखिम प्रबंधन को कॉर्पोरेट अभिशासन के साथ समेकित करता है। कंपनी अधिनियम 2013 के अनुसार निदेशक बोर्ड के लिए एक जोखिम प्रबंधन नीति विकसित करना और उसका कार्यान्वयन करना तथा उन जोखिमों को अभिनिर्धारित करना आवश्यक है, जिनसे कंपनी के अस्तित्व को खतरा पैदा हो सकता है। गेल के जाखिम प्रबंधन ढांचे को हर वर्ष प्रचालन और हितों के विस्तार से उभरने वाले नए जोखिमों के लिए निरंतर अद्यतन किया जाता है।

जोखिमों की वार्षिक समीक्षा

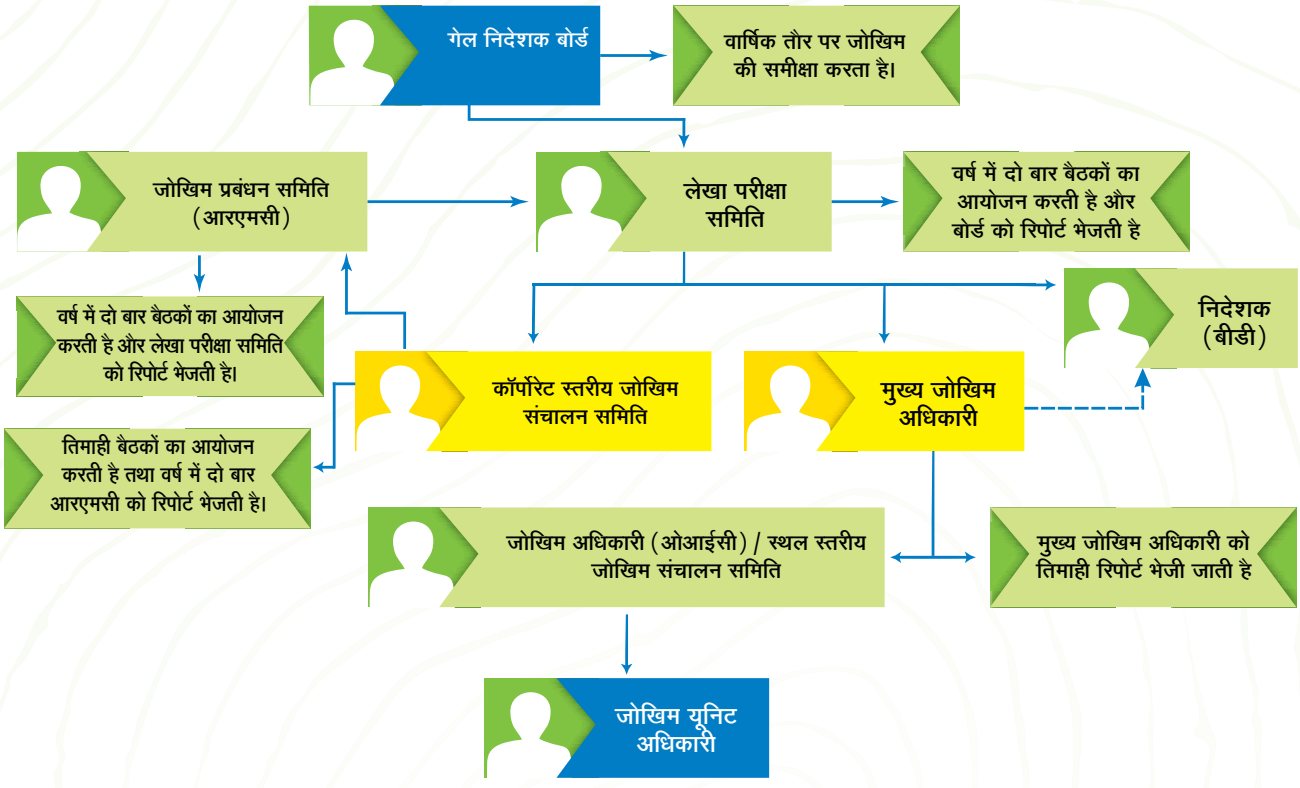

जोखिम प्रबंधन ढांचा	
क्षेत्र	**सभी परिसम्पत्तियां, संयंत्र और कार्यालय**
प्रबंधन उत्तरदायित्व	➔ मुख्य जोखिम अधिकारी और जोखिम प्रबंधन समिति (आरएमसी) द्वारा लघु–मध्यम अवधि जोखिम समीक्षा। ➔ जोखिम प्रबंधन (आरएम) विभाग कार्यकारी निदेशकों की कॉर्पोरेट स्तरीय समिति, कार्यात्मक निदेशकों की आरएमसी, लेखा परीक्षा समिति तथा निदेशक बोर्ड को सूचित करता है, जो नीतियों और प्रक्रियाओं की आवधिक तौर पर समीक्षा भी करते हैं। ➔ आरएम नीति के कार्यान्वयन और प्रक्रिया–विधियों की निगरानी कॉर्पोरेट स्तरीय जोखिम संचालन समिति द्वारा की जाती है तथा स्थलों और यूनिटों हेतु तिमाही समीक्षा की जाती है। आरएमसी द्वारा छमाही तौर पर तथा लेखा–परीक्षा समिति द्वारा वार्षिक तौर पर इसकी समीक्षा की जाती है। ➔ यूनिट स्तरीय संचालन समिति सामाजिक और पर्यावरणीय जोखिमों सहित तिमाही आधार पर उपशमन उपायों का मापन, निगरानी और ऐसे उपायों का निर्धारण करती है। ➔ विशिष्ट समूहों से सम्बद्ध जोखिमों का प्रबंधन संबंधित विभाग द्वारा किया जाता है और इसके बारे में प्रबंधन को अद्यतन जानकारी प्रदान की जाती है।

जोखिम प्रबंधन नीति के लक्ष्य और प्रक्रिया विधि	➔ जोखिम आसूचना संरचना, स्वत्व की स्थापना करना और कारोबार में अंतःस्थापित जोखिम प्रबंधन को शामिल करना। ➔ अनिश्चितताओं का ध्यान रखने और समाधान ढूंढने के लिए निर्णय करने वाले लोगों को सहायता प्रदान करना। ➔ मौजूदा और संभावित जोखिम खतरों का गुणात्मक और गुणवत्तापरक विश्लेषण करना, मूल्यांकन करना और प्रबंध करना। ➔ प्रासंगिक विधिक और विनियामक अपेक्षाओं तथा अंतर्राष्ट्रीय मानदंडों का अनुपालन करना। ➔ लक्ष्यों की उपलब्धि को दर्शाना और वित्तीय स्थिरता में सुधार करना।
शीर्ष कॉर्पोरेट व्यवसाय जोखिम	➔ अभिनिर्धारित शीर्ष व्यवसायी जोखिमों में अल्प–वसूलियों को साझा करना, विनियामक अनुपालन और रिपोर्टिंग, प्राकृतिक गैस मूल्य निर्धारण, पॉलीमर, एलपीजी और अन्य एलएचसी के मूल्यों में भिन्नता, विदेशी विनिमय में उतार–चढ़ाव तथा प्राकृतिक और मानव निर्मित आपदा जोखिम हैं।
कॉर्पोरेट स्तरीय जोखिम संचालन समिति में अभिनिर्धारित और विचार किए गए जोखिम	➔ एलएनजी आयात करने संबंधी दीर्घकालिक कारोबारी निर्णय के लिए आपूर्ति श्रंखला प्रबंधन सहायता प्रदान करने हेतु महत्वपूर्ण अवसंरचना का विकास न किए जाने से सम्बद्ध जोखिम। ➔ पाइपलाइन के जरण और अरक्षितता से सम्बद्ध जोखिम। ➔ पेट्रोरसायन विस्तार के बाद पैदा होने वाले प्रचालनात्मक जोखिम। ➔ गेल के आने वाले व्यवसाय पोर्टफोलियोज के साथ एचआर की असहक्रियाशीलता से सम्बद्ध जोखिम। ➔ पाइपलाइन में तृतीय पक्ष द्वारा किए जाने वाले नुकसान से उभरने वाले जोखिम।
जोखिम अरक्षितता को कम करने के लिए किए गए उपाय	➔ जोखिमों का समाधान करने के लिए विशेषज्ञ कॉर्पोरेट स्तरीय जोखिम संचालन समिति। ➔ जोखिम प्रबंधन नीति। ➔ गेल में सभी स्तरों पर संस्थान संबंधी जोखिम प्रबंधन व्यावसायियों की यूनिटों में जोखिम अधिकारी।

कई सामाजिक, पर्यावरणीय और आर्थिक जोखिमों के लिए दीर्घकालिक पूर्व तैयारी की जाती है और उन्हें वित्तीय वर्षों के अर्थों तक सीमित करना मुश्किल है। गेल हमारे संचालनों का पर्यावरणीय प्रभाव महसूस करती है और इस प्रभाव को कम करने या खत्म करने के लिए सतत् प्रयास किए जाते हैं। हम यह सुनिश्चित करने के लिए सभी संभावित एहतियाती उपाय करते हैं कि हमारे प्रचालन अनुमत्य सीमाओं के भीतर हों तथा समुदाय और समाज पर कम से कम प्रभाव पड़े। जी4–ईसी2

आंतरिक नियंत्रण प्रणाली और उनकी पर्याप्तता

गेल में एक सुस्थापित और प्रभावी आंतरिक नियंत्रण प्रणाली तथा प्रक्रिया–विधियां हैं। हमने अपने व्यवसाय के प्रभावी और सुव्यवस्थित प्रचालन को सुनिश्चित करने के लिए कारोबार यूनिटों और सेवा संस्थाओं हेतु संगठनात्मक संरचना, नियमावलियों और संचालन प्रक्रिया–विधियों को परिभाषित किया है। गेल की आंतरिक नियंत्रण प्रणाली (वित्तीय ब्यौरों के संबंध में आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों सहित) द्वारा कार्यक्षमता, विश्वसनीयता, लेखांकन अभिलेखों की पूर्णता और वित्तीय तथा प्रबंधन सूचनाओं को समय पर तैयार करना सुनिश्चित किया जाता है। इसके अतिरिक्त, यह सभी लागू कानूनों और विनियमों की अनुपालना, कंपनी की परिसम्पत्तियों का इष्टतम उपयोग और संरक्षण भी सुनिश्चित करती है।

गेल में आंतरिक लेखा–परीक्षा विभाग है, जिसमें लेखांकन, इंजीनियरिंग और आईटी क्षेत्र के व्यावसायिक तौर पर अर्हता प्राप्त व्यक्ति शामिल होते हैं। आंतरिक लेखा–परीक्षा विभाग कार्यात्मक तौर पर लेखा–परीक्षा समिति तथा प्रशासनिक तौर पर अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक को रिपोर्ट करता है। इस रिपोर्टिंग को वैश्विक स्तर पर श्रेष्ठ प्रक्रिया माना जाता है। आंतरिक लेखा–परीक्षा कार्य में कारोबारी प्रक्रियाओं की समीक्षा की जाती है तथा जोखिम केन्द्रित लेखा–परीक्षाओं के माध्यम से इनका नियंत्रण किया जाता है। बोर्ड की लेखा–परीक्षा समिति नियमित तौर पर आंतरिक लेखा–परीक्षा विभाग के महत्वपूर्ण निष्कर्षों की समीक्षा करती है।

आंतरिक वित्तीय नियंत्रण सतत् सुधार के लिए प्रभावशीलता का अभिनिर्धारण और मूल्यांकन करने तथा कार्य–निष्पादन की निगरानी करने की एक सतत् प्रक्रिया है। हमारी कंपनी ने अपनी विभिन्न व्यवसाय प्रक्रियाओं/खंडों में व्यवसाय के आकार और स्वरूप के अनुरूप आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली विकसित की है ताकि इसके व्यवसाय के प्रभावी प्रचालनों, इसकी परिसम्पत्तियों की सुरक्षा, धोखेबाजी की रोकथाम

और पहचान तथा लेखांकन अभिलेखों की त्रुटि, सटीकता और पूर्णता तथा विश्वसनीय वित्तीय सूचना को समय पर तैयार किया जाना सुनिश्चित किया जा सके। हम प्रचालन कार्यकलापों सहित आंतरिक नियंत्रणों की स्थिति और प्रभावशीलता की पुनः पुष्टि तथा सुधार के लिए मौजूदा ढांचे को अद्यतन बनाने के लिए बाह्य परामर्शदाताओं के माध्यम से एक प्रक्रिया प्रारंभ कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त, गेल ने एक पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली भी स्थापित की है तथा यह प्रभावशाली ढंग से कार्य कर रही है।

नैतिक मूल्य और सत्यनिष्ठा जी4–56, जी4–57, जी4–58

गेल ने एक न्यायोचित प्रकटीकरण और आचरण संहिता – अप्रकाशित मूल्य संवेदी सूचना के न्यायोचित प्रकटीकरण हेतु प्रथाएं और प्रक्रिया–विधियां तथा आंतरिक लोगों द्वारा किए जाने वाले अनाधिकृत व्यापार को विनियमित करने, निगरानी करने और सूचना प्रदान करने संबंधी आचरण संहिता–सेबी (अनाधिकृत व्यापार पर रोक) विनियम, 2015 के अनुरूप व्यापार संहिता तैयार की है। सेबी एलओडीआर विनियम, 2015 के अनुरूप बोर्ड सदस्यों तथा वरिष्ठ प्रबंधन कर्मियों के लिए भी एक आचरण संहिता तैयार की गई है। लेखा–परीक्षा समिति सेबी एलओडीआर, 2015 तथा कंपनी अधिनियम, 2013 में उल्लिखित अपेक्षाओं के अनुरूप तिमाही आधार पर कंपनी द्वारा की गई प्रविष्टियों के संबंधित पक्ष लेन–देन (आरपीटी) ब्यौरे की समीक्षा करती है। आरपीटी पर लेखा–परीक्षा समिति और/अथवा बोर्ड और/अथवा शेयरधारकों का यथा अपेक्षित अनुमोदन लिया जाता है।

निवेशकों को सुविचारित निवेश निर्णय लेने की सुविधा प्रदान करने तथा सतत् आधार पर समयबद्ध, पर्याप्त और सटीक प्रकटीकरण के लिए गेल में भौतिकत्व और प्रकटीकरण निर्धारण नीति को अपनाया है। सूचनाओं और घटनाओं के भौतिकत्व निर्धारण के लिए निर्धारक मानदंड सेबी एलओडीआर विनियम, 2015 के विनियम 30 के अनुसार है। अपने संबंधित पक्षकारों के साथ लेन–देन विनियमित करने के लिए गेल संबंधित पक्ष लेन–देन नीति का अनुपालन करता है, जो सेबी एलओडीआर विनियम, 2015 के विनियम 23 और कंपनी अधिनियम, 2013 के अनुरूप तैयार की गई है।

गेल की पत्रिका 'जागरूक' – गेल प्रबंधन द्वारा वार्षिक सतर्कता प्रकाशन का विमोचन

भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी पर रोक जी4–डीएमए, जी4–एसओ3, जी4–एसओ4, जी4–एसओ5

गेल अपने कारोबार के दौरान कदाचार और भ्रष्टाचार जैसी घटनाओं पर रोक लगाने तथा इनका सामना करने के लिए एक सतर्कता प्रणाली का सक्रिय तौर पर विकास कर रहा है। कंपनी की प्रणालियों और प्रक्रियाओं में पारदर्शिता लाने के लिए विक्रेताओं और आपूर्तिकर्ताओं के हितार्थ बिल निगरानी प्रणाली, ई–टेंडरिंग, ई–भुगतान इत्यादि का पहले ही कार्यान्वयन किया गया है। रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान अपने संसाधनों का बेहतर प्रयोग करने के लिए कई प्रणालीगत सुधारों का कार्यान्वयन किया गया है – जिससे भ्रष्टाचार पर रोक लगाने और हर तरह से सुशासन स्थापित करने में सहायता मिलेगी। इनमें से कुछ सुधार इस प्रकार हैं :

- बिल भुगतान के दौरान वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा परीक्षण जांच मापन।
- मूल्य निर्धारण प्रक्रिया में सुधार हेतु मूल्य निर्धारण समीक्षा समिति का गठन।
- आपूर्तिकर्ता संबंध प्रबंधन (एसआरएम) ई–टेंडरिंग प्रणाली में सेवा अपेक्षाओं हेतु ऑनलाइन मूल्य निविदा का विस्तार करना।

सतर्कता विभाग इस संबंध में मुख्य सतर्कता आयोग के दिशा–निर्देशों तथा संबंधित परिपत्रों के आधार पर रिश्वतखोरी और भ्रष्टाचार से संबंधित मुद्दों का समाधान कर रहा है। इन दिशा–निर्देश और परिपत्रों को गेल के पूर्णतः स्वामित्व वाली सहायक कम्पनियों तथा गेल की 50 प्रतिशत से अधिक इक्विटी वाले संयुक्त उद्यमों में भी लागू किया गया है। आचरण संहिता, सीडीए नियम/स्थायी आदेश, धोखाधड़ी निवारक नीति और व्हिसल ब्लोअर नीति संबंधित स्वायत्त संस्थाओं, विनियामक प्राधिकरणों इत्यादि सहित संयुक्त उद्यम कम्पनियों, सहायक कम्पनियों, सरकारी निकायों में सहमति से भेजे गए/प्रतिनियुक्ति पर गए कर्मचारियों के साथ–साथ गेल के सभी कर्मचारियों पर लागू है। इसके अतिरिक्त ''सत्यनिष्ठा समझौते'' और ''धोखाधड़ी निवारक नीति'' को आपूर्तिकर्ताओं, संविदाकारों इत्यादि पर भी लागू किया गया है।

कॉर्पोरेट कार्यालय और सभी कार्य स्थलों पर प्रत्येक वर्ष सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया जाता है। गेल के कर्मचारियों और संबंधित कार्यबल में जागरूकता पैदा के लिए इस सप्ताह के दौरान निबंध लेखन, स्लोगन लेखन, पोस्टर पेंटिंग, ऑनलाइन क्विज और वाद–विवाद का आयोजन किया जाता है। अन्य स्पर्धाओं में बैनर्स/पोस्टर्स/पेंटिंग प्रदर्शनी, जुलूस और रैली का आयोजन किया जाता है, यह आयोजन सीवीसी से प्राप्त दिशा–निर्देशों के अनुसार विभिन्न कार्य

स्थलों पर गैर–सरकारी संगठनों के साथ मिलकर किया जाता है। 'जागरूक' नामक एक पत्रिका का भी प्रकाशन किया जाता है जिसमें सीवीसी परिपत्र, लेख और सतर्कता संबंधी मामलों के अध्ययन का प्रकाशन किया जाता है तथा इसे गेल के इंट्रानेट पर भी डाला जाता है।

सतर्कता प्रणाली और प्रक्रिया–विधियों को और बेहतर बनाने के लिए पूर्व में उल्लिखित व्हिसल ब्लोअर नीति, धोखाधड़ी निवारक नीति और सत्यनिष्ठा समझौते सहित ऑनलाइन शिकायत निगरानी प्रणाली, जिसे सभी कारोबारी क्षेत्रों के लिए भ्रष्टाचार संबंधी मुद्दों को अपलोड करने के लिए विकसित किया गया है, के साथ ही इस संबंध में विभिन्न अन्य पहलें की गई हैं। रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान विभिन्न कार्यों के सीटीई प्रकार के कुल 147 निरीक्षण भी किए गए, जिनका प्रयोजन कारोबारी इकाइयों की भ्रष्टाचार संबंधी असुरक्षा का मूल्यांकन करना था।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान, 104 शिकायतें प्राप्त हुईं जिनमें से 79 (अर्थात् 75.96 प्रतिशत) का समाधान कर दिया गया है। जी4–एसओ5

शिकायत निवारण तंत्र

जी4–डीएमए, जी4–37, जी4–49, जी4–50

गेल कॉर्पोरेट अभिशासन और नीति के सर्वोच्च मूल्यों को बनाए रखते हुए पारदर्शी तरीके से अपने शेयरधारकों को उनकी संतुष्टि के अनुरूप सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। तथापि, यदि शेयरधारक को किसी अभूतपूर्व चिंता के विषय का पता चलता है तो उन्हें इनकी सूचना देने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। इसके अतिरिक्त, इस प्रकार की शिकायत को ऑनलाइन दर्ज कराने का विकल्प हमारी वेबसाइट (http://www.gailonline.com/final_site/online_complaints.html) पर उपलब्ध है। सतर्कता संबंधी शिकायतों अर्थात् भ्रष्टाचार, धोखाधड़ी, छल, दुर्विनियोजन, पक्षपात, जानबूझकर असावधानी बरतने, नीति–निर्माण में लापरवाही, प्रणाली और प्रक्रिया–विधियों का खुला उल्लंघन, हस्तांतरित शक्तियों का प्रयोग करने में अनियमितता से संबंधित शिकायतों को दर्ज भी कराया जा सकता है।

कर्मचारियों के लिए गेल ने एक ऑनलाइन शिकायत निवारण प्रणाली स्थापित की है और कॉर्पोरेट मानव संसाधन इसकी निगरानी करते हैं। पीड़ित कर्मचारी इस प्रणाली में अपनी शिकायत दर्ज कराता/कराती है और संबंधित मानव संसाधन प्रभारी को उस शिकायत का समाधान यथा–निर्धारित समय–अवधि में करना होता है। इस प्रणाली में ऑटो–एस्कलेशन विशेषता है और किसी शिकायत का यथा–निर्धारित अवधि में समाधान न किए जाने की स्थिति में वह शिकायत मानव संसाधन प्रभारी से महाप्रबंधक (मानव संसाधन), कॉर्पोरेट कार्यालय और अंततः निदेशक (मानव संसाधन) को चली जाती है। इसके अतिरिक्त, इस प्रणाली में पीड़ित व्यक्ति के प्राप्त उत्तर से संतुष्ट न होने की स्थिति में अगले स्तर पर अपील करने का भी प्रावधान किया गया है। उत्पाद की गुणवत्ता के संबंध में ग्राहक तकनीकी अथवा वाणिज्यिक स्वरूप की शिकायत दर्ज करा सकते हैं। गेल के उपभोक्ता गेल के वेब पेज के माध्यम से 24×7 ऑनलाइन सेवा अनुरोध/शिकायत/मांग दर्ज करा सकते हैं। गेल में विभिन्न कार्य स्थलों पर प्राप्त सभी लिखित शिकायतों को केन्द्रीयकृत मॉनीटरिंग और समाधान के लिए अपलोड करने की प्रणाली भी है।

इसके अतिरिक्त, गेल ने केन्द्रीय सार्वजनिक शिकायत निवारण और निगरानी प्रणाली (सीपीजीआरएएमएस) पोर्टल भी शुरू किया है जो भारत सरकार (प्रशासनिक सुधार और जन शिकायत विभाग) का पोर्टल है। इससे नागरिक अपनी शिकायत/परिवाद को ऑनलाइन दर्ज कराने में सक्षम हुए हैं। गेल से संबंधित शिकायतें पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के माध्यम से ऑनलाइन प्राप्त की जाती हैं। किसी शिकायत का प्रत्युत्तर दिए जाने/समाधान किए जाने के बाद उसे पोर्टल में रखा जाता है। वर्ष 2015–16 के दौरान इस पोर्टल के माध्यम से प्राप्त की गई, निपटाई गई और प्रत्युत्तरित शिकायतों को नीचे वर्गीकृत किया गया है जी4–ईएन34, जी4–एलए1जी, जी4–एचआर12, जी4–एसओ11

	पर्यावरण से संबंधित शिकायतें	श्रम प्रक्रियाओं से संबंधित शिकायतें	मानव अधिकार से संबंधित शिकायतें	समाज से संबंधित शिकायतें	कुल
प्राप्त शिकायतें	3	2	35	189	229
निपटाई गई शिकायतें	3	2	34	184	223
जांच के अधीन शिकायतें	0	0	1	5	6
संचयी लंबित शिकायतें	0	0	1	5	6

इसके अतिरिक्त, गेल ने एक ऐसी शिकायत निवारण प्रणाली की भी व्यवस्था की है जिसमें विभिन्न कार्य केन्द्रों पर लिखित शिकायत प्राप्त की जाती है और उसे केन्द्रीय निगरानी और निपटान के लिए प्रणाली में अपलोड किया जाता है।

सतत् विकास कार्यनीति जी4–डीएमए, जी4–ईएन5, जी4–ईएन18

सतत् विकास महत्वाकांक्षा 2020

सतत् विकास कार्यनीति जी4–डीएमए, जी4–ईएन5, जी4–ईएन18

ऊर्जा आर्थिक विकास की प्रेरक मानी जाती है। देश की विकसित हो रही अर्थव्यवस्था और 1.26 बिलियन जनसंख्या की बेहतर जीवन गुणवत्ता की आकांक्षा को ध्यान में रखते हुए भारत की ऊर्जा मांग अपरिहार्य है। गेल की वर्ष 2011–2020 तक की अवधि के लिए कार्यनीति कंपनी के विकास को दिशा देने, लचीलापन बनाने और मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए तैयार की गई है। उच्च स्तरीय प्रबंधन व्यवस्था इन कार्यनीतिक उद्देश्यों को हासिल करने तथा वर्ष 2020 तक महत्वपूर्ण अपस्ट्रीम, मिडस्ट्रीम और डाऊनस्ट्रीम हितों के साथ एकीकृत प्रमुख हाइड्रोकार्बन कंपनी बनाने के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। हमारे कार्यनीति निवेशों का अधिक ब्यौरा नए पारितंत्र के अनुकूल बनाना : लाभकारिता के लिए नवाचार खंड में दिया गया है।

हमारी कार्यनीति

गेल, सबसे युवा सार्वजनिक क्षेत्र का महारत्न उपक्रम के तौर पर, एक ऐसे बेहतर कल का निर्माण करने के लिए प्रतिबद्ध है जो हमारे स्वच्छ ऊर्जा कारोबार से कही अधिक हो। हम पर्यावरण तथा समाज पर अपने प्रचालनों के प्रभाव को कम करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। इसमें स्वच्छ ऊर्जा जैसे पवन और सौर ऊर्जा में निवेश करने तथा रणनीतिक पहल किया जाना शामिल है।

गेल तथा भारत में प्राकृतिक गैस आधारित ईंधन प्रकोष्ठ के लिए ब्लूम एनर्जी के बीच समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर

आर्थिक, पर्यावरणीय और समाजिक चिंताओं को हमारे कारोबार के केन्द्र में समेकित करने की अपनी प्रतिबद्धता द्वारा गेल स्वयं के लिए सतत् विकास मार्ग सुनिश्चित करने का प्रयास करता है। गेल सतत् विकास महत्वाकांक्षा 2020 के तहत निर्धारित किए गए यथा स्वैच्छिक लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए निरंतर कार्यशील है। थोड़ी अवधि में ही हमारी सतत् विकास यात्रा ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई है। हम अपनी पहलों को प्रदान की गई मान्यता को स्वीकार करते हैं और हमारी सतत् विकास महत्वाकांक्षाओं को मूर्त रूप देने के लिए कठिन परिश्रम करने की योजना तैयार कर रहे हैं।

निदेशक (एचआर)*
*****बीडी संबंधी कार्यकलापों के लिए***

गेल भारत की पहली तेल और गैस कंपनी है जिसने सतत् विकास महत्वाकांक्षा 2020 के रूप में अपने सतत् विकास कार्य–निष्पादन में सुधार करने के लिए स्वैच्छिक लक्ष्य निर्धारित किए हैं।

मुख्य फोकस क्षेत्र	महत्वाकांक्षा 2020 (आधार वर्ष 2010–11)
जीएचजी उत्सर्जन (क्षेत्र । एवं ।।)	➲ जीएचजी उत्सर्जन गहनता में 33 प्रतिशत की कमी ➲ विशिष्ट जीएचजी उत्सर्जन में 5 प्रतिशत की कमी (अतिरिक्त कॉर्पोरेट स्तरीय लक्ष्य)
विशिष्ट ऊर्जा उपभोग	➲ एलएचसी एवं पीसी उत्पादों में विशिष्ट ऊर्जा में 5 प्रतिशत कमी ➲ विशिष्ट ऊर्जा उपभोग में 5 प्रतिशत कमी (अतिरिक्त कॉर्पोरेट स्तरीय लक्ष्य)
जल उपभोग	➲ जल उपभोग घनत्व मे 45 प्रतिशत कमी ➲ विशिष्ट स्वच्छ जल उपभोग में 15 प्रतिशत कमी (अतिरिक्त कॉर्पोरेट स्तरीय लक्ष्य)
अपशिष्ट जल पुनर्चक्रण	➲ अपशिष्ट जल पुनर्चक्रण में 5 प्रतिशत वृद्धि ➲ पाता और विजयपुर में शून्य प्रवाह (अतिरिक्त कॉर्पोरेट स्तरीय लक्ष्य)
सतत् विकास संबंधी प्रशिक्षण/जागरूकता	➲ हमारे 100 प्रतिशत कर्मचारियों और सभी नए कार्यभार ग्रहण करने वाले कर्मचारियों को कार्यभार ग्रहण करने के एक माह के भीतर जागरूक किया जाएगा

सतत् विकास महत्वाकांक्षा संबंधी हमारी प्रगति

वित्त वर्ष 2015–16 तक गेल के 61 प्रतिशत कर्मचारियों को सतत् विकास संबंधी प्रशिक्षण प्रदान किया गया है।

जीएचजी गहनता (टीसीओ2 ईक्यू./करोड़ रूपये)*

लक्ष्य–50.8 (टीसीओ2ई/रूपये)

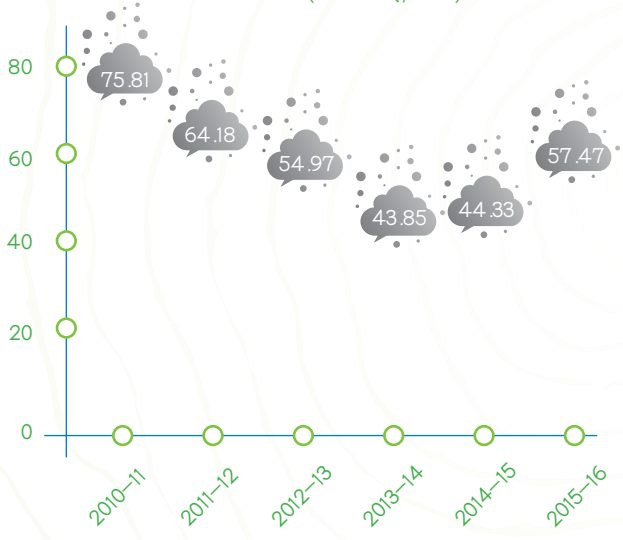

विशिष्ट ऊर्जा उपभोग एलएचसी और पीसी उत्पादों का जीजे/एमटी*

लक्ष्य–13.30 जीजे/एमटी

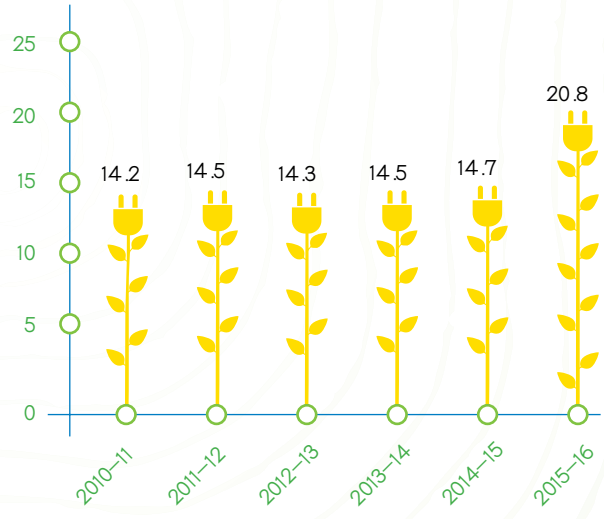

सतत् विकास कार्यनीति जी4–डीएमए, जी4–ईएन5, जी4–ईएन18

जल उपभोग गहनता (सीयू.एम/करोड़ रूपये)*

लक्ष्य–230.86 एम^3/करोड़

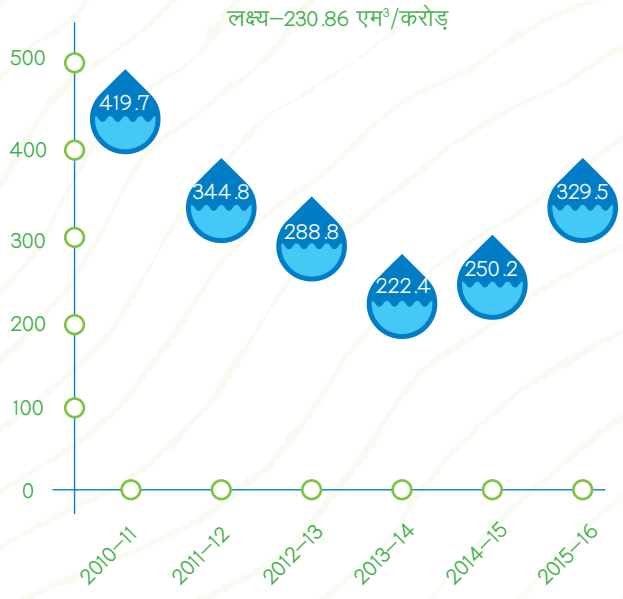

पुनर्चक्रित अपशिष्ट जल (डब्ल्यूडब्ल्यू) जनित अपशिष्ट जल का प्रतिशत)

लक्ष्य–45 प्रतिशत

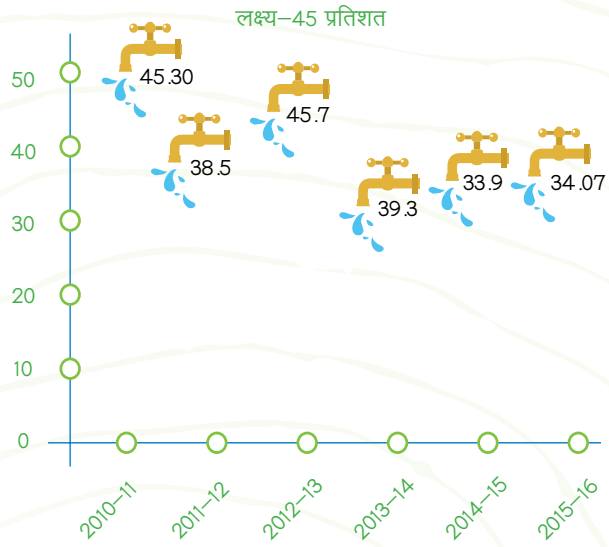

*रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान, जीएचजी गहनता, जल उपभोग गहनता, विशिष्ट ऊर्जा उपभोग और जल उपभोग में गत वित्त वर्ष की तुलना में वृद्धि हुई है। इसके मुख्य कारण इस प्रकार हैं:–

- हमारे दो सबसे बड़े संयंत्रों अर्थात पाता पेट्रोकेमिकल संयंत्र (विस्तार के बाद क्षमता दोगुनी की गई) और विजयपुर गैस प्रोसेसिंग यूनिट का व्यापक विस्तार किया गया। पाता और विजयपुर में नए संयंत्रों की स्थापना और स्थिरीकरण से अतिरिक्त फ्लेयरिंग और वेंटिग हुई। इसके अतिरिक्त, वेंट की गई प्रकृतिक गैस में मिथेन का प्रतिशत अधिक थी।
- वर्ष 2015 से 2016 के बीच राजस्व में 8 प्रतिशत की कमी हुई जिससे कारोबार संबंधी अनुपातों में विसंगतियां हुईं।
- आईपीसीसी दिशा–निर्देशों के अनुसार मिथेन की ग्लोबल वार्मिंग संभावना में 21 से 25 प्रतिशत का बदलाव हुआ।
- सांविधिक अपेक्षा के कारण गंधार स्थित गेल के एलपीजी भंडारण हार्टन स्फेयर का निरीक्षण किया गया। वेपर रिकवरी कम्प्रेशर के माध्यम से ईष्टतम रिकवरी के बाद भी, तलहटी में शेष एलपीजी को जलाया गया। इससे जीएचजी उत्सर्जन में अतिरिक्त वृद्धि हुईं।

शेयरधारकों को शामिल करना और उनका महत्व

शेयरधारकों को शामिल करना और उनका महत्व

शेयरधारक ऐसे लोग, लोगों का समूह अथवा संगठन होते हैं, जो या तो हमारे प्रचालनों को प्रभावित करते हैं अथवा उनसे प्रभावित होते हैं। समस्या वाले क्षेत्रों का समग्र परिप्रेक्ष्य समझने तथा हमारी कारोबारी प्रक्रियाओं एवं कार्य निष्पादन में सुधार करने संबंधी अवसरों की पहचान करने के लिए शेयरधारकों के साथ नियमित सहभागिता आवश्यक है। शेयरधारकों की सहभागिता से हमारे शेयरधारकों के साथ विश्वास आधारित और पारदर्शी संबंध का विकास करने में सहायता मिलती है। इस प्रक्रिया के माध्यम से गेल अपने शेयरधारकों को समावेशी निर्णय करने और कार्यों को बढ़ावा देने की सूचना और शिक्षा प्रदान करता है; इसके परिणास्वरूप पारिस्थितिकी प्रणाली पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

हमारा दृष्टिकोण जी4–डीएमए, जी4–24, जी4–25, जी4–26, जी4–27

परामर्श के माध्यम से गेल का उद्देश्य ऐसे मुख्य मुद्दों/पहलुओं की पहचान करना है, जो इसके शेयरधारकों के लिए प्रासंगिक है, ताकि भौतिकत्व प्रक्रिया को पूरा किया जा सके। प्रबंधन ने हमारे अभिशासन, संगठनात्मक प्रबंधन कार्यनीति में शेयरधारकों को शामिल करने के लिए सक्रिय संवाद प्रक्रिया प्रारंभ की है, प्रबंधन द्वारा शेयरधारकों की सहभागिता और उनकी महत्ता के लिए एक ढांचागत और चरणबद्ध दृष्टिकोण अपनाया है, जिसका सारांश इस प्रकार है:

विश्व ऊर्जा दिवस का आयोजन

मुख्य मुद्दों की पहचान करना

मुख्य मुद्दों की पहचान करना	● गेल और इसके शेयरधारकों के लिए प्रासंगिक होने वाले मुद्दों की विस्तृत सूची का अभिनिर्धारण करना ● गेल और इसके शेयरधारकों के लिए प्रासंगिक महत्वपूर्ण मुद्दों की लघुसूची तैयार करने के लिए शेयरधारकों के (जैसे विभागाध्यक्षों के साथ) संवाद स्थापित करना
शेयरधारक मैपिंग	● शेयरधारकों में मुख्य मुद्दों की मैपिंग करना और उन्हे वरीयता प्रदान करना ● ऐसे मुख्य शेयरधारकों का चयन करना जिनके साथ संवाद स्थापित किया जा सके।
शेयरधारकों की प्रतिक्रिया	● स्टेकधारक–वार प्रश्नावलियां तैयार करना, उन्हें प्रासंगिक विभागों के माध्यम से लागू करना और विभिन्न स्थलों पर शेयरधारकों की सहभागिता की सुविधा प्रदान करना ● कंपनी के सतत् विकास के बारे में शेयरधारकों की अवधारण तथा उनकी मुख्य चिंताओं को समझना
प्रतिक्रिया का मिलान करना और विश्लेषण करना	● शेयरधारकों के साक्षात्कारों अथवा सर्वेक्षणों से प्राप्त प्रतिक्रियाओं का सारांश तैयार करना तथा उन्हे पूर्व–निर्धारित प्रपत्र में रिकॉर्ड करना ● शेयरधारक समूहों के संबंध में उभरते हुए पैटर्न का विश्लेषण करना तथा शेयरधारकों के विश्लेषण से प्राप्त परिणामों के संबंध में भौतिकत्व मैट्रिक्स विकसित करना।

हमने गेल और इसके शेयरधारकों के लिए महत्वपूर्ण मुद्दों की पहचान करते हुए भौतिकत्व मूल्यांकन प्रक्रिया प्रारंभ की। हमने अपने प्राथमिक श्रोतों जैसे जोखिम प्रबंधन दृष्टिकोण, व्यवसाय कार्य–निष्पादन और कार्यनीति तथा अन्य आंतरिक दस्तावेजों की समीक्षा की। द्वितीयक श्रोतों जैसे मीडिया रिपोर्टों, प्रेस विज्ञप्ति, तेल और गैस क्षेत्र इत्यादि में अग्रणी समूहों द्वारा रेखांकित मुद्दों की भी समीक्षा की गई। इस अनुसंधान के आधार पर, 46 मुद्दों की एक विस्तृत सूची अभिनिर्धारित की गई और उस पर विचार किया गया। कॉर्पोरेट संचार, मानव संसाधन, व्यवसाय विकास, परियोजना विकास, प्रचालन एवं अनुरक्षण, वित्त एवं लेखा, विधिक, विपणन, विनियामक कार्य, एचएसई, आरएंडडी, टीक्यूएम, सुरक्षा, अन्वेषण और उत्पादन, व्यवसाय सूचना प्रणाली, कंपनी सचिवालय और संसदीय कार्य सहित विभिन्न विभागों ने इन विचार–विमर्शों में भाग लिया। आन्तरिक विचार–विमर्श के आधार पर, यह सूची 18 मुद्दों तक सीमित कर दी गई, जिन्हें मूल्यांकन हेतु शेयरधारक समूहों के समक्ष उठाया जाएगा।

शेयरधारकों को शामिल करने की प्रक्रिया

प्राथमिक और द्वितीयक शेयरधारकों सहित शेयरधारकों की एक मैपिंग का आयेजन किया गया। प्राथमिक शेयरधारकों के तौर पर उन्हे निर्धारित किया गया जिनका कंपनी के साथ हित जुड़ा हुआ है और जिनका शेयरधारकों और निवेशकों, कर्मचारियों, उपभोक्ताओं, आपूर्तिकर्ताओं और कंपनी के प्रचालन स्थल पर रहने वाले समुदायों के लोगों के भाग्य के साथ सीधा संबंध है जबकि द्वितीयक शेयरधारकों के तौर पर उन्हें निर्धारित किया गया है जिनका संगठन पर अप्रत्यक्ष प्रभाव है अथवा इसके कार्यकलापों द्वारा सीधे तौर पर कम प्रभावित होते हैं। उनमें मीडिया और दबाव समूह तथा अन्य व्यवसायिक लोग और संगठन के सामाजिक नेटवर्क शामिल हैं।

इस सतत् विकास रिपोर्टिंग प्रक्रिया के लिए 10 स्थलों पर 6 वरीयता प्राप्त शेयरधारक समूहों के साथ एक समर्पित शेयरधारक सहभगिता प्रक्रिया आयोजित की गई थी। आर्थिक पर्यावरणीय, सामाजिक और अभिशासन आयामों सहित 18 मुद्दों की सूची के संबंध में शेयरधारकों की प्रतिक्रिया मांगी गईं सहभागिता के माध्यम में संकेन्द्रित समूह विचार–विमर्श, प्रश्नावली सर्वेक्षणों तथा शेयरधारकों के आमने–सामने संवाद को शामिल किया गया था। डाटा संकलन के लिए गुणात्मक और गुणवत्तापरक दोनों तकनीकों को अपनाया गया था। निर्धारित मुद्दों की लघु–सूची के आधार पर प्रश्नावलियां तैयार की गई थी। इस सहभागिता प्रक्रिया के एक भाग के तौर पर उपभोक्ताओं, गैर–सरकारी संगठनों, संविदाकारों, विक्रेताओं, स्थानीय समुदायों के प्रतिनिधियों से परामर्श किया गया। इसके अतिरिक्त, कार्य स्थलों के कर्मचारियों ने ऑनलाइन सर्वेक्षण के माध्यम से संवाद प्रक्रिया में भाग लिया। लगभग 1600 लोगों ने मुद्दों को उच्च, मध्यम और निम्न महत्व का बताया। इन संवादों से गुणात्मक और गुणवत्तापरक डाटा के समृद्ध भंडार का विकास करने में सहायता मिली है, जिनका उपयोग सर्वाधिक महत्वपूर्ण मुद्दों के आकलन में किया गया।

प्रतिक्रियाओं का मिलान और विश्लेषण

विभिन्न शेयरधारकों से ऑनलाइन और ऑफलाइन प्राप्त इनपुट्स का मिलान करते हुए उनका विश्लेषण किया गया। वरीयता प्राप्त शेयरधारकों के साथ संवाद से उभरने वाले सर्वाधिक महत्वपूर्ण मुद्दों का वर्णन निम्नानुसार है:

कर्मचारी

- स्वास्थ्य और सुरक्षा
- पारदर्शिता और नैतिक मूल्य
- व्यवसाय विकास और लाभकारिता
- प्रचालन उत्कृष्टता

उपभोक्ता

- शेयरधारकों के साथ संचार और संबंध
- प्रचालन उत्कृष्टता
- व्यवसाय विकास और लाभकारिता
- पारदर्शिता और नैतिक मूल्य

समुदाय

- पारदर्शिता और नैतिक मूल्य
- विनियामक मुद्दे
- प्रचालन उत्कृष्टता
- व्यवसाय विकास और लाभकारिता

आपूर्तिकर्ता

- स्वास्थ्य और सुरक्षा
- प्रचालन उत्कृष्टता
- कारोबार विकास और लाभकारिता
- आपूर्ति श्रंखला प्रबंधन

गैर–सरकारी संगठन

- शेयरधारकों के साथ संचार और संबंध
- प्रचालन उत्कृष्टता
- पारदर्शिता और नैतिक मूल्य
- कुशल जनशक्ति की उपलब्धता

अनुबंध कर्मचारी

- स्वास्थ्य और सुरक्षा
- पारदर्शिता और नैतिक मूल्य
- शेयरधारकों के साथ संचार और संबंध
- प्रचालन उत्कृष्टता

हम मूल्यों को साझा करने और उनके साथ विकास सह–सृजित करने के लिए शेयरधारकों के साथ सहभागिता स्थापित करते हैं। इसके अतिरिक्त, विभिन्न चैनलों और सहभागिता प्रक्रियाओं के माध्यम से उनकी चिंताओं को अभिनिर्धारित किया गया; जिनका इस रिपोर्ट के 'प्रभावी सहक्रिया और भागीदारी' खंड में विस्तार से उल्लेख किया गया है।

भौतिक मैट्रिक्स

शेयरधारकों की सहभागिता प्रक्रिया के परिणामों के संबंध में गेल के वरिष्ठ प्रबंधन के साथ चर्चा की गई और अंतिम भौतिक मैट्रिक्स तैयार करते समय उनकी प्रतिक्रियाओं का भी ध्यान रखा गया। इस प्रक्रिया के माध्यम से अभिनिर्धारित किए गए महत्वपूर्ण मुद्दे हैं–i) प्रचालन उत्कृष्टता ii) मानव पूंजी iii) स्वास्थ्य और सुरक्षा iv) कारोबार विकास और लाभकारिता v) आपूर्ति श्रृंखला प्रबन्ध vi) शेयरधारकों के साथ संपर्क और संबंध और vii) विनियामक मुद्दे। निर्धारित की गई भौतिक मैट्रिक्स निम्नानुसार है:

इस रिपोर्ट में हमने निर्धारित मुद्दों के प्रति अपना दृष्टिकोण तथा कंपनी विशिष्ट पहलुओं का विस्तार से उल्लेख किया है। इसके अतिरिक्त, निर्धारित महत्वपूर्ण मुद्दों के साथ संबंधित जीआरआई पहलुओं का मापन करने के साथ ही उनके कार्य–निष्पादन को रिपोर्ट के परवर्ती खंडों में दर्शाया गया है। शेयरधारकों के साथ अंतिम तौर पर निर्धारित उच्च भौतिक मुद्दों की मैपिंग को निम्न सारणी में दर्शाया गया है जी4–19, जी4–20, जी4–21

महत्वपूर्ण पहलू	प्रबंधन और शेयरधारकों द्वारा विचार किए गए उप–पहलू	सीमा	मुख्य शेयरधारक
प्रचालन उत्कृष्टता	पर्यावरणीय निवेश	गेल के भीतर	शेयरधारक और निवेशक कर्मचारी समुदाय
	सामग्री		
	ऊर्जा		
	जल		
	उत्सर्जन		
	उत्सर्जन प्रबन्ध		
	उत्प्रवाह और अपशिष्ट पदार्थ		
	समग्र		
	पर्यावरणीय शिकायत समाधान तंत्र		
	समाज पर प्रभाव के लिए शिकायत समाधान तंत्र		
	परिसम्पत्ति उत्पादकता*		
	परिवहन		

शेयरधारकों को शामिल करना और उनका महत्व

महत्वपूर्ण पहलू	प्रबंधन और शेयरधारकों द्वारा विचार किए गए उप–पहलू	सीमा	मुख्य शेयरधारक
मानव पूंजी	रोजगार	गेल के भीतर	कर्मचारी अनुबंध कामगार
	श्रम/प्रबंध संबंधी		
	प्रशिक्षण और शिक्षा		
	विविधता		
	रोजगार और श्रम प्रक्रियाएं		
	मानवाधिकार निवेश		
	भेदभाव न होना		
	संघ की आजादी और सामूहिक सौदेबाजी		
	बलपूर्वक और अनिवार्य श्रम		
	बाल श्रम		
	पुरूषों और महिलाओं के लिए समान वेतन		
	श्रम प्रक्रियाएं शिकायत समाधान तंत्र		
	सुरक्षा प्रक्रियाएं		
स्वास्थ्य और सुरक्षा	व्यावसयिक स्वास्थ्य और सुरक्षा	गेल के भीतर	कर्मचारी समुदाय
	उपभोक्ता स्वास्थ्य और सुरक्षा		
	परिसम्पत्ति सत्यनिष्ठा और प्रक्रिया सुरक्षा*		
कारोबार विकास और लाभकारिता	आर्थिक कार्य–निष्पादन	गेल के भीतर	शेयरधारक और निवेशक उपभोक्ता
	बाजार की मौजूदगी		
	अप्रत्यक्ष आर्थिक प्रभाव		
	नए विविधिकरण और नए अवसर ढूंढना*		
आपूर्ति श्रंखला प्रबन्ध	अधिप्राप्ति प्रक्रियाएं	गेल के भीतर एवं बाहर	आपूर्तिकर्ता उपभोक्ता
	आपूर्तिकर्ता पर्यावरणीय मूल्यांकन		
	आपूर्तिकर्ता का समाज पर प्रभाव संबंधी मूल्यांकन		
	आपूर्तिकर्ता का मानवाधिकार मूल्यांकन		
	आपूर्तिकर्ता की प्रक्रियाओं का मूल्यांकन		
	स्वदेशी अधिकार		
शेयरधारकों के साथ संपर्क और संबंध	विपणन एवं संचार	गेल के भीतर एवं बाहर	सरकार और विनियामक उपभोक्ता कर्मचारी आपूर्तिकर्ता समुदाय
	उत्पाद एवं सेवा लेबलिंग		
	मानवाधिकार शिकायत समाधान तंत्र		
	स्थानीय समुदाय		
	गेल में पर्याप्त पारदर्शी संचार*		
विनियामक मुद्दें	गैर–प्रतिस्पर्धी व्यवहार	गेल के भीतर एवं बाहर	विनियामक
	भ्रष्टाचार रोधी		
	सार्वजनिक नीति		
	अनुपालन		

*इन पहलुओं को जीआरआई जी4 पहलुओं मे शामिल नहीं किया गया है परंतु निर्धारित महत्वपूर्ण मुद्दों को पूर्णता प्रदान करने के लिए इन्हें रिपोर्ट में शामिल किया गया है।

प्रचालनात्मक उत्कृष्टता के माध्यम से सुदृढ़ प्रणालियां और प्रक्रियाएं सुनिश्चित करना

एपीपीएस साफ्टवेयर

चरणबद्ध तरीके से प्राकृतिक गैस और एलपीजी पाइपलाइनों की निगरानी

106 गुणवत्ता सर्किल परियोजनाएं = **3.49** करोड़ रुपये की बचत

वित्त वर्ष 2015–16

गेल ने *अनुसंधान और विकास* पर **76.5** करोड़ रुपये व्यय किए = पीएटी का 1 प्रतिशत, वित्त वर्ष 2015–16

प्रचालनात्मक उत्कृष्टता के माध्यम से सुदृढ़ प्रणालियां और प्रक्रियाएं सुनिश्चित करना

गेल अपने कार्यबल के स्वास्थ्य और सुरक्षा, अपनी परिसम्पत्तियों के संरक्षण तथा शेयरधारकों और पर्यावरण को अत्यधिक महत्व प्रदान करती है। हमारी बेहतर प्रबंध प्रणालियों के माध्यम से गेल इन मूल्यों को उन प्रणालियों और प्रक्रियाओं का रूप देने में सक्षम है जो कार्य–निष्पादन उत्कृष्टता पैदा करने के साथ ही परिणाम प्रदान करती हैं। ऐसी प्रबंध प्रणालियों और प्रक्रियाओं के कार्यान्वयन से, जो मानकों, प्रक्रिया–विधियों और परिवर्तन प्रबंध को समाहित करती है, प्रत्येक स्तर पर उत्कृष्टता की संस्कृति प्रदान की गई है। गेल में, ये प्रणालियां सुधार के नए क्षेत्रों की पहचान करने, नई परियोजनाओं और नीतियों को कार्यान्वयन करने, अनवरत सुधार और जोखिम प्रबंध करने में सहायता प्रदान करती है।

मौजूदा आर्थिक परिस्थितियों तथा जलवायु परिवर्तन के संबंध में बढ़ती हुई वैश्विक राजनैतिक चिंता एवं एसडीजी 2030 को ध्यान में रखते हुए गेल के लिए प्रचालनात्मक उत्कृष्टता, अपशिष्ट पदार्थों और ऊर्जा उपभोग में कमी करना तथा सभी कारोबारी खंडों में प्रभावशीलता को बढ़ाना अत्यधिक महत्वपूर्ण हो गया है। स्वच्छ ऊर्जा प्रदाता के तौर पर, गेल राष्ट्र की मांग को पूरा करने के लिए प्रयासरत है।

हमारा दृष्टिकोण[जी4–डीएमए]

हमारे कारोबार और प्रचालनों के सभी पहलुओं में उत्कृष्टता प्राप्त करने का हमारा दृष्टिकोण इस विजन द्वारा निर्देशित होता है, ''वैश्विक फोकस, उपभोक्ता देख–रेख के लिए प्रतिबद्धता, सभी शेयरधारकों के लिए मूल्य सृजन और पर्यावरणीय उत्तरदायित्व के साथ प्राकृतिक गैस में और इससे बढ़कर एक अग्रणी कंपनी बनना।'' संगठन के माध्यम से इसका प्रसार करने के लिए गेल इस श्रेणी की श्रेष्ठ प्रक्रियाओं, गुणवत्ता के उच्चतम मानकों, सुरक्षा और सत्यनिष्ठा, उच्च दक्षता, अद्यतन प्रौद्योगिकियों को अपनाती है तथा सभी शेयरधारकों के लिए अनवरत मूल्य सृजन के लिए सभी प्रचालन परिसम्पत्तियों में कर्मचारियों के विकास सहित उन्हें श्रेष्ठ प्रशिक्षण प्रदान करती है।

तृतीय अखिल भारतीय तेल एवं गैस क्षेत्र ग्लोबल मीथेन सम्मेलन

हम प्रतिदिन स्वयं के लिए अवरोध खड़ा करने में विश्वास करते हैं। जिस प्रकार हम कार्य करते हैं उसमें काइज़ेन का यह दर्शन कि – दक्षता और गुणवत्ता में सुधार के लिए दीर्घकालिक सुव्यवस्थित दृष्टिकोण अपनाया जाना चाहिए, निहित है। गेल में प्रचालन उत्कृष्टता लोगों, कार्य–निष्पादन और प्रक्रिया रूपी तीन स्तम्भों पर आधारित है। परियोजना स्थलों पर प्रक्रियाओं में सतत् सुधार और बढ़ी हुई दक्षता पर ध्यान केन्द्रित करके गेल ने विनियामक और आर्थिक परिवेश द्वारा थोपी गई चुनौतियों का सामना करने की योजना बनाई है। वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल के मूल्यों में कमी से गेल की लाभकारिता प्रभावित हुई है और इस पड़ाव पर संगठन ऊर्जा प्रबंधन एवं ऊर्जा दक्षताओं में सुधार करने और लागत में कमी करने पर ध्यान केन्द्रित कर रहा है। इसके अतिरिक्त, सीओपी21, एसडीजी के साथ वैश्विक जलवायु परिवर्तन समझौते पर अधिक बल दिए जाने के साथ ही गेल को अब भारत की बढ़ती हुई जनसंख्या को ऊर्जा सुरक्षा तथा स्वच्छ विकल्प प्रदान करते हुए उत्सर्जन नियंत्रण, दक्षता सुधार तथा हमारे प्रचालनों के सतत् विकास के अवसरों पर कार्य करने की चुनौतियों का समाधान करना चाहिए।

सतत् सुधार बेहतर क्षमता निर्माण और परिसम्पत्ति उपयोगिता, विश्वसनीयता कायम करने तथा सुरक्षा से समझौता किए बिना अनुमान लगाने में सहायक होता है। हमारा मानना है कि हमारे प्रयास परिवर्तन लाने में सफल होंगे और हम अपनी प्रणालियों, प्रक्रिया–विधियों, प्रक्रियाओं, नीतियों और कार्यनीतियों में उत्कृष्टता लाने के लिए प्रयासरत हैं।

– निदेशक (परियोजना)

परिसम्पत्ति उत्पादकता[जी4–डीएमए]

गेल की प्रचालन और अनुरक्षण (ओएंडएम) नीति में कंपनी के दर्शन को रेखांकित करने के साथ ही इसके उद्देश्यों, लक्ष्यों और अनुरक्षण कार्यकलापों, परिसंपत्तियों के प्रतिस्थापन और उनकी समीक्षा का निर्धारण किया गया है। इसके अतिरिक्त, इसमें निगरानी, नियंत्रण, रिपोर्टिंग और लेखा–परीक्षा प्रणाली तथा इनके लिए भूमिकाओं और उत्तरदायित्वों का भी निर्धारण किया गया है।

ओएंडएम उद्देश्य

गेल के विश्व–स्तरीय कार्य निष्पादन के विज़न को प्राप्त करने के दृष्टिकोण को ओएंडएम उद्देश्यों में रेखांकित किया गया है जिसमें निम्नलिखित क्षेत्रों पर ध्यान दिया जाता है:

चार शीर्ष कार्य–निष्पादन

- उपभोक्ताओं को निर्बाध, विश्वसनीय और श्रेष्ठ गुणवत्ता के उत्पाद और सेवाएं प्रदान करना

लोगों और परिसम्पत्तियों की सुरक्षा

- संगठन से जुड़े हुए लोगों, कर्मचारियों और परिसम्पत्तियों की सुरक्षा करना।

मूल्य श्रृंखला में श्रेष्ठतम मानक और प्रणालियां

- प्रभावी और पर्यावरण के अनुकूल ओएंडएम कार्यकलापों को बढ़ावा देने के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग करना तथा प्रौद्योगिकीय अप्रचलन का समाधान करना।
- ओएंडएम की सम्पूर्ण मूल्य श्रंखला में सभी परिसम्पत्तियों का ''सुरक्षा प्रबंधन'', ''गुणवत्ता प्रबंधन'' और ''सत्यनिष्ठा प्रबंधन''।

प्रतिभा प्रबंधन

- कर्मचारियों की दक्षता, कौशलों का विकास करना और कर्मचारी अभिप्रेरणा को बढ़ाना।

उत्कृष्टता और उपभोक्ता की संतुष्ट रखने की संस्कृति

- सभी स्तरों पर प्रभावी शेयरधारक प्रबन्ध है और उपभोक्ताओं की खुशी के लिए विश्वसनीय, गुणवत्तापरक उत्पाद और सेवाएं प्रदान की जाती है।

सतत् विकास कारोबार संचालन और अनुपालन

- हम अपने कारोबार का संचालन इस प्रकार करते है कि दीर्घकालिक तौर पर टिकाऊ हो, गेल और इसके शेयरधारकों के हितों को बेहतर ढंग से पूरा करे।
- सांविधिक, विधिक और विनियामक तथा सरकारी दिशा–निर्देशों की सभी अपेक्षाओं की अनुपालना करना तथा आंतरिक लक्ष्य निर्धारित करने में अग्रणी रहना।

उत्तरदायित्व और जवाबदेही

- सक्रिय और मूल्य आधारित दृष्टिकोण के साथ सभी स्तरों पर सुपरिभाषित भूमिकाओं, उत्तरदायित्वों और जवाबदेही वाली श्रेष्ठ प्रक्रियाओं को लागू करना

नेतृत्व का उत्तरदायित्व

प्रचालन उत्कृष्टता के सफल कार्यान्वयन में नेतृत्व एक महत्वपूर्ण कारक है। गेल में हमारा विश्वास आगे बढ़कर नेतृत्व करने तथा संगठन में हमारे उत्कृष्टता के दर्शन के कार्यान्वयन हेतु उन्हें सशक्त बनाने में है। इस प्रकार, विभागाध्यक्ष प्रणालियों और प्रक्रियाओं का नेतृत्व करते हैं, कार्य निष्पादन उपायों का विकास करते हैं और इनकी तुलना में प्राप्त उपलब्धियों की निगरानी करते हैं। हमारी कार्य संस्कृति कर्मचारियों को यह सुनिश्चित करने के लिए उत्तरदायित्व लेने के लिए प्रेरित करती है कि प्रणालियों और प्रक्रिया–विधियों की पूरी तरह और प्रभावी अनुपालना की जाए।

समेकित प्रबंध प्रणाली

गेल में प्रचालन उत्कृष्टता के लिए प्रबंध प्रणालियों का कार्यान्वयन हमारे श्रेष्ठतम प्रौद्योगिकियों के समेकन, प्रक्रियाओं का ईष्टतम स्तर प्राप्त करने, संसाधनों के संरक्षण, परिसम्पत्ति कार्य–निष्पादन को बढ़ाने के लिए दक्षता बढ़ाते हुए अपशिष्ट में कमी करने तथा निवेश पर प्रतिलाभ बढ़ाने संबंधी लक्ष्य पर आधारित होता है। ये प्रणालियां यह सुनिश्चित करती हैं कि उत्पाद की गुणवत्ता बनी रहे तथा हमारे नेटवर्क में शामिल 11,070 किलोमीटर से अधिक पाइपलाइन और 206 एमएमएससीएमडी क्षमता तथा 6 गैस प्रोसेसिंग संयंत्रों का सुव्यवस्थित संचालन हो। प्रबंधन प्रणालियों के कार्यों का समेकन किया जाता है तथा कार्य–निष्पादन में कमी और खतरों तथा जोखिमों के मूल्यांकन के समय इनकी समीक्षा और विश्लेषण किया जाता है। गेल की कुछ महत्वपूर्ण प्रबंध प्रणालियां हैं – एकीकृत प्रबंध प्रणाली, पाइपलाइन इंटीग्रिटी प्रबंध प्रणाली, ऊर्जा प्रबंध प्रणाली और अपशिष्ट प्रबंध प्रणाली तथा उत्सर्जन प्रबंध प्रणाली।

प्रबंध अवसंरचना के अर्थों में गेल का एक राष्ट्रीय गैस प्रबंध केन्द्र है, जो देश भर में गेल के व्यापार, परिवहन और एलपीजी सम्प्रेषण कारोबार का प्रबंध करता है। इसके अतिरिक्त, हमारे सभी मुख्य परियोजना स्थलों पर आईएसओ 9001, आईएसओ 14001 और ओएचएसएएस 18001 प्रमाणनों की अनुपालना की जाती है

तथा समय–समय पर आंतरिक लेखा परीक्षाओं, निगरानी लेखा परीक्षाओं, प्रमाण–पत्रों और बाह्य प्रमाणन निकाय के माध्यम से पुष्टि के माध्यम से इनकी समीक्षा की जाती है।

अनुपालन प्रबंधन

गेल शिक्षा, प्रशिक्षण और विधिक परामर्श द्वारा अपनी अनुपालन बाध्यताओं के लिए जागरुकता पैदा करके सभी प्रासंगिक विधियों, कानूनों, मानकों, संहिताओं और आंतरिक नीतियों की अनुपालना करती है। यह आंतरिक और बाह्य लेखा–परीक्षाओं सहित विधिक और विनियामक अनिवार्यताओं की अनुपालना भी सुनिश्चित करती है। आंतरिक लेखा–परीक्षा में संगठन की नीतियों और प्रक्रिया–विधियों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए नमूना सौदों की समीक्षा की जाती है। विशेष परियोजनाओं के मामले में लेखा–परीक्षा समिति कंपनी की नीतियों के उल्लंघन की जानकारी देने के लिए कारोबारी नैतिक मूल्यों और प्रक्रिया–विधियों के स्थापित मानकों के साथ अनुपालना की समीक्षा और मूल्यांकन करती है। अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए प्रणालियां और प्रक्रियाएं विकसित करने का दायित्व कार्यकारी निदेशक स्तर पर विभागाध्यक्षों का है।

सम्पूर्ण गुणवत्ता प्रबंधन (टीक्यूएम)

टीक्यूएम एक सम्पूर्णात्मक प्रबंध दर्शन है, जिसका उद्देश्य उपभोक्ताओं की संतुष्टि हेतु उत्पादों और प्रक्रियाओं की गुणवत्ता में सतत् सुधार करना है। शीर्ष प्रबंधन की प्रतिबद्धता सभी स्तरों पर प्रकृति का निर्धारण करती है और संगठन के सभी कार्यों में इसकी झलक मिलती है। गेल में टीक्यूएम को लागू किए जाने के साथ उपभोक्ता फोकस, नेतृत्व प्रतिबद्धता, सतत् सुधार, कर्मचारी सशक्तिकरण तथा उत्पादों, प्रक्रियाओं और सेवाओं के सतत् और दीर्घकालिक सुधार में आपूर्तिकर्ता की सहायता को समेकित किया गया है। यह प्रतिबद्धता उन्नत उत्पादकता, बेहतर गुणवत्ता, अधिक मात्रा में ग्राहक संतुष्टि, कम लागत और अधिक प्रतिस्पर्धी लाभ में परिणित होती है। इसके कार्यान्वयन को बढ़ाने के लिए गेल ने सांख्यिकीय उपकरणों, समेकित प्रबंध प्रणालियों और उनकी समीक्षा के माध्यम से डाटा आधारित निर्णय करने संबंधी टीक्यूएम दृष्टिकोण को अपनाया है।

टीक्यूएम में नवाचार समाधानों को बढ़ावा देने के लिए गेल कर्मचारियों को गुणवत्ता सर्किल परियोजनाओं का विकास और कार्यान्वयन करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है जिसके परिणामस्वरूप वित्तीय बचत, गुणवत्ता सुधार, उपभोक्ता संतुष्टि इत्यादि को प्राप्त किया जा सकता है। वित्त वर्ष 2015–16 में 106 गुणवत्ता सर्किल परियोजनाओं को प्रारंभ किया गया था जिनसे ₹ 3.49 करोड़ की बचत हुई। इसे सीएमडी द्वारा प्रदान की जाने वाली पुरस्कार योजना के माध्यम से और प्रोत्साहित किया जाता है।

श्रेष्ठ गुणवत्ता सर्किल परियोजनाओं के लिए पुरस्कार समारोह

अवसंरचना प्रणाली और उत्कृष्टता प्रक्रियाएं

गैस प्रबंधन प्रणाली : प्राकृतिक गैस के सम्प्रेषण और आपूर्ति में अत्यधिक जोखिम वाले कार्यकलाप शामिल होते हैं और जोखिम कम करने के लिए गेल ने राष्ट्रीय गैस प्रबंध केन्द्र (एनजीएमसी) तथा पाइपलाइन एकीकृत प्रबंध प्रणाली (पीआईएमएस) का विकास किया है। इनके अतिरिक्त गेल ने नेटवर्क प्रबंध केन्द्र (एनएमसी), गेल पॉलीमर प्रौद्योगिकी केन्द्र (जीपीटीसी) और जीआईजीए लिंक (आईटी एंड ईआरपी डाटा केन्द्र) के माध्यम से अपनी सम्पूर्ण मूल्य श्रंखला में तकनीकी उत्कृष्टता केन्द्रों का भी विकास किया है।

राष्ट्रीय गैस प्रबंध केन्द्र देशभर में गेल के व्यापार, परिवहन और एलपीजी सम्प्रेषण कारोबार का प्रबंध करता है। यह पाइपलाइन संस्थापनों, गैस सम्प्रेषण के समन्वय तथा सभी मुख्य ग्राहक टर्मिनल्स की डिलीवरी स्थितियों, एलपीजी परिवहन और तरल हाइड्रोकार्बन उत्पादन; गैस मिलान तथा गैस वर्टिकल के लिए लेखांकन संबंधी सजीव आंकड़े प्रदान करता है। यह गैस सम्प्रेषण और आपूर्ति, गैस की गुणवत्ता और पाइपलाइन समेकन और सुरक्षा की सतत् निगरानी एवं नियंत्रण संबंधी आंकड़े भी प्रदान करता है। आरजीएमसी उपभोक्ता टर्मिनल्स की सुलभता प्रदान करता है तथा स्थानीय उपभोक्ताओं के लिए प्रवाह दर तथा गैस मात्राओं के नियंत्रण और निगरानी की क्षमता भी रखता है। एनजीएमसी को बैक–अप सहायता प्रदान करने के लिए जयपुर में भी इसी प्रकार के एक केन्द्र की योजना बनाई गई है जो एक सुरक्षित केन्द्र के तौर पर कार्य करते हुए आपूर्ति श्रृंखला और पाइपलाइन की समग्रता को बनाए रखेगा। प्रचालन अनुरक्षण और सुरक्षा आंकड़ों के समन्वय के अतिरिक्त, एनजीएमसी गेल की एलपीजी सम्प्रेषण पाइपलाइनों के वास्तविक समय के डाटा भी प्रदान करता है, जिससे तेल विपणन कम्पनियों के साथ एलपीजी की टेक–ऑफ दरों के संबंध में बेहतर समन्वय में सहायता मिलती है।

इसके अतिरिक्त एनजीएमसी को एक गैस प्रबंध प्रणाली के साथ जोड़ा गया है, यह एक वेब आधारित मंच है जो गैस परिवाहकों, शिपर्स, आपूर्तिकर्ताओं और उपभोक्ताओं के लिए गैस के नामांकन, डिलीवरी और समन्वय संबंधी वास्तविक समय के आंकड़े प्रदान करता है तथा गैस आपूर्ति में पारदर्शिता और समन्वय सुधार में सहायक है।

परिसम्पत्ति सत्यनिष्ठा और सेवा विश्वसनीयता

जी4–डीएमए

गेल राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मानकों जैसे एएसएमई, ओआईएसडी एवं पीएनजीआरबी के अनुरूप डिजाइन तैयार करके प्रारंभ से ही अपनी पाइपलाइनों की सुरक्षा सुनिश्चित करती है। यह एपीआई, बीएस, कनाडाई मानकों, डीआईएन, एनएसीई और एनएफपीए द्वारा उपयोग किए गए दिशानिर्देशों का भी अनुपालन करती है।

गेल केन्द्रीय पाइपलाइन इंटीग्रिटी प्रणाली (सीपीआईएमएस) के माध्यम से अपने विशाल गैस पाइपलाइन नेटवर्क की अखंडता को बनाए रखती है। सीपीआईएमएस, जीआईएस और अस्थायी डाटा के मिश्रण के माध्यम से खतरों, जोखिमों, विफलता की संभावना तथा सांविधिक विनियमों का अनुपालन नोट करते हुए पाइपलाइन अखंडता की स्थिति को दर्शाता है। प्रणाली में पाइपलाइन डिजाइन और मानक अखंडता मूल्यांकन प्रक्रियाओं को भी स्टोर किया जाता है तथा प्रचालनों में संगत उपभोक्ताओं को इन्हें उपलब्ध कराया जाता है। सीपीआईएमएस के माध्यम से गेल पाइपलाइनों के विफल होने के जोखिम, बीमा लागतों और डाउनटाइम को कम करने में सक्षम है। इसके अतिरिक्त, डाटा आधारित अनुरक्षण के माध्यम से पाइपलाइन की जीवन अवधि को भी बढ़ाया जाना संभव हुआ है।

गेल ने एक पाइपलाइन इंटीग्रिटी प्रबंध प्रणाली का भी विकास किया है, जो डाटा संकलन और समीक्षा, जोखिम मूल्यांकन तथा अभिनिर्धारित जोखिमों की वरीयता निर्धारित करते हुए प्रभावी परिसम्पत्ति कार्य–निष्पादन सुनिश्चित करता है। प्रणाली से प्राप्त होने वाले डाटा की कार्य योजना निर्धारण, चाहे यह खतरों का उपचार हो, एफएफपी मूल्यांकन और संक्षारण विकास हो, के लिए जांच की जाती है। इंटीग्रिटी प्रबंध योजना के माध्यम से उपचारात्मक उपायों, मरम्मत अनुसूची में वृद्धि अथवा निरीक्षण के द्वारा इन्हें ठीक किया जाता है। इस प्रकार पाइपलाइन का पुनरुद्धार किया जाता है तथा सतत् डाटा संकलन और समीक्षा द्वारा इनके अनुरक्षण तथा बेहतर जीवनकाल को सुनिश्चित किया जाता है।

गेल ने चरणबद्ध तरीके से एनजी और एलपीजी पाइपलाइनों की निगरानी हेतु कार्यान्वयन एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर (एपीपीएस) प्रारंभ किया है। एपीपीएस पाइपलाइन नेटवर्क के सुरक्षित, विश्वसनीय, इष्टतम और लागत प्रभावी प्रचालन के लिए प्रचालन और योजना उपकरण प्रदान करता है। यह प्रणाली विभिन्न कार्य और मॉड्यूल्स जैसे वास्तविक समय मॉडलिंग, लीक डिटेक्शन प्रणाली, सम्पत्ति–सूची विश्लेषण/लाइन पैक गणना, एक सामान्य डाटाबेस में सभी पाइपलाइनों के लिए भावी मॉडलिंग प्रदान करती है।

संवेदनशील अत्याधुनिक सुविधा के माध्यम से संचालन प्रबंधन

इसके अतिरिक्त, गेल ने स्वयं के स्वामित्व और प्रचालन वाली सभी पाइपलाइनों की अखंडता के प्रबंध हेतु प्रणालियां और प्रक्रियाएं विकसित करने के लिए नोएडा स्थित कॉर्पोरेट ओएंडएम विभाग में एक केन्द्रीय इंटीग्रिटी प्रबंध समूह का गठन भी किया है। क्षेत्रीय स्तर पर इंटीग्रिटी प्रबंधन के लिए क्षेत्रीय इंटीग्रिटी प्रबंधन समूहों (आरआईएमजी) का भी गठन किया गया है। इस समूह का मुख्य कार्य ऐसे सभी खतरों की पहचान करना और उनका प्रभावी प्रबंध करना है, जिनसे पाइपलाइनों की इंटीग्रिटी को प्रभावित होने की संभावना हो तथा प्रत्येक बाधा की कार्यनीति तैयार करना, पहचान करना, निगरानी करना, नियंत्रण करना, लेखा–परीक्षा आयोजित करना और बेहतरी को दर्शाना भी इसके कार्यों में शामिल है। गेल द्वारा महत्वपूर्ण मुद्दों के संबंध में विशेषज्ञों का मत लेने तथा पाइपलाइनों के स्वास्थ्य और इंटीग्रिटी प्रबंधन के संबंध में मुख्य कारणों का विश्लेषण करने हेतु अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त और विषय मामलों के विशेषज्ञों का पैनल भी तैयार किया गया है। त्रि–स्तरीय जांच प्रणाली अर्थात प्रथम स्तर पर आंतरिक समिति, दूसरे स्तर पर बाह्य तकनीकी परामर्शदाताओं जैसे इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड (ईआईएल) तथा तृतीय स्तर पर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित स्वतंत्र एजेंसी के माध्यम से घटनाओं के मुख्य कारणों का विश्लेषण करने के लिए एक प्रणाली भी विकसित की गई है। इन तीनों समितियों की सिफारिशों का समेकन किया जाता है, विस्तृत उपचारात्मक उपायों की पहचान की जाती है तथा एक जैसी घटनाओं की पुनरावृत्ति पर रोक लगाने के लिए इनका कार्यान्वयन किया जाता है।

व्यवसाय सूचना प्रणालियां

गेल का प्रौद्योगिकी विज़न संगठन की भावी सफलता में प्रौद्योगिकी को एक मुख्य उपकरण के तौर पर स्वीकार करना और श्रेष्ठतम प्रौद्योगिकियों का समर्थन करना है। इस पहल के अंतर्गत संगठन में संगत शेयरधारकों के लिए कई आईटी प्रणालियों का विकास करके उनका कार्यान्वयन किया गया है, जिनमें से कुछ निम्नानुसार हैं :–

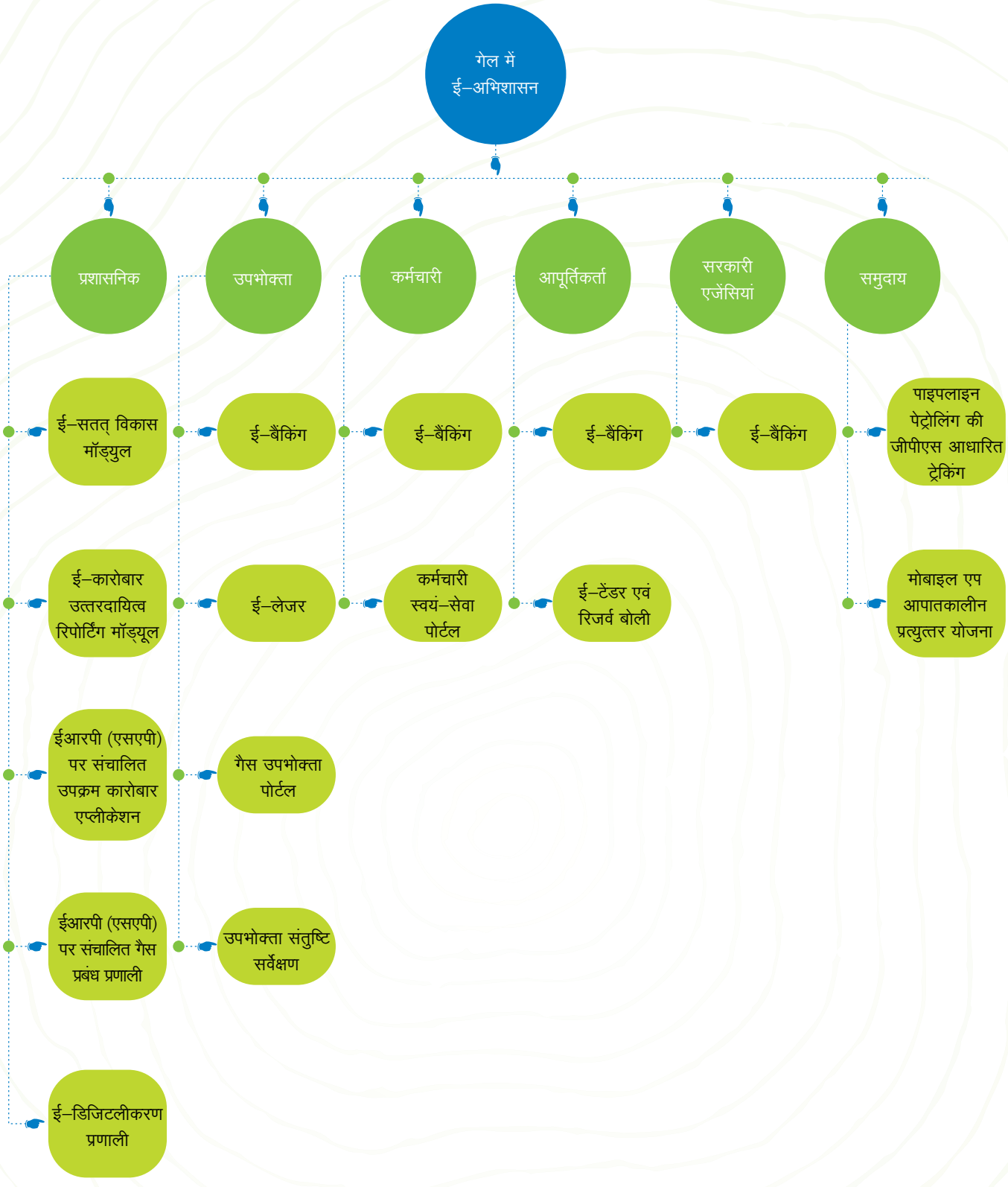

इलेक्ट्रॉनिक डाटा प्रबंध प्रणाली

गेल ने ''कागज़ का कम उपयोग'' की तरफ कदम बढ़ाते हुए वर्ष 2012 में अपने सम्पूर्ण उपक्रम में इलेक्ट्रॉनिक दस्तावेज प्रबंध प्रणाली (ईडीएमएस) को लागू किया, जिससे कागज के उपयोग को कम करने का अवसर प्रदान करते हुए न केवल लागत और समय की बचत होती है अपितु वितरण/रख–रखाव प्रयासों में भी कमी आती है और कारोबारी उत्पादकता बढ़ती है। जमीनी स्तर पर उपभोक्ताओं की सहायता के लिए गेल के विभिन्न स्थलों पर समर्पित टीमों की तैनाती की गई है। गेल प्रशिक्षण संस्थान, नोएडा में व्यक्तिगत स्तर पर आवश्यकता अनुसार और सहायता के तौर पर दूरस्थ डेस्कटॉप के माध्यम से बैच बनाकर प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। दिनांक 31 मार्च, 2016 की स्थिति के अनुसार हमारे 1.3 लाख से भी अधिक अभिलेख ईडीएमएस में शामिल किए गए हैं, जिनमें से 40 प्रतिशत केवल इलेक्ट्रॉनिक अभिलेख हैं; 40 प्रतिशत का डिजिटलीकरण किया गया है तथा शेष 20 प्रतिशत को भौतिक स्वरूप में रखा गया है। डिजिटलीकरण का निर्णय अभिलेख की संवेदनशीलता के आधार पर लिया जाता है, इसे कितनी बार देखा जाता है और कितने व्यापक स्तर पर देखा जाता है।

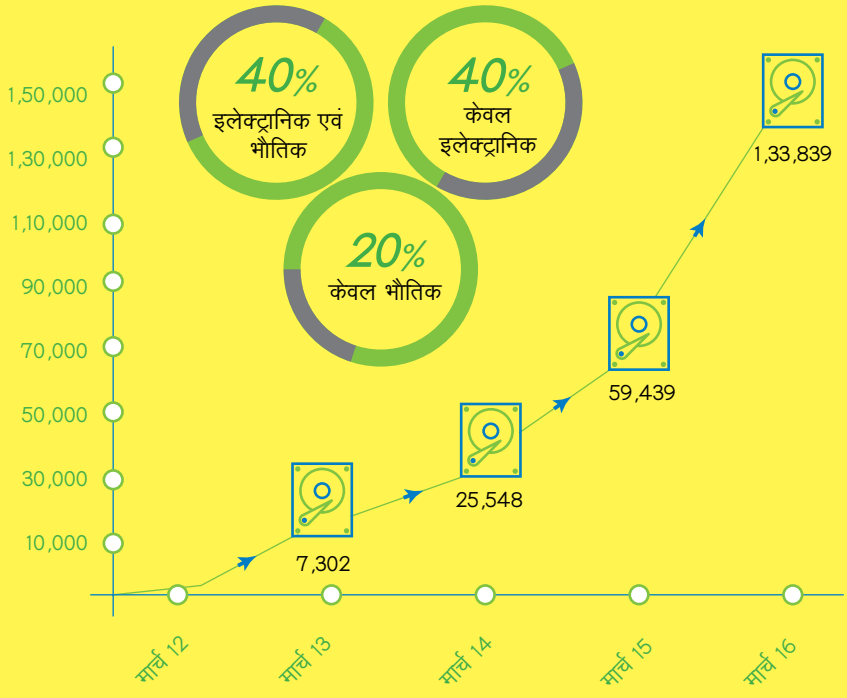

हमारे प्रचालनों में सतत् विकास

गेल की प्रचालन उत्कृष्टता में सतत् विकास प्रक्रियाओं और पर्यावरण के अनुकूल प्रचालनों के कार्यान्वयन को शामिल किया जाता है। हमारी सतत् विकास नीति में ऊर्जा दक्षता में सुधार, जल संरक्षण, जैव–विविधता और अपशिष्ट प्रबंधन पर ध्यान देते हुए प्राकृतिक संसाधनों के इष्टतम उपयोग, सामग्री प्रतिस्थापन, पुनर्चक्रण और पुनः उपयोग तथा पर्यावरण के अनुकूल एवं स्वच्छ प्रौद्योगिकियों के माध्यम से इन्हें प्राप्त करने का लक्ष्य निर्धारित किया जाता है। इसके अतिरिक्त, इस नीति में गेल को जीएचजी उत्सर्जन में कमी करने तथा पर्यावरण के अनुकूल उत्पादों और सेवाओं को वरीयता प्रदान करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

हमारी सतत् विकास महत्वाकांक्षा 2020 के माध्यम से हमने जीएचजी उत्सर्जन, विशिष्ट ऊर्जा, जल उपभोग, अपशिष्ट जल पुनर्चक्रण तथा हमारे प्रचालनों की पर्यावरणीय अनुकूलता और अपशिष्ट पदार्थ प्रबंधन में सुधार के लिए जागरूकता के लक्ष्यों को स्वैच्छिक तौर पर निर्धारित किया है। इसकी निगरानी और संचालन गेल की सतत् विकास समिति द्वारा किया जाता है।

अपशिष्ट पदार्थ प्रबंधन[जी4–डीएमए]

हमारी सतत् विकास कारोबारी प्रक्रियाओं के एक भाग के तौर पर अपशिष्ट पदार्थ प्रबंधन एक गंभीर मुद्दा उभरकर सामने आया है, जिसका पर्यावरण पर दीर्घकालिक प्रभाव पड़ता है। जबकि गेल किसी प्रकार के आयात, निर्यात अथवा परिवहन संबंधी किसी कार्यकलाप अथवा बेसल समझौते [जी4–ईएन25] के अंतर्गत हानिकारक समझे जाने वाले अपशिष्ट पदार्थों के उपचार में शामिल नहीं है, कम्पनी की पेट्रोकेमिकल यूनिटों में टार, अपशिष्ट जल उपचार संयंत्र (डब्ल्यूडब्ल्यू टीपी) में कीचड़, मॉलीक्यूल सीवेज, टार ऐश तथा स्लोप ऑयल ऐसे हानिकारक ठोस अपशिष्ट पदार्थों के तौर पर पैदा होते हैं, जिनमें भारी धातु के अंश शामिल नहीं होते।

ई–अपशिष्ट प्रबंधन

वर्ष 2016 में ईएफसीसी (पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन) मंत्रालय ने ई–अपशिष्ट (प्रबंधन और रखरखाव) नियमावली, 2011 के स्थान पर ई–अपशिष्ट प्रबंधन नियमावली, 2016 को अद्यतन किया। ई–अपशिष्ट के रख–रखाव संबंधी नियम और सख्त बनाए गए हैं तथा इसमें उपकरणों के वृहत स्तर जैसे कम्पेक्ट फ्लूरोसेंट लैम्प्स (सीएफएल) तथा अन्य पारा निहित लैम्प्स को शामिल किया है। इन नियमों में ई–अपशिष्ट के संग्रहण और विनिमय का उत्तरदायित्व उत्पादकों के लिए निर्धारित किया गया है तथा इन्हें लक्ष्यों सहित विस्तारित उत्पादक उत्तरदायित्व के अंतर्गत विनिर्दिष्ट किया गया है। ई–अपशिष्टों के थोक उपभोक्ता के तौर पर गेल ऐसी मदों का संग्रहण और रख–रखाव करने तथा इन्हें अधिकृत पुनर्चक्रण करने वालों को सौंपने के लिए प्रतिबद्ध है।

ई–अपशिष्ट के नए नियमों के संबंध में जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए फरवरी, 2016 में गेल के कर्मचारियों के लिए विज्ञान एवं पर्यावरण केन्द्र के माध्यम से एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में ई–अपशिष्ट पदार्थों तथा इनके प्रबंधन, निपटान तकनीकों एवं संग्रहण प्रणालियों के बारे में प्रशिक्षण प्रदान किया गया। गेल ने ई–अपशिष्ट के प्रबंध हेतु पहले ही प्रणालियों और प्रक्रियाओं का कार्यान्वयन किया है तथा इन्हें सुरक्षा/पर्यावरणीय लेखा–परीक्षा के साथ समेकित किया है।

हानिकारक और अन्य अपशिष्ट (मैनेजमेंट एंड ट्रांसबाउंडरी मूवमेंट) नियमावली, 2016 की अनुसूची–1 के अनुसार पेट्रोकेमिकल प्रचालनों

निपटान पद्धति द्वारा ठोस अपशिष्ट निपटान (एमटी)

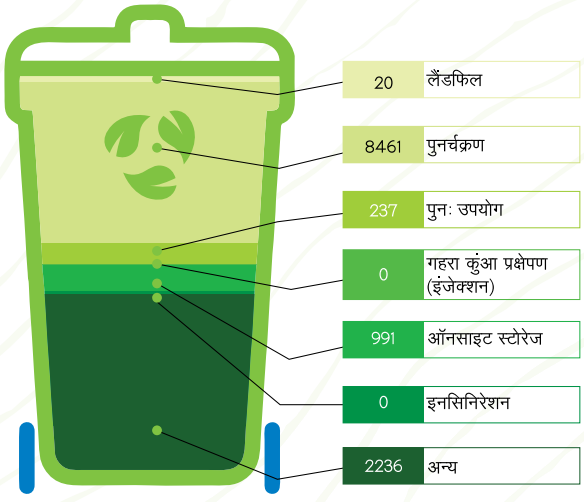

निपटान पद्धति द्वारा तरल अपशिष्ट निपटान (लीटर)

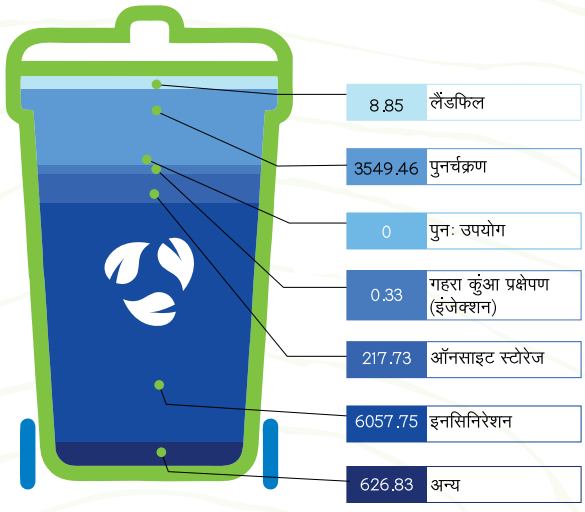

से निकलने वाले ऑयली स्लज इमल्सन एंड स्लोप ऑयल को हानिकारक अपशिष्ट के तौर पर अभिनिर्धारित किया गया है। ये अपशिष्ट पेट्रोकेमिकल के निर्माण के दौरान पैदा होते हैं तथा इन्हें पाता स्थित गेल के एक समर्पित अपशिष्ट जल उपचार संयंत्र में अलग किया जाता है। तैलीय गाद का निपटान दैनिक तौर पर उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा अनुमोदित उपचार भंडारण और निपटान सुविधा (टीएसडीएफ) के माध्यम से किया जाता है। डब्ल्यूडब्ल्यूटीपी से निकलने वाली अन्य आर्गेनिक गाद को लैंड फिलिंग और हरित पट्टी विकास प्रयोजनार्थ उपयोग में लाया जाता है। मॉलीक्यूलर सीवेज तथा टार ऐश की एक सुरक्षित लैंडफिल की जाती है तथा स्लोप ऑयल को पुनर्चक्रण और पुनः उपयोग हेतु सांविधिक तौर पर अनुमोदित पक्षकारों को बेचा जाता है। गेल के पेट्रोकेमिकल संयंत्र में विनिर्माण प्रक्रिया में पैदा होने वाली टार ऐश के भस्मीकरण हेतु एक समर्पित भस्मीकरण (इनसिनिरेशन) सुविधा भी है। वर्तमान में पेट्रोकेमिकल संयंत्र के विस्तार के कारण, जो अग्रिम स्तर पर है, इनसिनिरेशन सुविधा को मौजूदा स्थान से नए स्थान पर स्थानांतरित करने का कार्य किया जा रहा है। इसके साथ ही संचित टार ऐश का निपटान अनुमोदित टीएसडीएफ के माध्यम से किया जा रहा है। अन्य अपशिष्ट पदार्थ जैसे उपयोग में लाई गई बैट्रियां नई बैट्रियों की आपूर्ति के समय संस्थापनाओं में पुनर्चक्रण के प्रयोजनार्थ संबंधित विक्रेताओं को वापस लौटा दी जाती हैं। उपयोग में लाया गया तेल, बेकार तेल तथा अपशिष्ट तेल को ड्रम में एकत्रित किया जाता है, जिन्हें यार्ड क्षेत्र में निर्धारित स्थलों पर रखा जाता है तथा इनका निपटान दिशा–निर्देशों के अनुसार सीपीसीबी/एमओईएफ/एसपीसीबी द्वारा प्राधिकृत प्रोसेसर्स के माध्यम से किया जाता है।

निपटान पद्धति द्वारा विविध अपशिष्ट पदार्थों का निपटान (संख्या)

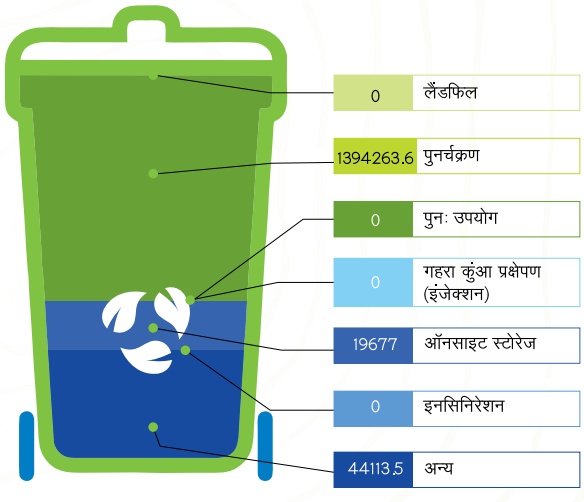

ऊर्जा प्रबंधन-जी4–डीएमए

हमारा ऊर्जा उपभोग (मिलियन जीजे)

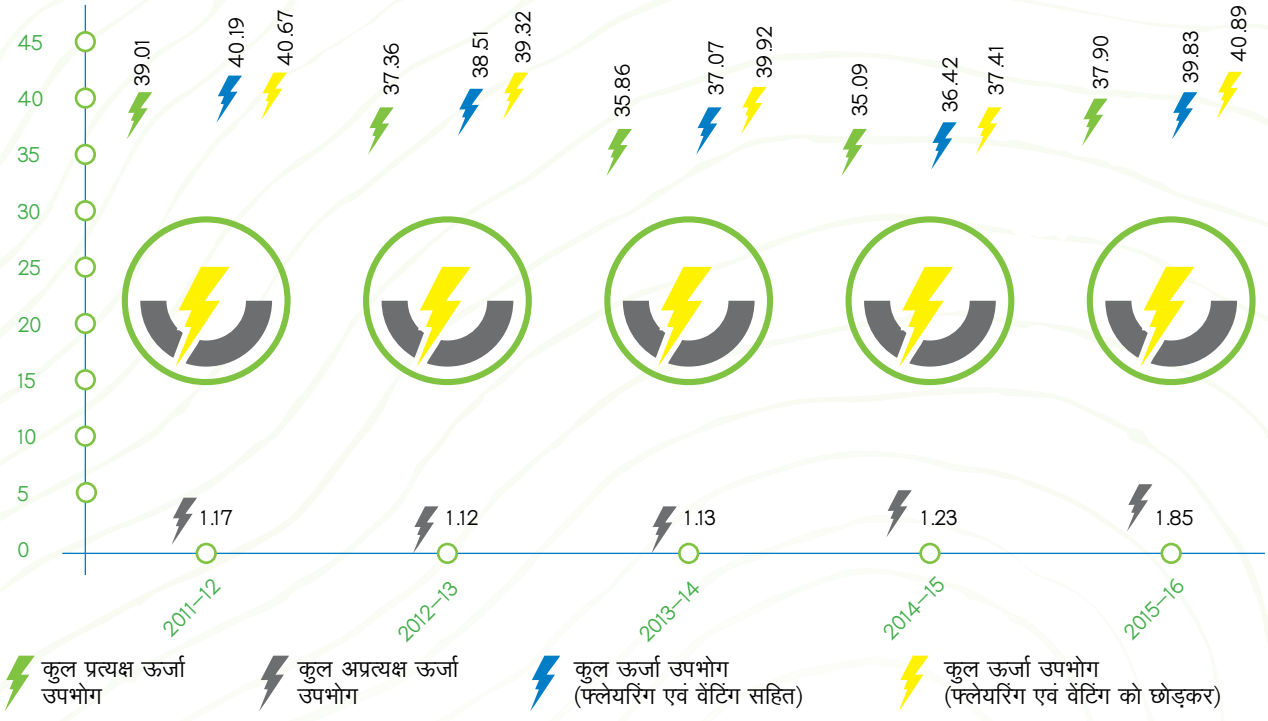

हमारे प्राचलनों में ऊर्जा की अधिकता को कम करने के लिए गेल ऊर्जा उपयोग में कमी तथा ऊर्जा दक्षता में वृद्धि करने पर ध्यान केन्द्रित करती है। हमारा उद्देश्य एलएचसी एवं पीसी उत्पादन में विशिष्ट ऊर्जा उपभोग में 5 प्रतिशत तक कमी करना है। इसके अतिरिक्त, समेकित ऊर्जा प्रबंध प्रणालियों, ऊर्जा उपभोग की निगरानी, ऊर्जा लेखा–परीक्षा प्रारंभ करने तथा ऊर्जा बचत उपायों एवं उपचारात्मक कार्यों का कार्यान्वयन करके समेकित ऊर्जा के लिए संगठन योजना के माध्यम से और कमी करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। गेल ऊर्जा बचत उपायों के तौर पर उन्नत प्रौद्योगिकियों के उपयोग एवं नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों की उपयोगिता का समर्थन करती है।

इस प्रकार, गेल ने अपने परियोजना स्थलों पर ऊर्जा प्रबंध प्रणालियों (आईएसओ 50001:2011) के सतत् कार्यान्वयन की प्रक्रिया प्रारंभ की है। इस पहल के अंतर्गत गांधार को वर्ष 2013–14 में आईएसओ 50001:2011 प्रमाणन मिला तथा गेल वाघोडिया यूनिट के लिए वर्ष 2014–15 में द्वितीय स्तरीय प्रमाणन लेखा–परीक्षा की सिफारिश की गई।

ऊर्जा दक्षता में वृद्धि तथा उपभोग में कमी का लागत बचत पर सीधा प्रभाव पड़ता है। इसलिए, गेल ने निम्नलिखित क्षेत्रों में कई ऊर्जा बचत पहलें प्रारंभ की हैं :–

क्षेत्र	पहल
अधिप्राप्ति	➲ अद्यतन ऊर्जा प्रभावी लाइटिंग प्रणालियों के साथ प्रतिस्थापन। ➲ निविदाओं में ऊर्जा प्रभावी और टिकाऊ उत्पादों की अधिप्राप्ति। ➲ उत्पाद की न्यूनतम 3 स्टार रेटिंग विशिष्टियों वाले इलेक्ट्रिकल उपकरण की अधिप्राप्ति। ➲ लागत लाभ विश्लेषण करने के बाद 10 वर्ष से अधिक पुराने एसी को बदलना। ➲ एलईडी आधारित लाइटिंग प्रणालियों को लागू करना। ➲ बीईई स्टार रेटिंग एयर कंडीशनर तथा गेल स्थलों पर सौर ऊर्जा का लगाया जाना।

प्रचालनात्मक उत्कृष्टता के माध्यम से सुदृढ़ प्रणालियां और प्रक्रियाएं सुनिश्चित करना

क्षेत्र	पहल
उपकरण एवं प्रक्रिया	• गेल गंधार में अपरिष्कृत जल पम्पों के लिए वेरिएबल फ्रीक्वेंसी ड्राइव की स्थापना करना। • गेल वाघोडिया में वेस्ट हीट रिकवरी स्टीम जेनरेशन सिस्टम (डब्ल्यूएचआरएसजी) की स्थापना करते हुए गैस टरबाइन कम्प्रेसर (जीटीसी) के एक्जास्ट से वेस्ट हीट की रिकवरी की गई है और इस प्रकार थर्मल प्रदूषण में कमी करते हुए स्टीम जेनरेशन हेतु अपेक्षित ऊर्जा की बचत की गई है। • वाघोडिया में गैस टरबाइन कम्प्रेसर (जीटीसी) की ऑनलाइन दक्षता निगरानी से वित्त वर्ष 2015–16 के दौरान 1.17 करोड़ रुपए तक का ईंधन बचाया गया है। • वाघोडिया के जीटीसी में ल्यूब ऑयल कूलिंग सिस्टम में तापमान नियंत्रण लॉजिक शामिल करने के परिणामस्वरूप कूलिंग पंखों के ईष्टतम संचालन के माध्यम से ऊर्जा संरक्षण हुआ है।
सुविधाएं	• परम्परागत लाइटिंग सिस्टम के स्थान पर अधिक प्रभावी टी5/एलईडी लाइटिंग सिस्टम लगाए गए हैं। • वीएसपीएल के एसवी स्टेशनों पर टीईजी पावर को ग्रिड पावर में परिवर्तित किया गया है। • सभी नई भवन परियोजनाओं में हरित भवन अवधारणा को शामिल किया गया है। • आईजीबीसी द्वारा गेल जुबली टावर के लिए एलईईडी प्लेटिनम प्रमाणन। • छांपसा यूनिट के लिए हरित भवन हेतु 4 स्टार गृह रेटिंग।
नवीकरणीय ऊर्जा[ओजी3]	• जेएलपीएल के आईपीएस मानसरामपुरा में 5 किलोवाट क्षमता के ऑनलाइन सौर पेनल की स्थापना की गई है जो प्रतिदिन 20 किलोवाट विद्युत पैदा कर रहा है। इसी प्रकार, जेएलपीएल के एसवी–46 में 1 किलोवाट सौर प्रणाली स्थापित की गई है जिससे दूरस्थ एसवी स्टेशन पर विद्युत विश्वसनीयता में वृद्धि हुई है। • सम्पूर्ण डीबीपीएल नेटवर्क में 34 एसवी/आईपी स्टेशनों पर बैट्री बैकअप के साथ सौर प्रणाली की स्थापना की गई है, जो कुल नेटवर्क की 84 प्रतिशत ऊर्जा आवश्यकता को पूरा करने के लिए लगभग 14.8 लाख यूनिट विद्युत पैदा करती है। • एनसीआर क्षेत्र में 3 सौर विद्युत संयंत्र तथा क्रमशः 7.5 केडब्ल्यूपी, 15 केडब्ल्यूपी और 2×7.5 केडब्ल्यूपी क्षमता के 4 सौर संयंत्र जामनगर लोनी पी/एल क्षेत्र के अंतर्गत स्थापित किए गए हैं। • जेएलपीएल के नसीराबार क्षेत्र के अंतर्गत सभी एसवी/आईपीएस में सौर ऊर्जा आधारित स्ट्रीट लाइटें लगाई गई हैं। इसी प्रकार, भवन के लाइटिंग प्रयोजन तथा कावेरी बेसिन में डिस्पेच टर्मिनल, रामनाद के प्रक्रिया क्षेत्र की यार्ड लाइटिंग हेतु सौर ऊर्जा का कार्य प्रगति पर है।

जलवायु परिवर्तन और उत्सर्जन प्रबंधन[जी4–डीएमए, जी4–ईएन7, जी4–ईएन15, जी4–ईएन16, जी4–ईएन17, जी4–ईएन19, जी4–ईसी2]

हमारी सतत् विकास नीति तथा महत्वाकांक्षाओं के एक भाग के तौर पर गेल ने, जैसा कि हमारे ओएंडएम दर्शन में कहा गया है, अपनी प्रक्रियाओं में सुधार के माध्यम से जीएचजी उत्सर्जन गहनता में 33 प्रतिशत तथा विशिष्ट जीएचजी उत्सर्जन में 5 प्रतिशत की कमी करने की प्रतिबद्धता भी व्यक्त की है। कम्पनी आशयित तौर पर जलवायु परिवर्तन जोखिमों और अवसरों की निगरानी करती है तथा इनका प्रबंध करने के लिए कई अनुसंधान और विकास परियोजनाओं एवं उपशमन पहलों को प्रारंभ करती है:

- गेल ने अमेरिकी पर्यावरण संरक्षण एजेंसी (यूएस ईपीए) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करते हुए इसे फ्यूजिटिव और वेंटिड मिथेन उत्सर्जन के संबंध में अध्ययन हेतु प्राकृतिक गैस एसटीएआर (स्टार) कार्यक्रम में भागीदार बनाया है। यूएस ईपीए द्वारा यह अध्ययन विजयपुर, हजीरा और झाबुआ कार्य स्थलों के संबंध में किया गया है और इसके परिणामस्वरूप गेल विजयपुर अपने आधार वर्ष 2010–11 में 2.89 एमएमएससीएम (मिलियन एम3)/वर्ष मिथेन उत्सर्जन कम करने में सफल रहा है, जो 41,225 टन कार्बन–डाई आक्साइड कम करने के समकक्ष है। कम्प्रेसर वेट सील प्रोसेसिंग वेंट के कारण बार–बार होने वाले फ्यूजिटिव उत्सर्जनों का समाधान सील गैस रिकवरी परियोजना द्वारा किया जा रहा है, जो फ्यूजिटिव गैस उत्सर्जन की रिकवरी करके कम्प्रेसर के सक्शन में पुनः चक्रित करेगा और इस प्रकार वातावरण में इसका उत्सर्जन नहीं होगा।
- गेल विजयपुर में कम्पनी ने गेल टाऊनशिप के लिए पाइपलाइन द्वारा प्राकृतिक गैस (पीएनजी) आपूर्ति प्रारंभ की है, जो रिकवरी की गई फ्लेयर/वेस्ट गैस से की जाती है। इससे जीएचजी उत्सर्जन में काफी कमी आई है और ऊर्जा की बचत भी हुई है। इसके अतिरिक्त, इस पहल से एलपीजी की भी बचत होती है जिसे ग्रामीण क्षेत्रों में प्रदान किया जा सकता है।
- गेल ने एक प्रायोगिक परियोजना प्रारंभ की है जो यूएनएफसीसीसी से पंजीकृत है तथा इसका प्रयोजन गाजीपुर लैंडफिल से लैंडफिल गैस (एलएफजी) प्राप्त करने के लिए कार्बन क्रेडिट्स प्राप्त करना है। एलएफजी के संग्रहण और उत्कर्षण के लिए 20 एलएफजी कुओं का निर्माण

किया गया है। वर्तमान में, रिकवर की गई एलएफजी के एक भाग को आबद्ध फ्लेयर प्रणाली में सुरक्षित तौर पर नष्ट किया जा रहा है तथा इसके एक भाग का उपयोग माइक्रो–टर्बाइन के माध्यम से विद्युत उत्पादन के लिए किया जा रहा है। वित्त वर्ष 2015–16 में प्रायोगिक संयंत्र में 3000 मीट्रिक टन कार्बन–डाइऑक्साइड के समकक्ष फ्यूजिटिव मिथेन उत्सर्जन को नष्ट किया गया है।

- जीएचजी का उपशमन करने के लिए कार्बन डाइऑक्साइड को मूल्य वर्धित रसायनों में परिवर्तित करना एक विकल्प है। चूंकि कार्बन –डाइऑक्साइड एक बहुत स्थिर रसायन है, इसलिए इस क्षेत्र में हमारे प्रयास बाई/ट्राई और ड्राइ रिफार्मिंग के माध्यम से इसे एसवाईएन गैस में परिवर्तित करने के लिए विभिन्न प्रकार के कैटलिस्ट का विकास करने के संबंध में केन्द्रित हैं। गेल बायो–ईंधन पैदा करने के लिए माइक्रोबायल एलगी का उपयोग करते हुए कार्बन–डाइऑक्साइड के निर्धारण हेतु अनुसंधान और विकास परियोजना भी संचालित कर रहा है।
- सभी सुरक्षा वाल्व, प्रेशर नियंत्रित वाल्व इत्यादि, जो हानिकारक पदार्थ का प्रवाह करते हैं, को अत्यधिक विश्वसनीय फ्लेयर प्रणाली के साथ जोड़ा गया है, जहां बिना जलाई गई गैसों की प्रत्यक्ष वेंटिंग से बचने के लिए सभी छोड़ी गई गैसों और तरल पदार्थों को नियंत्रित सुरक्षित बिन्दुओं पर जलाया जाता है।

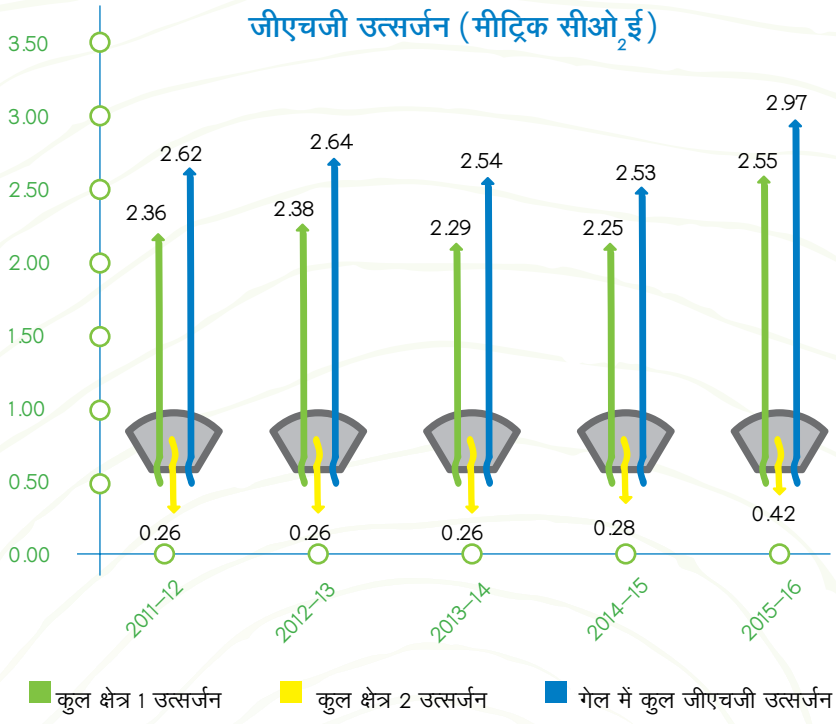

- गेल गंधार में एलपीजी बुलेट्स के एसएमपीवी सांविधिक निरीक्षण के दौरान 30 मीट्रिक टन प्रति बुलेट एलपीजी वेपर्स की रिकवरी की गई।
- गेल द्वारा जैसलमेर में एक 5 मेगावाट सौर ऊर्जा विद्युत संयंत्र परियोजना की स्थापना की गई थी और इससे ग्रिड को 8.59 मिलियन यूनिटों का निवल निर्यात किया गया है। इस परियोजना को यूएनएफसीसीसी द्वारा एक सीडीएम परियोजना के तौर पर पंजीकृत किया गया था।

वित्त वर्ष 2015–16 के लिए हमारा क्षेत्र। कार्बन–डाइऑक्साइड उत्सर्जन 2.55 मीट्रिक टन तथा हमारा क्षेत्र ।। कार्बन–डाइऑक्साइड उत्सर्जन 0.42 मीट्रिक टन था। हमने कारोबारी यात्रा में क्षेत्र ।।। कार्बन–डाइऑक्साइड उत्सर्जन का अनुमान लगाया है जो क्षेत्र । और ।। कार्बन–डाइऑक्साइड उत्सर्जनों की तुलना में नगण्य है। हमारे क्षेत्र ।।। उत्सर्जनों में और कमी करने के लिए वित्त वर्ष 2015–16 में कुल 437 घंटों की विडियो कॉन्फ्रेंसिंग की गई थी। जी4–डीएमए, जी4–ईएन4, जी4–ईएन30

जल प्रबंधन जी4–डीएमए

गेल की सतत् विकास महत्वाकांक्षा 2020 में आधार रेखा वर्ष 2010–11 की तुलना में जल उपभोग घनत्व में 45 प्रतिशत कमी करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसलिए, गेल में जल उपभोग का गहन निगरानी, नियंत्रण और प्रबंध किया जाता है। गेल के प्रचालनों में ऐसा अपशिष्ट जल पैदा नहीं किया जाता जिसका उपचार मुश्किल हो और ज्यादातर जल प्रवाह फ्लोर वाश, कूलिंग वाटर ब्लो डाऊन तथा सीवेज के तौर पर होता है। अपशिष्ट जल प्रवाह को कम करने के लिए प्रौद्योगिकियों को अपनाया गया है और जहां अपशिष्ट जल पैदा होता है, वहां उत्प्रवाह उपचार संयंत्रों की स्थापना की गई है।

स्रोत से जल निकासी का वर्णन आगामी पृष्ठ पर इन्फोग्राफिक के माध्यम से किया गया है। जी4–ईएन8

गेल के स्थलों पर जल निकासी द्वारा किसी भी जल स्रोत को अत्यधिक प्रभावित नहीं किया गया है। जी4–ईएन9

किसी भी उत्प्रवाहित जल को संयंत्र के परिसर से बाहर डिस्चार्ज नहीं किया जाता है (विजयपुर एवं गंधार यूनिटों तथा एनजी कम्प्रेसर स्टेशनों और एलपीजी पम्पिंग स्टेशनों में शून्य डिस्चार्ज के अनुरूप) और सभी डिस्चार्ज संबंधित राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों की अनुपालना करते हुए किए जाते हैं।

हमारे अपशिष्ट जल डिस्चार्ज का कोई महत्वपूर्ण प्रभाव नहीं होता और हमारे प्रचालनों के नजदीक स्थित जल निकायों में इसका प्रवाह किया जाता है। गेल के पाता संयंत्र में डब्ल्यूडब्ल्यूटीपी है, जो सभी यूनिटों में पैदा हुए औद्योगिक अपशिष्ट जल का उपचार करता है तथा सेंगर नदी में उत्प्रवाह के डिस्चार्ज की अनुमति के लिए प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा निर्धारित विनिर्देशों की अनुपालना करता है। उपचारित उत्प्रवाही जल का पुनर्चक्रण किया जाता है तथा बागवानी के लिए उपयोग में लाया जाता है। इससे उस स्वच्छ जल की बचत होती है, जिसका उपयोग अन्यथा गेल स्थलों के आसपास हरित पट्टियों के विकास के लिए किया जाता।

कुल जल उपभोग (मिलियन एम^3)

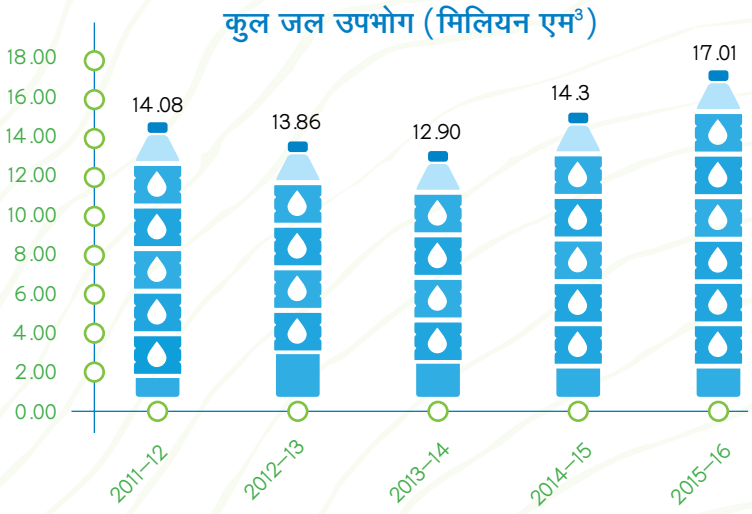

अपशिष्ट जल कार्य–निष्पादन वित्त वर्ष 2015–16 (मिलियन एम^3)

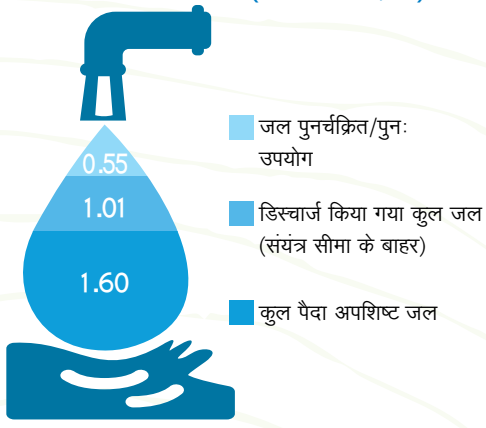

गेल के परियोजना स्थलों पर जल की उपलब्धता प्राय एक चुनौतीपूर्ण कार्य होता है इसलिए विजयपुर में (दो परियोजनाएं) और गेल झाबुआ (कासरबाड़ी, मोहनकोट, दूधमल एवं देवगढ़बरिया) वर्षा जल संग्रहण लागू करके भू–जल रिचार्ज किया जाता है।

गेल झाबुआ में बागवानी हेतु पोर्टेबल स्प्रिंकलर्स और ट्रिगर टाइप वाटर स्प्रे सिस्टम्स का उपयोग करते हुए 'जल संचय' परियोजना के माध्यम से इष्टतम स्तर तक जल संरक्षण किया जाता है। पूर्व में आरओ संयंत्र से बाहर जाने वाला 10,000 लीटर जल प्रतिदिन अब 25,000 लीटर क्षमता वाले ऊपरी टैंक के निर्माण के माध्यम से इस प्रयोजनार्थ उपलब्ध कराया जाता है। बेकार बोर–वेल का पुनरुद्धार करते हुए गेल ने 400 केएल/माह जल अतिरिक्त तौर पर उपलब्ध कराया है। हमने नलों और जोड़ों से जल लीकेज को बंद करके तथा दोषपूर्ण सेंसर्स की गहन निगरानी और मरम्मत करके, जिसके परिणामस्वरूप जल भंडारण क्षेत्रों में ओवरफ्लो होता था, जल बर्बादी को कम किया है।

स्रोत द्वारा जल उपभोग

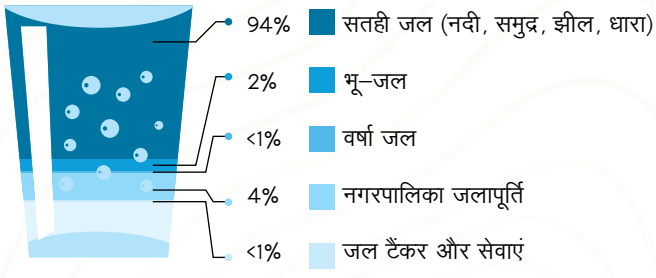

अनुसंधान और विकास

गेल अपने कारोबारी क्षेत्रों में निर्धारित किए गए मुख्य क्षेत्रों में विभिन्न अनुसंधान और विकास परियोजनाओं का संचालन कर रहा है। इस संबंध में गेल विभिन्न इंजीनियरिंग संस्थाओं और सीएसआईआर प्रयोगशालाओं के साथ सक्रिय सहयोगात्मक अनुसंधान कर रहा है। मौजूदा अनुसंधान पोर्टफोलियो में बेसिक, एप्लीकेशन तथा प्रायोगिक स्तरीय अनुसंधान एवं विकास परियोजनाएं शामिल हैं। वित्त वर्ष 2015–16 में प्रारंभ की गई कुछ मुख्य अनुसंधान और विकास पहलों में मिथेन की ड्राई एवं ट्राई रिफार्मिंग हेतु उच्च अध्ययन, निम्न प्रेशर पर प्राकृतिक गैस के भंडारण हेतु कोवेलेंट आर्गेनिक फ्रेमवर्क (सीओएफ) सामग्रियों का विकास, मिथेन का पता लगाने के लिए कम लागत की सेंसर्स हेतु सामग्रियों का विकास, पाइपलाइन डाटा अंतरण के लिए वायरलेस सेंसर नेटवर्क (डब्ल्यूएसएन) का प्रायोगिक परीक्षण, पाइपलाइन आरओयू की सैटेलाइट निगरानी, पाइपलाइन की स्थिति की निगरानी हेतु रोटेटिंग प्रोबस वाले रोबोट आधारित स्मार्ट सेंसर्स, एलएफजी की कम गुणवत्ता का उपयोग करने के लिए गाजीपुर लैंडफिल स्थल पर माइक्रो टरबाइन आधारित विद्युत संयंत्र शामिल है।

डीपीई ने पीएसयू को अनुसंधान और विकास कार्यकलापों पर कर भुगतान के बाद गत वर्ष के लाभ का 1 प्रतिशत व्यय करने का अधिदेश दिया है। वित्त वर्ष 2015–16 में गेल ने आरएंडडी कार्यकलापों पर अब तक का सर्वाधिक ₹ 76.5 करोड़ का व्यय किया है जो अधिदेशित पीएटी के 1 प्रतिशत से भी अधिक है।

आर एंड डी पर हमारा कुल व्यय (करोड़ रू. में)

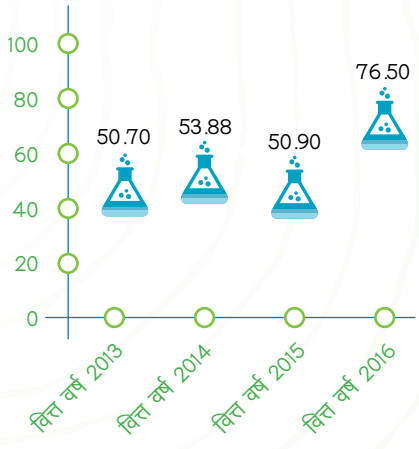

मानव पूंजी :
विकास के लिए क्षमताओं का संवर्धन

360° फीडबैक

95.28% कर्मचारी

वित्त वर्ष 2015–16 में
सुरक्षा और कौशल
प्रशिक्षण

जीरो टॉलरेंस

बाल एवं बलपूर्वक श्रम के प्रति

मानव पूंजी: विकास हेतु क्षमताओं का संवर्धन

गेल की सफलता का क्षेत्र मुख्य तौर पर एक सुदृढ़ कंपनी संस्कृति निर्मित करने पर आधारित है जिसकी अगुवाई एक ऐसा गुणवत्तापरक कार्यबल करता है जो सहयोग और नवाचार में विश्वास रखता है। व्यापक दृष्टिकोण से देखें तो भारत के आर्थिक विकास में तेल और गैस (ओएंडजी) क्षेत्र के महत्व को ध्यान में रखते हुए भारत की विकास की गाथा के संदर्भ में एक ऊर्जावान और अभिप्रेरित ओ एंड जी कार्यबल अत्यधिक महत्वपूर्ण है। इस परिदृश्य में गेल के सभी कार्यकलापों में एक सक्षम कार्यबल को आकर्षित करना और इसे बनाए रखना अत्यधिक आवश्यक हो जाता है।

इस संबंध में स्थानीय ओएंडजी क्षेत्र को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, जिनमें से कुछ वैश्विक प्रवृतियों के अनुरूप हैं। एक वृद्ध होते कार्यबल में आगामी कुछ वर्षों में अत्यधिक संख्या में सेवानिवृत्ति की संभावना रहती है, विशेष तौर पर अपस्ट्रीम क्षेत्र में ऐसी अधिक संभावना है। हमारी कारोबारी विस्तार और विविधीकरण योजनाओं, विशेष तौर पर डाऊनस्ट्रीम पेट्रोकेमिकल क्षेत्र में, के कारण सक्षम व्यावसायियों की और अधिक आवश्यकता होगी। इसके अतिरिक्त, राष्ट्रीय गैस ग्रिड के माध्यम से हमारे गैस परिसंचरण के विस्तार पर ध्यान दिए जाने और सीजीडी पर बल दिए जाने से अतिरिक्त जनशक्ति की आवश्यकता महसूस होगी। प्रतिभा आकर्षण, उसे बनाए रखने, विकास करने और अभिप्रेरित करने की बेहतर प्रक्रिया अपनाए जाने का महत्व अत्यधिक बढ़ जाता है तथा इसके लिए सावधानीपूर्वक योजना बनाने और उसका कार्यान्वयन किए जाने की आवश्यकता है।

हमारा दृष्टिकोण जी4–डीएमए

कंपनी ने भर्ती के अपने दोनों विकल्पों का प्रयोग करना जारी रखा है अर्थात् नए स्नातकों को हायर कर प्रशिक्षित करना तथा तत्काल सक्षमता के उपयोग के लिए अपेक्षित कौशल सेट के साथ अनुभवी लोगों को हायर करना। अन्वेषण और उत्पादन विशेष तौर पर हमारे विदेशी कारोबार में अपारम्परिक विधियों के तेजी से बढ़ने से नई और अपरम्परागत सक्षमताओं की आवश्यकता महसूस हुई है। विविधीकरण पर अत्यधिक ध्यान दिए जाने के बदले गेल ने सोर्सिंग, ट्रेडिंग, विद्युत, नौपरिवहन, एमएंडए इत्यादि सहित अपने ऐसे विविध कार्यों जिनमें विशेषज्ञ कौशलों की आवश्यकता होती है, अपनी जनशक्ति आवश्यकताओं को नियमित तौर पर मूल्यांकन करती है तथा इसके साथ ही संविदा, परियोजना, विनियामक और जोखिम प्रबंधन इत्यादि में मौजूदा सक्षमताओं को सुदृढ़ करने के लिए कार्रवाई करती है। उन क्षेत्रों में, जिनमें बहु–कौशल सेट अपेक्षित है, क्रॉस कार्यात्मक टीमों की तैनाती की गई है और अत्यधिक विविधीकरण तथा अंतर्राष्ट्रीय विस्तार के कारण गैर–कोर क्षेत्रों जैसे वित्त, अंतर्राष्ट्रीय कानून, कर प्रबंधन इत्यादि के लिए आवश्यक भर्तियां की जा रही हैं। सक्षमता निर्माण सुनिश्चित करने तथा अत्यधिक कार्य–निष्पादन को सरल बनाने के लिए संबंधित टीमों के लिए संकेन्द्रित प्रशिक्षण कार्यक्रमों की योजना बनाई गई है तथा रणनीतिक व्यवसाय क्षेत्रों में वरिष्ठ कार्यपालकों के चुनिंदा समूह के लिए उच्च प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

तेल और गैस संरक्षण पखवाड़ा–2016 के दौरान गेल कर्मचारियों की भागीदारी

हमारा उद्देश्य वर्तमान परिदृश्य में इस क्षेत्र के बाजार आयामों पर विचार करते हुए हमारी आंतरिक सक्षमताओं में सौहार्दपूर्ण सामंजस्य स्थापित करना है। हमारे निर्धारित कारोबारी लक्ष्यों और उद्देश्यों की तरफ आगे बढ़ने के हमारे लक्ष्य के साथ गेल में हमारा विश्वास व्यक्तिगत और सांगठनिक दोनों ही स्तरों पर स्वयं में सतत् सुधार करने, उद्योग में होने वाले बदलावों के अनुकूल स्वयं को ढालने में है, चाहे यह विनियामक परिवेश अथवा कारोबारी क्षेत्र की नई मांगों के संबंध में हो। इस प्रकार, गेल वर्तमान समय तथा भविष्य की चुनौतियों का समन्वय करने के उद्देश्य के साथ मानव पूंजी प्रशिक्षण और विकास को अत्यधिक महत्व प्रदान करता है।

–निदेशक (एचआर)

नेतृत्व विकास और भावी योजना तैयार करना

हम सुविचारित प्रशिक्षण और भावी योजना पहलों के माध्यम से आंतरिक नेतृत्व विकसित करने का सतत् प्रयास करते हैं। हमारे वरिष्ठ स्तर के कार्यपालकों का विकास मूल्यांकन किया जाता है और उनके कौशलों का आकलन किया जाता है। इस प्रक्रिया में चिन्हित किए जाने वाले विकास अंतरों का समाधान कार्यपालक विकास कार्यक्रमों, जॉब रोटेशन और उच्चतर उत्तरदायित्वों के माध्यम से किया जाता है। गेल आईआईएम बंगलौर और कोलकाता के माध्यम से वरिष्ठ स्तर के कार्यपालकों के लिए व्यक्तिगत विकास कार्यक्रमों का आयोजन करता है। ये प्रशिक्षण कार्यक्रम वरिष्ठ प्रबंधन विकास केन्द्र (एसएमडीसी) के परिणाम पर आधारित होते हैं।

सुव्यवस्थित ढंग से कैरियर प्रोन्नति और नेतृत्व विकास के लिए गेल ने एक बेहतर और उपयुक्त कार्य–निष्पादन मूल्यांकन एवं विकास प्रणाली का विकास किया है। यह प्रणाली स्वयं मूल्यांकन एवं विकास की सुविधा प्रदान करती है, जिसकी बाद में संबंधित निरीक्षकों के साथ समीक्षा की जाती है जिसके आधार पर प्रत्येक कर्मचारी के लिए और विकास तथा प्रोन्नति की योजना बनाई जाती है। गेल में पदोन्नति प्रणाली एक ऐसी पद्धति पर आधारित है जिसमें प्रतिभा और वरिष्ठता दोनों का ध्यान रखा जाता है। हमारे नियमित कर्मचारियों की 100 प्रतिशत नियमित कार्य–निष्पादन और कैरियर विकास समीक्षा की जाती है। जी4–एलए11

गेल में 360° फीडबैक

कैरियर प्रोन्नति के लिए अधिक समग्र पद्धति विकसित करने के लिए गेल ने एक 360° फीडबैक उपकरण प्रारंभ किया है। इसमें तीन मुख्य श्रेणियों – सुपीरियर, पीयर्स/कॅलीग और अधीनस्थ संबंधी प्रतिवादियों से प्रत्येक मूल्यांकन की फीडबैक मांगी जाती है, मूल्यांकन किए गए व्यक्ति द्वारा दैनिक कार्यों में दर्शाए गए ध्यान दिए जा सकने योग्य व्यवहार के संबंध में फीडबैक लिया जाता है। यह फीडबैक ढांचागत प्रश्नावलियों के माध्यम से तीन श्रेणियों के प्रतिवादियों से व्यावहारिक सक्षमताओं के संबंध में मांगा जाता है। इस फीडबैक का दूसरा महत्वपूर्ण पहलू यह है कि इसमें फीडबैक की गोपनीयता बनाए रखी जाती है तथा फीडबैक/प्रतिक्रिया को बिना नाम के रखा जाता है। इस संबंध में, यह आश्वासन दिया जाता है कि उपर्युक्त में से किसी भी प्रतिवादी श्रेणी में प्रत्येक व्यक्ति द्वारा दिए गए फीडबैक को अनाम रखा जाएगा तथा किसी भी स्थिति में कोई प्रतिक्रिया किसी विशिष्ट व्यक्ति द्वारा पता नहीं लगाई जा सकती। प्रतिवादियों द्वारा दिए गए सामूहिक फीडबैक की औसत प्रतिक्रिया के तौर पर गणना की जाती है। इस उपकरण से प्राप्त बहु–रेटिंग वाले फीडबैक का उपयोग कैरियर प्रोन्नति और मूल्यांकन किए गए व्यक्ति की व्यक्तिगत विकास योजना विकसित करने के लिए किया जाएगा।

उपयुक्त प्रतिभा को आकर्षित करना

तेल और गैस क्षेत्र के अत्यधिक विशिष्टीकृत स्वरूप को ध्यान में रखते हुए, सक्षम प्रतिभा को आकर्षित करना एचआर विभाग के लिए एक बड़ी चुनौती है। गेल में एक बेहतर भर्ती प्रक्रिया अपनाई जाती है, जिसमें पारदर्शी और मेरिट आधारित चयन पर विशेष बल दिया जाता है। इस नीति के त्रि–स्तरीय उद्देश्य हैं – योजना बनाना, भर्ती करना, पदस्थापन करना।

योजना

- जनशक्ति आवश्यकताओं की योजना बनाना तथा आवश्यक अर्हताओं, कौशलों, दक्षता और अनुभव के साथ अपेक्षित मानव संसाधनों का अपेक्षित बजट बनाना।

भर्ती करना

- भर्ती को विनियमित और इसका आयोजन करना तथा कंपनी के उपयुक्त मानव संसाधनों का चयन करना।

पदस्थापन करना

- कर्मचारियों की योग्यता/अनुभव और दक्षता इत्यादि को ध्यान में रखते हुए उनके लिए श्रेष्ठ उपयुक्त स्थान पर पदस्थापना करना।

मानव पूंजी: विकास हेतु क्षमताओं का संवर्धन

हमारी मानव संसाधन योजना (एचआरपी) को कॉर्पोरेट तथा यूनिट स्तर पर लागू किया जाता है। निम्नलिखित इन्फोग्राफिक में उन पदों को दर्शाया गया है जिनकी भर्ती दोनों स्तरों पर होती है तथा इसमें भर्ती के लिए अपनाई जाने वाली पद्धतियों को भी दर्शाया गया है:

निम्नलिखित सारणी में वर्ष 2015–16 के दौरान हमारे नए हायर किए गए लोगों की स्थिति को दर्शाया गया है जी4–एलए1

	पुरूष	महिला	कुल
वर्ष 2015–16 में नए हायर किए गए	134	2	136
वर्ष 2014–15 में नए हायर किए गए	300	14	314
वर्ष 2013–14 में नए हायर किए गए	121	11	132

प्रतिभा बनाए रखना और उन्हें प्रेरित कराना जी4–10

कई अध्ययनों से कर्मचारियों की प्रेरणा और कारोबारी लाभ के बीच सीधे संबंधों का पता चला है। कर्मचारी की उत्पादकता और कार्य–निष्पादन को बढ़ाने में प्रेरणा एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। गेल में हम अपने कर्मचारियों और संस्कृति को प्रेरित करने में निवेश करने के लिए दृढ़ विश्वास रखते हैं। एचआर विभाग कर्मचारियों के मनोबल को बढ़ाने तथा कर्मचारियों को बनाए रखने में सुधार करने हेतु विभिन्न औपचारिक एवं अनौपचारिक माध्यमों से कर्मचारियों की सहभागिता हेतु कई पहलें करता है। कर्मचारियों को खुले संचार चेनलों जेसे सीएमडी ओपन हाऊस, ऑनलाइन शिकायत समाधान प्रणाली और सुझाव योजनाओं के माध्यम से अपने विचार व्यक्त करने के लिए प्रेरित किया जाता है। लम्बी सेवा अवधि को यथा मान्यता प्रदान की जाती है तथा एक स्वस्थ कार्य–जीवन संतुलन को प्रोत्साहित किया जाता है। हम सम्पूर्ण कार्यबल में विविधता और समावेशिता को सक्रिय तौर पर प्रोत्साहित करते हैं, जैसाकि अभी हाल ही में स्थापित महिला कर्मचारी अवॉर्ड से स्पष्ट होता है। हम प्रतिस्पर्धी प्रतिपूर्ति और लाभ प्रदान करते हैं, जिसका और उल्लेख शेयरधारकों संबंधी अध्याय में किया गया है। हमारी एचआर नीति की समग्र सफलता को ऐसे वर्तमान कर्मचारियों के उच्च प्रतिशत से देखा जा सकता है, जिनकी सम्पूर्ण कार्य अवधि का पाई–चार्ट में वर्णन किया गया है।

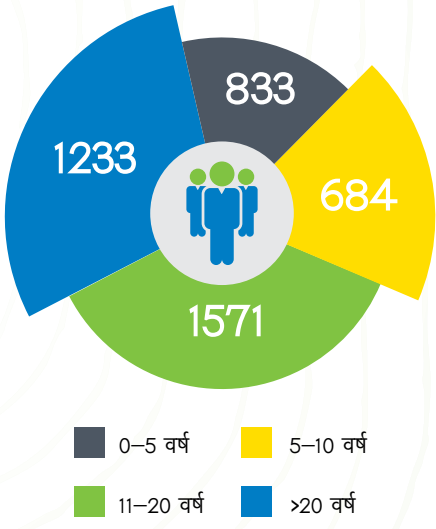

हमारी कर्मचारी प्रतिधारण रणनीति के एक भाग के तौर पर, हमने निम्नलिखित पहलें की हैं :

आकर्षक क्षतिपूर्ति और लाभ पैकेज

- हाऊस बिल्डिंग एवं कन्वेयंस एडवांस
- महिला कर्मचारियों के लिए दो वर्ष का भुगतान सहित शिशु देखभाल अवकाश
- अन्य लाभों में ग्रेच्युटी, सेवानिवृति उपरांत चिकित्सा लाभ, अर्जित अवकाश लाभ, टर्मिनल लाभ, अर्ध वेतन अवकाश और लम्बी सेवा अवधि को मान्यता प्रदान करना

अधिवर्षिता लाभ

- अधिवर्षिता लाभों में मूल वेतन और महंगाई भत्ते के 30 प्रतिशत का प्रावधान जिसमें अंशदायी भविष्य निधि (सीपीएफ), ग्रेच्युटी, पेंशन तथा सेवानिवृति उपरांत चिकित्सा लाभ शामिल हैं

पुरस्कार और मान्यता

- ऐसी सुझाव योजना जो हमारे कर्मचारियों को अर्थव्यवस्था, दक्षता और प्रभावशीलता में सृजनशील और नवाचारी बनने के लिए प्रोत्साहित करती है। श्रेष्ठ सुझाव के लिए सीएमडी ट्राफी प्रदान की जाती है

औपचारिक और ढांचागत प्रशिक्षण के अतिरिक्त हम अपने कार्यबल को सेवाकालीन प्रशिक्षण भी प्रदान करते हैं जो उन्हें बेहतर कार्य निष्पादन के लिए अभिप्रेरित करता है तथा इसके परिणामस्वरूप वे अपनी सफलता और हमारे विकास में योगदान देते हैं। यह हमारे प्रतिभाशाली व्यावसायियों को लम्बे समय तक प्रतिधारण का एक मुख्य कारक है।

वित्त वर्ष 2015–16 में कर्मचारियों द्वारा नौकरी छोड़ना

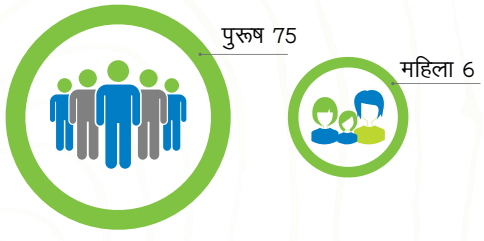

कुल 81 कर्मचारी सेवा से अलग हुए

पैतृक अवकाश के पश्चात् कार्य पर लौटे कर्मचारी (वित्त वर्ष 2015–16 के लिए) जी4.एलए3

	महिला–पुरूष	संख्या
पैतृक अवकाश के लिए पात्र कर्मचारियों की संख्या	पुरूष	4070
	महिला	251
उन कर्मचारियों की संख्या जिन्होंने पैतृक अवकाश लिया	पुरूष	125
	महिला	19
कर्मचारियों की संख्या जो पैतृक अवकाश की समाप्ति पर काम पर लौटे	पुरूष	125
	महिला	19
पैतृक अवकाश की समाप्ति पर लौटे कर्मचारियों की संख्या जो अपनी वापसी के पश्चात 12 माह से नियोजित थे	पुरूष	117
	महिला	14
पैतृक अवकाश की समाप्ति के पश्चात काम पर लौटे कर्मचारियों की प्रतिधारण दर	पुरूष	100
	महिला	100

कर्मचारी प्रशिक्षण जी4–डीएमए, जी4–एलए9, जी4–एलए10

प्रशिक्षण और विकास कॉर्पोरेट अभिशासन का एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है तथा यह कर्मचारियों की क्षमता निर्माण के लिए अनिवार्य है। कम्पनी प्रभावी प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए व्यापक स्तर पर समय और संसाधनों का निदेश करती है। गेल में मौजूदा और नए कारोबारी कार्यों जेसे ईएंडपी कार्यकलाप तथा अन्य के साथ–साथ हेजिंग और शिपिंग में कर्मचारियों के कौशल सेट को सुदृढ़ करने के लिए प्रशिक्षण मॉड्यूल्स की अभिकल्पना की जाती है। कर्मचारियों को क्रॉस–कार्यात्मक प्रशिक्षण कार्यक्रमों में अन्य कार्यात्मक क्षेत्रों के मूलभूत तत्वों को सीखने का अवसर प्रदान किया जाता है। कम्पनी में प्रशिक्षण और विकास हेतु ढांचागत प्रक्रिया को अपनाया जाता है ताकि एक ऐसा कार्यबल सुनिश्चित किया जा सके जो उपयुक्त ज्ञान, कौशल, दक्षता तथा अत्यधिक विशेषज्ञता वाले कार्यों का व्यावहारिक अनुभव रखने वाला हो।

वर्ष 1997 में नोएडा में स्थापित किया गया गेल प्रशिक्षण संस्थान (जीटीआई) एक आईएसओ : 9001 प्रमाणित संस्थान है, जो हमारे कर्मचारियों के सभी प्रकार के प्रशिक्षण के लिए संसाधन और सुविधाएं प्रदान करता है। अधिक कर्मचारियों की आवश्यकता को पूरा करने के लिए दूसरा जीटीआई वर्ष 2005 में जयपुर में स्थापित किया गया। वित्त वर्ष 2015–16 में पुरूष कर्मचारियों को 162550 तथा महिला कर्मचारियों को 41480 घंटे का प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

कर्मचारियों को विभिन्न अवसरों पर आयोजित किए जाने वाले ई–ज्ञान शेयरिंग कार्यक्रमों, ऑनलाइन क्विज तथा प्रतिस्पर्धी कार्यक्रमों के माध्यम से कार्यात्मक और व्यावहारिक पहलुओं के बारे में सुरक्षा और कौशल जानकारी प्रदान की जाती है। गेल का एक सर्वाधिक नवाचारी प्रशिक्षण कार्यक्रम है – 'ई–ज्ञान प्रवाह', यह एक ऐसा ई–अध्ययन मंच है जिसका विकास हारवर्ड मैनेज मेंटर के अनुकूल हारवर्ड बिजनेस पब्लिशिंग के सहयोग से किया गया है, जो वरिष्ठ प्रबंधन विकास केन्द्र प्रक्रिया के दौरान अभिनिर्धारित विकास के महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर आधारित है। कर्मचारियों को वृहत तस्वीर समझाने हेतु सीएनजी कारोबार सिंहावलोकन संबंधी ई–अधिगम मॉड्यूल का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। यह मॉड्यूल एक घंटे की समयावधि का है तथा मॉड्यूल को रुचिकर बनाए रखने के लिए परस्पर संवादात्मक मंचों और एनिमेशन का प्रयोग किया गया है। मॉड्यूल के अंत में सहभागियों के लिए एक मूल्यांकन प्रक्रिया दी गई है।

वित्त वर्ष 2015–16 के दौरान सुरक्षा और कौशल विकास प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले कर्मचारियों का प्रतिशत

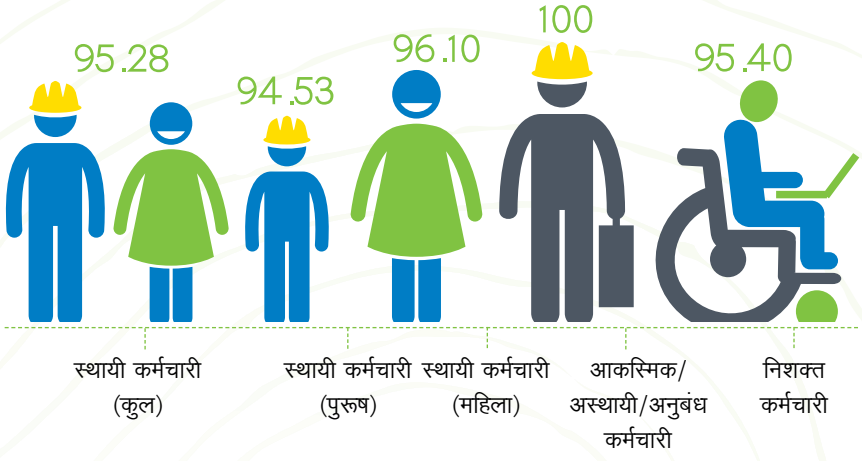

यह सुनिश्चित किया जाता है कि नए भर्ती कर्मचारी, जिन्हें कार्यकारी प्रशिक्षार्थी का दर्जा प्रदान किया गया है, को एक सघन इंडक्शन सह ओरिएंटेशन प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान किया जाए। इसके अतिरिक्त, कार्यकारी प्रशिक्षार्थियों की प्रगति की निगरानी करने के लिए एक ऑनलाइन निगरानी एवं मूल्यांकन प्रणाली का प्रयोग किया जाता है। गेल में आयोजित किए जाने वाले अन्य प्रशिक्षणों में सॉफ्ट स्किल, अभिप्रेरणा, कार्यात्मक पहलुओं, स्वास्थ्य, सुरक्षा, पर्यावरण, मानवाधिकार संबंधी प्रशिक्षण शामिल हैं। संगठन की स्वास्थ्य और सुरक्षा नीतियों तथा प्रक्रिया–विधियों संबंधी प्रशिक्षण जीटीआई के आंतरिक समझौता ज्ञापन का मुख्य पैरामीटर है तथा जीटीआई में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों एवं बाह्य प्रशिक्षण कार्यक्रमों में स्वास्थ्य, सुरक्षा और पर्यावरण संबंधी प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए 580 कार्य–दिवस समर्पित किए गए। सतत् विकास में 2612 (61 प्रतिशत) गेल कर्मचारियों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। पर्यावरणीय शिक्षा संबंधी प्रशिक्षण कार्यक्रमों पर लगभग ₹ 1.08 लाख व्यय किए गए।

गेल ने अपने पूर्णकालिक कर्मचारियों के लिए तकनीकी, व्यावहारिक, कारोबारी रणनीति, सुरक्षा और पर्यावरण इत्यादि के संबंध में कुल 278 प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया। तद्नुसार, प्रति कर्मचारी 4.69 कार्य–दिवस (औसतन) प्रदान किए गए। वित्त वर्ष 2015–16 के लिए प्रशिक्षण व्यय ₹ 10.25 करोड़ है।

अधिवर्षिता प्राप्त करने वाले कर्मचारियों के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है ताकि कर्मचारियों को अपने आगामी जीवन के लिए तैयार किया जा सके। इन कार्यक्रमों का फोकस वृद्धावस्था की चुनौतियों का सामना करने तथा अपने समय को बेहतरीन कार्यों में लगाने संबंधी तौर–तरीकों पर होता है। इन कार्यक्रमों में विभिन्न वित्तीय निवेश योजनाओं तथा अन्य विधिक बाध्यताओं जैसे वसीयत लिखने के संबंध में जागरूकता प्रदान की जाती है। गेल में अधिवर्षिता प्राप्त कर्मचारियों के लिए एक विशेष पोर्टल है जिसमें भागीदारों को कम्पनी द्वारा प्रदान किए जाने वाले महत्वपूर्ण कार्यकलापों और सुविधाओं की जानकारी प्रदान की जाती है।

रोजगार और श्रम प्रक्रियाएं जी4–एलए13, जी4–डीएमए

जैसा कि स्वास्थ्य और सुरक्षा संबंधी अध्याय में विस्तार से उल्लेख किया गया है, हम गेल में हमारे कर्मचारियों के स्वास्थ्य और सुरक्षा पर विशेष बल देते हैं। यह सुरक्षा और संरक्षा हमारे लिए सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। हमने कर्मचारियों और अन्य हितधारकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए संरक्षात्मक और उपचारात्मक उपाय किए

हैं। गेल की औपचारिक संयुक्त प्रबंध कामगार और सुरक्षा समितियों में कार्यबल को 100 प्रतिशत प्रतिनिधित्व प्रदान किया गया है, जो व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा कार्यक्रमों की निगरानी तथा परामर्श में सहायता प्रदान करती हैं।

गेल एक समान अवसर प्रदान करने वाला नियोक्ता है जो लिंग, जाति, धर्म इत्यादि के आधार पर भेदभाव नहीं करता है तथा समान कार्य के लिए समान वेतन में दृढ़ विश्वास के साथ इसका कार्यान्वयन करता है। जैसाकि पूर्व में उल्लेख किया गया है हमारे कर्मचारियों की भर्ती में 100 प्रतिशत मेरिट आधारित दृष्टिकोण अपनाया जाता है। गेल समान परिलब्धि अधिनियम, 1976 का अनुपालन करता है और लिंग के आधार पर वेतन में कोई भेदभाव नहीं किया जाता है। कम्पनी यह भी सुनिश्चित करती है कि किसी भी कार्य–स्थल पर भर्ती/कैरियर विकास/मूल्यांकन प्रक्रिया तथा क्षतिपूर्ति के लिए कोई भेदभाव न किया जाए। वित्त वर्ष 2015–16 के दौरान भेदभाव किए जाने संबंधी किसी घटना की जानकारी नहीं मिली हालांकि, यौन प्रताड़ना की एक घटना की जानकारी मिली है। सक्रिय तौर पर विविधता को बढ़ावा देने के लिए गेल प्रबंधन ने महिला कर्मचारियों की सराहनीय सेवाओं तथा संगठन के विकास में समग्र योगदान के लिए तीन पुरस्कार प्रारंभ किए हैं। इन पुरस्कारों का उद्देश्य कार्यात्मक प्रबंधन, सामाजिक पहलों और कॉर्पोरेट सांस्कृतिक पहलों के क्षेत्र में सेवाओं के लिए गेल की असाधारण महिला कर्मचारियों के योगदान की मान्यता प्राप्त करना तथा उन्हें प्रेरित करना है।

संघ और सामूहिक सौदेबाजी की स्वतंत्रता

जी4–डीएमए, जी4–एचआर4

गेल अपने संबंधित कामगारों/कर्मचारियों के हितों का प्रतिनिधित्व करने वाले यूनियनों को मान्यता प्रदान करता है। गेल एम्प्लॉईज़ एसोसिएशन (जीईए) कॉर्पोरेट कार्यालय के अतिरिक्त देश भर के विभिन्न क्षेत्रीय कार्यालयों/संयंत्रों/संस्थापनाओं के गैर–कार्यपालकों का प्रतिनिधित्व करने वाला निकाय है। कॉर्पोरेट कार्यालय में तैनात गैर–कार्यपालकों का प्रतिनिधित्व गेल कर्मचारी संघ (जीकेएस) द्वारा किया जाता है, विभिन्न समूहों, कार्यों और कार्य स्थलों से नामित वरिष्ठ स्तरीय कार्यकारी अधिकारियों वाली समिति कॉर्पोरेट स्तर पर संघ के विभिन्न मुद्दों को देखती है जबकि कार्य स्थल स्तर पर प्रभारी अधिकारी, एचआर एवं अन्य विभागों के अध्यक्षों वाली समिति यह कार्य करती है। शत–प्रतिशत गैर–कार्यपालक गेल एम्प्लॉईज़ एसोसिएशन (जीईए) और गेल कर्मचारी संघ (जीकेएस) के सदस्य हैं, जिन्हें सामूहिक सौदेबाजी करारों के अंतर्गत शामिल किया गया है। कुल मिलाकर 21.6 प्रतिशत कर्मचारी इन मान्यता प्राप्त संघों के सदस्य हैं। जी4–11

कार्य स्थल और कॉर्पोरेट स्तर पर मासिक/द्विमाही/तिमाही बैठकों के माध्यम से कर्मचारियों के साथ सामूहिक तौर पर विचार–विमर्श किया जाता है। विभिन्न कार्य स्थलों पर किए गए विचार–विमर्श का अभिलिखित किए गए नोट्स का निदेशक (एचआर) द्वारा प्रभावी निगरानी के लिए मासिक आधार पर कॉर्पोरेट कार्यालय में संकलित किया जाता है। हम महत्वपूर्ण प्रचालनात्मक परिवर्तनों के संबंध में नोटिस अवधि प्रदान करने के लिए औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 की धारा 4 और अनुसूची 4 की अनुपालना करते है। जी4–एलए–4 वित्त वर्ष 2015–16 के दौरान ऐसा कोई प्रचालन नहीं है जो संघ और सामूहिक सौदेबाजी की स्वतंत्रता प्रक्रिया के अधिकारों का उल्लंघन संबंधी जोखिम लेते हुए संचालित किया गया। ट्रेड यूनियनों के साथ औपचारिक समझौतों में अनुबंध कर्मचारियों के लिए संगत सभी स्वास्थ्य और सुरक्षा विषयों को शामिल किया गया है।

मानवाधिकार

जी4–डीएमए, जी4–एचआर1, जी4–एचआर2, जी4–एचआर3, जी4–एचआर5, जी4–एचआर6, जी4–एचआर7, जी4–एचआर9

गेल देश के कानूनों (जैसे श्रम प्रक्रियाओं, बाल श्रम, बलपूर्वक श्रम, कार्य स्थितियों इत्यादि के संबंध में कानूनों) की सख्त अनुपालना करता है। हम अन्तर्राष्ट्रीय विधेयकों और संधियों के तहत अन्य स्वैच्छिक करारों के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमने यूनाइटेड नेशंस ग्लोबल कम्पेक्ट (यूएनजीसी) पर भी हस्ताक्षर किए हैं, जिसमें मानवाधिकारों पर विशेष ध्यान दिया गया है। हम कारोबार और मानवाधिकारों के संबंध में यूएन मार्गदर्शी सिद्धांतों के लिए भी प्रतिबद्ध है http://www.ohchr.org/Documents/Publications/GuidingPrinciplesBusinessHR_EN.pdf मानवाधिकारों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को इस तथ्य से मापा जा सकता है कि हम ऊर्जा क्षेत्र की कुछ भारतीय कंपनियों में से एक है, जिन्होंने एसए 8000, बेहतर कार्य स्थल के लिए अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त लेखा परीक्षा योग्य सामाजिक प्रमाणन को लागू किया है। एसए 8000 को गेल हजीरा में लागू किया गया था और यह मानवाधिकारों संबंधी संयुक्त राष्ट्र घोषणा (यूएनएचआर), आईएलओ अधिवेशन, यूएन और राष्ट्रीय कानून पर आधारित है। मानवाधिकारों के प्रति गेल की इन नीतियों और स्वैच्छिक प्रतिबद्धताओं को सही आशयों के साथ कायम रखा जाता है और लागू किया जाता है। हमारा विश्वास है कि अच्छी कॉर्पोरेट नागरिकता के लिए मानवाधिकारों का मुद्दा केन्द्र बिन्दु है जो स्वस्थ आधार तैयार करता है

सभी कर्मचारियों को प्रवेश के दौरान गेल के सीडीए नियमों के बारे में जानकारी प्रदान की जाती है ताकि उन पहलुओं के बारे में उनकी समझ को विकसित किया जा सके। गेल प्रशिक्षण

मानवाधिकारों संबंधी कर्मचारी प्रशिक्षण के लिए कुल घंटे (श्रम घंटों में)

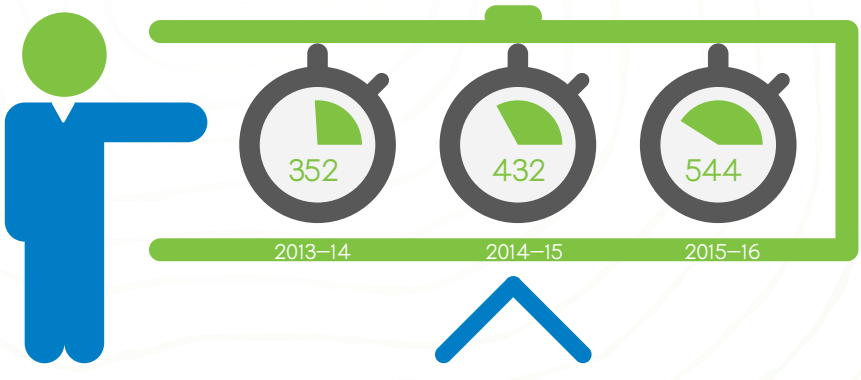

मानव पूंजी: विकास हेतु क्षमताओं का संवर्धन

संस्थान द्वारा श्रम कानूनों और आउटसोर्सिंग पर आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों में मानवाधिकारों संबंधी लगभग सभी मुख्य पहलुओं को शामिल किया जाता है। ऐसे प्रशिक्षण वार्षिक प्रशिक्षण योजना के तौर पर आयोजित किए जाते हैं तथा आऊटसोर्सिंग अनुबंधों के प्रभारियों को इस विषय पर प्रति वर्ष प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। इस वर्ष एक, दो–दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया और 34 कार्यपालकों (544 श्रम घंटे) को मानवाधिकार पहलुओं सहित श्रम कानूनों और आऊटसोर्सिंग संबंधी प्रशिक्षण प्रदान किया गया। हम कारोबार एवं मानवाधिकार के लिए मार्गदर्शी सिद्धांतों : संयुक्त राष्ट्र के आदर्श वाक्य ''सुरक्षा करो, सम्मान करो और उपचार करो'', के कार्यान्वयन का समर्थन करते हैं।

गेल ने एक महिला प्रकोष्ठ का गठन किया है, जो महिला विकास पर केन्द्रित योजनाबद्ध स्कीमों और अन्य कार्यक्रमों की समीक्षा करने के लिए उत्तरदायी है। गेल महिला प्रकोष्ठ महिलाओं के विकास हेतु राष्ट्रीय महिला आयोग, स्कोप एवं सार्वजनिक क्षेत्र में कार्यरत महिलाओं के साथ भी संपर्क स्थापित करता है। इसके अतिरिक्त, गेल ने कार्य स्थल पर यौन प्रताड़ना से बचाव हेतु एक सुपरिभाषित नीति भी लागू की है।

गेल बाल और बलपूर्वक श्रम के प्रति शून्य सहनशीलता की नीति अपनाता है और यह सुनिश्चित किया जाता है कि हमारे किसी भी प्रचालन में ऐसे श्रम की कोई घटना न हो। इसकी गारंटी सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक नई भर्ती के लिए आयु प्रमाण–पत्र जमा करने के लिए कहा जाता है। इसके अतिरिक्त, कम्पनी बच्चों की सामाजिक स्थिति में सुधार हेतु सक्रिय योगदान देते हुए बाल श्रम को समाप्त करने के लिए सक्रिय तौर पर कार्य करने हेतु प्रतिबद्ध है। इसको बढ़ावा देने के लिए, हम अपने आपूर्तिकर्ताओं को भी बाल श्रम रहित नीति लागू करने की दिशा में कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं।

हालांकि, बाल श्रम अथवा बलपूर्वक श्रम और अनिवार्य श्रम के खतरों वाले प्रचालनों की पहचान करने के लिए कोई औपचारिक/विशिष्ट पहल नहीं की गई है, परंतु वित्त वर्ष 2015–16 में बाल श्रम अथवा बलपूर्वक श्रम और अनिवार्य श्रम जैसी किसी घटना की जानकारी नहीं मिली है। प्रत्येक स्थान पर संबंधित कार्यपालक संबंधित सांविधियों की अनुपालना सुनिश्चित करते हैं। हमारे शत–प्रतिशत सुरक्षा कर्मियों को सुरक्षा सेवाओं में लागू मानवाधिकारों की विशिष्ट प्रक्रिया विधियों के बारे में प्रशिक्षण दिया गया है।

हमारे लोगों और पर्यावरण की सुरक्षा सुनिश्चित करना

हाइड्रोकार्बन्स के परिवहन हेतु चालकों को परिवहन आपातकालीन कार्ड्स सुरक्षा प्रशिक्षण प्रदान करते हैं

प्रचालन परिस्थितियों के कारण सुरक्षा और बेहतर स्वास्थ्य प्रबंधन प्रणाली तेल और गैस उद्योग के प्रचालनों का अत्यधिक महत्वपूर्ण घटक है। कई उद्योग सर्वेक्षणों में स्वास्थ्य के प्रति जोखिम और सुरक्षा खतरों को तेल और गैस उद्योग के लिए सबसे बड़ा जोखिम माना गया है। देश भर में हमारे द्वारा लागू की जाने वाली वृहत स्तरीय परियोजनाओं को ध्यान में रखते हुए, हमारे कारोबारी प्रचालनों के साथ जोखिम जुड़े हुए हैं। इसलिए, हमारे लिए सभी सुरक्षा दिशा–निर्देशों और विनियमों की अनुपालना करना अत्यधिक महत्वपूर्ण है। हमारा मानना है कि हमारे सामाजिक और पर्यावरणीय कार्यकलापों, विशेष तौर पर कर्मचारियों, अनुबंधकर्ताओं, आपूर्तिकर्ताओं, उपभोक्ताओं और स्थानीय समुदायों के स्वास्थ्य और सुरक्षा संबंधी कार्यकलापों में जरा सी असावधानी के भयंकर परिणाम होते हैं और उत्तरदायी संगठन की प्रतिष्ठा कभी भी ध्वस्त हो सकती है।

हमारा दृष्टिकोण[जी4–डीएमए]

गेल में हमारा उद्देश्य 'सुरक्षा प्रथम' रहता है। हमारी कॉर्पोरेट एचएसई नीति के निदेश के अंतर्गत हमारा उद्देश्य ऐसी सांगठनिक संस्कृति प्राप्त करना रहा है जो उत्कृष्ट स्वास्थ्य, सुरक्षा और पर्यावरणीय प्रणालियों पर संकेन्द्रित हो। यह सुनिश्चित करने के लिए इस नीति के कार्यान्वयन की नियमित निगरानी और लेखा परीक्षा की जाती है कि कामगारों के स्वास्थ्य और सुरक्षा का उपयुक्त ध्यान रखा जाए। एक जिम्मेवार संस्था के तौर पर, गेल प्रबंधन अनवरत तौर पर प्रबंधन प्रणाली में सुधार करने तथा कार्य स्थल पर चोट लगने और बीमार होने की घटनाओं को कम करने के लिए आवश्यक संरक्षात्मक एवं उपचारात्मक उपाय करने पर बल देता है। प्रत्येक वर्ष गेल की 'शून्य घटनाएं' की महत्वाकांक्षा को बोर्ड की व्यावसायिक स्वास्थ्य, सुरक्षा और पर्यावरणीय पहलुओं के प्रति प्रतिबद्धता से और मजबूत किया जाता है। बोर्ड की एसडीसी गेल के एचएसई कार्य–निष्पादन की समीक्षा करती है। इस समिति की अध्यक्षता एक स्वतंत्र निदेशक द्वारा की जाती है तथा एक कार्यात्मक निदेशक इसका सदस्य होता है। निदेश (एच आर) तथा निदेशक (परियोजना) द्वारा एक मासिक सुरक्षा समीक्षा की जाती है।

देशभर में गेल के स्थलों पर एक व्यापक और विस्तृत स्वास्थ्य, सुरक्षा और पर्यावरणीय प्रबंध प्रणाली (एचएसईएमएस), जो पेट्रोलियम उद्योग में सुरक्षा प्रबंध प्रणाली संबंधी तेल उद्योग सुरक्षा निदेशालय (ओआईएसडी) के दिशा–निर्देशों पर आधारित है, के माध्यम से सुरक्षा नीतियों और उपायों का कार्यान्वयन किया जाता है। गेल बोर्ड (पीएनजीआरबी) के दिशा–निर्देशों का भी अनुपालन करता है। गेल की कॉर्पोरेट एचएसई नीति एचएसईएमएस का आधार स्तम्भ है तथा इस पर हमारे अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक द्वारा हस्ताक्षर किए जाते हैं। कार्य–निष्पादन की निगरानी किए जाने के अतिरिक्त, बोर्ड की उप–समिति द्वारा आपातकालीन तैयारियों की भी समीक्षा की जाती है। हमारी एचएसईएम प्रणाली में 18 निम्नलिखित तत्व हैं जो सम्पूर्ण कारोबार प्रचालन और जोखिम रूपरेखा को समाहित करते हैं।

प्रणाली के कार्य–निष्पादन की नियमित समीक्षा और लेखा–परीक्षा प्रमाणित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों द्वारा की जाती है तथा पाए गए अंतरों की समीक्षा की जाती है, उन्हें वरीयता प्रदान की जाती है तथा इन अंतरों को दूर करने के लिए निर्धारित समय–सीमाओं के भीतर उपयुक्त उपचारात्मक उपाय किए जाते हैं।

एचएसई कार्यशाला के दौरान वीसी के माध्यम से गेल के ओएंडएम स्थलों की भागीदारी

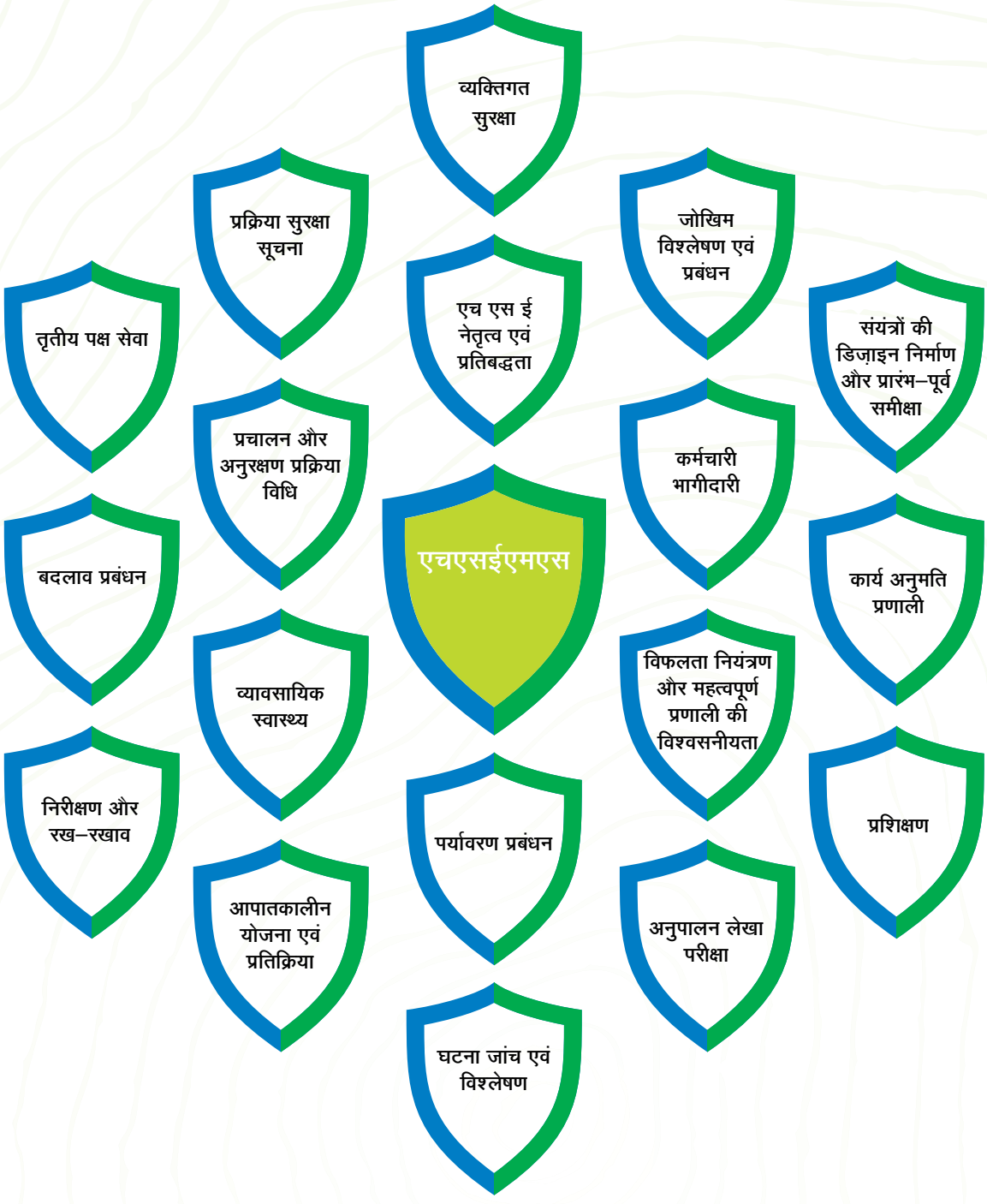

सुरक्षा नेतृत्व

गेल अपनी एचएसई प्रणालियों और प्रक्रियाओं में सतत् सुधार के लिए अद्यतन प्रौद्योगिकीय अविष्कारों को अपनाने में अग्रणी रहा है। अखिल भारतीय स्तर पर प्रचालनों में बेहतर स्वास्थ्य और सुरक्षा पहलों को बनाए रखने तथा इन्हें और बढ़ाने के लिए कई प्रणालीगत और प्रक्रिया–विधि संबंधी पहलें की गई हैं, इस प्रकार यह सुनिश्चित किया गया है कि तेल और गैस क्षेत्र में हमारी सुरक्षा के मामले में अग्रणी भूमिका बनी रहे। कुछ पहलों का उल्लेख आगामी पृष्ठ पर किया गया है:

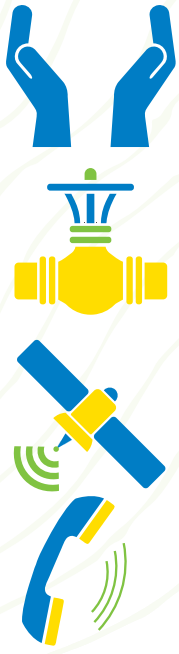

आपदा एवं संकट प्रबंधन

- मौजूदा आपदा प्रबंधन प्रणाली एवं आपातकालीन प्रत्युत्तर तथा आपदा प्रबंधन योजना (ईआरडीएमपी) की समीक्षा
- आपातकाल के दौरान सभी संबंधित समूहों से तीव्र और सटीक संपर्क स्थापित सुनिश्चित करने के लिए संकट प्रबंधन प्रणालियों की समीक्षा और आवधिक नवीनीकरण

केन्द्रीयकृत पाइपलाइन समेकन प्रबंध प्रणाली (सीआईएमजी)

- सीआईएमजी द्वारा अखिल भारतीय स्तर पर पाइपलाइनों की इंटीग्रिटी की केन्द्रीयकृत मॉनीटरिंग
- एक केन्द्रीयकृत पाइपलाइन समेकन प्रबंध प्रणाली (सीपीआईएमएस) का विकास–9100 किलोमीटर लंबी पाइपलाइनों के लिए एक आईटी समर्थित, जोखिम आधारित विश्लेषणात्मक सॉफ्टवेयर एप्लीकेशन को लागू किया गया है।

सेटेलाइट द्वारा पाइपलाइन की निगरानी

- 'भुवन–गेल' – पाइपलाइन आरओयू की दूरस्थ निगरानी हेतु सर्विलेन्स जियो– पोर्टल प्रारम्भ किया गया।

टोल फ्री नंबर

- घटना की जानकारी देने के लिए 5–डिजिट के टोल फ्री नंबर (15101) का प्रावधान

एचएसई कार्यशाला के दौरान विडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से गेल ओएंडएम स्थलों की भागीदारी

इन पहलों के अतिरिक्त, हमने एचएसई के माध्यम से सुरक्षा कार्य–निष्पादन मॉनीटरिंग की प्रक्रिया को भी सरलीकृत किया है। सभी स्थलों द्वारा मासिक रिपोर्ट भेजी जाती हैं जिनका विश्लेषण कॉर्पोरेट एचएसई विभाग द्वारा किया जाता है और 100 में से एचएसई स्कोर प्रदान किया जाता है। वित्त वर्ष 2015–16 में गेल का औसत एचएसई स्कोर 93.35 था, जो समझौता–ज्ञापन के लक्ष्य 90 से कहीं अधिक है। हमने प्रत्येक माह की 10 तारीख को सुरक्षा दिवस घोषित किया है जिसका आयोजन संबंधित संस्थापनों द्वारा सभी स्थल प्रभारियों द्वारा किया जाता है। इन दिवसों पर सभी सुरक्षा संबंधी मुद्दों की विस्तार से समीक्षा की जाती है, जिनमें लंबित लेखा–परीक्षा बिंदुओं जैसे ओआईएसडी, पीएनजीआरबीटी4एस तथा यह सुनिश्चित करने के लिए कमियों को समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाना तथा अन्य उपयुक्त पहले शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, हम एक संशोधित घटना रिपोर्टिंग प्रणाली का भी कार्यान्वयन करने जा रहे हैं, जिसमें मंत्रालय के विभिन्न निर्देशों को भी शामिल किया जाएगा। हमारी एमएपी प्रणाली में एक घटना/दुर्घटना लॉग का कार्यान्वयन किए जाने के अतिरिक्त, हम घटना रिपोर्टिंग के संबंध में विशेष तौर पर एमजीएमसी/आरजीएमसी पर तैनात कर्मचारियों को जागरूक बनाने के लिए नियमित तौर पर कार्यक्रमों का आयोजन करते हैं। घटना रिपोर्टिंग प्रणाली के प्रवाह को आगामी पृष्ठ पर दर्शाया गया है:

वर्ष के दौरान हुई घटनाएं

गत पांच वर्षों में प्रत्येक वर्ष हुई घटनाओं की संख्या का ब्यौरा निम्न सारणी में दिया गया है:

प्रचालन और अनुरक्षण

घटना का विवरण	2011–12	2012–13	2013–14	2014–15	2015–16
दुर्घटना (अग्नि/लीकेज से भिन्न)	0	0	0	0	1
अग्नि/लीकेज	0	0	3	2	1
घातक घटनाओं की संख्या (उपर्युक्त में शामिल नहीं)	0	0	0	1	0
मौतों की संख्या	0	0	0	22	3
घायल (सभी उपर्युक्त घटनाएं)	0	0	8	18	4

पीएनजीआरबी[ओजी3] के अनुसार घटनाएं	
स्तर 1 घटनाओं की कुल संख्या	09
स्तर 2 घटनाओं की कुल संख्या	02
स्तर 3 घटनाओं की कुल संख्या	शून्य

आपातकालीन योजना

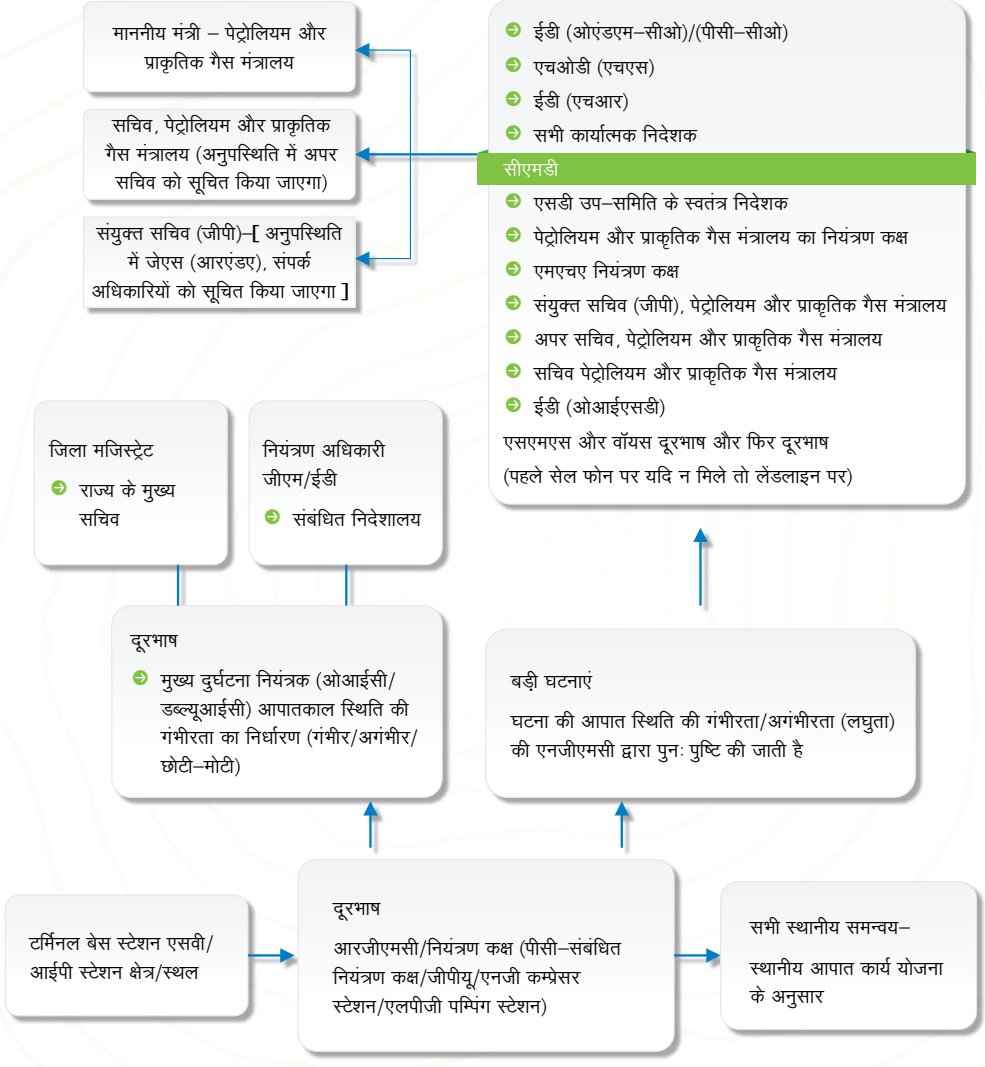

एक जिम्मेदार कॉर्पोरेट के तौर पर तेल और गैस क्षेत्र से जुड़े हुए अत्यधिक सुरक्षा जोखिमों का ध्यान रखते हुए, हम देश भर में गेल के सुविधा स्थल पर उभरने वाली किसी भी आपात स्थिति के लिए तैयारी सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक प्रक्रिया विधियों को लागू करना अनिवार्य समझते हैं। बोर्ड की सतत् विकास समिति आपातकालीन प्रतिक्रिया और आपदा प्रबंधन योजना के (ईआरडीएमपी) की समीक्षा और उपयुक्त कार्यान्वयन के लिए उत्तरदायी है, जो पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस विनियामक बोर्ड (पीएनजीआरबी) के प्रोटोकोलों का कड़ाई से अनुपालन करती है। सभी आपात स्थितियों में तैयारियों और संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए तिमाही मॉक ड्रिल का आयोजन किया जाता है। दिशा–निर्देशों का एक सेट तैयार करके हमारे कामगारों के साथ इसे साझा किया गया है ताकि वे आपात स्थितियों का सामना करने के लिए पूरी तरह सचेत रहें। जैसाकि अध्याय में पूर्व में उल्लेख किया गया है, हमने ग्रुप एसएमएस और वॉयस संदेश सेवाओं का कार्यान्वयन करते हुए आपात स्थिति में शीर्ष प्रबंधन को शीघ्रता से सूचित करने के लिए अपनी आपात प्रबंधन प्रणाली में सुधार किया है।

हमने संगत आपातकालीन स्थितियों के लिए तैयारियां सुनिश्चित करने हेतु अपने प्रचालनों के विभिन्न स्थलों पर आवश्यक प्रणालियों और प्रक्रिया विधियों को लागू किया है। नियंत्रण कक्षों के लिए स्वचालित गैस संरक्षण प्रणाली जैसे गैस सप्रेसन सिस्टम, पम्पस एंड पाइपिंग एरिया इत्यादि के लिए वाटर स्प्रे सिस्टम जैसी सुविधाएं प्रदान की गई हैं ताकि प्रारंम्भिक स्तर पर ही तत्काल आग को बुझाया जा सके। किसी आपात स्थिति के मामले में अनुपालन हेतु विजिटर्स के लिए निर्देशों सहित जोखिमों के स्वरूप के संबंध में सुरक्षा प्रवेशन प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। एलपीजी परिवहन के लिए सभी टैंकरो को यह सुनिश्चित करने के बाद लोड किया जाता है कि उनमें एलपीजी आतकालीन रिस्पांस किट लगे हों। टैंकरों के चालकों को परिवहन आपातकालीन (टीआरईएम) कार्ड प्रदान किए जाते हैं, जिनमें आपात स्थिति में किए जाने वाले कार्यों का ब्यौरा दर्ज होता है।

कर्मचारी सुरक्षा[जी4–डीएमए]

गेल में, स्थायी और संविदा कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए एक ही दर्शन अपनाया जाता है। सभी कर्मचारियों को प्रोटोकोलों का अनुपालन करने तथा हमारे सुरक्षा उपायों के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए सुरक्षा प्रक्रियाओं का ध्यान रखने हेतु प्रोत्साहित किया जाता है। परिसर के भीतर कामगार श्रेणी के किसी भी कर्मचारी द्वारा ऐसा आचरण जिससे लोगों के जीवन और सुरक्षा को खतरा पैदा होता हो, कदाचार माना जाता है। कंपनी ने ऐसे प्रावधानो के लिए स्थायी आदेश जारी किए हैं। कंपनी कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 अथवा कामगार क्षतिपूर्ति अधिनियम, 1923 के अंतर्गत कर्मचारी जहां कहीं भी उपचार और लाभ के लिए पात्र हैं, उनके लिए उपचार और क्षतिपूर्ति का प्रबंध करती है।

प्रशिक्षण हमारी स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली का एक अभिन्न अंग है तथा गेल प्रशिक्षण संस्थान (जीटीआई) के साथ आंतरिक सहमति–पत्र में सुरक्षा प्रशिक्षण को शामिल किया गया है। स्वास्थ्य, सुरक्षा और पर्यावरण संबंधी कार्यक्रमों के लिए 580 श्रम कार्य दिवस का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। गेल कार्यपालकों द्वारा संविदा कर्मचारियों के लिए प्रथम प्रवेश तथा कार्य प्रारंभ करने से पूर्व टूल बॉक्स प्रशिक्षण, जिसमें मासिक पुनश्चर्या तथा समय–समय पर नियमित रूप से अग्नि सुरक्षा एवं जोखिम जागरूकता प्रशिक्षण शामिल है, प्रदान किया जाता है। इसके अतिरिक्त, उन्हें सुरक्षा प्रशिक्षण कैलेण्डर अनुसूची के बारे में जागरूक किया जाता है और तद्नुसार प्रबंधन द्वारा संविदा कर्मचारियों के लिए नियमित सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है।

कर्मचारियों को कार्य पर रखने से पहले उद्योग अधिनियम के अनुसार उनका चिकित्सा परीक्षण किया जाता है। यह सुनिश्चित किया जाता है कि सभी कर्मचारियों को सुरक्षा किट्स और वर्दी प्रदान की जाए। गेल में एक कार्य अनुमति प्रणाली का अनुपालन किया जाता है, जिसके अनुसार सभी कार्यों को ओआईएसडी – 105 के अनुसार किया जाता है तथा कार्यों के सुरक्षित कार्यान्वयन हेतु गेल कर्मचारियों द्वारा इनकी निगरानी की जाती है। मानक प्रचालन कार्य–विधियों पर नियमित बल देकर अनुशासन की संस्कृति पर बल देते हुए इसे मजबूत किया जाता है। कार्यों के कार्यान्वयन के दौरान बेहतर सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए संबंधित क्षेत्रीय प्रचालकों को एसओपी उपलब्ध कराई जाती है। अनुरक्षण संबंधी कार्य सौंपने से पहले प्रभारी इंजीनियर उस कार्य के बारे में संबंधित कर्मचारियों को प्रशिक्षण प्रदान करते हैं। इसके साथ–साथ हम स्थानीय भाषा में प्रक्रिया/संभालने/स्टोरेज क्षेत्र और कार्यनीतिक स्थानों के आस–पास एमएसडीसी (भौतिक सुरक्षा डाटा शीट) बोर्ड भी लगाते हैं। प्रक्रिया, स्टोरेज तथा रसायन संभालने वाले क्षेत्रों में क्या करें तथा क्या न करें और सुरक्षा निर्देश प्रदर्शित किए गए हैं। यह सुनिश्चित करने के लिए कि सभी सुरक्षा प्रक्रिया विधियों का अनुपालन किया जाए, एचएसई विभाग आवधिक तौर पर सुरक्षा लेखा परीक्षा का आयोजन करता है। संयंत्र सुरक्षा समिति जिसमें संविदा कर्मचारियों के प्रतिनिधि शामिल होते हैं, तिमाही आधार पर शीर्ष प्रबंधन के साथ सुरक्षा और स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों पर चर्चा करती है।

गेल के एचएसई मिशन में कर्मचारियों के स्वास्थ्य और सुरक्षा पहलुओं के जोखिमों को नियंत्रित किया जाता है। इस संबंध में, सभी यूनिटों को कर्मचारियों और अनुबंधकर्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अनवरत संरक्षात्मक और सुरक्षात्मक उपाय करके एचएसई उपाय करते हुए एचएसई प्रबंध प्रणालियों को सुदृढ़ करने के लिए प्रेरित किया जाता है। कर्मचारियों का स्वास्थ्य सुनिश्चित करने के लिए की गई कुछ पहलों का ब्यौरा निम्नानुसार है :

- **कर्मचारियों को जागरूक बनाना :** कर्मचारियों को गेल के विभिन्न कार्यालयों और कार्य स्थलों पर लेक्चर्स, पोस्टर्स और ई–मेल के माध्यम से जागरूक किया जाता है।
- **स्वास्थ्य शिविर :–** सभी कर्मचारियों और संविदा कामगारों के लिए रोगों के पूर्व निदान और बचाव हेतु स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया जाता है।
- **परामर्श सत्र :** अत्यधिक जोखिम वाले

कर्मचारियों के लिए ऐसे सत्रों का आयोजन किया जाता है। इसमें वजन/बीएमआई, ब्लड प्रैशर, ब्लड शुगर की निगरानी के लिए माह में एक बार मेडिकल ओपीडी में मासिक जांच और जीवन शैली में सुधार के लिए परामर्श दिया जाना शामिल है।

- पौष्टिक स्नैक्स – हम हमारे कार्यालयों और संयंत्र कैंटीनों में पौष्टिक स्नैक्स प्रदान करते हैं।

- स्वास्थ्य प्रशिक्षण – हम हमारे कर्मचारियों के लिए कई स्वास्थ्य प्रशिक्षण कार्यक्रमों जैसे योग सत्रों, क्षय–दक्षता संबंधी प्रशिक्षण इत्यादि का आयोजन करते हैं।

गेल में मेडिकल अवसंरचना

हमने कर्मचारियों और संविदा कर्मकारों के लिए समय पर तेजी से चिकित्सा मामलों के समाधान हेतु हमारे सभी महत्वपूर्ण प्रचालन स्थलों पर उपयुक्त चिकित्सा अवसंरचना की उपलब्धता सुनिश्चित की है। पाता में, हमारा धनवन्तरी अस्पताल है, जिसमें चिकित्सको और पैरा–मेडिकल स्टाफ सहित औषधालय और प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र की व्यवस्था है। विजयपुर में हमारा 15 बेड तथा 3 नियमित चिकित्सकों और पैरा मेडिकल स्टाफ सहित गेल का अस्पताल है। अन्य स्थलों पर प्रत्येक केन्द्र पर एक डॉक्टर और 4 नर्सिंग स्टाफ सहित प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र की व्यवस्था है। कॉर्पोरेट कार्यालय में, डॉक्टर और पैरामेडिकल स्टाफ सहित कॉर्पोरेट मेडिकल केन्द्र है।

गेल में कर्मचारी स्वास्थ्य जांच

गेल में प्रत्येक कर्मचारी के लिए तीन स्तरों पर स्वास्थ्य जांच का आयोजन किया जाता है :

- कार्यभार ग्रहण करने से पूर्व, नियोजन पूर्व स्वास्थ्य जांच
- वार्षिक आधार पर व्यावसायिक स्वास्थ्य जांच
- 35 वर्ष अधिक आयु वाले कार्यकारी अधिकारियों के लिए दो वर्ष में एक बार स्वास्थ्य जांच

स्वास्थ्य जांच प्रक्रियाओं से मामलों की अग्रिम पहचान और कर्मचारियों के स्वास्थ्य मुद्दों की जांच करने में सहायता मिलती है। पूर्व में, हमने कर्मचारियों और उनके परिवारों में उच्च रक्तचाप, मधुमेह, मेलिटस, स्तन कैंसर, उदर कैंसर, प्रोस्टेट कैंसर और गाल ब्लेडर के एडिनोकार्सिनोमा की पहचान की हैं।

व्यवहार आधारित सुरक्षा (बीबीएस)

गेल में, हमारा मानना है कि हमारी स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रक्रियाओं को संचालित करने और उनमें सुधार करने के लिए कर्मचारियों का व्यवहार प्रबंधन करना महत्वपूर्ण है। बीबीएस शीर्ष प्रबंधन और कर्मचारियों के बीच सुरक्षा भागीदारी विकसित करता है, जो सतत् तौर पर कर्मचारियों के स्वयं के तथा अन्य दैनिक सुरक्षा व्यवहार पर ध्यान केंद्रित करता है। हम महसूस करते हैं कि मात्र श्रेष्ठ नीतियां, प्रणालियां, प्रक्रियाएं और प्रक्रिया–विधियां लागू करना पर्याप्त नहीं है अपितु 'शून्य दुर्घटना' परिवेश विकसित करने के लिए उन्हे हमारे दैनिक जीवन में शामिल करना और समावेशित करना आवश्यक है। योजना, डिजाइनिंग, निर्माण, प्रारंभ करने, प्रचालन और अनुरक्षण सहित परियोजना के सभी स्तरों में बीबीएस संस्कृति शामिल करने से सभी मौजूदा स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रक्रियाओं में दक्षता बढ़ाने में सहायता मिलेगी।

इसे ध्यान में रखते हुए प्रबंधन ने वर्ष 2013 में बीबीएस कार्यक्रम प्रारंभ किया। बीबीएस के कार्यान्वयन की निगरानी हेतु कॉर्पोरेट स्तर पर एक संचालन समिति और कार्य बल का गठन किया गया। संयंत्र स्तर पर बीबीएस के कार्यान्वयन हेतु स्थल संचालन और कार्यात्मक समितियों का गठन किया गया। प्रत्येक स्थल पर अग्रिम प्रशिक्षकों की तैनाती की गई ताकि कर्मचारियों को बीबीएस की पद्धतियों और कमियों की जानकारी प्रदान की जा सके। कुछ प्रायोगिक कार्यक्रमों के बाद, मार्च 2015 में गेल की सभी स्थापनाओं में बीबीएस को लागू किया गया। विगत वर्षों में हमने बीबीएस के कई लाभों को देखा है जिनका ब्यौरा अगले पृष्ठ पर दिया गया है :

हमारे संयंत्रों को अपनी दैनिक कार्यप्रणाली में बीबीएस के प्रभावी समेकन के लिए प्रोत्साहित करने हेतु हमने उपयुक्त पुरस्कार प्रारंभ किए हैं जो वार्षिक एचएसई कार्यशाला के दौरान प्रदान किए जाते हैं।

आपूर्ति श्रृंखला सुरक्षा

हम विश्वास करते हैं कि केवल हमारे प्रचालनों में स्वास्थ्य और सुरक्षा शामिल किए जाने से सुरक्षा और संबंधित जोखिमों से बच पाना संभव नहीं है। इस संबंध में सम्पूर्ण आपूर्ति श्रंखला में लचीलापन निर्मित किया जाना महत्वपूर्ण है। हम माल और सेवाओं की अधिप्राप्ति हेतु हमारे सभी निविदा दस्तावेजों में सख्त एचएसई अपेक्षाओं को शामिल करते है। संयंत्र परिसरों के भीतर आपूर्तिकर्ताओं और उपभोक्ताओं द्वारा सभी कार्यकलापों के लिए सुरक्षा अनुमति, कार्य अनुमति और आगंतुक प्रवेश प्रणालियों संबंधी सभी आवश्यक प्रक्रिया–विधियों का सख्त अनुपालन किया जाता है। संयंत्र का दौरा करने वाले सभी आपूर्तिकर्ताओं और उपभोक्ताओं को सुरक्षा जानकारी प्रदान की जाती है।

हम अपने संयंत्रो और पाइपलाइन की अवसंरचना की डिजाइन श्रेष्ठ भारतीय और अन्तर्राष्ट्रीय मानकों के अनुसार विकसित अन्तर्राष्ट्रीय मानकों के अनुसार विकसित करते हैं। प्रोसेस प्लांटों और क्रॉस–कंट्री पाइपलाइनों की डिज़ाइन श्रेष्ठ भारतीय और अन्तर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप तैयार की जाती है। जोखिम उपशमन की पहचान करने के लिए डिजाइन स्तर के दौरान एचएजेडओपी जोखिम अध्ययन और जोखिम विश्लेषण किया जाता है। इसके अतिरिक्त, एचएजेडओपी अध्ययन और जोखिम विश्लेषण कार्य नियमित अंतरालों पर भी किया जाता है तथा उपयुक्त जोखिम उपशमन उपाय किए जाते हैं। हमारी सभी संस्थापनाओं में कार्य प्रणाली में अनुमति के बाद अनुरक्षण कार्यों के दौरान सुरक्षा सुनिश्चित की जाती है। आपातकालीन योजना के संबंध में अनुभाग में प्रस्तुत की गई सूचना के अनुसार हमारी सभी अवसंरचनाओं के लिए सटीक आपातकालीन योजना तैयार की जाती है।

पाइपलाइन सुरक्षा

प्राकृतिक गैस और एलपीजी का सुरक्षित परिवहन गेल का मुख्य उद्देश्य है। पाइपलाइनों की समेकित एवं विस्तृत स्वास्थ्य स्थिति और विश्लेषण के लिए 9100 किलोमीटर लंबी पाइपलाइनों में केन्द्रीयकृत पाइपलाइन समेकन प्रबंध प्रणाली को लागू किया गया है। सीपीआईएमएस में विभिन्न माड्यूल्स शामिल हैं जिनमें डाटा आधारित माड्यूल, जोखिम एवं खतरा मूल्यांकन माड्यूल, कॉरिजन एनलिस्ट, कैथोडिक प्रोटेक्शन एनलिस्ट, जियोस्पेशियल एनलिस्ट, प्रैशर टेस्टिंग माड्यूल, टास्क मैनेजर, रिपोर्टिंग माड्यूल और मैनेजमेंट डेशबोर्ड शामिल है। सीपीआईएमएस में अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर स्वीकृत डाटा बेस प्रणाली अर्थात सभी पाइपलाइन संबंधी डाटा के प्रबंधन हेतु पाइपलाइन ओपन डाटाबेस (पीओडीएस) प्रणाली लागू की गई है।

सूर्यापेट, तेलंगाना दुर्घटना के बाद पाइपलाइन सुरक्षा में सुधार हेतु कई उपाय किए गए हैं। इंटेलीजेंट पिगिंग के अतिरिक्त, हमने शुष्क गैस के मामले में 1 एमएमएससीडीएम तथा गीली गैस के मामले में 0.2 एमएमएससीडीएम से अधिक गैस प्रवाह वाले सभी स्थलों पर ऑन–लाइन एनालाइज़र आधारित एडवांसड टनेबल लेजर डायोड संस्थापित करने का निर्णय लिया है। विभिन्न गैस श्रोत बिन्दुओं पर 14एच2एस एनालाइज़र संस्थापित/प्रारंभ किए गए हैं। अन्य श्रोत बिन्दुओं के लिए पोर्टेबल एनालाइज़र के माध्यम से पाक्षिक विश्लेषण किया जा रहा है तथा नमी/क्षयकारी संघटकों की स्वीकृत सीमाओं से अधिक मौजूदगी को उपचारात्मक उपायों हेतु सतत् तौर पर आपूर्तिकर्ताओं के समक्ष उठाया जाता है।

नॉन–पिगेबल पाइपलाइनों की अखंडता के लिए देश में पहली बार मैगनेटिक टोमोग्राफी पद्धति (एमटीएम) एवं कान्टेक्टलेस मैगनेटोमैट्रिक डायग्नोस्टिक पद्धति (सीएमडीएम) का परीक्षण किया गया है। इन प्रौद्योगिकियों से धातु/वेल्ड जोड़ों में दोष का पता लगाने, क्षय की स्थिति और क्षय के विकास की निगरानी करने में सहायता मिलती है।

इसके अतिरिक्त, गेल को पाइपलाइन क्षेत्रों में अतिक्रमण मुद्दों का अनवरत सामना करना पड़ रहा है। पाइपलाइन क्षेत्रों के सर्वेक्षण के विभिन्न

उपायों का कार्यान्वयन किए जाने के अतिरिक्त गेल ने मुख्य सुरक्षा संदेशों के प्रति सार्वजनिक जागरूकता पैदा करने का कार्यक्रम भी संचालित किया है। गेल सतत् तौर पर स्थानीय गांवों के साथ संपर्क स्थापित करता है जी–एस02। पाइपलाइन मार्ग के आस–पास स्थित गांवों में पाइपलाइन की अखंडता के महत्व के बारे में नियमित जागरूकता कार्यक्रमों का संचालन किया जाता है। स्थानीय सार्वजनिक निकायों के माध्यम से गांवों में सुरक्षा के संबंध में 'क्या करें' और 'क्या न करें' के लिए स्थानीय भाषा में मुद्रित पर्चे वितरित किए जाते हैं। इन 'क्या करें' और 'क्या न करें' के अर्थ के बारे में लोगों को जागरूक करने के लिए क्षेत्रीय भाषाओं में नुक्कड़ नाटकों का आयोजन किया जाता है। इसके अतिरिक्त, पाइपलाइन सुरक्षा और आरओयू के साथ अनाधिकृत कार्य के बारे में जानकारी प्रदान करने के लिए ग्रामीणों को भुगतान सहित कार्य पर लगाया जाता है ताकि स्थानीय जनसंख्या स्वयं पाइपलाइन सुरक्षा में शामिल महसूस करे। एक अभिप्रेरक कारक के तौर पर, स्थानीय ग्रामीणों को उनकी जागरूकता तथा किसी भी असामान्य स्थिति/पाइपलाइन एक्सपोजर की जानकारी प्रदान करने हेतु गेल के दैनिक कार्य में उपयुक्त पुरस्कार भी प्रदान किया जाता है। आरओयू में अतिक्रमण हटाने के संबंध में की गई कार्रवाई के संबंध में जिला प्राधिकारियों के साथ मासिक अनुवर्ती बैठकों का आयोजन किया जाता है। पाइपलाइन के आस–पास रहने वाले लोगों की आरओयू संरक्षण और आपातकालीन रिपोर्टिंग हेतु गेल की सहयोगी योजना परीक्षण आधार पर कार्यान्वयनाधीन है। कठिन स्थलों पर आरओयू की प्रभावी निगरानी हेतु, रिमोट मिथेन लीक डिटेक्टर्स का उपयोग किया जा रहा है। यह उपकरण एक सौ फीट की दूरी से लीक का शीघ्रता और प्रभावी ढंग से पता लगाने में सहायता करता हैं और दुर्गम और कठिन क्षेत्रों में दूर से ही पता लगाने में सहायक हैं।

परिवहन सुरक्षा जी4–डीएमए

जैसाकि पूर्व खंड में उल्लेख किया गया है, पाइपलाइन सुरक्षा उपायों के अतिरिक्त गेल सड़क परिवहन की सुरक्षा पर भी बल देता है। हम हाइड्रोकार्बन की लोडिंग करने से पूर्व टैंकरों और बोगियों की सुरक्षा जांच के सभी कार्यकलापों की चैकलिस्ट की सावधानीपूर्वक जांच करते हैं। हाइड्रोकार्बन के परिवहन के दौरान 'क्या करें' और 'क्या न करें' सहित ड्राइवरों और उनके सहायको को आपातकालीन कार्य योजना वाले परिवहन आपातकालीन कार्यों सहित सुरक्षा प्रशिक्षण भी प्रदान किया जाता है।

गेल एलपीजी, प्रोपेन, पेन्टेन और नाफ्था जैसे उत्पादों का परिवहन सड़क मार्ग से करती है। इन रोड टैंकर्स की जांच केन्द्रीय मोटर वाहन नियमावली (सीएमवीआर), 1989 तथा गेल के नामित अग्नि एवं सुरक्षा कर्मचारियों द्वारा स्टेटिक एंड मोबाइल प्रेशर नियमावली के अनुसार की जाती है। रोड़ टैंकर्स की भौतिक तौर पर जांच किए जाने के बाद टैंकर सुरक्षा जांच डाटा को एसएपी प्रणाली में सेव किया जाता है। उत्पाद फिलिंग के लिए सुव्यवस्थित लोडिंग ऑटोमेशन/नियंत्रण प्रणाली और टर्मिनल ऑटोमेशन प्रणाली उपलब्ध कराई जाती है तथा सुरक्षित लोडिंग कार्यकलापों के लिए संगत एसओपी का अनुपालन किया जाता है। पाइपलाइन की अखंडता की सुरक्षा हेतु नियमित अंतराल पर पाइपलाइन की पैदल पैट्रोलिंग की जाती है। सभी टैंकरों को यह सुनिश्चित करने के बाद ही लोडिंग की जाती है कि उनमें एलपीजी आपातकालीन प्रतिक्रिया किट लगे हों।

गंधार, वाघोडिया एवं विजयपुर, जहां इसका प्रयोग कच्ची सामग्री के तौर पर किया जाता है, स्थित संसाधन संयंत्रों तक प्राकृतिक गैस का परिवहन भूमिगत गैस पाइपलाइनों के माध्यम से किया जाता है। इन पाइपलाइनों का संचालन एवं अनुरक्षण एक अलग ओएंडएम दल द्वारा किया जाता है। पाइपलाइन की अखंडता सुनिश्चित करने के लिए कैथोडिक प्रोटेक्शन मॉनीटरिंग (जो पाइपलाइनों का क्षय कम करने में सहायक है) और इंटेलीजंट पिगिंग स्टैंडर्ड फ्रीक्वेंसी के अनुसार की जाती है। पाइपलाइन की बाह्य कोटिंग की अखंडता निश्चित करने के लिए क्लोज इंटरवेल पोटेंशियल लागिंग (सीआईपीएल)/डायरेक्ट करंट वोल्टेज ग्रेडिएंट (डीसीवीजी) सर्वेक्षणों का आयोजन नियमित तौर पर किया जाता है। अन्य पाइपलाइनों की तरह पाइपलाइन के नजदीक किसी एक्सपोजर/तृतीय पक्ष कार्यकलापों की निगरानी हेतु पेट्रोलिंग की जाती है।

भुवन–गेल पोर्टल

गेल अपनी भूमिगत पाइपलाइनों को बिछाने के लिए उपयोग अधिकार प्राप्त करती है। पाइपलाइन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए किसी अतिक्रमण से सुरक्षा हेतु उपयोग अधिकार की नियमित मॉनीटरिंग किए जाने की आवश्यकता है, वर्तमान में गेल मासिक आधार पर हेलीकॉप्टर के माध्यम से हवाई निगरानी तथा वार्षिक आधार पर पैदल निगरानी करती ह। पाइपलाइनों की बढ़ती हुई लंबाई के साथ, पाइपलाइन की आरओयू मॉनीटरिंग के लिए अधिक बेहतर पद्धति की आवश्यकता महसूस की गई। आरओयू मॉनीटरिंग के प्रयोजनार्थ सैटलाइट इमेजरी का उपयोग करने के लिए राष्ट्रीय रिमोट सेंसिंग सेन्टर (एनआरएससी) हैदराबाद के साथ एक अनुसंधान और विकास प्रायोगिक परियोजना प्रारंभ की गई है। इसमें जीआईएस समन्वयकों की मैपिंग और बदलाव पहचान सॉफ्टवेयर की मैपिंग किया जाना शामिल है। यह प्रायोगिक परियोजना दाहेज–विजयपुर की 610 कि. मी. से अधिक लंबी पाइपलाइन पर लागू की जा रही है। आरओयू निगरानी के लिए अक्टूबर, 2015 में एक 'भुवन गेल' पोर्टल (भुवन का संस्कृत में अर्थ है 'पृथ्वी') इस पोर्टल की कुछ मुख्य विशेषताएं निम्नानुसार हैं :

- उपयोग अधिकार का विज्युअल व्यू
- विभिन्न आरओयू बफर्स सृजित करने का विकल्प
- ऑटो बर्ड–आई व्यूविंग
- परिवर्तन विश्लेषण ऑटो एवं मैन्यूअल
- आरओयू में एक किलोमीटर के बाहर एवं भीतर तक (जोखिम क्षेत्र) परिवर्तन विश्लेषण
- एक्सेप्शन मार्किंग सुविधाएं
- एक्सेप्शन रिपोर्ट्स तैयार करना
- मोबाइल एप्लीकेशन के माध्यम से चित्रात्मक प्रदर्शन

इस परियोजना की सफलता सम्पूर्ण पाइपलाइन नेटवर्क के लिए प्रौद्योगिकी का मार्ग प्रशस्त करेगी। इस प्रौद्योगिकी के अन्य उपयोगों अर्थात परियोजना प्रगति मॉनीटरिंग, भूमि सर्वेक्षण इत्यादि की संभावना भी तलाशी जा रही है।

भुवन–गेल पोर्टल प्रारंभ समारोह – पाइपलाइन आरओयू की सैटेलाइट निगरानी संबंधी आर एंड डी परियोजना

नई पर्यावरण प्रणाली अपनाना: लाभप्रदता हेतु अभिनव परिवर्तन

कारोबार
(उत्पाद शुल्क का निवल)
₹51,614 करोड़

पीएटी
(वर्ष 2015–16 में)
₹2,299 करोड़

गेल 14.42 मेगावाट और 5 मेगावाट ग्रिड कनेक्टिड सौर पीवी कैप्टिव विद्युत संयंत्र स्थापित करने की योजना बना रहा है

गेल ने 55 स्पॉट/मिड–टर्म एलएनजी कार्गो का आयात किया

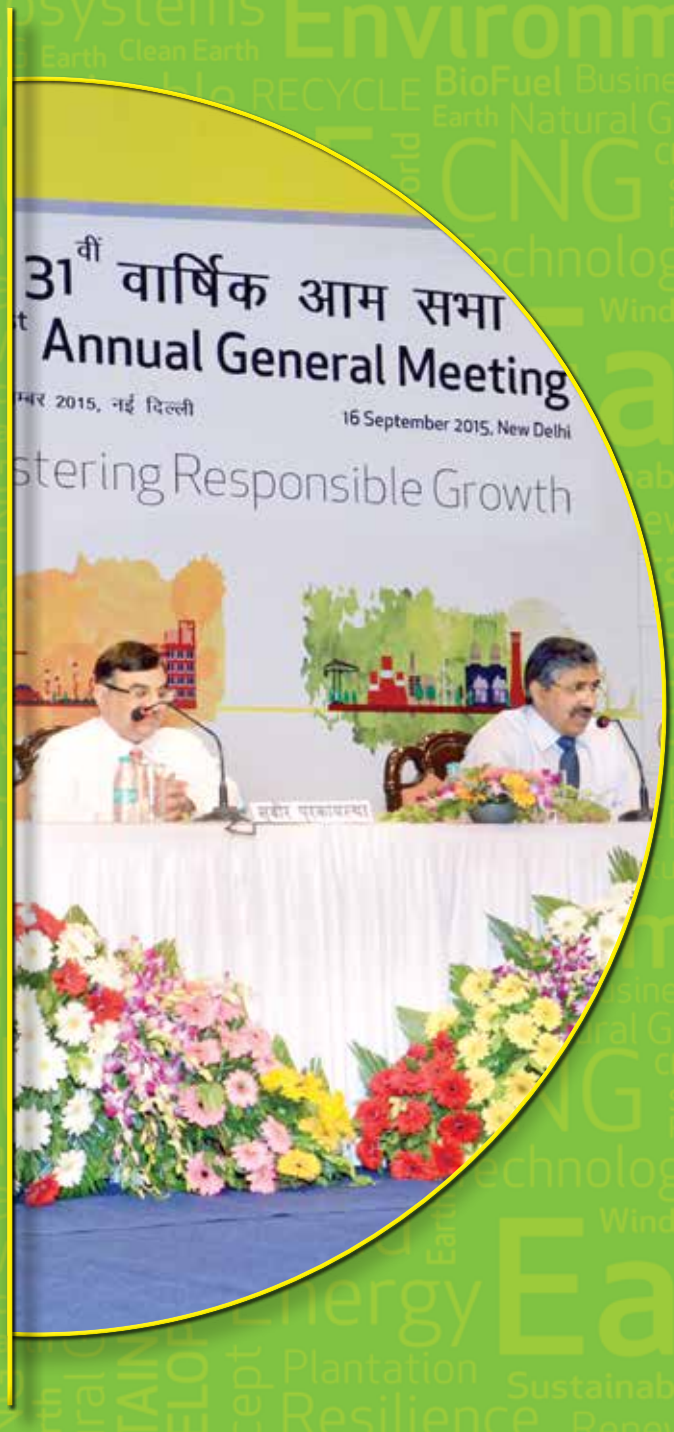

नई पर्यावरण प्रणाली अपनाना: लाभप्रदता हेतु अभिनव परिवर्तन

जी4–डीएमए गेल ने वित्त वर्ष 2015–16 में विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था होने की विशिष्ट उपलब्धि हासिल की है। समग्र तौर पर निराशाजनक परिदृश्य में भारत के आर्थिक विकास में सकारात्मक प्रवृत्ति देखी गई है जो मुख्यत: घरेलू उपभोग के कारण है। आर्थिक सुधारों के माध्यम से भारत के आर्थिक विकास की गति कायम रहने की संभावना है तथा आगामी वर्षों में उच्च आर्थिक विकास के लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है। आयात निर्भरता के मौजूदा परिदृश्य, बढ़ती हुई जनसंख्या तथा विस्तारित होती अर्थव्यवस्था के परिवेश में देश को सतत् तौर पर ऊर्जा सुरक्षा चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। भारत के ऊर्जा उपभोग में वृद्धि विश्व में सर्वाधिक है। यह सतत् तौर पर आयात पर निर्भर है। ऐसी स्थिति में जीवाश्मीय ईंधनों के स्वच्छ विकल्प के तौर पर एवं नवीकरणीय ऊर्जा के बदलाव के दौर में देश की भविष्य की ऊर्जा आवश्यकताओं को मूर्त रूप देने में प्राकृतिक गैस की भूमिका महत्वपूर्ण बन जाती है। वर्तमान में, भारत का प्रति व्यक्ति प्राकृतिक गैस उपभोग दुनिया में लगभग सबसे कम है। इसके अतिरिक्त, भारत की जनसंख्या का एक बड़ा प्रतिशत, विशेष तौर पर अधिक दुर्गम स्थानों पर अभी भी वहनीय और स्वच्छ ऊर्जा प्राप्त करने में असमर्थ है। इस प्रकार, प्राकृतिक गैस का दोहन करके भारत दीर्घकालिक सतत् विकास और ग्रीन हाऊस गैसों के उत्सर्जन को कम करने के लिए अपने प्राथमिक ऊर्जा मिश्रण का इष्टतम उपयोग कर सकता है। यह अनुमान लगाया गया है कि वर्ष 2035 तक प्राकृतिक गैस की मांग में 155 प्रतिशत, कोयले की मांग में (121 प्रतिशत) तथा तेल की मांग में (118 प्रतिशत) वृद्धि होगी।

गेल का आर्थिक कार्य–निष्पादन जी4–9

जो गेल भारत की अग्रणी फ्लैगशिप समेकित ऊर्जा कंपनी है जो 11,000 किलोमीटर से भी अधिक लंबे प्राकृतिक गैस नेटवर्क के साथ गेल, पावर सेक्टर में पावर, उर्वरक, इस्पात, रिफाइनरी तथा घरेलू उपभोक्ता शामिल हैं। प्राकृतिक गैस के पारेषण, वितरण और संसाधन के अतिरिक्त कंपनी के पेट्रोकेमिकल, एलपीजी पारेषण, शहर गैस वितरण और अन्वेषण तथा उत्पादन कार्यकलापों में विविध कारोबारी हित हैं।

वर्ष 2015 में कच्चे तेल के गिरते हुए दामों की पृष्ठभूमि में वैश्विक तेल और गैस उद्योग ने अपने आपको कई प्रकार से पुन: संयोजित किया है। कम उपभोक्ता मांग के साथ ही धीमी गति से वैश्विक जीडीपी विकास ने मौजूदा परिसम्पत्तियों और परियोजनाओं पर दबाव बढ़ा दिया है। भारत में, व्यक्तिगत परिवहन क्षेत्र में नए घटनाक्रमों तथा ग्रीन हाऊस गैस उत्सर्जन को नियंत्रित करने के लिए लोगों के बढ़ते हुए दबाव के कारण उपभोक्ता पैटर्न में बदलाव हो रहा है। इन मौजूदा परिस्थितियों में लाभ की स्थिति को बनाए रखने की चुनौतियां भी गेल को अपनी कारोबारी कार्यनीतियों को पुन: परिभाषित करने के लिए प्रेरित कर रही हैं।

निवेशक और विश्लेषक बैठक – 2016

वित्त वर्ष 2015–16 में गेल (इंडिया) लिमिटेड ने गत वित्त वर्ष के ₹ 56,569 करोड़ की तुलना में ₹ 51,614 करोड़ का कारोबार (उत्पाद शुल्क का निवल) दर्ज किया। वर्ष 2015–16 के दौरान एकल लाभ ₹ 5,126 करोड़ रहा जबकि गत वर्ष यह ₹ 5,620 करोड़ था। कर से पूर्व लाभ ₹ 3,173 करोड़ था जबकि गत वर्ष यह ₹ 4,284 करोड़ था। वर्ष 2015–16 में कर पश्चात के बाद लाभ ₹ 2,299 करोड़ था जबकि गत वर्ष यह ₹ 3,039 करोड़ था। वित्त वर्ष 2015–16 के दौरान अंतिम लाभांश प्रति शेयर ₹ 5.5 था (सितम्बर, 2016 में वार्षिक आम सभा में शेयरधारकों द्वारा अंतिम लाभांश के अनुमोदन के अध्यधीन)।

वित्तीय कार्य निष्पादन जी4–9

विक्रय (ईडी का निवल, भारतीय ₹ करोड़ में)

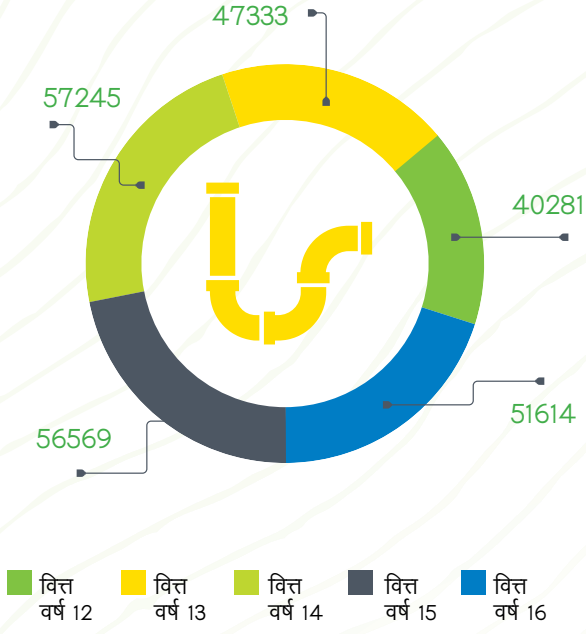

सकल लाभांश (पीबीडीआईटी, भारतीय ₹ करोड़ में)

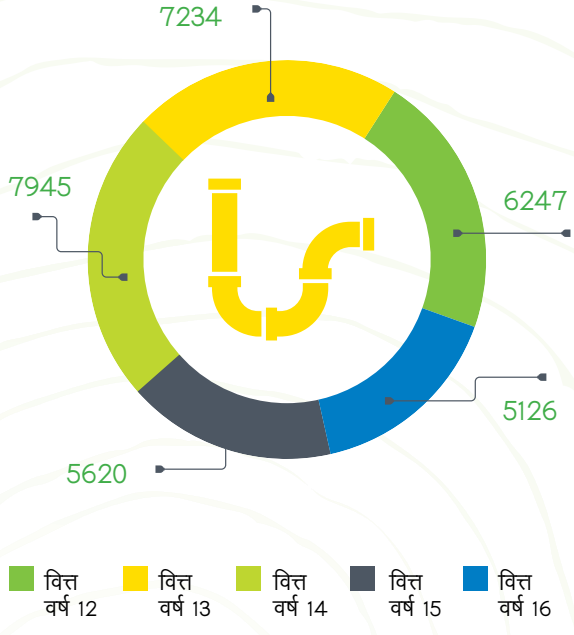

पीबीटी (भारतीय ₹ करोड़ में)

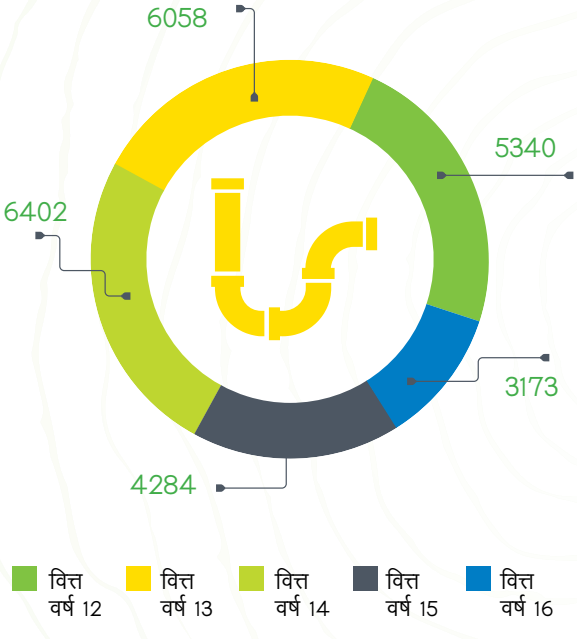

पीएटी (भारतीय ₹ करोड़ में)

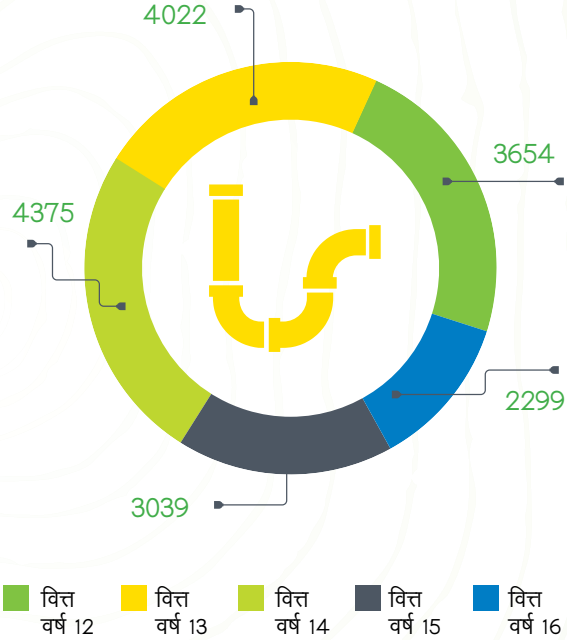

सृजित आर्थिक मूल्य[जी4–ईसी1]

पैरामीटर (₹ मिलियन में)	वित्त वर्ष 12	वित्त वर्ष 13	वित्त वर्ष 14	वित्त वर्ष 15	वित्त वर्ष 16
राजस्व	4,11,745	4,83,572	5,88,153	5,78,555	5,29,258

वितरित आर्थिक मूल्य

पैरामीटर (₹ मिलियन में)	वित्त वर्ष 12	वित्त वर्ष 13	वित्त वर्ष 14	वित्त वर्ष 15	वित्त वर्ष 16
प्रचालन लागत	3,54,441	4,10,649	5,17,214	5,18,284	4,74,894
कर्मचारी पारिश्रमिक एवं लाभ	7,208	10,674	9,082	10,608	10,240
पूंजी प्रदाताओं को भुगतान	14,352	17,240	20,368	14,983	13,800
सरकार को भुगतान	18,652	22,386	22,513	13,988	10,159

वित्त वर्ष 2015–16 में भारत सरकार से कोई वित्तीय सहायता प्राप्त नहीं हुई। गेल ने राजनैतिक दलों, राजनेताओं और संबंधित संस्थाओं को किसी प्रकार की वित्तीय अथवा अन्य प्रकार का योगदान प्रदान नहीं किया। [जी4–ईसी4, जी4एसओ6]

''बाह्य तेल और गैस बाजार, वैश्विक और घरेलू दोनों स्तरों पर, के आयामों में बदलावों के परिणामस्वरूप गेल की लाभ की स्थितियों में व्यापक बदलाव हुआ है। पेट्रोरसायनों और तरल हाइड्रोकार्बन की कम मूल्य अनुभूति, मुख्य परिसम्पत्तियों के पूंजीकरण के कारण लागत में कमी और उच्च ब्याज तथा पाइपलाइन प्रशुल्क में कमी की प्रवृत्ति तथा कम उपयोगिता से वित्त वर्ष 2015–16 में लाभ की स्थिति पर दबाव कायम रहा। वर्ष के दौरान भारत सरकार द्वारा प्रगतिशील नीतियों और उपचारात्मक कार्यों तथा गेल के सभी कारोबारी खंडों में लाभ की स्थिति में सुधार के लिए संचय परियोजना के अन्तर्गत गेल द्वारा सक्रिय तौर पर कार्यान्वित पहलों के कारण काफी हद तक प्रभाव में कमी लाने में सहायता मिली है।''

– निदेशक (वित्त)

हमारा समझौता–ज्ञापन

एक केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम होने के कारण गेल ने सरकार के साथ समझौता–ज्ञापन दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए है। इस समझौता ज्ञापन में दोनों पक्षों के लिए करार के उद्देश्यों और बाध्यताओं को विनिर्दिष्ट किया गया है। इसमें वित्तीय (50 प्रतिशत) और गैर–वित्तीय पैरामीटरों (50 प्रतिशत) दोनों ही लक्ष्यों पर आपसी तौर पर सहमति व्यक्त की गई है। वित्त वर्ष 2015–16 में समझौता ज्ञापन के सतत् विकास संबंधी पैरामीटरों को निम्नानुसार दर्शाया गया है :

वित्त वर्ष 2015–16 के समझौता–ज्ञापन में कुछ सतत् विकास संबंधी पैरामीटरों के कार्य–निष्पादन लक्ष्य

मानदंड	यूनिट	उत्कृष्ट लक्ष्य	उपलब्धि
प्रति कर्मचारी पीएटी	भारतीय ₹ लाख	63.28	53.21
गैस विपणन	एमएमएससीएमडी	76	73.67
गैस पारेषण	एमएमएससीएमडी	97	92.09
एलएचसी उत्पादन	टीएमटी	1251	1089
पॉलीमर उत्पादन	टीएमटी	580	344
कैम्बे आनलैंड ब्लाकों से उत्पादन	बैरल	12,0000	145813
प्रोटोन एक्सचेंज मेम्ब्रेन फ्यूल सेल के साथ सालिड स्टेट हाइड्रोजन स्टोरेज डिवाइस मे हाइड्रोजन उपयोगिता की परिवर्तन दक्षता में सुधार का विकास	माइलस्टोन	6 माइलस्टोन	6 माइलस्टोन
मइक्रो टरबाइन का उपयोग करते हुए कम गुणवत्ता वाली लैंड फिल गैस से विद्युत उत्पादन	माइलस्टोन	9 माइलस्टोन	9 माइलस्टोन

मानदंड	यूनिट	उत्कृष्ट लक्ष्य	उपलब्धि
वित्त वर्ष 2015–16 में विभिन्न ट्रंक पाइपलाइनों में लास्ट माइल कनेक्टिविटी के अन्तर्गत उपभोक्ता कनेक्टिविटी का कार्यान्वयन	किलोमीटर	130	120.47
केजी बेसिन चरण–I पाइपलाइन परियोजना (24''x94 किलोमीटर) के कायाकल्पन हेतु समग्र भौतिक प्रगति	प्रतिशत	>= 90 प्रतिशत	90.7
एचवीजे/डीबीपीएल प्राकृतिक गैस पाइपलाइन प्रणाली की निर्बाध उपलब्धता	घंटे	8784	8784
गैर एचवीजे प्राकृतिक गैस पाइपलाइन प्रणाली की निर्बाध उपलब्धता	घंटे	8784	8784
जामनगर–लोनी एलपीजी पाइपलाइन प्रणाली की निर्बाध उपलब्धता	घंटे	8696	8784
विजाग–सिकन्दराबाद एलपीजी पाइपलाइन प्रणाली की निर्बाध उपलब्धता	घंटे	8696	8784
एचएमई प्रणाली सुधार के लिए पहलें/पहलों की संख्या	पहलों की संख्या	5	5

गत कुछ वर्षों में गेल ने गैस अवसंरचना के सृजन तथा पॉलीमर क्षमताओं के विस्तार में अत्यधिक निवेश किया है। हालांकि, गेल की निवेश योजनाएं महत्वाकांक्षी थी परंतु निवेश निर्णयों के दौरान स्वदेशी गैस की अभिकल्पना से कम उपलब्धता, अपेक्षाकृत अधिक मूल्यों तथा आरओयू संबंधी समस्याओं के कारण एलएनजी के लिए घरेलू उपभोक्ताओं के साथ गठजोड़ करने में मुश्किल के कारण गेल के वित्त वर्ष 2015–16 में अपनी पूंजी विस्तार योजनाओं में परम्परागत दृष्टिकोण अपनाना पड़ा। कारोबार के सुदृढ़ीकरण तथा इसकी गैस अवसंरचना की क्षमता उपयोगिता में वृद्धि पर ध्यान देने संबंधी आम सहमति बढ़ रही है, जिसमें विशिष्ट बल अंतिम माइल कनेक्टिविटी तथा नए खंडों में मांग बढ़ाने पर दिया जा रहा है। लाभकारिता में कमी के मुख्य कारणों को नीचे दर्शाया गया है :

प्राकृतिक गैस पाइपलाइनों की कम उपयोगिता

- पाइपलाइन नेटवर्क निम्न उपयोगिता स्तरों पर संचालित किया जा रहा है जिसका मुख्य कारण गैस उपलब्धता तथा मूल्य वहनीयता मुद्दे हैं।
- इसके अतिरिक्त, पाइपलाइन परियोजनाएं एंकर उपभोक्ता मांग की कमी के कारण पूरी नहीं हो पाई हैं, जिससे व्यवहार्यता और वित्तीय चिंताएं बढ़ी है।

घरेलू गैस उपलब्धता में कमी

- कम उत्पादन तथा सरकार की गैस वरीयता नियमावली में परिवर्तन के कारण पीसी उत्पादन के लिए सस्ती घरेलू गैस की अनुपलब्धता से पेट्रोरसायन क्षेत्र की लाभ की स्थिति प्रभावित हुई है।
- आयातित गैस का दोहन करना वहनीय नहीं था क्योंकि गेल के दीर्घकालिक अनुबंध थे, जिसके कारण यह घरेलू गैस की तुलना में अधिक महंगा विकल्प बन गया।

कच्चे तेल के मूल्यों में तीव्र कमी

- कच्चे तेल के कम मूल्यों के साथ ही तरल हाइड्रोकार्बन की बिक्री से मूल्य अनुभूति में अत्यधिक कमी आई ।

पॉलीमर और एलपीजी के मूल्यों में अभूतपूर्व कमी

- गेल द्वारा वित्त वर्ष 2015 में प्राप्त की गई पेट्रोरसायन क्षमता विस्तार के बावजूद कम वस्तु मूल्य मध्यम अवधि में पेट्रोरसायन खंड की लाभकारिता को प्रभावित करते रहेंगे।

आयातित एलएनजी के उच्च मूल्य

- गेल के आयातित एलएनजी प्रदाताओ के साथ दीर्घकालिक अनुबंध हैं। यह मूल्य जापानी कस्टम क्लीयर्ड (जेसीसी) तेल मूल्यों के 60 माह के औसत पर आधारित थे। वैश्विक तेल और गैस मूल्यों में गिरावट के साथ ही स्पॉट एलएनजी मूल्य यूएसडी 7–8 प्रति एमएमबीडीयू की तुलना में अनुबंधित मूल्य यूएसडी–12–13 प्रति एमएमबीटीयू के साथ ये दीर्घकालिक आपूर्तियां अव्यवहार्य हो गईं ।

प्राकृतिक गैस और एलपीजी ट्रांसमिशन

कतर की रैसगैस कंपनी लिमिटेड के साथ किए गए दीर्घकालिक एलएनजी अनुबंध में सबसे कम दर पर निर्धारित किए गए एलएनजी मूल्यों तथा सरकार की विद्युत और उर्वरक पूलिंग क्षेत्र के लिए नीति ने गैस पारेषण मात्रा में वृद्धि ने सहायता की है। वर्ष 2015–16 में प्राप्त की गई गैस पारेषण मात्रा 92 एमएमएससीएमडी थी। इसके अतिरिक्त, दाहेज और दाभोल में एलएनजी कार्गो की संख्या में वृद्धि ने भी कंपनी की गैस ट्रांसमिशन मात्रा में वृद्धि में योगदान दिया है।

गेल भारत में एलपीजी पारेषण कारोबार में अग्रणी कंपनी है। गेल द्वारा विशिष्ट तौर पर 2038 किमी. का एलपीजी पाइपलाइन नेटवर्क का स्वामित्व और संचालन किया जाता है, जिसका उपयोग तृतीय पक्ष द्वारा एलपीजी उपभोग पारेषण हेतु किया जाता है। इसमें 1415 किमी. नेटवर्क का प्रयोग देश के पश्चिमी भागों से उत्तरी भागों (जामनगर–लोनी पाइपलाइन) में एलपीजी परिवहन हेतु किया जाता है और शेष 623 किमी. लम्बे नेटवर्क का प्रयोग देश के दक्षिणी भागों (विजाग–सिकंदराबाद पाइपलाइन) में एलपीजी परिवहन हेतु किया जाता है। एलपीजी पारेषण प्रणाली में 3.8 एमएमटीपीए एलपीजी का परिवहन करने की क्षमता है। वर्ष 2015–16 में, एलपीजी पारेषण का लक्ष्य 2.82 मिलियन एमटी तक प्राप्त किया गया।

प्राकृतिक गैस और पेट्रोरसायन विपणन

गेल का 11,000 किमी. का एक विशाल पाइपलाइन नेटवर्क है तथा देश के प्राकृतिक गैस विपणन क्षेत्र में बड़ी हिस्सेदारी है। वर्ष 2015 में, गैस विपणन क्षेत्र में 74 एमएमएससीएमडी मात्रा तक गैस का विपणन किया गया और लाभकारिता में ₹ 782 करोड़ की वृद्धि दर्ज की गईं केवल गैस पूलिंग के कारण ही गेल ने वित्त वर्ष 2015–16 में 5.87 एमएमएससीएमडी गैस का विपणन किया। पेट्रोरसायन क्षेत्र में, कम उत्पादन के कारण विक्रय की मात्रा में 24 प्रतिशत की कमी दर्ज की गईं। उत्पादन क्षमता में वर्ष 2015 में उल्लेखनीय वृद्धि की है।

एलपीजी एवं अन्य एलएचसी

गिरते हुए तेल के मूल्यों ने इस क्षेत्र में गेल की लाभकारिता को गंभीर खतरा पैदा किया है। पेट्रोलियम उत्पादों पर कम वसूली को ध्यान में रखते हुए गेल को वित्त वर्ष 2015–16 में कोई सब्सिडी वहन नहीं करनी पड़ी। अन्य एलएचसी क्षेत्र में, औसत एलएचसी मूल्य में कमी ने एलएचसी कारोबार को व्यापक स्तर तक प्रभावित किया है। एलएचसी विक्रय मात्रा में 15 प्रतिशत तक की कमी आई है जिससे टर्नओवर पर समग्र तौर पर ₹ 900 करोड़ का प्रभाव पड़ा है।

नवीकरणीय ओजी2

वर्ष 2010 से गेल सतत् तौर पर नवीकरणीय कारोबार (सौर, पवन इत्यादि) का एक पोर्टफोलियो गठित कर रही है। वर्तमान में, गेल का दिनांक 31.03.2016 की स्थिति के अनुसार ₹ 823 करोड़ के कुल सकल ब्लॉक के साथ 118 मेगावॉट पवन और 5 मेगावॉट सौर ऊर्जा का नवीकरणीय पोर्टफोलियो है। गेल पाटा, उत्तर प्रदेश एवं विजयपुर, मध्यप्रदेश स्थित पेट्रोरसायन परिसर में 14.42 मेगावॉट एवं 5 मेगावॉट ग्रिड कनेक्टिड सौर पीवी केपटिव विद्युत संयंत्र स्थापित करने की योजना बना रही है। प्रस्तावित परियोजना से पैदा की जाने वाली विद्युत से केपटिव उपभोग को हटाने में सहायता मिलेगी।

गेल ने तमिलनाडु आधारित पवन ऊर्जा उत्पादन परियोजनाओं के लिए नवीकरणीय ऊर्जा प्रमाण–पत्र प्रदान करने का कार्य भी प्रारंभ किया है, जहां हमने वित्त वर्ष 2015–16 में ₹ 7.87 करोड़ का निवल राजस्व अर्जित करते हुए 52512 आरईसी की सफलतापूर्वक बिक्री की। इसके अतिरिक्त, ₹ 88 लाख के 5910 गैर–सौर प्रमाण–पत्र स्वयं रखने के साथ ही शेष का उपयोग इसके 4 स्थलों हेतु नवीकरणीय ऊर्जा अनिवार्यताओं की खरीद हेतु किया गया है।

गेल की प्रतिक्रिया

मौजूदा बाजारी परिदृश्य की प्रतिक्रिया तथा लाभ में कमी को दूर करने के लिए गेल ने उत्पाद और प्रक्रिया दक्षताओं तथा लागत बचत के लिए कई पहलें की हैं। इसके अतिरिक्त, गेल ने गैस के मूल्यों में कमी के आलोक और गैस पूलिंग के माध्यम से गैस पारेषण नेटवर्क को बढ़ाने (कुछ लाभ का त्याग करते हुए) आयातित आरएलएनजी अनुबंधों के पुनर्निर्धारण हेतु भी कई पहलें की हैं। निम्नलिखित खंडों में इन पहलों का विस्तार से उल्लेख किया गया है :

गेल पॉलीमर की पैकेजिंग–जी–लेन

संचय परियोजना

लाभ में कमी को दूर करने तथा इसे बढाने के लिए गेल ने संगठन में इष्टतम लागत और अधिकतम लाभ की स्थिति पैदा करने हेतु 'संचय परियोजना' लागू की है। इस प्रक्रिया के तहत प्राप्त सिफारिशों को ईथाइलीन उत्पादन बढाने के लिए कूलिंग टावर्स की दक्षता में सुधार, प्रचालन लागतों को कम करने तथा अनुरक्षण गति में कमी लाने के लिए औजारों ओर समेलन अनुबंध जनशक्ति के लिए कम समय की समस्या का समाधान हेतु ऊर्जा प्रभावी कम्प्रेशर्स का प्रयोग करने जैसी पहलों के माध्यम से संयंत्र और पाइपलाइन संचालन में मूर्त वित्तीय लाभ की स्थिति प्रदान की जा रही है। प्रत्येक पहल के कार्यान्वयन को गति प्रदान करने के लिए जवाबदेही के एकल बिन्दु को नामित किया गया है तथा इनकी समीक्षा सीएमडी और सभी निदेशकों, कार्यबल और गेल की 'संचय' टीम के साथ की जाती है। परियोजना के कार्यान्वयन और निगरानी हेतु कार्यकारी निदेशकों और महाप्रबंधकों वाले एक कार्यबल का गठन किया गया है। इसके अतिरिक्त, परियोजना के निरीक्षण हेतु निदेशक (परियोजनाएं) और निदेशक (वित्त) को शामिल करते हुए एक संचालन समिति का गठन किया गया है। 'संचय' परियोजना को सीएमडी द्वारा 25 फरवरी, 2015 को गेल के सभी कारोबारी खंडो सहित पूरी कंपनी में लागू किया गया था। कार्यबल के समक्ष 20 पहलों का सुझाव रखा गया था, जिनमें से 11 पर कार्यबल ने सहमति व्यक्त की तथा 'संचय' परियोजना के अन्तर्गत इनका कार्यान्वयन किया गया तथा शेष 9 की 6 अवधारणाओं को गेल द्वारा आंतरिक स्तर पर कार्यान्वित किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, नई अवधारणाओं पर विचार किया जा रहा है/ विकास किया जा रहा है।

परियोजनाएं विभाग के 'संचय' परियोजना के अन्तर्गत कार्यान्वयन हेतु विकसित की जा रही कुछ पहलें निम्नानुसार हैं:–

'संचय' के अन्तर्गत की गई कुछ मुख्य पहलें

सौर ऊर्जा

पाटा और विजयपुर में सोलर डेवलेपर के साथ सौर फार्म की संस्थापना में ऊर्जा लागतों में कमी आएगी। इसका विकास ऊर्जा सेवा कंपनी (ईएससीओ) के माध्यम से किया जाना प्रस्तावित है।

हजीरा में वेस्ट हीट रिकवरी (एचआरएसजी)

टर्बाइनों को बंद चक्र में परिवर्तित करते हुए विद्युत उत्पादन और ईएससीओ मॉडल के माध्यम से नजदीकी उपभोक्ताओं को विद्युत की बिक्री करना। इसमें शामिल केपेक्स का निवेश भी ईएससीओ द्वारा किया जाएगा।

विजयपुर में वेस्ट हीट रिकवरी (एचआरएसजी)

सी2–सी3 संयंत्र के लिए ऊर्जा लागत में कमी लाने हेतु भाप उत्पादन हेतु एचआरएसजी की संस्थापना। विस्तृत संभाव्यता अध्ययन हेतु ईआईएल को प्रस्ताव अग्रेषित किए गए हैं।

समृद्ध गैस भंडार को बायपास करना

वाघोदिया में समृद्ध गैस भंडार को बायपास करने से विजयपुर में सी2–सी3 उत्पादन में वृद्धि हो सकती है। इसके अतिरिक्त, एलपीजी वाघोडिया संयंत्र को फीड स्टॉक के तौर पर आरएलएनजी के साथ संचालित करने की संभावना का भी मूल्यांकन किया जा रहा है।

विद्युत उत्पादन

ईएससीओ मॉडल के माध्यम से विद्युत उत्पादन हेतु स्पर लाइनों पर गैस एक्सेंडर्स लगाने से लाभांश बढ़ सकता है। एनटीपीसी दादरी में विद्युत उत्पादन की संभावना को तलाशा जा रहा है और गैस विस्तार के कारण तापमान में व्यापक कमी का ध्यान रखते हुए इसका और विश्लेषण किया जा रहा है।

उपर्युक्त के अतिरिक्त, अन्य क्षेत्रों जैसे अधिप्राप्ति दक्षता, सम्पत्ति प्रबंधन इत्यादि की संभावना को भी तलाशा जा रहा है।

विद्युत क्षेत्र के लिए गैस पूलिंग

घरेलू गैस की अनुपलब्धता तथा आयातित गैस के मूल्यों की कम वहनीयता के कारण गैस आधारित विद्युत संयंत्र गत कुछ वर्षों से अनुपयोगी स्थिति में पड़े हुए हैं। बंद पड़े गैस आधारित विद्युत संयंत्रों के पुनरुद्धार के दृष्टिगत भारत सरकार ने एक नवाचारी गैस पूलिंग नीति की घोषणा की थी ताकि आरएलएनजी आधारित विद्युत उत्पादन को बंद पड़े हुए गैस आधारित विद्युत केन्द्रों के लिए वाणिज्यिक तौर पर व्यवहार्य बनाया जा सके। इस स्थिति में सुधार करने के लिए भारत में पहली बार व्यापक स्तर पर गैस पूलिंग को लागू किया गया जबकि गेल देश में बंद पड़े हुए गैस आधारित विद्युत संयंत्रों के लिए आरएनजी की अधिप्राप्ति और आपूर्ति के प्रबंध हेतु पूल संचालक के तौर पर कार्य कर रही है।

रिवर्स ई–बिडिंग प्रक्रिया के माध्यम से गैस आधारित विद्युत संयंत्रों को यह सहायता प्रदान की जाती है। इस प्रणाली में केन्द्र और राज्य सरकारों, आयातकों और परिवहनकर्ताओं सहित सभी शेयरधारकों द्वारा सामूहिक तौर पर रियायत प्रदान की गई है। इस नीति से गेल के कारोबार में सहायता मिली है क्योंकि गेल ने वित्तीय वर्ष के समापन पर पावर पूलिंग के कारण गैस पारेषण आय में ₹ 124 करोड़ की बढ़ोतरी होने की जानकारी प्रदान की है।

पावर पूलिंग के माध्यम से गेल ने रत्नागिरी गैस और पावर प्राइवेट लिमिटेड (आरजीपीपीएल) के स्वामित्व वाले 1967 मेगावाट दाभोल विद्युत संयंत्र का पुनरुद्धार करने की पेशकश की है, जो घरेलू गैस की कमी के कारण गत दो वर्षों से भी अधिक समय से कार्य नहीं कर रहा है। इस संयंत्र ने वित्त वर्ष 2015–16 में अपने प्रचालनों को पुनः प्रारंभ किया है तथा वर्तमान में यह 290 मेगावाट विद्युत का उत्पादन कर रहा है, जिसे भारतीय रेलवे को बेचा जा रहा है।

उर्वरक क्षेत्र के लिए गैस पूलिंग

भारत सरकार ने एक मुख्य नीतिगत अंतःक्षेप को अनुमोदित किया है, जिसके तहत पूलिंग प्रणाली के माध्यम से यूरिया उत्पादन के लिए गैस ग्रिड के सभी उर्वरक संयंत्रों को एक समान मूल्य पर गैस की आपूर्ति की जाएगी। इससे वित्त वर्ष 2014–15 की तुलना में वित्त वर्ष 2015–16 में यूरिया के उत्पादन में 20 लाख टन की वृद्धि हुई है। यूरिया उत्पादन क्षमता में वृद्धि से 'मेक इन इंडिया' पहल में भी अंशदान किया जा सकता है। इस सुधार उपाय से गोरखपुर, बरौनी और सिंदरी यूरिया संयंत्रों के पुनरुद्धार प्रयासों में सहायता मिलेगी। ये तीन यूरिया संयंत्र जगदीशपुर–हल्दिया पाइपलाइन के लिए एंकर लोड उपभोक्ता का कार्य करेंगे। इसके परिणामस्वरूप, इस पाइपलाइन का कार्य, जिसे वर्ष 2007 में प्रारंभ किया गया था, इस वित्तीय वर्ष में प्रारंभ होने की संभावना है।

ऊर्जा गंगा

श्री धर्मेन्द्र प्रधान, माननीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) ने पटना में जगदीशपुर–हल्दिया पाइपलाइन के परियोजना कार्यालय का उद्घाटन किया

जगदीशपुर–हल्दिया पाइपलाइन को भारत सरकार के आगामी पांच वर्ष में प्राकृतिक गैस पाइपलाइन नेटवर्क को दोगुना करके 30,000 किलोमीटर तक ले जाने संबंधी विजन के एक भाग के तौर पर राष्ट्रीय कार्य सूची में शामिल किया गया है। पूर्वी भारत के लिए 'ऊर्जा गंगा' एक बिल्कुल उपयुक्त नाम दिया गया है क्योंकि यह पाइपलाइन बिहार, झारखंड और पश्चिमी बंगाल में प्राकृतिक गैस आपूर्ति का प्रथम प्रवेश का मार्ग प्रशस्त करती है। जगदीशपुर–हल्दिया प्राकृतिक गैस पाइपलाइन, जिसे पूर्वी भारत का ऊर्जा राजमार्ग (ऊर्जा गंगा) भी कहा जाता है, माननीय प्रधान मंत्री की पूर्वी क्षेत्र के समग्र विकास और इसकी ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने की प्रतिबद्धता को पूरा करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। एंकर लोड उपभोक्ताओं जैसे गोरखपुर और बरौनी उर्वरक संयंत्रों तथा बरौनी रिफाइनरी को गैस आवश्यकताओं को पूरा करते हुए पाइपलाइन का प्रथम चरण वाराणसी और पटना जैसे शहरों में पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस विनियामक बोर्ड द्वारा अनुमोदन के बाद सीजीडी विकास के माध्यम से घरेलू आवश्यकताओं को भी पूरा करेगा।

प्राकृतिक गैस विपणन

गैस सोर्सिंग एवं आपूर्ति

गेल विश्व भर में कारोबारी अवसरों की तलाश कर रही है, जिसके दो उद्देश्य हैं – अंतर्राष्ट्रीय बाजार की अनिश्चितताओं के साथ जुड़े हुए लाभ के अवसरों का लाभ उठाना और जोखिमों को कम करते हुए देश की ऊर्जा सुरक्षा संबंधी आवश्यकताओं को सुरक्षित करना।

गेल के अपस्ट्रीम पोर्टफोलियों में भारत में 15 ब्लॉक (2 संचालन ब्लॉक) और 2 विदेशी उत्पादन ब्लॉक शामिल हैं। गेल ने संचालक के तौर पर प्रथम अन्वेषण कुएं की खुदाई कैम्बे बेसिन, आनंद जिला, गुजरात में अपने एनईएलपी–ix ब्लॉक में इस वर्ष के प्रारंभ में शुरू की। गेल (इंडिया) लिमिटेड का इस ब्लॉक में 25 प्रतिशत भागीदारी हित होने के साथ ही एक अग्रणी संचालक है। इस ब्लॉक में अन्य भागीदार भारत पेट्रो रिर्सोसिज लि0, इंजीनियर्स इंडिया लि0, मोन्नेट इस्पात ऊर्जा लि0 है। 3 अन्य एनईएलपी–ix ब्लॉकों में भी खुदाई का कार्यक्रम प्रारंभ कर दिया गया है।

गेल की यूएसए एवं सिंगापुर में कार्यालयों सहित विदेशों में उल्लेखनीय उपस्थिति है। गेल देश का पहला सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम है, जिसने केरिजो तेल एवं गैस इनकॉर्पोरेशन से टेक्सास स्थित शैल परिसम्पत्तियों में कार्य हित प्रारंभ किए। गेल ने 3.5 मिलियन टन एलएनजी प्रति वर्ष आपूर्ति करने के लिए सबिन पास लिक्विफेक्शन एलएलसी, चेनियर एनर्जी पार्टनर्स, यूएसए के साथ 20 वर्षीय विक्रय और क्रय करार पर हस्ताक्षर किए हैं। गेल ने डोमिनियन कोव प्वाइंट एलएनजी, एलपी, यूएसए के साथ 2.3 मिलियन टन प्रति वर्ष एलएनजी लिक्विफेक्शन क्षमता के लिए एक टर्मिनल सेवा करार पर भी हस्ताक्षर किए हैं। वर्तमान में, डोमिनियन कोव प्वाइंट टर्मिनल का निर्माण कार्य प्रगति पर है तथा इसकी आपूर्ति प्रारंभ करने की संभावित तिथि जनवरी, 2018 है। टर्मिनल में लिक्विफेक्शन हेतु गैस टाइ–अप के लिए कंपनी ने नवम्बर, 2014 में डब्ल्यूजीएल मिडस्ट्रीम इनकॉर्पोरेशन (डब्ल्यूजीएलएम) के साथ एक करार किया है। डब्ल्यूजीएलएम मध्य अंटलांटिक क्षेत्र में प्राकृतिक गैस आपूर्ति कारोबार का समृद्ध इतिहास रखने वाले समूह का एक भाग है। डोमिनियन कोव परियोजना के कुछ खुले तौर पर अभिनिर्धारित कार्य हैं – गैस सरप्लस नॉर्थ अमेरिकी सूचकांक का प्रयोग करना, एलएनजी मूल्य निर्धारण और उत्पादित एलएनजी की संबंधित नौपरिवहन लागत वृद्धि के लिए हेनरी हब का प्रयोग करना। वर्तमान में, गेल इस करार के तहत प्राप्त की जाने वाली एलएनजी का वैश्विक स्तर पर विपणन करने के विकल्पों की सक्रिय तौर पर तलाश कर रही है। गेल ग्लोबल सिंगापुर को अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में व्यापार का दायित्व सौंपा गया है। एक बार प्रारंभ हो जाने के बाद तापी (तुर्कमेनिस्तान–अफगानिस्तान–पाकिस्तान–भारत) पाइपलाइन से 38 एमएमएससीएमडी प्राकृतिक गैस 1814 किमी. तापी (टीएपीआई) के माध्यम से तुक्रमेनिस्तान से भारत लाई जाएगी। गत वित्त वर्ष 2015–16 में तापी का शेयरधारक करार (एसएचए) और निवेशक करार (आईए) पर हस्ताक्षर किए गए, गेल को इस परियोजना में 5 प्रतिशत इक्विटी मिली है। वर्तमान में, परियोजना–पूर्व संभाव्यता अध्ययनों का कार्य पूरा किया जा रहा है। इस पाइपलाइन के सुरक्षा संबंधी पहलू को विशेष तौर पर रेखांकित किया गया है क्योंकि जिन देशों से यह पाइपलाइन गुजरेगी उन मेजबान देशों में सुरक्षा और भू–राजनैतिक जोखिमों का गंभीर टकराव है।

11,000 कि. मी. लंबे प्राकृतिक गैस नेटवर्क के साथ, गेल वास्तव में देश में प्राकृतिक गैस पारेषण का मुख्य आधार है। गत सात वित्त वर्षों में पाइपलाइन अवसंरचना में लगभग 5,000 की वृद्धि हुई है। इससे भी आगे बढकर कंपनी 5 वर्ष के भीतर अपने मौजूदा नेटवर्क को 15,000 कि. मी. तक विस्तारित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

देश की जनसंख्या के विशाल आकार तथा भौगोलिक विस्तार के दृष्टिगत, देश की मौजूदा गैस पाइपलाइन अवसंरचना अभी भी कम प्रतीत होती है। देश की गैस पाइपलाइन अवसंरचना

आर–एलएनजी पुनर्गैसीकरण और नौपरिवहन

वैश्वीकरण का अर्थ है कि वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति आयामों द्वारा भारतीय भू–दृश्य में लगातार बदलाव किया जाना। वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल के मूल्यों में गिरावट ने वैश्विक स्तर पर प्राकृतिक गैस के बाजारों को प्रभावित किया और भारत इसका अपवाद नहीं था। कुछ बाजारों में गैस के मूल्यों को अनुबंधात्मक तौर पर तेल के मूल्यों से जोड़ा गया है और चूंकि भारत अपनी घरेलू मांग को पूरा करने के लिए मुख्य तौर पर अपने आयात पर निर्भर है, इसलिए भारत को अन्य संबंधित परिणामों का सामना करना पड़ा।

पेट्रोनेट एलएनजी दीर्घकालिक आधार पर कतर से 7.5 एमएमटीपीए एलएनजी का आयात कर रहा है जिसमें से 60 प्रतिशत ऑफटेक गेल का उत्तरदायित्व था। यह मूल्य तेल के साथ सूचीबद्ध किया गया, जो जापनी कस्टम क्लीयर्ड (जेसीएल) तेल मूल्यों के 60 माह के औसत से जोड़ा गया है। वैश्विक स्तर पर तेल और गैस के मूल्यों में गिरावट के साथ ही ये दीर्घकालिक आपूर्तियां स्पॉट एलएनजी मूल्य 7–8 अमेरिकी डॉलर प्रति एमएमबीटीयू की तुलना में 12–13 अमेरिकी डॉलर प्रति एमएमबीटीयू के अनुबंधित मूल्य पर अव्यावहारिक हो गई हैं। आरएलएनजी उपभोक्ताओं ने दबाव महसूस करना प्रारंभ कर दिया जिसके कारण सरकार की सहायता से उच्चतम स्तर पर निर्णय लेने वालों ने समय पर हस्तक्षेप किया तथा वैश्विक स्तर पर मुख्य पक्ष– रैसगैस के साथ दीर्घकालिक एलएनजी अनुबंध के तहत नया मूल्य निर्धारण फार्मूला तैयार किया गया। नए पुनर्निर्धारित अनुबंध के अनुसार, पेट्रोनेट एलएनजी अब कतर से 8.5 एमएमपीटीए एलएनजी का आयात करेगी तथा ब्रेंट कच्चे तेल के मूल्यों के तीन माह के औसत के साथ मूल्यों को जोड़ा जाएगा। नई अनुबंध शर्तों के साथ गेल गत 1 जनवरी, 2016 से 13 अमेरिकी डॉलर प्रति एमएमबीटीयू की तुलना में आधे मूल्यों अर्थात 7–8 अमेरिकी डॉलर प्रति एमएमबीटीयू पर गैस आयात कर रही है।

नई पर्यावरण प्रणाली अपनाना: लाभप्रदता हेतु अभिनव परिवर्तन

अभी भी कम विकसित, असमान है तथा कम उपयोगिता स्तरों पर इसका संचालन किया जा रहा है। अभी तक अवसंरचना देश के उत्तरी और पश्चिमी भागों में ज्यादा प्रभावी है, जबकि देश के पूर्वी भाग में पाइपलाइन घनत्व अत्यधिक कम है। इन अत्यधिक चिंताओं को ध्यान में रखते हुए सरकार गत कुछ वर्षों में कई अनुकूल नीति आधारित अंत:क्षेपों के साथ आगे आई है, जैसे पाइपलाइन परियोजनाओं के लिए व्यवहार्यता अंतर वित्त पोषण (वीजीएफ) योजना, पूर्वी भारत के लिए ''ऊर्जा राजमार्ग'', विद्युत और उर्वरक क्षेत्र इत्यादि के लिए गैस पूलिंग योजना।

गेल 8 जेवी मुख्यत: आईजीएल दिल्ली एवं एमजीएल मुंबई तथा एक सहायक कंपनी गेल गैस लिमिटेड के साथ देश में सिटी गैस वितरण कारोबार में अग्रणी कंपनी है। वर्ष 2015–16 के दौरान गेल ने बैंगलोर शहर में सीजीडी नेटवर्क का सफलतापूर्वक विस्तार किया। गेल ने सोनीपत, देवास, कोटा, मेरठ, ताज ट्रेपिजियम क्षेत्र और बैंगलुरू के भौगोलिक क्षेत्र (जीए) में स्टील नेटवर्क प्रारंभ किए हैं। घरेलू कनेक्शनों के लिए अधिक प्रभावी क्षेत्रों तक पहुंचने के लिए वर्ष 2015–16 में सोनीपत, मेरठ, देवास, कोटा, ताज ट्रेपिजियम क्षेत्र और बेंगलुरू शहरों में स्टील ग्रिड नेटवर्क और एमडीपीई पाइपलाइन नेटवर्क को क्रमश: 388.93 कि. मी. तथा 806.41 कि. मी. तक विस्तारित किया गया है।

एक अन्य सकारात्मक घटनाक्रम में गेल गैस और बीसीपीएल के कंसोर्टियम को हरिद्वार और उत्तरी गोवा में सीजीडी हेतु अधिप्रमाणन प्राप्त हुआ है। बढ़ते हुए सीजीडी नेटवर्क में कंपनी के लिए सकारात्मक ट्रिगर के तौर पर कार्य करने के क्षमता है।

मुख्य परियोजनाएं (सतत् जारी और आगामी)

* मानचित्र मापन के लिए नदी
* फिनॉल–एसिटोन परियोजना
** एंकर लोड उपभोक्ताओं के साथ सहक्रियाशीलता स्थापित करते हुए प्रारंभ की जाएगी

आर–एलएनजी पुनर्गैसीकरण टर्मिनल्स और नौपरिवहन

भारत एलएनजी के सबसे बड़े आयातक देशों में शामिल है। वर्तमान में, भारत के पास पश्चिमी तट पर स्थापित 4 टर्मिनल्स (दाहे) (10 एमएमपीटीए, हजीरा–5 एमएमपीटीए, दाभोल–5 एमएमपीटीए और कोच्चि–5 एमएमपीटीए) के माध्यम से वार्षिक तौर पर 25 एमएमपीटीए के आयात और पुनर्गैसीकरण की अवंसरचना है। हालांकि, पाइपलाइन कनेक्टिविटी मुद्दों और अधूरी सामुद्रिक सुविधाओं के कारण कोच्चि और दाभोल टर्मिनल्स की कम उपयोगिता के कारण वास्तविक आयात क्षमता कम है। गेल ने 24 एमएमपीटीए का एक दीर्घकालिक पोर्टफोलिया विकसित किया है। गत वर्ष गेल ने 55 स्पॉट/मध्यावधि एलएनजी कार्गो का आयात किया जबकि गत चार वर्ष की अवधि अर्थात 2011–15 में 75 कार्गो आयात किए जा रहे थे। गेल ने आरजीपीपीएल 5 एमएमटीपीए पुनर्गैसीकरण सुविधा रत्नागिरी, महाराष्ट्र में भाग लिया।

गेल गैस परिसम्पतियों, लिक्विफेक्शन सुविधाओं और एलएनजी नौपरिवहन में भी निवेश कर रही है। भारत की एनएनजी आयात पर बढ़ती हुई निर्भरता की पृष्ठभूमि में गैस परिसम्पत्तियों के स्वामित्व से गेल को मूल्य जोखिम को बेहतर तरीके से संभालने में मदद मिलेगी। प्राकृतिक गैस में अग्रणी कंपनी के तौर पर गेल ने देश में प्राकृतिक गैस की लगातार बढती हुई मांग को पूरा करने के लिए बहु एलएनजी और ट्रांसनेशनल समझौतों से एक विविधीकृत दीर्घकालिक आयात पोर्टफोलियों स्थापित करने हेतु गैस आपूर्तियों का अनुबंध किया है। ये समझौते भारतीय गैस बाजार के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं।

गैस सोर्सिंग

क्षेत्रों की प्रतिशत हिस्सेदारी

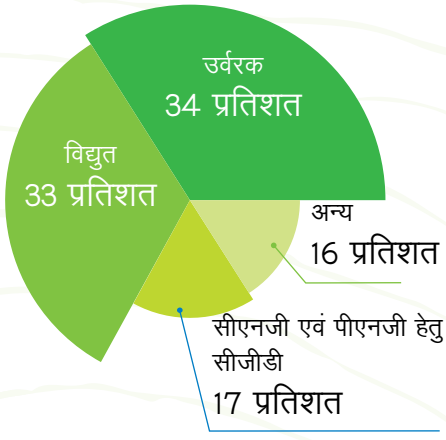

गैस क्षेत्र–वार आपूर्ति

(*अन्य में इस्पात, रिफाइनरी, स्पांज आयरन इत्यादि जैसे क्षेत्र शामिल हैं)

घरेलू आरएलएनजी

गैस पारेषण मिश्रण (प्रतिशत)

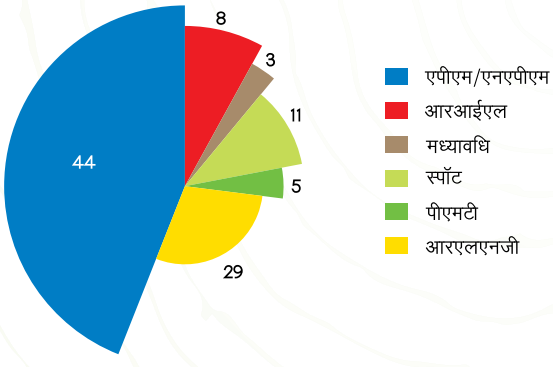

गैस विपणन मिश्रण (प्रतिशत)

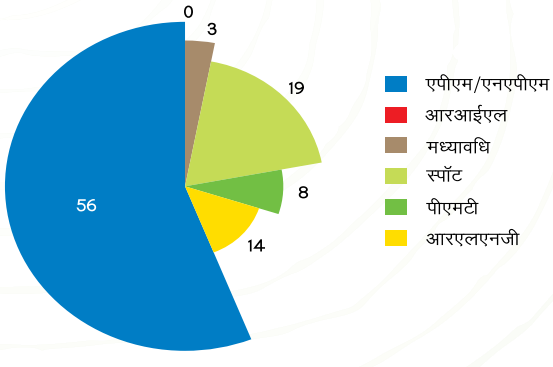

एलएनजी नौपरिवहन

गेल ने दीर्घकालिक तौर पर चार्टर जहाज किराये पर लेने/खरीदने की योजना बनाई है, जिसके लिए यथा– प्रक्रिया को प्रारंभ किया गया। हालांकि, गेल की एलएनजी नौपरिवहन योजनाओं में विनिर्माण कम्पनियों को ''मेक इन इंडिया'' परियोजना के दिशानिर्देशों की अनुपालन हेतु तैयार किये जाने में आ रही बाधाओं के कारण विलम्ब हुआ। वर्तमान में, गेल अल्पावधि और जहाजों को स्पॉट हायरिंग के विकल्पों पर विचार कर रही है।

पेट्रोरसायन विपणन

भारत में प्रति व्यक्ति प्लास्टिक उपभोग 11 किग्रा. है जबकि चीन में यह 38 किग्रा. है। इसके साथ ही बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था के स्वरूप और 1 बिलियन जनसंख्या आकार को ध्यान में रखते हुए यह अनुमान लगाया गया है कि पॉलीमर की मांग में 8 से 9 प्रति वर्ष की वृद्धि होगी, जो गेल के कारोबार के लिए बड़ा अवसर है। पेट्रोरसायन उद्योग में एक मुख्य कम्पनी के लक्ष्य के साथ गेल ने विभिन्न प्रयासों के माध्यम से व्यापक उत्पाद पोर्टफोलियो एवं व्यापक उत्पादन क्षमता प्रारंभ की है।

> वस्तुओं के मूल्यों में अभूतपूर्व कमी के साथ ही नीति क्षेत्र में बदलावों ने पेट्रोरसायन क्षेत्र की लाभकारिता पर काफी हद तक विपरीत प्रभाव डाला है। हालांकि, सकारात्मक बात यह रही कि गत वर्ष गेल ने पेट्रोरसायन क्षमता विस्तार में उल्लेखनीय प्रगति की है। गेल ने अपनी पेट्रोरसायन क्षमता दोगुनी कर ली है तथा अब हमारे विपणन नेटवर्क पर ध्यान देकर हम इस महत्वपूर्ण उपलब्धि से अधिकतम लाभ की आशा रखते हैं।
>
> *– निदेशक (वित्त)**
>
> ***विपणन संबंधी कार्यकलापों के लिए***

पाटा पेट्रोरसायन संयंत्र की क्षमता 810 केटीए तक बढ़ा कर दोगुनी कर दी गई है। इसके अतिरिक्त, ब्रह्मपुत्र क्रैकर एंड पॉलीमर लि0 (बीसीपीएल), गेल, नुमालीगढ़ रिफाइनरी लि0 (एनआरएल), ऑयल इंडिया लिमिटेड (ओआईएल) और असम सरकार का एक संयुक्त उपक्रम, ने लेपेटकाटा, असम में एक संयंत्र स्थापित किया है, जो 220 केटीए, पीई तथा 60 केटीए, पीपी का उत्पादन करेगा। असम संयंत्र के समक्ष मुख्य चुनौती यह देखी जा रही है कि उत्तर–पूर्वी क्षेत्र में उत्पाद विपणन और विक्रय का अभाव है। गेल की दाहेज स्थित ओपीएएल ग्रीनफिल्ड पेट्रोरसायन परियोजना में भी इक्विटी है, जो 1060 केटीए, एचडीपीई एवं एलएलडीपीई तथा 340 केटीए, पीपी का उत्पान करती है। नए पेट्रोरसायन संयंत्रों के लिए अनवरत जारी संयंत्र स्थरीकरण प्रक्रिया के कारण पेट्रोरसायन कारोबार की लागत भी बढ़ी है। हालांकि, क्षमता विस्तार से इस खंड में मध्यम से दीर्घकालिक परिप्रेक्ष्य में अनुकूल परिणामों के प्राप्त होने की आशा है।

गेल के पेट्रोरसायन खंड के समक्ष आ रही अन्य चुनौतियों में उच्च फीडस्टॉक मूल्य, वस्तुओं के मूल्यों में अभूतपूर्व कमी, सरकार की घरेलू गैस आवंटन नीति में बदलाव, गैस प्राप्ति में गरीबी–अमीरी का प्रभाव, राज्यों में प्लास्टिक उपयोग पर प्रतिबंध इत्यादि शामिल हैं।

गेल द्वारा कच्चे तेल के कम मूल्यों की पृष्ठभूमि में अपने पेट्रोरसायन संयंत्रों में इनपुट लागतों को कम रखने हेतु सस्ते स्पॉट एलएनजी आयात प्राप्त किए गए।

पेट्रोरसायन खंड में गेल का विपणन दृष्टिकोण अपने विपणन नेटवर्क के विस्तार तथा गेल के विपणन नेटवर्क को अधिक उपभोक्ता–केन्द्रित बनाने के लिए नए भागीदारों को शामिल करने पर केन्द्रित है, गेल के विपणन नेटवर्क में पेट्रोरसायन विपणन समूह (पीएमजी) – नोएडा, विपणन सेवा समूह (एमएसजी), पाटा, 11 आंचलिक कार्यालय, गेल पॉलीमर प्रौद्योगिकी केन्द्र (जीपीटीसी)–नोएडा, पारा, एसएपी केन्द्र, नोएडा तथा 38 कंसाइनमेंट स्टॉकिस्टस (सीएस) का रणनीतिक तौर पर स्थित नेटवर्क शामिल है। गेल अपने दृष्टिकोण को अधिक उपभोक्ता केन्द्रित बनाने के अनुरूप तत्काल प्रत्युत्तर हेतु अपने आंचलिक कार्यालयों को सशक्त बनाने के लिए उपयुक्त उपाय लागू करने की योजना बना रहा है। गेल अपने कंसाइनमेंट स्टॉकिस्ट की संख्या बढाने और वितरण नेटवर्क को सुदृढ़ करने के लिए मुख्य उपभोग केन्द्रों में फीडर वेयरहाऊस स्थापित करने की योजना भी बना रहा है। निर्यात हेतु तकनीकी विशेषज्ञता इत्यादि सहित जनशक्ति सुदृढीकरण भी किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, गेल मौजूदा क्षमताओं के लिए उत्पाद और संभार का इष्टतम दोहन का भी विश्लेषण कर रहा है।

गेल एक सुरक्षित और स्वच्छ पर्यावरण सृजित कर, उसका अनुरक्षण कर तथा सुनिश्चित करके गुणवत्तापरक उत्पाद तैयार करने के लिए प्रतिबद्ध है। गेल के पॉलीमर उत्पाद पर्यावरण के अनुकूल तथा पूर्ण रूप से पुनर्चक्रणीय हैं। गेल अपने उपभोक्ताओं को अनवरत और विश्वसनीय गुणवत्ता के साथ ग्रेड्स के व्यापक विकल्प प्रदान करती है। इसकी विनिर्माण प्रक्रियाओं तथा गुणवत्ता प्रणालियों में यह सुनिश्चित किया जा है कि उत्पाद तकनीकी विनिर्देशों के अनुरूप हों तथा उपभोक्ताओं को पूर्ण समाधान प्रदान करने के लिए उच्च गुणवत्ता सेवाओं पर आधारित हों।

आपूर्ति श्रृंखला में सुदृढ़ आधारभूत ढांचे का सृजन

गेल ने एलएनजी के सभी प्रतिष्ठित आपूर्तिकर्ताओं के साथ 25 प्रमुख बिक्री खरीद समझौतों पर हस्ताक्षर किए।

मेक इन इंडिया

गेल उत्पादों के स्वदेशीकरण को प्रोत्साहित करता है

स्थानीय आपूर्तिकर्ताओं से माल की कुल खरीद और आपूर्तियां

2466 करोड़ रुपए

गेल (इंडिया) लि.

इंडियन ग्रीन बिल्डिंग काउंसिल गेल जुबली टॉवर द्वारा प्लेटिनम रेटिंग प्रदत्त

हमारी आपूर्ति श्रृंखला जी4–डीएमए, जी4–12

गेल का निर्माण प्राकृतिक गैस के ढांचे के सृजन और देश की ऊर्जा सुरक्षा को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से किया गया था। गेल भारत की सबसे बड़ी प्राकृतिक गैस कंपनी है और एशिया की प्रमुख गैस उपयोगकर्ता कंपनियों में से एक है। हमारी आपूर्ति श्रृंखला की गतिविधियों में, प्राकृतिक गैस श्रृंखला के विविध पहलू हैं जिसमें गैस की खोज, और उत्पादन, संसाधित करना, परिवहन, वितरण और विपणन तथा संबंधित सेवाएं शामिल हैं। गेल एचडीपीई और एलएलडीपीई जैसे पेट्रो रसायनों के उत्पादन और विपणन का समर्पित व्यवसाय करता है। हमने एलएनजी री–गैसीफिकेशन, शहर में गैस का वितरण और इक्विटी तथा संयुक्त उपक्रम में भागीदारी के माध्यम से खोज और उत्पादन के क्षेत्र में अपनी उपस्थिति दर्ज करते हुए अपने कार्यों का विस्तार किया है। बाद के वर्षों में हम सौर तथा पवन ऊर्जा के निर्माण के क्षेत्र में भी कदम बढ़ाते हुए अपने कार्यों में विविधता लाए हैं। गेल के व्यवसाय में इसकी आपूर्ति श्रृंखला का बहुत अधिक महत्व है क्योंकि घरेलू गैस फील्ड समाप्त हो रहे हैं और सबसे अधिक महत्वपूर्ण कच्ची सामग्री अर्थात प्राकृतिक गैस के संबंध में आयात पर हमारी निर्भरता बढ़ी है।

गेल के व्यवसाय में स्थानीय और वैश्विक आपूर्तिकर्ता दोनों शामिल हैं, जो कि हमारे बेहतरीन उत्पादों और सेवाओं को उपलब्ध करवाने के मामले में और हमारे प्रचालनों के महत्वपूर्ण भाग हैं। गेल अपने आपूर्तिकर्ताओं के साथ अच्छे संबंध बनाकर रखता है ताकि कच्ची सामग्री की उपलब्धता, प्रभावकारिता में वृद्धि, जोखिम में कमी, हमारे प्रचालनों की सुरक्षा को बनाए रखना तथा पूरी मूल्य श्रृंखला में दृढ़ता बनाए रखना सुनिश्चित किया जा सके। इस संबंध को एक खुले संचार तंत्र के माध्यम से कार्य किया जा रहा है और उपभेक्ता को बेहतर सेंवाएँ प्रदान करने के लिए दोनों पक्षों द्वारा जानकारी साझा की जाती है। यह परियोजनाओं की गुणवत्ता, योजना और समय की पाबंदी में सुधार लाने के मामले में हमारी सहायता करती है।

प्राकृतिक गैस प्राप्त करना और उसका विपणन

घरेलू गैस के प्रमुख स्रोतों में ओएनजीसी प्रशासित कीमत निर्धारण तंत्र (एपीएम) और गैर–एपीएम, एपीएम पर पीटीएम तथा उत्पादन साझा संविदा कीमतें, रवा और रवा सैटेलाइट आदि शामिल हैं। गेल ने देश में दीर्घावधि तक गैस की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए कई उपाय भी किए। गेल गैस का आयात करता है जिसमें मुख्यतः दीर्घावधि आरएलएनजी, मध्यावधि आरएलएनजी और स्पॉट शामिल है। हमने सेबाइन पास लिक्वेफैक्शन एलएलसी, यूएसए के साथ 3.5 एमएमटीपीए की, डोमिनियन कोव प्वाइंट एलएनजी, यूएसए के साथ 2.5 एमएमटीपीए हेतु दीर्घावधि एलएनजी आपूर्ति करार पर हस्ताक्षर किए हैं, जहाँ से वर्ष 2018 से 2020 तक आपूर्ति होने की संभावना है। बाजार की बदलती स्थितियों और तेल कीमतों में त्वरित गिरावट को देखते हुए, हमने रासगैस आपूर्ति करार हेतु कीमतों का पुनर्निर्धारण करने में सफल रहे। गेल ने बीजी, शेल, टोटल आदि सहित सभी प्रतिष्ठित एलएनजी आपूर्तिकर्ताओं के साथ 25 प्रमुख बिक्री खरीद समझौतों पर भी हस्ताक्षर किए, जिसके तहत हम समय समय पर स्पॉट एलएनजी कार्गो का आयात करते रहे हैं। गेल ने मारुबेनी, जीडीएफ स्वेज और गैस नेचुरल फेनोसा (जीएनएफ) जैसे आपूर्तिकर्ताओं के साथ एलएनजी हेतु अल्पावधि, मध्यावधि और दीर्घावधि करार पर भी हस्ताक्षर किए हैं और जिसका डाउनस्ट्रीम उपभोक्ताओं को विपणन किया जा रहा है।

गेल का पॉलीमर

पेट्रोरसायन और एलएचसी आपूर्ति श्रृंखला

पेट्रोरसायन और एलएचसी व्यवसाय गेल का प्रमुख क्षेत्र है। गेल ने उत्तर प्रदेश के पाटा में एक अत्याधुनिक गैस क्रैकर आधारित पॉलीमर संयंत्र की स्थापना की है जो जी–लेक्स और जी–लीन के ब्रांड नाम से पॉलीमर का उत्पादन करता है। गेल के अन्य प्रमुख पेट्रोरसायन संयंत्रों में विजयपुर संयंत्र, म.प्र. और ब्रह्मपुत्र क्रैकर एंड पॉलीमर लि. (बीसीपीएल) शामिल है। गेल ने हाल ही में ओपीएएल, दाहेज, गुजरात में हिस्सेदारी भी हासिल की है। पेट्रोरसायन क्षेत्र में प्रचालन के दो दशकों से कम समय के भीतर गेल ने स्वयं को इसके बाजार के एक महत्वपूर्ण भागीदार के तौर पर स्वयं को स्थापित कर लिया है।

हमारे प्रमुख उपभोक्ताओं को मूल्यवर्धित सेवाएं प्रदान करने के संबंध में गेल उपभोक्ताओं के परिसर में उत्पादकता प्रोत्साहन कार्यक्रमों का आयोजन करता है। इस कार्यक्रम में, गेल अपने

गेल : अलग–अलग स्थानों से गैस की प्राप्ति

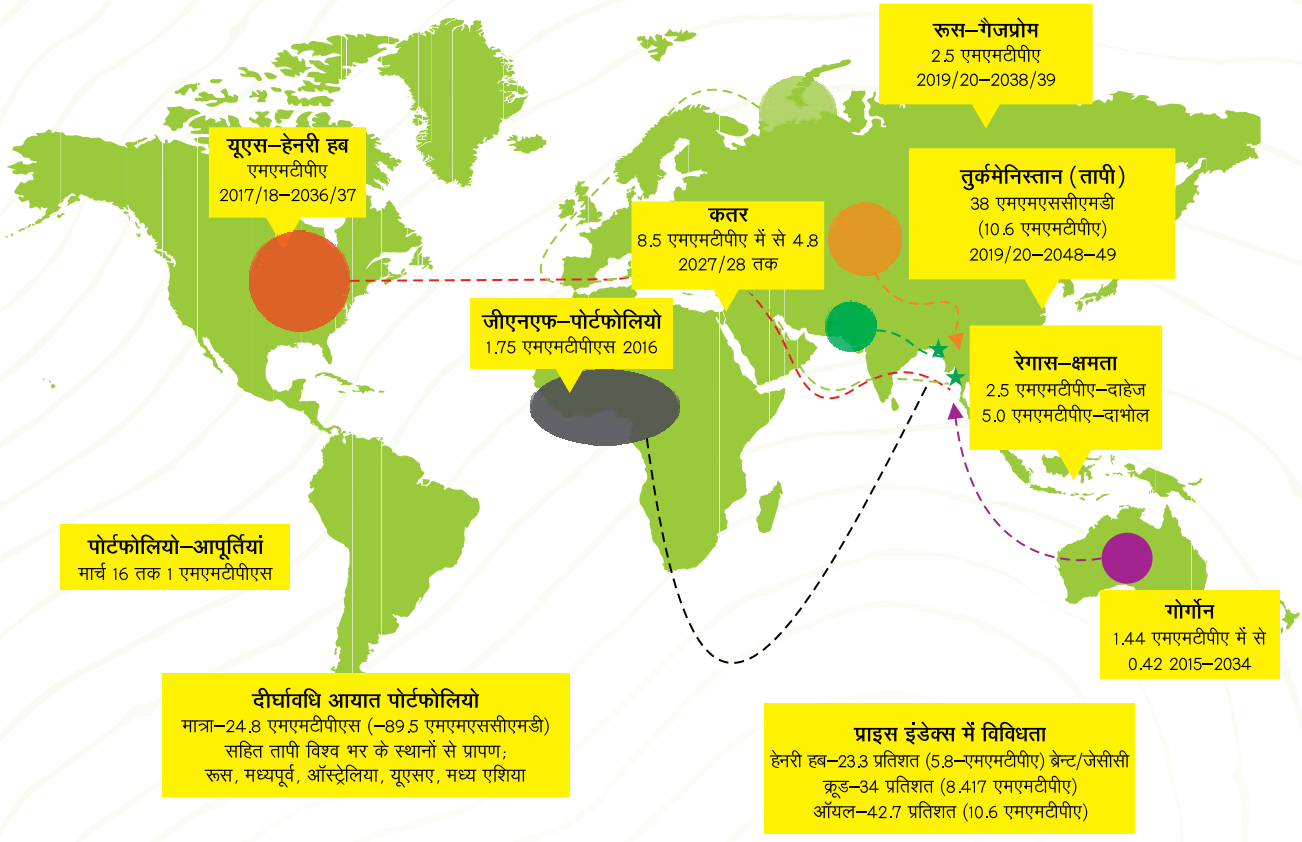

मौजूदा और भावी पॉलीमर ग्रेड/प्रौद्योगिकी का प्रदर्शन करता है तथा प्रोसेसिंग और मोल्ड डिजाइन से संबंधित विभिन्न तकनीकी मुद्दों पर उपभोक्ताओं को सूचना भी प्रदान करता है। यह कार्यक्रम उपभोक्ताओं के साथ सकारात्मक सहयोग की भावना के निर्माण में गेल की मदद करता है तथा उनके साथ पाटा–।। और बीसीपीएल ग्रेड को बढ़ावा देने के मामले में भी मदद करता है। वित्तीय वर्ष 2015–16 में हमारे उत्पादकता प्रोत्साहन कार्यक्रमों में ब्लो मोल्डिंग, इंजेक्शन मोल्डिंग, मोनोफिलामेंट, रफिया और पाइप सेक्टर जैसे प्रमुख क्षेत्र शामिल हैं।

इसके अतिरिक्त, भारतीय पेट्रोरसायन उद्योग प्लास्टिक प्रोसेसिंग में कुशल मानव संसाधन की अत्यधिक कमी का सामना कर रहा है। इस कमी को दूर करने तथा कुशल मानव संसाधन की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए गेल ने देशभर के सीआईपीईटी केन्द्रों के साथ सहयोग किया है। वित्तीय वर्ष 2015–16 में 5 सीआईपीईटी केन्द्रों नामतः अहमदाबाद, भुवनेश्वर, गुवाहाटी, हैदराबाद और लखनऊ में ''प्लास्टिक उत्पाद विनिर्माण'' पर कौशल विकास कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में समाज के उपेक्षित वर्गों के 240 युवाओं को कौशल आधारित प्रशिक्षण प्रदान किया गया। पेट्रोरसायन विपणन के संबंध में, गेल बिक्री नीति के अनुसार कार्य करता है जो व्यवसाय चलाने का आधार है। बिक्री नीति की समीक्षा के दौरान सीएस और उपभोक्ता प्रमुख विषय थे। वित्तीय वर्ष 2015–16 में सरलीकरण और डिजीटल स्रोतों (अर्थात ऑनलाइन डाटाबेस) के उपयोग के उद्देश्य से वर्ष के आरंभ में बिक्री नीति का संशोधन किया गया था। इसके अतिरिक्त, पहली बार सीएस के लिए एक बिक्री नीति जारी की गई थी। और सीएस नियुक्ति नीति, सीएस मूल्यांकन नीति, स्टार कस्टमर नीति और सीएस समझौते में परिवर्तन की गतिविधियां भी आरंभ की गई थीं।

गेल स्वच्छ और सुरक्षित पर्यावरण का सृजन, बनाए रखने और सुनिश्चित रखने के दौरान एक गुणवत्ता उत्पाद का निर्माण करने के लिए प्रतिबद्ध है। गेल बेहतर और विश्वसनीय गुणवत्ता ग्रेड के बड़ी संख्या में ऐसे विकल्प उपलब्ध कराता है जो पर्यावरण–अनुकूलन और पूर्णतः पुनः प्रयोग किए जाने योग्य हों।

तरल हाइड्रोकार्बन के क्षेत्र में गेल अपने जीपीयू से एलपीजी, प्रोपेन, पेंटेन, नाफ्था और पॉलीमर संयंत्र के उप–उत्पाद नामतः एमएफओ, प्रोपेलीन और हाईड्रोजन सी4 मिक्स जैसे विभिन्न प्रकार के उत्पादों का प्रापण और विपणन करता है। गेल एलएचसी उत्पादों का भी विपणन करता है जो बीसीपीएल और पाटा में इसके विस्तार से प्राप्त होता है। इनमें से एलपीजी सिर्फ पीएसयू तेल विपणन कंपनियों को बेची जाती है और अन्य की बिक्री खुदरा क्षेत्र में सीधे उपभोक्ता को की जाती है।

गेल अभी भी एलएचसी उत्पाद आपूर्तिकर्ता के तौर पर एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। सही और पारदर्शी तरीके से प्रचालन के उद्देश्य से हमने एलएचसी उत्पादों के मूल्य निर्धारण की प्रक्रिया के निर्माण और गेल में मूल्य निर्धारण तंत्र की निगरानी में सुधार लाने हेतु एक 'एलएचसी उत्पाद मूल्य निर्धारण नीति' का विकास किया है।

गेल की आपूर्ति श्रृंखला

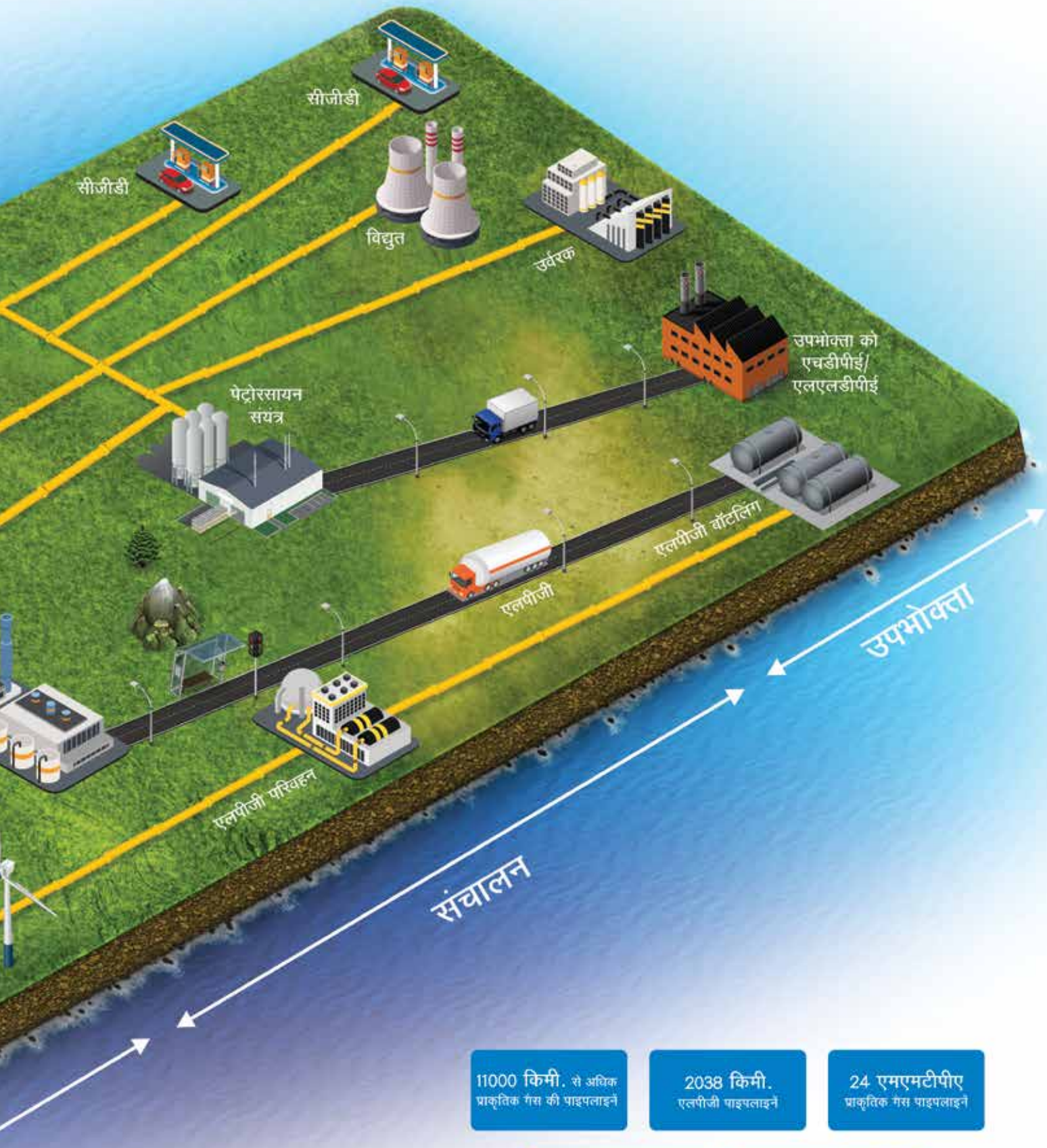

11000 किमी. से अधिक
प्राकृतिक गैस की पाइपलाइनें

2038 किमी.
एलपीजी पाइपलाइनें

24 एमएमटीपीए
प्राकृतिक गैस पाइपलाइनें

1700 केटीए पेट्रोरसायन
उत्पादन क्षमता : 810 केटीए
पाता+बीसीपीएल+ओपीएएल

1.3 एमएमटीपीए एलपीजी/
एलएचसी क्षमता
कुल 6 संयत्रों से

आपूर्तिकर्ताओं के साथ संबंध जी4–डीएमए

गेल ऐसे ठेकेदारों और आपूर्तिकर्ताओं के साथ काम करने के लिए प्रयासरत है जो सतत् विकास में योगदान करते हैं और आर्थिक, पर्यावरणीय तथा सामाजिक तौर पर जवाबदेह हैं। गेल ने एससएपी, एसआरएम लागू किया है जो संसाधनपूर्ण पैकेज है तथा जो आपूर्ति श्रृंखला का पूर्ण समाधान प्रस्तुत करते हैं। गेल ने अपने उपभोक्ताओं के लिए एक ऑनलाइन उपभोक्ता सुझाव प्रणाली का भी विकास किया है ताकि वे उत्पादों और गेल द्वारा उपलब्ध कराई गई सेवाओं के संबंध में फीडबैक दे सकें। हम ऐसे ठेकेदारों और आपूर्तिकर्ताओं के साथ संबंध सुदृढ़ बनाए हुए हैं जो नियमित संलग्नता और आपूर्तिकर्ता विकास कार्यक्रमों के माध्यम से इन सिद्धांतों के लिए प्रतिबद्ध हैं। कंपनी का लक्ष्य सूक्ष्म, छोटे और मझोले उद्यम (एमएसएमई) की सार्वजनिक प्रापण नीति के कार्यान्वयन के माध्यम से स्थानीय आपूर्तिकर्ताओं से और अधिक उत्पाद और सेवाएँ प्राप्त करना है, जो निविदा शुल्क और ईएमडी से छूट जैसे लाभ प्रदान करता है। इस नीति के परिणामस्वरूप गेल अपनी आपूर्तियों का 20 प्रतिशत एमएसएमई से प्राप्त करता है और 4 प्रतिशत ऐसे एमएसएमई से जिनके मालिक अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति के हैं।

एमएसई से प्रापण पर व्यय

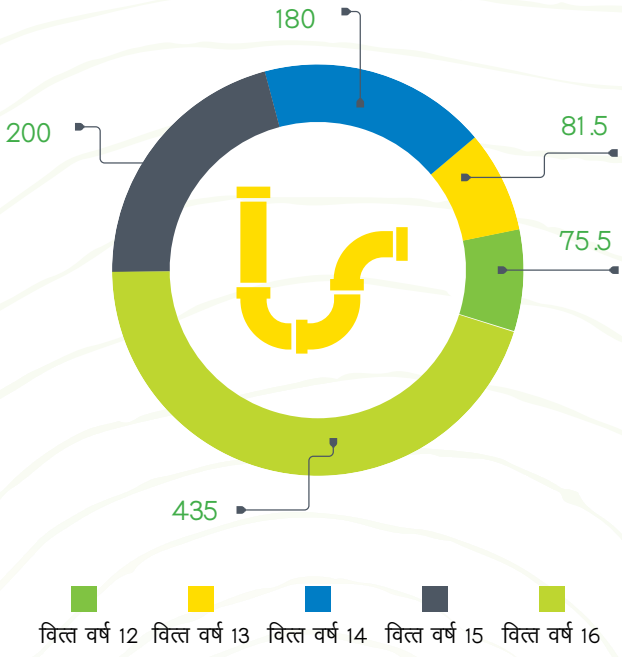

एमएसई से खरीद (₹करोड़ में)

गेल घरेलू रूप से विनिर्मित इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों (डीएमईपी) को वरीयता देकर भी स्थानीय उत्पादन को बढ़ावा देता है। हम अपनी वेबसाइट पर निविदा अपलोड करके निविदा प्रक्रिया को निष्पक्ष बनाए रखना सुनिश्चित करते हैं, क्योंकि इस प्रकार हम जाति, लिंग, धर्म या क्षेत्र के आधार पर भेदभाव किए बिना निविदा प्रक्रिया में किसी को भी भाग लेने की अनुमति प्रदान करते हैं।

वित्तीय वर्ष 2015–16 के लिए आपूर्तिकर्ताओं के प्रकार (उदाहरण के लिए–माल, सेवा, मानव संसाधन आदि की खरीद) के संबंध में प्रापण के कुल मूल्य का ब्यौरा:

क्रम संख्या	विवरण	ऑर्डर की संख्या	ऑर्डर का मूल्य (₹ करोड़ में)
1	सेवा	1901	1875.26
2	माल की खरीद*	2706	865.35

*इसमें प्राकृतिक गैस की खरीद का मूल्य शामिल नहीं है।

वित्तीय वर्ष 2015–16 के दौरान माल और आपूर्तियों के घरेलू और अन्तर्राष्ट्रीय प्रापण के ऑर्डर की कुल संख्या

घरेलू और अन्तर्राष्ट्रीय खरीद ऑर्डर की संख्या

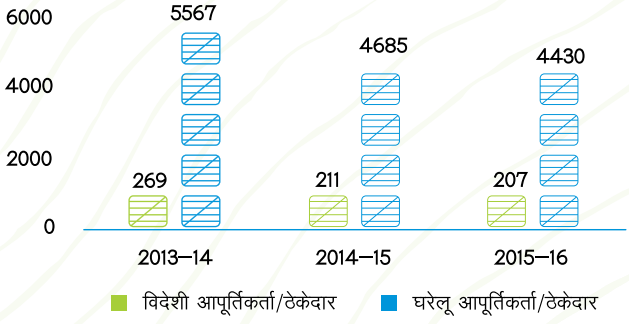

घरेलू और अन्तर्राष्ट्रीय खरीद ऑर्डर का मूल्य (करोड़ रुपए में)

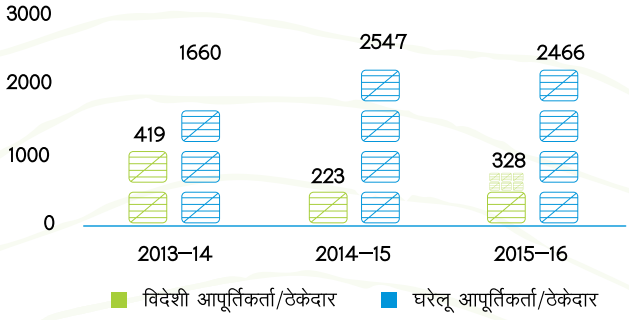

आपूर्ति श्रृंखला की गतिविधियाँ

वेंडर की पहचान

- घरेलू तौर पर विनिर्मित इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों (डीएमईपी) का प्रापण
- सूक्ष्म और छोटे उद्यमों (एमएसएफ) के लिए सार्वजनिक प्रापण नीति
- स्वदेशीकरण को बढ़ावा देने के लिए गेल ने आईएनडीईजी समूह का भी गठन किया है।
- ''पिछला रिकार्ड अच्छा होने के सबूत'' के बिना ही वेंडरों के लिए डेमा रूट

निविदा प्रक्रिया

- छोटे उत्पादकों द्वारा दस्तावेज के सेट प्रस्तुत करने में मदद करने के लिए निविदा प्रक्रिया में ई–प्रापण को शामिल करना।
- निविदा–पूर्व/बोली–पूर्व बैठकों का आयोजन किया जाता है ताकि व्यापक भागीदारी सुनिश्चित की जा सके और निविदा प्रक्रिया के संबंध में वेंडर को शिक्षित किया जा सके।
- 50 करोड़ रुपए से अधिक की निविदा में रिवर्स नीलामी

आपूर्तिकर्ता प्रबंधन और रख–रखाव

- प्रमुख आपूर्तिकर्ताओं और वेंडर के साथ नियमित बैठकें ताकि उनकी समस्याओं को समझा जा सके और उन्हें प्रभावी तरीके से तथा समयबद्ध तरीके से पूरा किया जा सके
- वेंडर, आपूर्तिकर्ताओं, ठेकेदारों और परामर्शदाताओं द्वारा निष्पादित कार्यों का मूल्यांकन

आपूर्तिकताओं की जांच जी4–डीएमए, जी4–एलए15, जी4–एचआर1, जी4–एचआर9, जी4–एचआर11, जी4–एसओ10

गेल द्वारा बाह्य सेवाओं और करार की प्राप्ति हमारे व्यवसाय के अपस्ट्रीम, मिड–स्ट्रीम और डाउन–स्ट्रीम क्षेत्रों सहित उत्पादों और सेवाओं की विस्तृत रेंज के प्रापण के संबंध में बताते हैं। एक जिम्मेदार व्यावसायिक अग्रणी के तौर पर हमारे लिए यह आवश्यक हो जाता है कि हम अपने विचारों को श्रृंखला के सभी आपूर्तिकर्ताओं तक प्रेषित करें। इसे सुनिश्चित करने के लिए गेल ने करार की सामान्य शर्तों (जीसीसी) का विकास किया है, जो एक मानक और पारदर्शी पूर्व–अर्हता के तौर पर कार्य करती हैं, जिसमें यह सुनिश्चित किया गया है कि हमारे आपूर्तिकर्ता, पर्यावरण, श्रम, मानव अधिकारों और समाज पर पड़ने वाले प्रभावों से संबंधित विधिक अपेक्षाओं को पूरा करें। जीसीसी को सभी आपूर्तिकर्ताओं के साथ करार में शामिल किया गया है ताकि पूरी आपूर्ति श्रृंखला में उसकी वैधता सुनिश्चित की जा सके। वेंडर को भी पुष्टि करनी चाहिए कि वे सरकार की लागू सांविधिक नीतियों के पूर्णतः अनुरूप सेवाएँ प्रदान कर रहे हैं जिसमें पुरुषों और महिलाओं के लिए अलग शौचालय, हाथ धोने के स्थान सभी कर्मचारियों के लिए अनिवार्य कैंटीन सुविधाएँ और चिकित्सा सेवाएं।

गेल मानवाधिकारों का पक्का हिमायती है और रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान मानवाधिकारों से संबंधित कोई शिकायत नहीं पाई गईं। इसके अतिरिक्त संगठन बाल–श्रम की अनुमति नहीं देता और यहाँ रोजगार तथा संविदात्मक श्रम की न्यूनतम आयु–सीमा 18 वर्ष निर्धारित की गई है। जीसीसी के अनुसार हमारे वेंडरों को इस बात की पुष्टि करनी होती है कि वे बालश्रम नहीं करवाते हैं। अपने आपूर्तिकर्ताओं की रक्षा के उद्देश्य से हमारे सभी करार में गेल द्वारा अनुमोदित 'स्वास्थ्य, सुरक्षा और पर्यावरण नीति' शामिल होती है।

आपूर्तिकर्ता के प्रभाव का आकलन

गेल के करार में वेंडर/आपूर्तिकर्ता/ठेकेदार और परामर्शदाताओं के मूल्यांकन की एक प्रक्रिया शामिल है। इस मूल्यांकन का उद्देश्य आपूर्तिकर्ताओं के कार्यनिष्पादन की निगरानी करना, कार्यों और सेवाओं को गुणवत्तापूर्ण और समय पर पूरा किया जाना सुनिश्चित करना है। इसके अतिरिक्त कार्यनिष्पादन का मूल्यांकन गेल को ऐसे विश्वसनीय वेंडरों की पहचान करने तथा उनका विकास करने का अवसर प्रदान करता है जो निरंतर उनकी उम्मीदों और अपेक्षाओं को पूरा करते हैं या उससे बढ़कर कार्य करते हैं। आपूर्तिकर्ता के मूल्यांकन की प्रक्रिया का संक्षिप्त ब्यौरा नीचे ग्राफिक में दिया गया है। तथापि अलग अलग परियोजनाओं, प्रचालनों और रख–रखाव तथा परामर्श निविदा में अंतर मौजूद है और इसका ब्यौरा निविदा दस्तावेजों में प्रदान किया जाता है। इसके अतिरिक्त, निविदा दस्तावेजों में प्रचालन और रख–रखाव परियोजनाओं के लिए कार्य निष्पादन पर आधारित कार्रवाई का भी उल्लेख किया गया है।

आपूर्ति श्रृंखला परिपाटियां

निविदा प्रक्रिया की गतिविधियों और उससे संबंधित शिकायतों से निपटने में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए, गेल ने ट्रांस्पेरेंसी इंटरनेशनल के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौता–ज्ञापन के भाग के रूप में ₹ 1 करोड़ से अधिक मूल्य की निविदाओं में एक सत्यनिष्ठा–करार शामिल किया गया है और इसे ऑनलाइन उपलब्ध कराया गया है। पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान सत्यनिष्ठा करार के अन्तर्गत तीन शिकायतें प्राप्त हुईं थीं और संतोषजनक ढंग से निपटाया गया।

कंपनी की आपूर्ति श्रृंखला को धोखाधड़ी के प्रभाव से बचाने के प्रयास में गेल निविदा दस्तावेजों में भ्रष्टाचार/धोखाधड़ी/सांठगाठ/बलपूर्वक कार्य कराने के मामलों हेतु एक प्रक्रिया निर्धारित की है। इसके अतिरिक्त हमारे पास एक धोखाधड़ी निवारक नीति है जिसे सभी बोलीकर्ताओं को स्वीकार करना होता है और उसका पालन करने का सत्यापन करना होता है। बोलीकर्ताओं को किसी धोखाधड़ी की गतिविधि में शामिल नहीं होना चाहिए, गेल के स्टॉक को इसमें शामिल नहीं करना चाहिए तथा संदिग्ध धोखाधड़ी के संबंध में तत्काल गेल को बताना चाहिए।

अपने पणधारकों को लाभ पहुंचाने के प्रयास के रूप में हमने रिवर्स ऑक्शन टूल की शुरुआत की है, जिसमें ₹ 50 करोड़ से अधिक की परियोजनाओं के मामले में छँटे गए बोलीकर्ताओं के बीच ऑनलाइन विचार–विमर्श की अनुमति दी जाती है। इस प्रणाली में छांटे गए बोलीकर्ताओं को एक–दूसरे की बोली के संबंध में जान सकते हैं और उन्हें इस बात का अवसर मिलता है कि वे अपनी बोली को घटा लें।

कंसाइनमेंट स्टॉकिस्ट के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम

वेंडर का विकास

एमएसएमई से अपनी आपूर्तियों का 20 प्रतिशत प्राप्त करने के अतिरिक्त गेल ने पेपर–वर्क कम करने तथा निविदा प्रक्रिया में तेजी जाने के उद्देश्य से ई–प्रापण के माध्यम से छोटे वेंडरों की मदद करता है। इसके अतिरिक्त वेंडरों के साथ एक निविदा–पूर्व बैठक का आयोजन किया जाता है ताकि उनकी व्यापक भागीदारी सुनिश्चित की जा सके और निविदा प्रक्रिया के संबंध में उन्हें शिक्षित किया जा सके। गेल वेंडरों की बैठक, एमएसएमई बैठकों तथा औद्योगिक सभाओं में छोटे और स्थानीय वेंडरों के साथ विचार–विमर्श करता है ताकि उनके साथ अपनी अपेक्षाओं को साझा कर सके और उन्हें इन वस्तुओं के लिए बोली लगाने हेतु प्रोत्साहित कर सके।

आपूर्ति श्रृंखला को सुदृढ़ करने तथा आयात पर कंपनी की निर्भरता कम करने के लिए गेल ने इंडेजेनाइजेशन डेवेलपमेंट ग्रुप का गठन किया है जो उत्पादों के स्वदेशी विकास को प्रोत्साहित करता है। इसके परिणामस्वरूप, गेल में विभिन्न रसायनों के लिए प्रतिस्थापनों का स्वदेशी स्रोतों से विकास किया गया है। इसके अलावा गेल और भारत की अन्य पाइपलाइन कंपनियों के मीटर की प्रोविंग हेतु हजीरा (गुजरात) में ''मीटर पूवर सुविधा'' हेतु स्वदेशी विकल्पों का विकास किया गया है। स्वदेशी स्रोतों के विकास में मदद करने के लिए, बिना ''अच्छे ट्रैक रिकार्ड'' (बोली के लिए एक आवश्यक अर्हता) वाले आपूर्तिकर्ता ''डेमो रूट'' का उपयोग करके अपने उत्पाद की गुणवत्ता दिखा सकते हैं। इसके कार्यान्वयन से लाइन पाइप के विनिर्माण हेतु घरेलू बोलीकर्ताओं की संख्या 1985 के शून्य से बढ़कर 2016 में 19 हो गई है। इसके परिणामस्वरूप, पिछले छः वर्षों में गेल ने घरेलू आपूर्तिकर्ताओं को ₹ 3010 करोड़ के लाइन–पाइप (कुल आर्डर के 93 प्रतिशत के बराबर) के ऑर्डर दिए।

गेल प्रणालियों, प्रक्रियाओं और प्रचालन में निरंतर सुधार करने का प्रयास करता रहता है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए वेंडरों और आपूर्तिकताओं की हमारी श्रृंखला में सुधार की यही कार्यनीति अपनाई जानी चाहिए। इस प्रकार गेल वेंडर विकास कार्यक्रमों के माध्यम से हमारे वेंडरों की क्षमता में सुधार लाता है, इन कार्यक्रमों में करार प्रदान करने तथा उनका निष्पादन करने के मामलों, पद्धतियों और प्रक्रियाओं के संबंध में विस्तृत विचार–विमर्श किया जाता है। रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान एमएसएमई के लिए वेंडर विकास कार्यक्रमों का आयोजन गेल पाता, विजयपुर, जयपुर, निगमित कार्यालय, मुंबई, झबुआ, राजामंड्री और वडोदरा में किया गया।

पर्यावरण–अनुकूलन (ग्रीन) खरीद जी4–ईएन33

ऊर्जा क्षमता तथा प्रचालन की निरंतरता को बढ़ावा देने के हमारे प्रयासों के भाग के रूप में गेल ने व्यवसाय में पर्यावरण अनुकूलन प्रापण को शामिल करने के लिए पहल किए जाने के कई प्रयास किए हैं। इनमें अधिक ऊर्जा प्रभावी कंप्रेशर, टरबाइन और जनरेटरों के प्रापण के लिए निविदा में निर्धारित समयावधि के साथ लोडिंग मानदंड को शामिल करना है। सतत विकास संचालन समिति द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार इलेक्ट्रिकल उपकरण के प्रापण के लिए विशिष्टताओं में 3–स्टार रेटिंग को

आपूर्ति श्रृंखला में सुदृढ़ आधारभूत ढांचे का सृजन

आवश्यक किया जाएगा ताकि खरीदे गए उत्पादों की प्रभावकारिता सुनिश्चित की जा सके। इसके अतिरिक्त, मौजूदा 10 वर्ष से अधिक पुराने एयर कंडीश्नरों का लागत लाभ विश्लेषण किया जा रहा है ताकि उन्हें पर्यावरण अनुकूल वाले उपकरणों से बदलने की संभावना का पता लगाया जा सके।

पर्यावरण अनुकूल उत्पादों की खरीद के अतिरिक्त गेल सभी नए भवनों में पर्यावरण अनुकूल संकल्पना को अपनाए जाने पर भी बल दे रहा है। इसके पश्चात्, प्रापण और करार को विशिष्ट पर्यावरण अनुकूल मानकों, सतत परिपाटियों और समाधान के अनुरूप समन्वित किया जा रहा है ताकि पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव को कम किया जा सके। इस पहल के परिणामस्वरूप ही इंडियन ग्रीन बिल्डिंग काउंसिल द्वारा गेल जुबली टावर को एलईईडी प्लेटिनम रेटिंग प्रदान की गई है।

माल और एएमपी का कुल प्रापण; आपूर्तियाँ (₹) में जी4–ईसी 9	2794 करोड़
माल और एएमपी का कुल प्रापण; स्थानीय आपूर्तिकताओं द्वारा आपूर्ति (₹) में	2466 करोड़
पर्यावरणीय मानदण्ड के माध्यम से जांचे गए नए आपूर्तिकर्ताओं का प्रतिशत	100
पर्यावरणीय श्रम प्रथाओं के मानदंड जी 4–एलए14 के माध्यम से जांचे गए नए आपूर्तिकर्ताओं का प्रतिशत	100
मानवाधिकार मानदण्ड जी 4–एचआर 10 के माध्यम से जाँचे गए नए आपूर्तिकर्ताओं का प्रतिशत	100
समाज पर प्रभाव हेतु मानदंड जी 4–एसओ 9 के माध्यम से जाँचे गए नए आपूर्तिकर्ताओं का प्रतिशत	100
पर्याप्त वास्तविक और एएमपी हेतु चिन्हित आपूर्तिकताओं का प्रतिशत; समाज पर संभाव्य प्रतिकूल प्रभाव	0
पर्याप्त वास्तविक और एएमपी हेतु चिन्हित आपूर्तिकताओं का प्रतिशत; समाज पर संभाव्य प्रतिकूल प्रभाव जिसके साथ संबंध समाप्त हो गया है	0

एमएसईएस हेतु वेंडर की बैठक–2016 का दृश्य

प्रभावी समन्वय और साझेदारी हेतु संप्रेषण

100% समाधान

सांविधिक निकायों के माध्यम से पणधारकों/निवेशकों की शिकायतों का

स्वच्छ भारत

स्वच्छ विद्यालय

3614 शौचालय निर्मित

24x7 ऑनलाइन सेवा हेतु अनुरोध/ शिकायत/ घटना की सूचना

प्रभावी समन्वय और साझेदारी हेतु संप्रेषण

तेल और गैस के तेजी से बदलते माहौल में, गेल अपने पणधारकों के साथ प्रभावी संवाद कायम करने और अपनी मौजूदगी बनाए रखने के साथ–साथ निवेशकों और आम लोगों के मन–मस्तिष्क में ब्रांड की छवि बनाए रखने के सक्रिय उपाय कर रहा है। साझा आम दृष्टिकोण तैयार करने के लिए पणधारकों को गेल की पहल और उपलब्धियों के संबंध में प्रभावी और केन्द्रित तरीके प्रचार–प्रसार करना हमारे कार्यों में से एक है। इसके अतिरिक्त नई प्रौद्योगियों के सामने आने से तथा नवीकरणीय ऊर्जा के बढ़ते कदम को देखते हुए प्राकृतिक गैस की ईंधन के तौर पर अहमियत बनाए रखना कठिन है। इसके लिए सभी पणधारकों तथा आम समाज के साथ दीर्घावधि संबंधों को बनाए रखना महत्वपूर्ण है।

हमारा दृष्टिकोण[जी4–डीएमए]

गेल के लिए संचार संबंधी दृष्टिकोण का अर्थ है अपेक्षित पणधारकों के साथ संबंध बनाए रखना और यह सुनिश्चित करना कि इनका पर्याप्त ध्यान रखा जा रहा है। सभी प्रकार का संचार कंपनी की सफलता का प्रमुख घटक है, और इसलिए गेल में इस पर पर्याप्त ध्यान दिया जाता है। गेल में हम पणधारकों के साथ संबंध सुदृढ़ करने के साथ–साथ एक सकारात्मक माहौल बनाने व प्राकृतिक गैस के लिए बाजार तैयार करने के लिए अपने पणधारकों से निरंतर संबंध बनाए रखते हैं। हमारे दृष्टिकोण संबंधी उद्देश्य से वक्तव्य में अपनी अग्रणी स्थिति को बनाए रखने के उद्देश्य से पणधारकों को महत्व देने, सकारात्मक संबंध बनाने और विश्वास बनाए रखने पर बल दिया गया है।

गेल वार्षिक रिपोर्ट, संपोषणीयता रिपोर्ट, कॉर्पोरेट ब्रोशर, वार्षिक प्लानर, निवेशक प्रस्तुतीकरण, सुरक्षा कैलेण्डर और पोस्टर जैसी बड़ी संख्या में रिपोर्टें, ब्रोसर, बुकलेट, प्रस्तुतीकरण को स्थानीय भाषा आदि में प्रकाशित करता है। इन प्रकाशनों में कंपनी के विभिन्न व्यवसाय क्षेत्रों तथा इसके प्रचालन और रख–रखाव संबंधी गतिविधियों का उल्लेख किया गया है। गेल राजभाषा हिंदी के प्रयोग को सक्रिय रूप से बढ़ावा देता है। कंपनी के संबंध में अद्यतन जानकारी गेल इंट्रानेट, आंतरिक और बाह्य पणधारकों की कॉर्पोरेट वेबसाइट पर अपलोड की जाती है। गेल अपने पणधारकों से GAILVoice.com के समर्पित ब्लॉग के माध्यम से भी जुड़ा रहता है और ट्वीटर, फेसबुक तथा लिंक्डइन जैसे सोशल मीडिया में भी गेल ने उपस्थिति दर्ज की है। हमारे पणधारकों के कार्यों के तंत्र का ब्यौरा पणधारक की संलग्नता और कार्य अध्याय में दिया गया है।

गेल पणधारकों से अलग–अलग माध्यमों से जुड़ा रहता है जिनमें सामूहिक विचार–विमर्श, प्रश्नोत्तरी सर्वेक्षण और आमने–सामने बातचीत शामिल है। हम अपने पणधारकों से सामग्री के विभिन्न पहलुओं की पहचान, प्रमुख जोखिम और अवसरों के संबंध में विचार–विमर्श करते हैं।

गेल को पर्यावरण स्थिरता की श्रेणी में ''कंपनी ऑफ दि ईयर'' पेट्रोफेड पुरस्कार से सम्मानित किया गया

पणधारक	पणधारक समूह का महत्व	संलग्न समूह	संलग्नता की बारंबारता	संलग्नता का माध्यम	चिन्ता से निपटने, संकल्पना, सलाह और सुझाव संबंधी प्रमुख पहलें
कर्मचारी	हमारे कर्मचारी हमारी सबसे महत्वपूर्ण परिसंपत्ति हैं और हम निरंतर उनसे जुड़े रहते हैं।	मानव संसाधन विभाग, मानव संसाधन–कर्मचारी संबंध और नीति, कॉर्पोरेट प्रचालन और रख–रखाव, स्वास्थ्य सुरक्षा और पर्यावरण विभाग, कॉर्पोरेट संपोषणीयता दल	वार्षिक, तिमाही, मासिक, दैनिक	संतुष्टि सर्वेक्षण, शिकायत निवारण, सुझाव योजना, सीएमडी खुला सदन, संपोषणीयता सर्वेक्षण, विभिन्न समितियां, ई–मेल, जर्नल, कर्मचारी संघ और यूनियन के साथ बैठक, गेल दिवस समारोह, खेल कूद समारोह, स्वास्थ्य अभियान आदि सहित विभिन्न आयोजन	• गेल के व्यवसायिक लक्ष्य, मूल्य और सिद्धांत का संप्रेषण • प्रमुख परियोजनाओं पर कार्रवाई योजना • बेहतर परिपारियों का कार्यान्वयन • सीखने और विकास करने की सुविधा • प्रमुख कार्य निष्पादन संकेतकों और कार्य योजना की निगरानी • चिन्ताओं को समझना और उनका निपटारा करना, विचार का सृजन, साझा करना और सीखना
आपूर्तिकर्ता	गेल का प्रमुख व्यवसाय गैस परिवहन है, जो कि कंपनी के लिए इस बात को महत्वपूर्ण बना देता है कि वह निरंतर आपूर्तिकर्ता के साथ संबंधों में पारदर्शिता से कंपनी को जोखिम कम करने और नए अवसरों का पता लगाने में मदद मिलती है। इससे आपूर्ति श्रृंखला और योजना बनाने में सुधार लाने में भी मदद मिलती है।	करार और प्रापण विभाग परियोजना विभाग	वार्षिक, तिमाही, मासिक, दैनिक	आपूर्तिकर्ता बैठक, ई–मेल, बैठकें	• सत्यनिष्ठा समझौता तंत्र • निविदा–पूर्व और बोली–पूर्व बैठक • निपटान सलाहकार समिति के माध्यम से निपटारा • रिवर्स ऑक्शन • बिल वॉच सिस्टम • फाईल मूवमेंट सिस्टम • ई–निविदा

प्रभावी समन्वय और साझेदारी हेतु संप्रेषण

पणधारक	पणधारक समूह का महत्व	संलग्न समूह	संलग्नता की बारंबारता	संलग्नता का माध्यम	चिन्ता से निपटने, संकल्पना, सलाह और सुझाव संबंधी प्रमुख पहलें
उपभोक्ता	उत्कृष्टता प्राप्त करने के हमारे प्रयास में उपभोक्ता हमारा महत्वपूर्ण सहयोगी हैं। हम उत्पाद और सेवा गुणवत्ता में सुधार के लिए उनके साथ निरन्तर कार्य कर रहे हैं।	विपणन विभाग, कुल गुणवत्ता प्रबंधन विभाग	वार्षिक, तिमाही	उपभोक्ता के साथ परस्पर संपर्क संबंधी बैठकें, उपभोक्ता का फीडबैक	• उपभोक्ता सुझाव पेटी : उपभोक्ता की आवश्यकताओं को समझने, प्रचालन संबंधी चिंताओं से निपटने तथा नये उत्पाद के विकास के संबंध में फीडबैक प्राप्त करने के लिए • उपभोक्ता संतुष्टि इंडेक्स : उनके संतुष्टि स्तर को समझने के लिए • उपभोक्ता का लेजर : लेनदेन में पारदर्शिता के लिए
समुदाय	स्थानीय समुदाय हमें प्रचालन हेतु सामाजिक मंजूरी प्रदान करते हैं और इस प्रकार हमारे विकास में उनकी महत्वपूर्ण स्थिति है। हमने समुदाय के प्रभावी विकास के लिए एक सीएसआर नीति का भी विकास किया है।	कॉर्पोरेट सामाजिक जवाबदेही विभाग	वार्षिक, तिमाही, मासिक, दैनिक, आवश्यकता आधारित	समुदाय की बैठकें, परियोजना बैठकें, वार्षिक समीक्षा	• सामाजिक जवाबदेही पहल/ परियोजनाओं का कार्यान्वयन • उनकी चिंताओं को समझना और उनका समाधान करना
सरकार और विनियामक	विश्व भर में व्यवसाय के प्रचालन को प्रभावित करने में सरकार और अन्य विनियामक निकाय अत्यधिक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यह कर, विनियामक और अन्य नीतियों, व्यवसाय के लिए सभी को समान अवसर उपलब्ध कराने, पूंजी उपलब्ध कराने तथा अन्य संबंधित प्रचालनों के रूप में होता है। गेल सभी कानून और विनियमों के अनुपालन को अत्यधिक वरीयता प्रदान करता है।	विनियामक मामले विभाग, विधि विभाग, कॉर्पोरेट योजना विभाग, लायज़न और संसदीय मामले संबंधी विभाग, कंपनी सचिवालय	वार्षिक, तिमाही	समझौता–ज्ञापन, तिमाही प्रगति रिर्पोट, ओपन हाउस सत्र, सुनवाई तथा अन्य बैठकें, पीएनजीआरबी द्वारा यथा अपेक्षित विभिन्न विनियामक मामलों पर पीएनजीआरबी को लिखित रूप में विचार/टिप्पणियां	• संबंध निर्माण • समझौता–ज्ञापनों के माध्यम से कार्य निष्पादन मूल्यांकन • प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करना • प्रमुख निवेश योजनाओं पर विचार–विमर्श
एनजीओ	गेल स्थानीय समुदायों से परस्पर संबंध रखता है और एनजीओ के माध्यम से भी संपर्क करता है। अत: गेल के प्रचालन क्षेत्रों मे समुदायों के साथ अच्छे संबंध बनाने में एनजीओ की महत्वपूर्ण भूमिका है।	कॉर्पोरेट सामाजिक जवाबदेही विभाग	वार्षिक, तिमाही, मासिक, दैनिक	सामुदायिक बैठकें, परियोजना बैठकें, वार्षिक समीक्षाएं	• समाजिक जवाबदेही पहल/ परियोजनाओं का लागू करना

पणधारक	पणधारक समूह का महत्व	संलग्न समूह	संलग्नता की बारंबारता	संलग्नता का माध्यम	चिन्ता से निपटने, संकल्पना, सलाह और सुझाव संबंधी प्रमुख पहलें
संविदा पर कर्मचारी	हमारे ठेकेदार हमारे लिए उतने ही महत्वपूर्ण हैं जितनें कि हमारे नियमित कर्मचारी और गेल में हम यह सुनिश्चित करते हैं कि उनकी बात भी सुनी जाए। हम वेतन, कार्य की स्थितियां, स्वास्थ्य व सुरक्षा आदि के संबंध में ठेके पर रखे गए कर्मचारियों पर लागू सभी कानूनों का पालन करते है।	मानव संसाधन विभाग, कॉर्पोरेट प्रचालन और रख–रखाव, स्वास्थ्य सुरक्षा और पर्यावरण विभाग, कॉर्पोरेट संपोषणीयता दल	वार्षिक, तिमाही, मासिक, दैनिक	संयंत्र–स्तरीय समितियां, कर्मचारी संघों और यूनियनों के साथ बैठकें, गेल दिवस समितियां, कर्मचारी संघों और यूनियनों के साथ बैठकें, गेल दिवस समारोह, खेल कूद समारोह, स्वास्थ्य अभियान आदि सहित विभिन्न आयोजन	• स्वास्थ्य और सुरक्षा के मुद्दों पर समुचित प्रशिक्षण और संचार • रोजगार हेतु प्रशिक्षण की उचित सुविधा • समुदाय से जुड़े, कार्यक्रम
मीडिया	मीडिया समाज में राय बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, यह विभिन्न माध्यमों से अन्य पणधारकों को विचार संप्रेषण में मदद करता है।	कॉर्पोरेट संचार विभाग	आवश्यकता आधारित	प्रेस कांफ्रेंस, औपचारिक तथा अनौपचारिक मीडिया संवाद, प्रिंट, वायर और इलेक्ट्रानिक मीडिया में विशेष साक्षात्कार, प्रेस रिलीज, आयोजनों के प्रोयोजक, औद्योगिक प्रदर्शनी आदि में भागीदारी	• संबंध निर्माण • कार्य निष्पादन के अच्छे और कमी वाले क्षेत्रों का मूल्यांकन • प्रमुख क्षेत्रीय विकास पर दृष्टिकोण

पणधारकों और प्रत्येक के साथ संवाद के माध्यमों का ब्यौरा नीचे दिया गया है:

सरकार और विनियामक एजेंसियां

भारत सरकार गेल का प्रमुख पणधारक है जिसके पास 56% शेयर हैं। जोखिम प्रबंधन और उसमें कमी लाने की कार्यनीति के तौर पर गेल ज्यादातर सरकार और विनियामक एजेंसियों से मिलकर कार्य करती है। गेल वित्तीय कार्य निष्पादन, गैस आवंटन और उपयोग, गैस की कीमत का निर्धारण, गैस पूलिंग और स्वैपिंग तंत्र, ऊर्जा सुरक्षा, परियोजना नियोजन, सतर्कता मामले, सुरक्षा, विस्तार और विविधीकरण योजनाओं जैसे गेल के महत्वपूर्ण मुद्दों पर पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय और अन्य विनियामक प्राधिकरणों के साथ नियमित अंतराल पर विचार विमर्श करती है ताकि इसके हितों और भावी विकास हेतु सुरक्षा के उपाय किए जा सकें। गेल संसदीय प्रश्नों, संसदीय संदर्भ और संसदीय समिति की बैठकों के मामले में पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय से समन्वय बनाए रखता है। गेल संसदीय समितियों के विविध पत्राचार और बैठकों के संबंध में लोकसभा सचिवालय/राज्य सभा सचिवालय के अधिकारियों से घनिष्ठ समन्वय स्थापित करता है। भारत के राष्ट्रपति गेल के सबसे बड़े शेयरधारक हैं गेल के लिए यह आवश्यक है कि वह सरकार और अन्य निवेशकों को कंपनी के कार्यनिष्पादन और संबंधित आयोजन के संबंध में अद्यतन जानकारी प्रदान करें। व्यवसाय, प्रशासन, वित्तीय और गैर–वित्तीय कार्य निष्पादन तथा संभावनाओं के बारे में पारदर्शिता बनाए रखी जाती है और इस संबंध में सूचना का अनुरक्षण किया जाता है और उन्हें इस संबंध में नियमित रूप से अद्यतन जानकारी दी जाती है।

शेयरधारिता संरचना और हिस्सेदारी

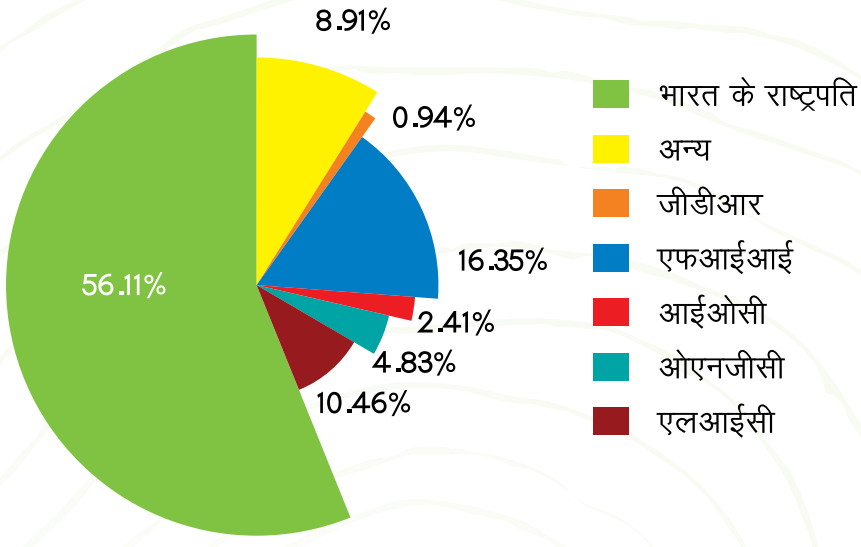

गेल की विचाराधारा के अनुसार, व्यक्तिगत समस्याओं से हटकर व्यापक सामाजिक–राजनीतिक समस्याओं के संबंध में विनियामकों के साथ दीर्घावधि सहयोगी संबंध बनाए रखने से कंपनी कार्यनीतिक और सुनियोजित लाभ प्राप्त करने में सफल हो सकती है। विनियामक और विनियमाक माहौल में विनियम एक ऐसे तंत्र के रूप में विकसित हो सकता है जो वित्तीय समझदारी से तकनीकी नवोन्मेष और जलवायु परिवर्तन तक विभिन्न मुद्दों पर पूरे उद्योग जगत में सहयोग सुनिश्चित कर सके।

शेयरधारक/निवेशक

गेल ने निवेशकों की शिकायतों और रजिस्ट्रार तथा शेयर हस्तांतरण एजेंट से संबंधित मामलों से निपटने के लिए एक शेयरधारक/निवेशक शिकायत निवारण समिति का भी गठन किया है। वर्ष 2015–16 के दौरान एसईबीआई/स्टॉक एक्सचेंज और अन्य सांविधिक निकायों के माध्यम से शेयरधारकों/निवेशकों से 22 शिकायतें प्राप्त हुई थीं और सभी 22 शिकायतों का समाधान कर दिया गया था।

गेल का सर्वोच्च प्रबंधन और निवेशक संबंध

सूचनात्मक संचार:

- न्यूज रिलीज
- वरिष्ठ प्रबंधन की प्रेस बैठक
- वार्षिक रिपोर्ट
- वेबसाइट
- विश्लेषण बैठक और सम्मेलन
- व्यक्तिगत बैठकें
- अन्तर्राष्ट्रीय बैठकें
- फीडबैक तंत्र
- निवेशक संबंध

निवेशक

कर्मचारियों से संबंध और उनका कल्याण जी 4–ईसी3, जी 4–एलए2

हमारे लिए यह महत्वपूर्ण है कि हम कर्मचारियों में निरंतर उत्साह बनाए रखें और उन्हें कामकाज का उचित माहौल उपलब्ध कराएं। हमने दूर स्थित क्षेत्रों में कर्मचारियों के लिए समर्पित आवासीय और वाणिज्यिक क्षेत्र, खेलकूद की सुविधाएं, क्लब, स्कूल और चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई हैं। हम कर्मचारियों और उनके परिवारों के लिए त्यौहारों और विशेष अवसरों पर समारोह का आयोजन करते हैं। नवोन्मेष गेल की कार्य संस्कृति का महत्वपूर्ण पहलू है और हम कर्मचारियों को इसका हिस्सा बनने के लिए सदैव प्रेरित करते हैं।

गेल के कर्मचारी ऑनलाइन शिकायत निवारण तंत्र के माध्यम से अपनी समस्याएं बता सकते हैं, इस तंत्र की निगरानी कॉर्पोरेट एचआर द्वारा की जाती है। यदि एचआर–प्रभारी निर्धारित समय सीमा के भीतर शिकायत का समाधान नहीं करता है तो वह मामला स्वतः ही जीएम (एचआर), कॉर्पोरेट कार्यालय पहुंच जाता है और अंत में निदेशक (एचआर) तक पहुंच जाता है। पीड़ित कर्मचारी यदि प्रदान किए गए उत्तर/राहत से संतुष्ट नहीं है तो वह अगले स्तर पर अपील भी कर सकता है। शिकायत निवारण के संबंध में अधिक ब्यौरा कॉर्पोरेट तंत्र के अध्याय में दिया गया है।

उपभोक्ता

गेल का कई स्तरों पर अपने उपभोक्ताओं से संपर्क रहता है। यह संपर्क या तो नियमित अंतराल पर किए जाते हैं या आवश्यकता होने पर, जो कि बैठकों, उपभोक्ता के परिसर का दौरा, ऑनलाइन सुझाव पेटी, उपभोक्ता संतुष्टि इंडेक्स (सीएसआई), अभियानों, ऑनलाइन उपभोक्ता शिकायत पोर्टल, पणधारक को शामिल करने की प्रक्रिया और तीसरे पक्ष के उपभोक्ता मूल्य प्रबंधन (सीवीएम) दौरों के माध्यम से किए जाते हैं। इन संपर्क साधनों का उद्देश्य उपभोक्ता की समस्याओं को समझना और उन्हें दूर करना, उपभोक्ता के साथ बेहतर संबंध बनाना, तकनीकी खामी दूर करना और उपभोक्ता की शिकायत का समाधान करना है।

जलवायु परिवर्तन पर राष्ट्रीय परामर्श संगोष्ठी डॉ. आशुतोष कर्नाटक, निदेशक (परियोजना) गेल (दाहिने से दूसरे)

उपभोक्ता बैठकें

गेल में, हम ने उपभोक्ताओं से निकट संपर्क बनाए रखने में यकीन रखते हैं और इसके लिए हम पूरे वर्ष व्यवसाय खंडों के साथ कई बैठकों का आयोजन करते हैं। वित्तीय वर्ष 2015–16 के दौरान प्राकृतिक गैस, पेट्रो रसायन और एलएचसी व्यवसाय खंडो में सीवीएम के लिए कुल 115 दौरे किए गए थे। इनमें से 75 उपभोक्ता दौरे टीक्यूएम विभाग द्वारा नियुक्त परामर्शदाताओं द्वारा किए गए तथा 40 उपभोक्ता दौरे गेल के कार्यकारी अधिकारियों द्वारा किए गए। गेल का जोनल कार्यालय अपने संबंधित उपभोक्ताओं के लिए 3–4 माह में नियमित उपभोक्ता बैठकों का आयोजन करता है। बैठकों के दौरान मामलों पर विचार विमर्श किया जाता है और उनका समाधान किया जाता है। वर्ष के दौरान देश भर में लगभग 30 उपभोक्ता बैठकों का आयोजन किया गया।

इसके अतिरिक्त गेल गैस पूर्ति तथा पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय/विनियामक निकायों की नीतियों के भावी परिदृश्य के संबंध में भी अपने उपभोक्ताओं को शिक्षित करता है। इसके अलावा, विशिष्ट मामलों के समाधान हेतु जोनल कार्यालयों द्वारा संबंधित उपभोक्ताओं के साथ आमने–सामने बैठकर भी आयोजित की गई थी। विचार–विमर्श किए गए कुछ प्रमुख मुद्दों में घरेलू गैस की उपलब्धता में कमी, असंतुलित प्रभार/अधिक प्रभार तथा पोत या भुगतान प्रभार (विशेष रुप से कम मात्रा लेने वाले उपभोक्ताओं के लिए) और प्रेशर, गुणवत्ता आदि से संबंधित मामले शामिल हैं।

उदाहरण के लिए, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना राज्य के पॉलीमर उपभोक्ताओं के लिए अक्टूबर, 2015 में हैदराबाद में एक पॉलीमर उपभोक्ता बैठक का आयोजन किया गया था। गेल के साथ एक परस्पर संवाद वाले सत्र में लगभग 80 उपभोक्ता शामिल हुए, उस दौरान सम्मेलन कक्ष में सीआईपीईटी अधिकारी और छात्र मौजूद थे। इसी प्रकार जनवरी, 2016 में भोपाल में तेल और गैस संरक्षण पखवाड़ा (ओजीसीएफ) के अंतर्गत एक तकनीकी–सह–उपभोक्ता बैठक का आयोजन किया गया था। बैठक का उद्देश्य स्वच्छ ईंधन का बेहतर तरीके से प्रयोग करने और लकड़ी आदि परंपरागत ईंधनों के स्थान पर इसका उपयोग करने के महत्व के संबंध में उपभोक्ताओं को जानकारी देना था।

उपभोक्ता संतुष्टि इंडेक्स (सीएसआई) जी 4–पीआर 5

हम उपभोक्ताओं के फीडबैक को महत्व देते हैं क्योंकि यह अपने उत्पादों और सेवाओं में निरंतर सुधार लाने में हमारी मदद करता है। वर्ष में दो बार उपभोक्ता संतुष्टि सर्वेक्षण कराया जाता है ताकि उत्पाद गुणवत्ता, उत्पाद की प्रयोज्यता, तकनीकी सहयोग, सामग्री उपलब्ध कराने, पैकेजिंग, सेवा गुणवत्ता, समस्याएं और सुधार हेतु सुझाव जैसी कई मांगों पर उपभोक्ता की संतुष्टि के स्तर को समझा जा सके। अर्धवार्षिक आधार पर ऑनलाइन फीडबैक प्रणाली के माध्यम से प्राप्त किया जाता है। वित्तीय वर्ष 2015–16 के दौरान कुल सीएसआई 90.31 प्रतिशत था जबकि लक्ष्य 89 प्रतिशत का था। वित्तीय वर्ष 2015–16 के दौरान उपभोक्ता द्वारा कोई शिकायत नहीं हुई थी।

उत्पाद संबंधी सूचना का प्रदर्शन और उत्पाद की लेबलिंग जी4–डीएमए, जी 4–पीआर3, जी4–पीआर4

स्थानीय कानूनों के अनुसार उत्पाद सूचना और लेबलिंग के अलावा आपूर्ति आरंभ करने से पूर्व उत्पाद विशिष्टताएं भी उपलब्ध कराई जाती हैं। प्रत्येक पीसी और एलएचसी डिस्पैच के साथ परीक्षण प्रमाण पत्र प्रदान किया जाता है। पॉलीमर की पैकिंग 25 किलोग्राम के मानकीकृत बैग में की जाती है और साथ ही उस पर उत्पाद का ब्यौरा दिया जाता है, कंपनी का लोगो लगाया जाता है और भार संबंधी जानकारी भी प्रदान की जाती है। पूरे संगठन में आईएसओ 9001:2008 सहित सभी विपणन संचार कोड व मानक, सोल्वेंट नियंत्रण आर्डर, पीएनजीआरबी कोड, लागू बीआईएस मानक, ओआईएसडी दिशा–निर्देश, पीईएसओ मानक और विनियम, भार तथा माप कोड लागू किए गए हैं। उपभोक्ता उत्पाद की गुणवत्ता से संबंधित तकनीकी और वाणिज्यिक शिकायतें कर सकता है। गेल उपभोक्ता गेल के वेबपेज के माध्यम से 24×7 ऑनलाइन सेवा संबंधी अनुरोध/शिकायत/किसी घटना की जानकारी दे सकता है। उत्पाद व सेवा की सूचना और लेबलिंग से संबंधित नियम और शैक्षिक कोड का अनुपालन न करने का कोई मामला सामने नहीं आया है।

उत्पाद प्रबंधन जी 4–डीएमए, जी 4–पीआर 1, जी 4–पीआर 2

गेल में हम सुरक्षित और पर्यावरण अनुकूल उत्पादों के विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमारा दृष्टिकोण सुरक्षा और पर्यावरणीय प्रभाव के संबंध में अपने उत्पाद के जीवन चक्र प्रभावों पर व्यापक दृष्टि डालने और उसे कम करने का तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से व्यावहारिक समाधान का पता लगाने का रहता है।

यद्यपि प्लास्टिक को परंपरागत रुप से पर्यावरणीय प्रदूषण माना जाता है, लेकिन हम उसकी पुनर्चक्रण की अत्यधिक संभावनाओं के कारण उसे पर्यावरण अनुकूल मानते हैं। हमने प्लास्टिक उत्पादों के लाभ के संबंध में उपभोक्ताओं को शिक्षित और जागरूक करने तथा प्लास्टिक कचरे हेतु सुरक्षित प्रबंधन प्रणाली विकसित करने तथा प्लास्टिक कचरे का अधिक से अधिक मात्रा में वापस पुनर्चक्रण करने के उद्देश्य से इंडियन सेंटर फॉर प्लास्टिक इन द एनवायरमेंट (आईसीपीई) के साथ साझेदारी की है।

विज्ञापन, प्रमोशन और विभिन्न प्रकार के प्रायोजक कार्यक्रमों सहित विपणन संबंधित संप्रेषण से संबद्ध विनियम और स्वैच्छिक कोडों का अनुपालन न करने का कोई मामला सामने नहीं आया है। गेल के सभी प्रमुख प्रतिष्ठान ओएचएसएएस:18001 से मान्यता प्राप्त हैं और सुधार हेतु उत्पादों के स्वास्थ्य और सुरक्षा संबंधी आकलन के लिए प्रतिबद्ध हैं।

अपनी गैस प्रबंधन प्रणाली (जीएमएस) के माध्यम से हम एक दूसरे से जुड़े गैस की आपूर्ति और उसे आगे उपलब्ध कराने के अनेक स्रोतों को हैंडल करने में सक्षम हैं तथा हम पोत से माल वितरण करने वाले, उपभोक्ताओं, परिवहन करने वालों और आपूर्तिकर्ताओं के बीच एक सहज संपर्क सूत्र उपलब्ध कराते हैं। जीएमएस के अंतर्गत ऑर्डर करने से लेकर नकद भुगतान तक का पूरा चक्र ऑटोमेटेड है और अपस्ट्रीम गैस आपूर्ति से लेकर गैस परिवहन से बिलिंग तक, भुगतान और भुगतान की अंतिम रसीद तक सब कार्य समयबद्ध तरीके से होता है। जीएमएस पोर्टल प्रणाली के माध्यम से उपभोक्ता को सीधे जानकारी उपलब्ध कराई जाती है और इस प्रकार बेहतर नियोजन और गैस आपूर्ति के उपयोग में उन्हें सक्षम बनाती है। एससीएडीए के माध्यम से क्षेत्र माप उपकरणों के साथ जीएमएस के समेकन को चरणबद्ध ढंग से कार्यान्वित किया जा रहा है।

विश्व भर के उद्योग ऐसे उत्पादों और सेवाओं की ओर धीरे–धीरे अग्रसर हो रहे हैं जो पर्यावरण और समाज के संसाधनों पर कम प्रभाव डालने वाले हैं और हम भी इस बदलाव का हिस्सा हैं। प्राकृतिक गैस, जो कि अन्य जीवाश्म ईंधनों का एक स्वच्छ विकल्प है, के व्यवसाय में होने के कारण हमने ऐसे साधनों का विकास किया है जिससे यह सुनिश्चित हो कि इसके सुरक्षित उपयोग से कोई समझौता किए बिना यह आवश्यक ईंधन के लाभ समाज तक पहुंचें। पिछले 10 वर्षों के दौरान हमने उपभोक्ताओं के उपेक्षित वर्ग को भी ऊर्जा की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए सीजीडी में अपनी स्थिति सुदृढ़ की है।

जलवायु परिवर्तन हेतु साझेदारी जी4–ईसी2

जलवायु परिवर्तन दृष्टिकोण हेतु टेरी के साथ साझेदारी – वर्ष 2015 में गेल ऊर्जा और संसाधन संस्थान (टेरी) के साथ साझेदारी करते हुए जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए एक ऐसे भारतीय कॉर्पोरेट दृष्टिकोण का विकास करने में अग्रणी रहा है जो इस दिशा में भारतीय योजनाओं के अनुकूल हो। पेरिस में आयोजित सीओपी 21के भारतीय पवेलियन में 'दिल्ली से पेरिस: जलवायु परिवर्तन पर कॉर्पोरेट दृष्टिकोण' नामक दस्तावेज जारी किया गया। एक जिम्मेदार कॉर्पोरेट के तौर पर गेल ने 'ऊर्जा उपयोग की दक्षता में सुधार' के लिए अग्रणी कार्य किया है और बैठकों, वेबिनारों की तैयारी करने और परामर्श में भाग लेने के

सीओपी 21, पेरिस में गेल के प्रतिनिधि

लिए सामग्री उपलब्ध कराई है। गेल ने यह प्रचार किया है कि प्राकृतिक गैस, जो पर्यावरण की दृष्टि से एक बेहतरीन वैकल्पिक ईंधन है, कार्बन अर्थव्यवस्था को कम करने के लिए मार्ग में सेतु ईंधन के रूप में कार्य कर सकता है।

गेल और सीडीपी– गेल ने 98 अंक प्राप्त किए तथा उसे सीडीपी भारत के ''कार्बन उजागर नेतृत्व सूचकांक (सीडीयू) में तीसरा रैंक दिया गया है, जिसे बाम्बे स्टॉक एक्सजेंच (बीएसई) में नवम्बर 2015 में जारी किया गया था। गेल ने विगत वर्ष के अंकों की तुलना में 12 अंकों की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है।

जलवायु परिवर्तन जागरूकता– जलवायु परिवर्तन के कारण उत्पन्न चुनौतियों से निपटना तथा गेल को इन व्यवसाय के अवसरों में परिवर्तित करने के लिए तैयार करने के लिए ''25 अक्टूबर, 2015 से 1 नवंबर, 2015 तक के दौरान जलवायु परिवर्तन ''जागरूकता सप्ताह 2015'' मनाया गया। इस सप्ताह के दौरान भारतीय जलवायु वास्तविकता परियोजना से एक जाने–माने वक्ता ने व्याख्यान दिया; जलवायु परिवर्तन प्रश्नोत्तरी आयोजित की गई और सभी कर्मचारियों के लिए एक समर्पित इंट्रानेट पृष्ठ बनाया गया, जिसमें प्रकाशन और मल्टी मीडिया की सूचना दी गईं साइट स्तर पर भी पहलें शुरू की गईं।

गेल और सीओपी21– गेल ने एमओपीएण्डएनजी के शिष्टमंडल के भाग के रूप में सीओपी21, पेरिस में जलवायु परिवर्तन से निपटने में अपना योगदान दिया है। इसके अलावा, गेल के कार्यकलापों को एमओपीएण्डएनजी, भारत सरकार के सीओपी21 के भाग के रूप में प्रकाशित किया गया है।

विक्रेता और आपूर्तिकर्ता

हमारी आपूर्ति श्रृंखला हमारे प्रतिदिन के व्यवसाय का एक महत्वपूर्ण घटक है जिसमें वैश्विक और स्थानीय आपूर्तिकर्ता दोनों शामिल हैं। हमारा प्रयास आपूर्तिकर्ता को एक भ्रष्टाचार मुक्त और नीतिपरक परिवेश उपलब्ध कराना है तथा उनकी शिकायतों को न्यायोचित, निष्पक्ष और पारदर्शी ढंग से निपटाना है। गेल का यह भी मानना है कि आपूर्तिकर्ताओं को समान अवसर दिया जाना चाहिए और उनके बीच कोई भेदभाव नही किया जाना चाहिए। हम अपनी निविदाओं को अपनी वेबसाइट पर डालते हैं जो पब्लिक डोमेन में

गेल द्वारा आयोजित सीडीपी जलवायु परिवर्तन प्रकटन कार्यशाला

उपलब्ध है। आपूर्तिकर्ताओं के साथ हमारे संबंधों पर और अधिक जानकारी को आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन पर अध्याय में शामिल किया गया है।

हम प्रशिक्षण प्रयोजनों के लिए विभिन्न स्थलों पर आपूर्तिकर्ताओं की बैठक को नियमित रूप से आयोजित करते हैं। एमएसई के साथ विक्रेता सीएण्डपी बैठकें विक्रेता विकास के लिए उन्हें गेल की निविदा प्रक्रिया के बारे में मार्गदर्शन करने, प्रक्रिया समय को कम करने तथा गेल में उनकी भागीदारी प्रक्रिया को बढ़ाने के लिए की जाती हैं। एमएसई के लिए एक विक्रेता बैठक सार्वजनिक खरीद नीति का अनुपालन बढ़ाने के लिए फरवरी, 2016 में गेल प्रशिक्षण संस्थान, नोएडा में आयोजित की गई थी।

समुदाय जी4–डीएमए, जी4–ईसी7, जी4–ईसी8, जी4–एसओ1, जी4–एसओ2

गेल का उसके आसपास के समुदायों के साथ बातचीत उसकी सीएसआर नीति द्वारा संचालित होता है। सीएसआर कार्यकलापों को पंजीकृत न्यासों, सोसायटियों, स्वायत्त निकायों, सरकारी विभागों, एनजीओ और खण्ड 8 कंपनियों के जरिए चलाया जाता है।

गेल कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 135 तथा सीएसआर नियमों के प्रावधान के अनुसार शेयरधारकों और लाभार्थियों की पहचान करता है। हम लाभार्थियों के विविध समूह तक पहुंच बनाते हैं जिसमें प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित लोग, अशक्त लोग, महिलाएं और बच्चे, आदिवासी समुदाय, वैकल्पिक कार्य समूह, उपेक्षित युवा, वरिष्ठ नागरिक, एचआईवी से प्रभावित लोग और हिंसा से पीड़ित लोग शामिल होते हैं। गेल में सभी सीएसआर परियोजनाओं का लाभ उपेक्षित, संवेदनशील और उपेक्षित शेयरधारक तथा व्यापक रूप से समुदाय का स्थायी विकास होता है। नई नीति के अनुसार, हमारी सभी 75% सीएसआर पहलों को मुख्यत: दुर्गम क्षेत्रों में लगभग 100 कि.मी. दायरे में 'स्थानीय क्षेत्र' में और उसके आसपास कार्यान्वित किया जाएगा। इन स्थानीय समुदायों में हमारे प्रचालनों के आसपास स्थित स्वदेशी लोग भी शामिल हैं। आदिवासी लोग मध्य प्रदेश राज्य में झबुआ क्षेत्र में स्थित हैं और सूचित अवधि के दौरान किसी विवाद की कोई घटना सामने नहीं आई है।

गेल कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची–VII में परिभाषित क्षेत्रों में सीएसआर परियोजनाएं चलाता है, जिसमें गेल की सीएसआर नीति के चयनित सात क्षेत्रों में ध्यान केन्द्रित किया जाता है जो कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 135 के अनुरूप है। वित्त वर्ष 2015–16 में खर्च किया गया कुल सीएसआर व्यय ₹ 160.56 करोड़ था जो 2299 करोड़ रुपए के पीएटी का 6.98% था। ₹ 160.56 करोड़ में से ₹ 118.64 करोड़, विशेषकर वित्त वर्ष 15–16 के लिए अनुमोदित सीएसआर परियोजनाओं पर खर्च किए गए थे। यह कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 135 तथा उसके सीएसआर नियमों की आवश्यकता के अनुरूप पिछले 3 वित्तीय वर्षों के कर पूर्व लाभ के औसत का 2.3% (अर्थात् ₹ 118.64 करोड़) रहा।

प्रभाव आकलन जी4–ईसी7, जी4–ईसी8, जी4–एसओ1

गेल ने विगत दशक में सुप्रसिद्ध संस्थानों और परामर्शदाताओं से सीएसआर परियोजनाओं के आकलन अध्ययन के लिए तीन स्वतंत्र प्रभाव आकलन अध्ययन कराए जिसमें टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान (मुंबई, महाराष्ट्र), सोल ऐस कंसलटेंट्स (गुड़गांव, हरियाणा), दिल्ली सामाजिक कार्य स्कूल तथा जामिया मिलिया इस्लामिया (दिल्ली) शामिल हैं। सीएसआर परियोजनाओं का मूल्यांकन गेल में प्रत्येक कार्य केन्द्र में बनाई गई बहु कार्यात्मक के प्रभाव से संबंधित एक रिपोर्ट कार्यान्वयन भागीदारी द्वारा प्रस्तुत की जाती है जिसमें विशेष रूप से प्राप्त परियोजना उपलब्धियों, सृजित मात्रात्मक और गुणात्मक लाभ का उल्लेख किया जाता है।

गेल की सीएसआर पहलों का सिंहावलोकन

गेल के निदेशक मंडल में एक सीएसआर समिति (बोर्ड की उप समिति) का गठन किया है जिसमें हमारे सीएमडी समिति के अध्यक्ष, तथा निदेशक (एचआर), संयुक्त सचिव (एमओपीएंडएनजी) तथा दो स्वतंत्र निदेशक सदस्य हैं। सीएसआर नीति पर हमारी वार्षिक रिपोर्ट तथा कार्यक्रमों को निदेशक मंडल की रिपोर्ट में शामिल किया जाता है तथा गेल सीएसआर समिति पर सूचना को कंपनी की वार्षिक रिपोर्ट तथा हमारी वेबसाइट में डाला जाता है। वित्त वर्ष 2015–16 में शुरू की गई कुछ सीएसआर पहलों का नीचे उल्लेख किया गया है।

विशेष शुरू की गई पहलें

उत्तराखण्ड में अचानक आई विनाशकारी बाढ़ के बाद परियोजना सृजन को रुद्रप्रयाग जिले के 3 ब्लॉकों में 10 गांवों के लोगों के पुनर्वास और दीर्घावधि पुनर्निर्माण के लिए जनवरी, 2014 में शुरू किया गया, जिससे 7200 से अधिक लोगों को लाभ मिला; परियोजना के प्रमुख घटकों में क्षमता निर्माण, आजीविका निर्वाह; ढांचागत/परिसंपत्ति सृजन, आपदा प्रबंधन और उपशमन शामिल हैं। विभिन्न घटकों के अंतर्गत परियोजना ने 10 परिवारों को आपदा रोधी आवास उपलब्ध कराए, जिन्होंने बाढ़ में अपना सब कुछ खो दिया था। जिला रुद्रप्रयाग के 3 ब्लॉकों में समुदाय संसाधन और प्रशिक्षण केन्द्र की स्थापना की जा रही है। तत्काल उपाय के रूप में शोकसंतप्त व्यक्तियों को मनोवैज्ञानिक परामर्श दिया गया। आजीविका सृजन अवसर उपलब्ध कराए गए जिसके अंतर्गत आचार/मसाले बनाने, जूस बनाने (स्थायी फल और फूल), हस्तशिल्प डिजाइन आदि का प्रशिक्षण दिया गया जिससे प्रति व्यक्ति कुल वार्षिक आय बढ़कर लगभग ₹ 9,000 हो गईं।

गेल द्वारा आईएलएंडएफएस के सहयोग से चलाए जा रहे चार दक्षता स्कूलों ने सेवा क्षेत्र, व्यापार जैसे खुदरा बिक्री, अस्पताल प्रबंधन, मूल इंजीनियरिंग आदि में 3,200 से अधिक ग्रामीण और अर्द्ध शहरी युवाओं को नौकरी से संबद्ध कौशल प्रदान किया है। सिपेट के जरिए प्लास्टिक उद्योग से संबद्ध कौशल में उपेक्षित समुदाय से 240 लाभार्थियों को प्रशिक्षण दिया गया था।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की स्वच्छता सुविधाएं उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता को पूरा करने के उद्देश्य से गेल ने 'स्वच्छ भारत' के अंतर्गत 3614 शौचालयों का निर्माण किया है। गेल ने हरिद्वार और उज्जैन प्रत्येक में 10 टीपीडी क्षमता वाले 'अपशिष्ट प्लास्टिक से ईंधन तेल' के दो संयंत्रों की स्थापना का अनुमोदन दिया है।

खेलों में प्रतिभा का विकास करने के लिए इसकी सीएसआर पहलों के भाग के रूप में गेल ने 'गेल भारतीय स्पीड स्टार' नामक एक राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम शुरू किया है, जिसका उद्देश्य देश के विभिन्न क्षेत्रों तथा देश के ग्रामीण क्षेत्रों से उदीयमान खिलाड़ियों की पहचान करना है तथा उन्हें राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी कार्यक्रमों में भाग लेने के प्रशिक्षण देना है। पहले चरण में, भारत के 10 राज्यों से 53 जिलों में युवा खिलाड़ियों की पहचान की गई है। अंत में 9 उम्मीदवारों का चयन किया गया जिन्हें राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय रूप से प्रशिक्षित किया जाएगा।

परियोजना जलधर

परियोजना जलधर झाबुआ, मध्य प्रदेश के आदिवासी क्षेत्र में कार्यान्वित किया जा रहा एक अत्यधिक सफल एकीकृत वॉटरशेड विकास और प्रबंधन कार्यक्रम है। इसके परिणामस्वरूप, 50 से अधिक स्व–सहायता समूहों का निर्माण हुआ है जिससे आय सृजन हुआ है और इसने ₹ 307.62 लाख के निवेश से 11 वॉटरशेड ढांचों के सृजन के जरिए आदिवासी महिलाओं को आर्थिक बचत हुई है तथा 10,000 वृक्षों/पौधों का पौधरोपण किया गया है।

हमारी सीएसआर पहलें

गेल अध्यक्ष श्री बी.सी. त्रिपाठी आंध्र प्रदेश में सीएसआर कार्यकलापों के लिए आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री चंद्र बाबू नायडू को चेक भेंट करते हुए

शेयरधारक शिकायत निवारण

हम विभिन्न प्रणालियों के जरिए अपने शेयरधारकों के साथ संवाद करते हैं जिसका पूर्व के खंडों में ब्यौरा दिया गया है और इनका समाधान करने के लिए हमने शिकायत प्राप्त करने और उसका निवारण करने के लिए प्रणाली बनाई है। वर्तमान वित्तीय वर्ष में विभिन्न शेयरधारकों के लिए नीचे तालिका में शिकायत के आंकड़ों का ब्यौरा दिया गया है।

शेयरधारक	प्राप्त शिकायतें	लंबित शिकायतें	%समाधान
शेयरधारक / निवेशक	22	0	100
ग्राहक	48	0	100
कर्मचारी	9	0	100
सतर्कता	104	79	75.96
संविदाकार एवं आपूर्तिकर्ता (अखंडता समझौता से संबंधित)	3	0	100
बड़े पैमाने पर जनता	229	06	97.4
कुल	**415**	**85**	**79.51%**

अन्य शेयरधारकों के साथ संबंध

गेल व्यवसाय हितों को बचाने तथा राष्ट्र के लिए गैस आधारित अर्थव्यवस्था में योगदान करने के लिए अनेक सरकारी एजेंसियों और विनियामक प्राधिकारियों के साथ रचनात्मक संवाद भी करता है। गेल उद्योग निकायों से संपर्क बनाता है तथा वह कई व्यापार और चैम्बर/एसोसिएशनों का सदस्य है जो उसे क्षेत्र की समस्याओं के बारे में बताते हैं, इस प्रकार समग्र नीति का विकास होता है। हमने एफआईसीसी, सीआईआई, अंतर्राष्ट्रीय गैस यूनियन पेट्रोफेड, विश्व ऊर्जा परिषद, टीईआरआई जैसी उद्योग एसोसिएशनों के साथ ऊर्जा क्षेत्र में विभिन्न मुद्दों पर निरंतर कार्य कर रहे हैं। गेल ने ग्लोबल मिथेन पहल के अंतर्गत यूएस ईपीए के साथ भी अपना सहयोग प्रारंभ किया; ताकि प्राकृतिक गैस परिवहन में फ्यूजिटिव उत्सर्जन की चुनौती का सामना किया जा सके। इनमें से कुछ पहलों का अगले पृष्ठ में उल्लेख किया गया है।

प्रभावी समन्वय और साझेदारी हेतु संप्रेषण

गेल की स्पीड स्टार पहल के अनुरूप खेलों में युवा प्रतिभाओं का सम्मान

नियुक्ति की बोर्ड श्रेणी	व्यापार और चैम्बर/एसोसिएशनें
स्थिरता	ग्लोबल रिपोर्टिंग इनिशिएटिव इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
	ग्लोबर इम्पैक्ट नेटवर्क इंडिया (यूएनजीसी इंडिया चेप्टर)
	टीईआरआई–बीसीएसडी (ऊर्जा और संसाधन संस्थान – स्थायी विकास हेतु व्यवसाय परिषद)
	इंडिया जीएचजी कार्यक्रम
	विश्व पर्यावरण फाउंडेशन
अन्य व्यवसाय संबंधी वचनबद्धता	परियोजना प्रबंधन एसोसिएट्स
	अंतर्राष्ट्रीय बाजार आकलन सीईओ फोरम
	द इंडिया सीएफओ फोरम – आईएमए इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
	इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनल आडिटर्स, अमेरिका
	तेल उद्योग सुरक्षा निदेशालय (ओआईएसडी)
	भारतीय पेट्रोलियम परिसंघ (पेट्रोफेड)
	अंतर्राष्ट्रीय गैस यूनियन (आईजीयू)
	राष्ट्रीय इंस्टीट्यूट ऑफ कोरोशन इंजीनियर्स इंटरनेशनल, यूएसए (एनएसीई)
	ब्रिटिश सुरक्षा परिषद (बीएससी)
	अंतर्राष्ट्रीय तरलीकृत प्राकृतिक गैस आयातक समूह (जीआईआईजीएनएल)
	संयुक्त राष्ट्र यूरोप आर्थिक गैस आयोग (यूएनईसीई) केन्द्र
	विश्व ऊर्जा परिषद भारत
	रसायन और पेट्रोरसायन विनिर्माता एसोसिएशन (सीपीएमए) अंतर्राष्ट्रीय
	भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई)
	सार्वजनिक उद्यम स्थायी सम्मेलन (स्कोप)
	भारतीय वाणिज्य और उद्योग परिसंघ (एफआईसीसीआई)
	वाणिज्य और उद्योग का पीएचडी चेंबर
	भारतीय कंपनी सचिव संस्थान (आईसीएसआई)

विनियामक परिदृश्य में अवसरों का सृजन

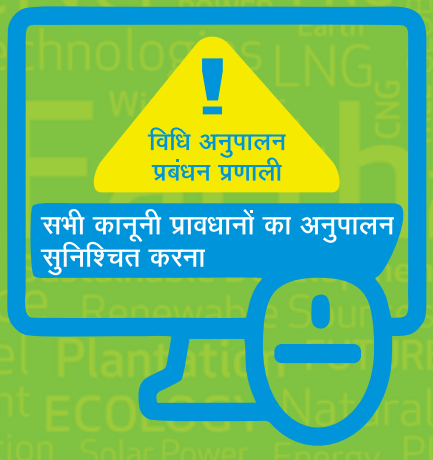

विगत 3 वर्षों के लिए पूंजी बाजार में स्टॉक एक्सचेंज सेबी

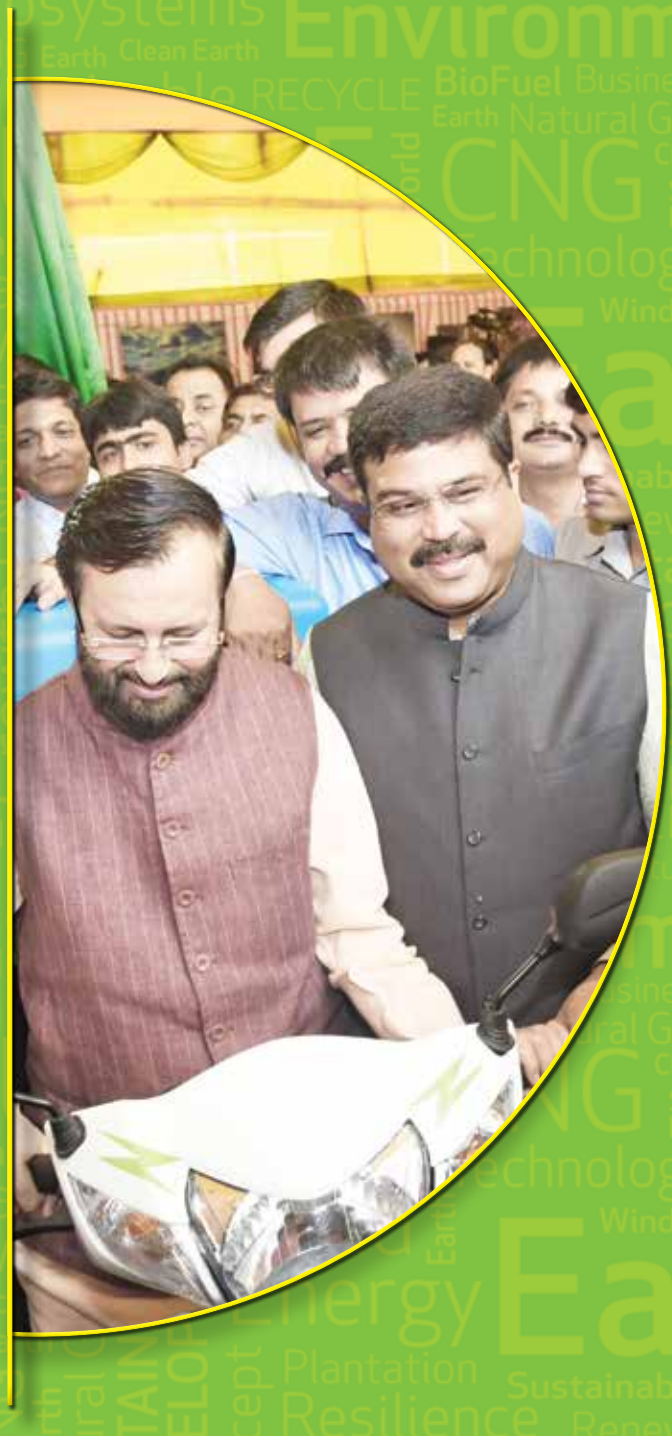

देश में प्रतिस्पर्धी और प्रभावी गैस बाजार का विकास करने और अवसंरचना विकास में व्यापक निवेश आकर्षित करने के लिए एक प्रभावी, निष्पक्ष और समर्थकारी विनियामक परिवेश अनिवार्य है। शासन और विनियामक प्रणालियां सभी शेयरधारकों के हितों को बचाने, व्यापक प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित करने तथा अधिक कुशल व्यवसाय परिवेश का सृजन करने पर ध्यान केन्द्रित करती हैं। तेल और गैस क्षेत्र से संबंधित वर्तमान संदर्भ में नीति निर्माताओं तथा विनियामक प्राधिकारियों द्वारा निभाई गई भूमिका गैस क्षेत्र के सतत् विकास के लिए महत्वपूर्ण है।

विनियामक और नीतिगत परिदृश्य जी4–डीएमए

भारत में तेल और गैस क्षेत्र अत्यधिक विनियामक और मुख्यतः राज्य नियंत्रित है। वर्तमान में, सरकार तेल और गैस क्षेत्र विनियम पर ध्यान केन्द्रित कर रही है ताकि देश की आयात पर निर्भरता कम हो, घरेलू उत्पादन को बढ़ाने के लिए अवसंरचना प्रोत्साहित हो तथा वैश्विक मूल्यों के अनुसार उत्पाद मूल्यों को पुनः आशोधित किया जा सके। ये उद्देश्य संगत नीतिगत घोषणाओं और विनियामक सुधारों द्वारा संचालित हैं। नीति आयोग और वित्त मंत्रालय एमओपीएंडएनजी के नीतिगत दिशा–निर्देशों तथा अन्य विनियामक प्राधिकारियों के विकास करने के लिए जिम्मेदार है। पिछले बारह महीनों के दौरान तेल और गैस क्षेत्र हेतु विद्यमान व्यवसाय परिस्थितियों की चुनौती की पृष्ठभूमि को देखते हुए सरकार ने तेल और गैस क्षेत्र के लिए अनेक सुधारों की घोषणा की है। कुछ प्रमुख नीतिगत घोषणाओं में आर–एलएनजी को विद्युत और उर्वरक क्षेत्रों को नगर गैस वितरण के लिए प्राथमिक आवंटन करने तथा सीमांत तेल और गैस क्षेत्रों की नीलामी करने के लिए गैस मूल्य–निर्धारण और गैस पूलिंग आधारित नया फार्मूला शामिल है। इन उपायों की जैसे न्यून गैस मूल्य, विद्युत और उर्वरक क्षेत्र द्वारा गैस की अवहनीयता, सीजीडी क्षेत्र को धीमे लागू करना तथा अन्वेषण कार्यकलापों में कमी क्षेत्र के विकास में बाधा पहुंचाने वाले प्रमुख मुद्दों के रूप में घोषणा की गई थी। इन नीतिगत सुधारों ने गेल को गेल में मौजूदा व्यवसाय स्थिति के विरुद्ध प्राकृतिक गैस व्यवसाय में कुछ शुरुआती फायदा पहुंचाने में मदद की। प्रत्येक स्तर पर मुख्य विनियामक प्राधिकारियों को निम्नलिखित चार्ट में दर्शाया गया है।

हाइड्रोकार्बन महानिदेशालय (डीजीएच) को पेट्रालियम और प्राकृतिक गैस संसाधनों के अन्वेषण और ठोस प्रबंधन, पर्यावरण, सुरक्षा, प्रौद्योगिकीय तथा आर्थिक पहलुओं के संबंध में

गेल अध्यक्ष श्री बी.सी. त्रिपाठी माननीय मंत्री श्री प्रकाश जावड़ेकर से बातचीत करते हुए

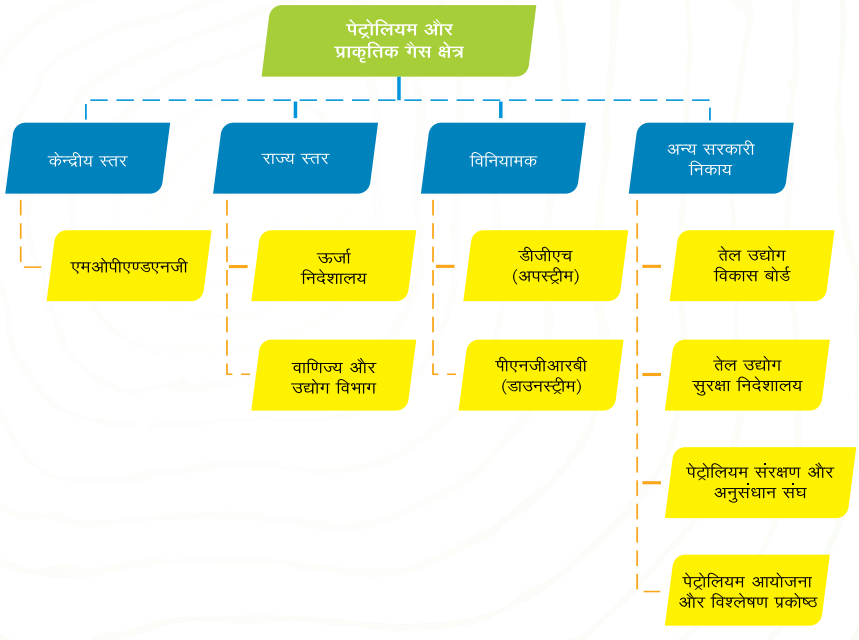

संतुलन बनाते समय गैर–परंपरागत हाइड्रोकार्बन ऊर्जा संसाधनों की जिम्मेदारी सौंपी गई है। गेल राष्ट्र की ऊर्जा सुरक्षा में योगदान देने वाले ईएण्डपी कार्यकलापों के लिए डीजीएच के साथ मिलकर कार्य करता है। ईएण्डपी ब्लॉक, जहां गेल ऑपरेटर है, के लिए सभी अनुपालनकर्ताओं जैसे खनन अधिनियम, विस्फोटक अधिनियम एवं नियम, खतरनाक अपशिष्ट (प्रबंधन, अनुरक्षण और ट्रांसबाउन्ड्री संचलन) अधिनियम और नियम तथा उत्पादन, भंडारण और खतरनाक रसायन नियमों का आयात से संबंधित विभिन्न सांविधिक विनियमों का पालन किया गया था। गेल ने उसके द्वारा डीजीएच के साथ आवश्यक संचार और समन्वय को बनाए रखते हुए भारतीय और अन्य सरकारों के साथ विभिन्न उत्पाद हिस्सेदारी संविधाओं पर हस्ताक्षर करके अपनी बाध्यताओं को पूरा किया है।

केन्द्र सरकार द्वारा पीएनजीआरबी अधिनियम, 2006 के विभिन्न प्रावधानों को लागू करने के लिए पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस विनियामक बोर्ड (पीएनजीआरबी) की स्थापना की गई है। पीएनजीआरबी का उद्देश्य कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस के उत्पादन को छोड़कर पेट्रोलियम, पेट्रोलियम उत्पादों और प्राकृतिक गैस की रिफाइनिंग, प्रोसेसिंग, भण्डारण, परिवहन, वितरण, विपणन और बिक्री को नियंत्रित करना है ताकि पेट्रोलियम, पेट्रोलियम उत्पादों और प्राकृतिक गैस से संबंधित विनिर्दिष्ट कार्यकलापों में संलग्न ग्राहक और कंपनियों के हितों की रक्षा की जा सके और देश के सभी भागों में पेट्रोलियम, पेट्रोलियम उत्पादों और प्राकृतिक गैस की निरंतर और पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके तथा प्रतिस्पर्धी बाजारों तथा इनसे संबंधित मामलों या प्रासंगिकता को प्रोत्साहित किया जा सके।

गेल पेट्रोलियम उत्पादों और प्राकृतिक गैस से संबंधित कार्यकलापों के संबंध में अधिसूचित पीएनजीआरबी विनियामक ढांचे का अनुपालन करता है। पीएनजीआरबी के विनियमों/ संशोधनों/ प्राधिकारों/ आदेशों/ निर्णयों के विरुद्ध पीएनजीआरबी पीठ /अपीलीय अधिकरण/न्यायालयों में अपील की जा सकती है। गेल से संबंधित ऐसे कुछ मामले अपील के विभिन्न चरणों में है और इनमें पाइपलाइन प्राधिकार, सामान्य वाहक, गैस परिवहन तथा गैस विपणन कार्यकलाप को पृथक करने जैसे क्षेत्र शामिल हैं। सार्वजनिक परामर्श के मामलों में पीएनजीआरबी को नियमित लिखित प्रस्तुति करने में गेल को विनियम में किसी अचानक या अप्रत्याशित परिवर्तन का अनुमान लगाने तथा संबद्ध जोखिम को न्यूनतम करने में मदद मिलती है।

ओआईएसडी द्वारा निर्धारित राष्ट्रीय मानकों के अलावा, पाइपलाइन डिजाइन, निर्माण और रखरखाव के लिए गेल अंतर्राष्ट्रीय मानकों जैसे एएसएमई, एपीआई, डीआईएन तथा आईएसओ के अंतर्राष्ट्रीय मानकों का पालन करता है। पाइपलाइन डिजाइन लागू करने से पहले गेल द्वारा एक विस्तृत पर्यावरण प्रभाव आकलन (ईआईए) किया जाता है, जिसके बाद पर्यावरण और वन तथा जलवायु परिवर्तन मंत्रालय से अनेक अनुमोदन प्राप्त किए जाते हैं। पाइपलाइन सीधाई का चयन उसकी लम्बाई के आधार पर किया जाता है जबकि परिस्थितिकीय संवेदनशीलता ओर संरक्षित क्षेत्रों; भौगोलिक रूप से अस्थिर क्षेत्रों, कम बाधाओं जिनमें राष्ट्रीय और शून्य राजमार्ग, रेलवे, प्रतिबंधित या आरक्षण वन क्षेत्र और तटीय विनियम क्षेत्र (सीआरजेड) शामिल है, से बचा जाता है। पीएनजीआरबी के दिशा–निर्देशों के अनुसार, पाइपलाइन बिछाने के प्रचालनों में शामिल सभी ठेकेदारों को अनुमोदित मार्गाधिकार में कार्यकलापों को सीमित करने का अध्यादेश दिया जाता है। पाइपलाइन बिछाने के लिए भूमि अधिग्रहण के कारण प्रभावित व्यक्तियों के पुनर्वास के संबंध में गेल कानून का सख्ती से पालन करता है। वर्ष 2015–16 में गेल की किसी परियोजना के लिए कोई पुनर्वास ओर पुनर्स्थापना कार्यकलाप शुरू नहीं किए गए थे।

राष्ट्रीय गैस अवसंरचना विकास में शेयरधारक की सहमति सुनिश्चित करने तथा प्राकृतिक गैस अवसंरचना विकास में संबद्ध जोखिम को न्यूनतम करना महत्वपूर्ण है। पाइपलाइन परियोजनाओं में विलंब होता है और कभी–कभार इन्हें आरओयू तथा भूमि अधिग्रहण प्रतिरोध तथा अनुमोदन और अनुमति के कारण रद्द करना पड़ता है। महत्वाकांक्षी कोच्चि–कूटानंद–बेंगलूरु–मंगलोर गैस पाइपलाइन परियोजना का लगभग तीन वर्षों तक निर्माण मुख्यत: भूमि अधिग्रहण मुद्दों और तमिलनाडु के किसानों और राज्य सरकार द्वारा विरोध करने के कारण रुक गया। गेल ने तमिलनाडु सरकार के आदेश को यह कहते हुए चुनौती दी कि उसे स्थानीय किसानों की कृषि भूमि को प्रभावित किए बिना राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे उसकी पाइपलाइनों को बिछाने की अनुमति दी जाए। फरवरी, 2016 में उच्चतम न्यायालय ने अंतत: गेल के पक्ष में निर्णय दिया और परियोजना को 'आगे' चलाने के लिए कहा। उच्चतम न्यायालय ने निर्णय दिया कि भूमि की आरओयू को गैस पाइपलाइन बिछाने के लिए अधिग्रहित किया जा रहा है, इसके बाद इसे भूमि मालिकों को इसके मूल स्वरूप में सौंप दिया जाएगा। किसान भूमि की बहाली के बाद इस पर खेती कर सकते हैं और केवल अधिग्रहित आरओयू में गहरी जड़ों वाले वृक्षारोपण करने की अनुमति नहीं होगी और इसलिए किसानों के हित पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा। इसके लिए पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन अधिनियम के अनुसार भूमि मालिकों को मुआवजा दिया जाएगा। माननीय उच्चतम न्यायालय ने आदेश दिया कि भूमि के एवज में आरओयू मुआवजा 30% सोलेटियम के अलावा, 1.1.2016 को बाजार मूल्य का 10% होगा। उसने यह भी निर्णय दिया कि राजमार्ग के किनारे क्रॉस कंट्री पाइपलाइन बिछाना पाइपलाइन की सुरक्षा रखरखाव तथा राजमार्ग में बाधा के कारण तकनीकी रूप से संभव नहीं है।

एक सीपीएसई होने के कारण, गेल अपने निष्पादन तथा व्यवसाय उद्देश्यों को पूरा करने के लिए सीधे तौर पर भारत सरकार के प्रति जवाबदेह है। गेल जिम्मेदार व्यवसाय विकास के लिए प्रतिबद्ध है तथा सभी राष्ट्रीय और संगत अंतर्राष्ट्रीय विनियमों के लिए अनुपालन सुनिश्चित करने हेतु प्रयासरत है। विभिन्न खंडों में विनियामक अनुपालन आवश्यकताओं को कानूनी अनुपालन प्रबंधन प्रणाली द्वारा व्यवस्थित ढंग से मापा जाता है। एलसीएमएस गेल को सभी विद्यमान कानूनों के प्रावधानों का अनुपालन सुनिश्चित करने में मदद करता है। आवधिक समीक्षा और लेखा–परीक्षा ऑनलाइन एलसीएमएस का एक अभिन्न अंग है। दिनांक 01.04.2015 से 30.09.2015 तक की अवधि के लिए अनुपालन की तृतीय पक्षकार स्वतंत्र लेखा–परीक्षा के लिए एक विधिक फर्म नियुक्त की गई थी ताकि सभी गेल साइटों द्वारा शून्य गैर–अनुपालन रिपोर्ट का सत्यापन किया जा सके।

गेल की जोखिम प्रबंधन नीति और प्रक्रिया का उसकी अनुपालन संबंधी बाध्यताओं को पूरा करने के लिए भी प्रयोग किया जाता है। जोखिम प्रबंधन ढांचा एक कार्यनीतिक साधन है जो गेल के व्यवसाय के संभावित जोखिमों की पहचान करता है और इस प्रकार से कंपनी और उसके सभी शेयरधारकों को किसी अचानक या अप्रत्याशित जोखिम से बचाने में मदद करता है। ऑनलाइन जोखिम रजिस्टर का प्रयोग करके गेल सभी साइटों में अपने कानूनी और विनियामक जोखिम को मापता है। मापन प्रक्रिया में गैस आवंटन नीति से संबद्ध जोखिम; गैस मूल्य–निर्धारण नीति और पीएनजीआरबी से संबंधित विनियम, जलवायु परिवर्तन, पर्यावरण और अन्य संगत मुद्दों में स्थिरता को शामिल किया गया है।

गेल द्वारा एक विस्तृत पर्यावरण प्रबंधन प्रणाली विकसित की गई है। हम अपने उत्सर्जनों, बहिस्रावों और अपशिष्ट का पारिस्थितिकी अनुकूल और दक्ष ढंग से सतत् प्रबंधन करने का प्रयास कर रहे हैं। संबंधित प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के जरिए निवारक रखरखाव अनुसूची तथा पर्यावरणीय अनुमोदन के संबंध में पृथक बजट के सृजन सहित यथासमय सभी सांविधिक अनुपालन किया जाता है। हमारे कार्य–केन्द्रों से निकलने वाले ठोस खतरनाक अपशिष्ट को जमा किया जाता है और उसका लागू विनियमकों के अनुसार निपटान किया जाता है।

विनियामक अनुपालन का सुदृढ़ फाउंडेशन होने से, गेल विश्वास के साथ यह घोषणा करता है कि विगत 3 वर्षों में पूंजी बाजार से संबंधित किसी मामले पर किसी स्टॉक एक्सचेंज, सेबी के साथ अनुपालन न करने का कोई मामला नहीं हुआ है। गेल ने तकनीकी और सुरक्षा मानकों और साथ ही साथ अपने सभी प्रचालनों से प्रभावशीलता के संबंध में विधिक और विनियामक अनुपालनों को सुनिश्चित करने के लिए एक फ्रेमवर्क विकसित किया है। गेल अपने प्रचालनों में सुरक्षा को काफी उच्च प्राथमिकता देता है।

अतः गेल पीएनजीआरबी अध्यादेश के अतिरिक्त ओआईएसडी मानकों का भी पालन करता है।

स्वास्थ्य और सुरक्षा से संबंधित विनियमों और स्वैच्छिक संहिता तथा उत्पादों और सेवाओं के सुरक्षा प्रभावों से संबंधित गैर–अनुपालन की कोई घटना नहीं हुई है जिसमें उनका जीवन चक्र, विपणन संचार तथा विज्ञापन, पदोन्नति और प्रायोजकता शामिल हो। जी4–एसओ8, जी4–पीआर7, जी4–पीआर9

प्रतिस्पर्धी–रोधी व्यवहार

जी4–डीएमए, जी4–एसओ7

गैस क्षेत्र में बाजार में अग्रणी होने के कारण गेल अपनी व्यवसाय परिपाटियों में नीतिपरक व्यवहार सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग के क्षेत्र में गेल यह सुनिश्चित करता है कि वह ऐसी किसी प्रक्रिया में शामिल न हो जो बाजार में किसी प्रतिस्पर्धा को संभावित रूप से सीमित करता हो। अनुचित व्यापार प्रक्रिया, सीमित व्यापार प्रक्रिया और एकाधिकार के दुरुपयोग के संबंध में पीएनजीआरबी के समक्ष गेल के खिलाफ पांच मामले दायर हैं। इन पांच मामलों में से, तीन में गेल के खिलाफ निर्णय हुआ और दो गेल के पक्ष में घोषित किए गए। एक मामले में, बोर्ड ने गेल के खिलाफ ₹ 10 लाख का जुर्माना लगाया। वर्तमान में, पांच में से तीन मामले अपीलीय विद्युत अधिकरण (एपीटीईसी) के समक्ष और एक मामला माननीय उच्चतम न्यायालय के समक्ष तथा एक मामला विद्युत अपीलीय अधिकरण (एपीटीईसी) के समक्ष लंबित है। वर्ष के दौरान, पीएनजीआरबी ने 2014 में तातीपका में विस्फोट के संबंध में ₹ 65 लाख का एक नागरिक दंड लगाया गया तथा कहा कि पाइपलाइन की असफलता का मूल कारण नम गैस का परिवहन था। तत्पश्चात् एमओपीएंडएनजी के तत्वावधान में गैस आपूर्तिकर्ता ओएनजीसी तथा पाइपलाइन मालिक/ऑपरेटर (गेल) ने संयुक्त रूप से एक मानक प्रचालन प्रक्रिया (एसओपी) अपनाने पर सहमति दी जिसे पाइपलाइन अखण्डता उपायों को सुनिश्चित करने के लिए डिजाइन, इंजीनियरिंग परामर्शदाता ईआईएल द्वारा उपलब्ध कराया जाएगा। पीएनजीआरबी द्वारा गठित समिति ने यह सत्यापित और पुष्टि की है कि केजी बेसिन पाइपलाइन नेटवर्क में गैस की बहाली से प्राकृतिक गैस विनियमों के अंतर्गत विनिर्दिष्ट आवश्यकताओं को पूरा कर रही है। उपर्युक्त सूचित मामलों के अलावा, वित्त वर्ष 2015–16 में, ऐसा कोई मामला सामने नहीं आया जिसमें कानूनों या विनियमों का अनुपालन करने की असफलता हेतु संगठन के खिलाफ कोई प्रशासनिक या न्यायिक प्रतिबंध लगाया गया हो; जिसमें अंतर्राष्ट्रीय घोषणाएं, सम्मेलनन, संधियां और राष्ट्रीय, उप–राष्ट्रीय, क्षेत्रीय और स्थानीय विनियम, तथा सरकारी प्राधिकारियों के पर्यवेक्षण में अंतर्राष्ट्रीय विवाद प्रणाली या राष्ट्रीय विवाद प्रणाली का प्रयोग करके संगठन के खिलाफ मामले शामिल हों।

निष्पादन रूपरेखा जी4–ईएन1, जी4–ईएन2, जी4–ईएन3,, जी4–ईएन6, जी4–ईएन10, जी4–ईएन20, जी4–ईएन21, जी4–ईएन22, जी4–ईएन23, जी4–ईएन29, जी4–ईएन31, जी410, ओजी3, ओजी6

सामग्री खपत	यूनिट	2011–12	2012–13	2013–14	2014–15	2015–16
एनजी संसाधित	एमएमएससीएम	15120	14373	14529	13584	22060
उत्पाद हेतु एनजी	एमएमएससीएम	1137	1080	1058	1112	966
पाइपलाइन को लीन एनजी	एमएमएससीएम	13419	12944	13203	12044	19515
संबद्ध सामग्री	मी.टन	9916	10631	10563	11350	13428
पैकेजिंग सामग्री	मी.टन	2249	2208	2090	2228	1693
रिसाइकल्ड सामग्री	मी.टन	0	0	0	0	0

ऊर्जा खपत (जीजे)	2011–12	2012–13	2013–14	2014–15	2015–16
प्रत्यक्ष ऊर्जा	39012486	37359156	35859826	35088263	37900494
अप्रत्यक्ष ऊर्जा	1166546	1118455	1126035	1233894	1847583
अक्षय ऊर्जा	12156	27980	88274	95944	80943
एनजी फ्लेरिंग से ऊर्जा	337453	367375	347921	355781	391379
एलपीजी फ्लेरिंग से ऊर्जा	4923	2472	2889	3035	5240
एनजी निकासी से ऊर्जा	133305	444484	490193	626991	663733
एलपीजी निकासी से ऊर्जा	3739	2619	4744	5626	5468

ऊर्जा स्रोत (जीजे)	2011–12	2012–13	2013–14	2014–15	2015–16
डीजल	19666	20093	20330	18628	14467.48
प्राकृतिक गैस	31033613	30056464	28988285	28163438	32165593.23
अवशिष्ट ईंधन	7956762	7279523	6849248	6906178	5720433.02
एलपीजी	2444	3076	1963	18	0.47
कुल प्रत्यक्ष ऊर्जा	**39012486**	**37359156**	**35859826**	**35088264**	**37900494**

ऊर्जा बचत (जीजे)	2011–12	2012–13	2013–14	2014–15	2015–16
कुल ऊर्जा बचत	**1174650**	**152061**	**55967**	**575362**	**42,987**

जीएचजी बचत (मी.टन ईसीओ2)	2011–12	2012–13	2013–14	2014–15	2015–16
कुल जीएचजी बचत	**66159**	**8805**	**4225**	**33253**	**3,599**

अक्षय ऊर्जा उत्पादन (जीजे)	2011–12	2012–13	2013–14	2014–15	2015–16
पवन ऊर्जा	43414	545124	464398	404929	571230
सौर ऊर्जा	75	3262	34621	31553	34790
कुल अक्षय ऊर्जा	43489	548386	499018	436481	606020

निष्पादन रूपरेखा

वायु उत्सर्जन (टन / वार्षिक)	2011–12	2012–13	2013–14	2014–15	2015–16
एसपीएम	1012	912	815	491	360
एनओएक्स	695	848	968	1482	1318
सीओ	0.03	0	668	607	425
एसओएक्स	193	178	304	216	133
वीओसी	0.01	0.02	2.25	18	12
आर–134क	169	0	226	226	165

ओडीएस गैस खपत	यूनिट	2011–12	2012–13	2013–14	2014–15	2015–16
आर22	कि.ग्रा./वर्ष	2299	2778	1951	2428	3154
ओडीपी	सीएफसी–11	126.44	152.77	107.33	133.54	173.47

उत्सर्जन (टीसीओ2ईक्यू)	2011–12	2012–13	2013–14	2014–15	2015–16
स्कोप 1 उत्सर्जन	2363624	2381898	2285196	2252649	2,549,023
स्कोप 2 उत्सर्जन	256278	256781	258538	280981	420,835
कुल जीएचजी उत्सर्जन	**2619902**	**2638679**	**2543735**	**2533629**	**2,969,858**

जल (मिलियन एम3)	2011–12	2012–13	2013–14	2014–15	2015–16
कुल जल खपत	14.1	13.9	12.9	14.3	17.01
कुल उत्पादित अपशिष्ट जल	2.3	2.4	2	1.7	1.6
कुल डिस्चार्ज अपशिष्ट जल	1.3	1.2	1.2	1.1	1.01
रिसाइकिल / पुनः उपयोग जल	0.9	1.1	0.8	0.6	0.55

निपटान का प्रकार	तरल (लीटर)	विविध (संख्या)	ठोस (मी.टन)
इंसिनरेशन	6057.75	0	0
लैंडफिल	8.85	0	20
ऑनसाइट भंडारण	217.73	19677	991
गहरा कूप इंजेक्शन	0.33	0	0
रिसाइकिल	3549.46	1394263.6	8461
पुनः प्रयोग	0	0	237
अन्य	626.83	44113.5	2236

गुणवत्ता द्वारा जल डस्चिार्ज – मापदंड*	पीएच	तेल और ग्रीस (मि.ग्रा./ली.)	सीओडी(मि. ग्रा./ली.)	बीओडी (मि. ग्रा./ली.)		फेनोल (मि.ग्रा./ली.)	हेक्सावलेंट क्रोमियम (मि.ग्रा./ली.)	कुल क्रोमियम (मि.ग्रा./ली.)
मानक	6.5–8.5	<=10	<=250	<=30	<=100	<=1	0.1	2
वास्तविक मूल्य	7.26	2	79.2	22.1	11	बीडीएल	बीडीएल	बीडीएल

*यह आंकड़े प्रमुख विद्यमान साइट से संबंधित हैं।

पर्यावरणीय जुर्माना	यूनिट	2011–12	2012–13	2013–14	2014–15	2015–16
कारण बताओ नोटिस प्राप्त	संख्या	1	0	0	0	0
पर्यावरणीय जुर्माना	भारतीय ₹ में	0	0	0	0	0

पर्यावरण व्यय (आईएनआर मिलियन)	2011–12	2012–13	2013–14	2014–15	2015–16
अपशिष्ट का उपचार और निपटान	7	8	4	10	5.1
प्रदूषण नियंत्रण में प्रयुक्त उपकरण का मूल्य ह्रास और रखरखाव लागत	16	16	16	85	40.8
पर्यावरणीय प्रबंधन के लिए बाहरी सेवाएं	4	5	5	9	10.7
प्रबंधन प्रणालियों का बाहरी प्रमाण–पत्र	1	1	1	2	1.1
सामान्य पर्यावरणीय प्रबंधन कार्यकलापों के लिए कार्मिक	20	18	17	18	30.6
स्वच्छ प्रौद्योगिकियों की स्थापना के लिए अतिरिक्त व्यय	10	1	0	29	4.6
पर्यावरणीय दायित्व बीमा	0	0	0	0	52.2
पर्यावरण संबंधी अन्य लागत	6	5	3	7	4.9
कुल पर्यावरणीय व्यय	**64**	**54**	**46**	**160**	**148**

स्थायी कर्मचारियों की स्वास्थ्य और सुरक्षा जी4–एलए5, जी4–एलए6, जी4–एल एजे7, जी4–एलए12	यूनिट	2011–12	2012–13	2013–14	2014–15	2015–16
सुरक्षा समितियों में प्रबंधन प्रतिनिधि	संख्या	245	247	290	301	300
सुरक्षा समितियों में गैर–प्रबंधन प्रतिनिधि	संख्या	172	182	189	166	196
बाल–बाल बचने के मामले–पुरुष	संख्या	156	156	217	316	342
बाल–बाल बचने के मामले–महिला	संख्या	0	1	2	2	3
मामूली चोट–पुरुष	संख्या	0	0	0	3	2
मामूली चोट–महिला	संख्या	0	0	0	0	1
सूचना योग्य चोट–पुरुष	संख्या	0	0	4	0	1
सूचना योग्य चोट–महिला	संख्या	0	0	0	0	0
सूचना योग्य चोट के कारण दिवस हानि–पुरुष	संख्या	0	0	8	0	6002
सूचना योग्य चोट के कारण दिवस हानि महिला	संख्या	0	0	0	0	0
हताहत–पुरुष	संख्या	0	0	0	0	1
हताहत–महिला	संख्या	0	0	0	0	0
प्राथमिक चिकित्सा मामले–पुरुष	संख्या	17	11	1	3	0
प्राथमिक चिकित्सा मामले–महिला	संख्या	0	0	0	0	0
कार्यरत मानवघंटे–पुरुष	मिलियन मानव घंटे	6.6	5.6	7.5	6.3	6.5
कार्यरत मानवघंटे–महिला	मिलियन मानव घंटे	0	0.2	0.3	0.2	0.25
व्यावसायिक रोग–स्थायी कर्मचारी–पुरुष	संख्या	0	0	0	0	0
व्यावसायिक रोग–स्थायी कर्मचारी–महिला	संख्या	0	0	0	0	0

निष्पादन रूपरेखा

स्थायी कर्मचारियों की स्वास्थ्य और सुरक्षा जी4–एलए5, जी4–एलए6, जी4–एल एजे7, जी4–एलए12	यूनिट	2011–12	2012–13	2013–14	2014–15	2015–16
एलटीआईएफआर–पुरुष	सूचना योग्य चोट–प्रति मिलियन कार्यरत मानव घंटे	0	0	0.54	0	0.15
एलटीआईएफआर–महिला	सूचना योग्य चोट–प्रति मिलियन कार्यरत मानव घंटे	–	0	0	0	0
गंभीरता दर–योग	दिवस हानि प्रति मिलियन कार्यरत मानव घंटे	0	0	0	0	889.2
मृत्यु दर–पुरुष	मृत्यु दर प्रति मिलियन कार्यरत मानव घंटे	0	0	0	0	0.15
मृत्यु दर–महिला	मृत्यु दर प्रति मिलियन कार्यरत मानव घंटे	–	0	0	0	0

संविदा कर्मचारियों का स्वास्थ्य और सुरक्षा	यूनिट	2011–12	2012–13	2013–14	2014–15	2015–16
बाल–बाल बचने के मामले–पुरुष	संख्या	208	184	229	207	198
बाल–बाल बचने के मामले–महिला	संख्या	0	0	0	2	0
मामूली चोट–पुरुष	संख्या	3	3	4	9	3
मामूली चोट–महिला	संख्या	0	0	0	0	0
सूचना योग्य चोट–पुरुष	संख्या	0	0	6	8	3
सूचना योग्य चोट–महिला	संख्या	0	0	0	0	0
सूचना योग्य चोट के कारण दिवस हानि–पुरुष	संख्या	0	0	12	16	6006
सूचना योग्य चोट के कारण दिवस हानि–महिला	संख्या	0	0	0	0	0
हताहत–पुरुष	संख्या	0	0	0	0	2
हताहत–महिला	संख्या	0	0	0	0	0
प्राथमिक चिकित्सा मामले–पुरुष	संख्या	73	57	8	73	55
प्राथमिक चिकित्सा मामले–महिला	संख्या	0	0	0	0	0
कार्यरत मानवघंटे–पुरुष	मानव घंटे	30.7	16.7	19.7	19.8	28.3
कार्यरत मानवघंटे–महिला	मानव घंटे	0	0.4	1	0.5	0.5
व्यावसायिक रोग–स्थायी कर्मचारी–पुरुष	संख्या	0	0	0	0	0
व्यावसायिक रोग–स्थायी कर्मचारी–महिला	संख्या	0	0	0	0	0
एलटीआईएफआर–पुरुष	सूचना योग्य चोट–प्रति मिलियन कार्यरत मानव घंटे	0	0	0.31	0.4	0.11
एलटीआईएफआर–महिला	सूचना योग्य चोट–प्रति मिलियन कार्यरत मानव घंटे	–	0	0	0	0

संविदा कर्मचारियों का स्वास्थ्य और सुरक्षा	यूनिट	2011–12	2012–13	2013–14	2014–15	2015–16
गंभीरता दर–योग	दिवस हानि प्रति मिलियन कार्यरत मानव घंटे	0	0	9.29	2.31	208.5
मृत्यु दर–पुरुष	मृत्यु दर प्रति मिलियन कार्यरत मानव घंटे	0	0	0	0	0.07
मृत्यु दर–महिला	मृत्यु दर प्रति मिलियन कार्यरत मानव घंटे	–	0	0	0	0

संविदा कर्मचारी वितरण (संख्या)	2015–16
सुरक्षा स्टॉफ पुरुष	2599
सुरक्षा स्टॉफ महिला	4
नियमित संविदा कामगार पुरुष	15287
नियमित संविदा कामगार महिला	362

स्थायी कर्मचारी वितरण[जी4–10]	2015–16
वरिष्ठ प्रबंधन (ई7–ई9)–पुरुष	259
वरिष्ठ प्रबंधन (ई7–ई9)–महिला	7
मध्यम प्रबंधन (ई4–ई6)–पुरुष	1416
मध्यम प्रबंधन (ई4–ई6)–महिला	47
कनिष्ठ प्रबंधन (ई0–ई3)–पुरुष	1491
कनिष्ठ प्रबंधन (ई0–ई3)–महिला	162
गैर–प्रबंधन (एस0–एस7)–पुरुष	899
गैर–प्रबंधन (एस0–एस7)–महिला	36
वरिष्ठ प्रबंधन (ई7–ई9) : आयु से 30 वर्ष से कम	0
वरिष्ठ प्रबंधन (ई7–ई9) : आयु 30 से 50	64
वरिष्ठ प्रबंधन (ई7–ई9) : आयु से 50 से अधिक	202
मध्यम प्रबंधन (ई4–ई6) : आयु से 30 वर्ष से कम	0
मध्यम प्रबंधन (ई4–ई6) : आयु 30 से 50 वर्ष	1144
मध्यम प्रबंधन (ई4–ई6) : आयु से 50 वर्ष से अधिक	319
कनिष्ठ प्रबंधन (ई0–ई3) : आयु से 30 वर्ष से कम	545
कनिष्ठ प्रबंधन (ई0–ई3) : आयु 30 से 50 वर्ष	823
कनिष्ठ प्रबंधन (ई0–ई3) : आयु से 50 वर्ष से अधिक	285
गैर–प्रबंधन (एस0–एस7) : आयु से 30 से कम	121
गैर–प्रबंधन (एस0–एस7) : आयु 30 से 50 वर्ष	687
गैर–प्रबंधन (एस0–एस7) : आयु से 50 वर्ष से अधिक	119
कर्मचारी टर्नओवर–प्रबंधन	72
कर्मचारी टर्नओवर–गैर–प्रबंधन	9
कर्मचारी टर्नओवर–आयु से 30–पुरुष से कम–पुरूष	17

स्थायी कर्मचारी वितरण[जी4–10]	2015–16
कर्मचारी टर्नओवर – आयु 30 वर्ष से कम – महिला	2
कर्मचारी टर्नओवर – आयु से 30–50 वर्ष–पुरुष	13
कर्मचारी टर्नओवर – आयु से 30–50 वर्ष–महिला	2
कर्मचारी टर्नओवर – आयु से 50 वर्ष से अधिक–पुरुष	45
कर्मचारी टर्नओवर – आयु से 50 वर्ष से अधिक–महिला	2
वित्तीय वर्ष के दौरान नियुक्त किए गए नए कर्मचारी : पुरुष	134
वित्तीय वर्ष के दौरान नियुक्त किए गए नए कर्मचारी : महिला	2
नियुक्त किए गए नए कर्मचारी जिन्होंने उसी वित्तीय वर्ष में त्यागपत्र दे दिया : पुरुष	0
नियुक्त किए गए नए कर्मचारी जिन्होंने उसी वित्तीय वर्ष में त्यागपत्र दे दिया : महिला	0

प्रशिक्षण	2011–12	2012–13	2013–14	2014–15	2015–16
प्रबंधन कर्मचारी (प्रत्यक्ष)–पुरुष	107250	129831	120497	139647	154,468.22
प्रबंधन कर्मचारी (प्रत्यक्ष)–महिला	5445	7211	6856	9256	9,455.75
कामगार (प्रत्यक्ष कर्मचारी)–पुरुष	29071	26493	25009	26541	9,302.75
कामगार (प्रत्यक्ष कर्मचारी)–महिला	1520	1268.6	875	1191	317.25
ठेकागत मजदूर (प्रचालन)–पुरुष	38944	41835	53878	45767	43,265.55
ठेकागत मजदूर (प्रचालन)–महिला	0	670	983	7199	1,166.00
स्थायी कर्मचारी–शारीरिक रूप से विकलांग	0	0	1007	2652	1,374.00
ठेका कर्मचारी–शारीरिक रूप से विकलांग	0	0	0	4	4
सीधी भर्ती कर्मचारी के लिए कुल प्रशिक्षण (साइट आधारित)	**143286**	**164804**	**153237**	**176636**	**173668**

उत्सर्जन गणना पद्धति

पूर्ण स्कोप–1 उत्सर्जनों की गणना आईपीसीसी उत्सर्जन तथ्यों तथा आंतरिक प्रक्रिया गणना के आधार पर की गई है। उत्सर्जनों का ईंधन और प्रत्यक्ष सीओ2 उत्सर्जनों के विभिन्न स्रोतों से पता लगाया गया है। पूर्ण स्कोप–2 उत्सर्जन की गणना केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण, भारत सरकार द्वारा प्रदत भारित औसत ग्रिड उत्सर्जन तथ्यों द्वारा की गई है।

प्रयुक्त दिशा–निर्देश जीएचजी प्रोटोकोल, आईएसओ 14064 हैं। विभिन्न ईंधनों, अक्षय ऊर्जा और विद्युत से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष ऊर्जा की गणना ईंधन और सैद्धांतिक थर्मल समानता के संबंधित कैरोलीयुक्त मूल्य द्वारा की गई है।

NOx, SOx, SPM, CO, VOC से परीक्षण रिपोर्ट आंकड़ों तथा मानक गणना फार्मूला द्वारा सूचित किया है।

स्वतंत्र आश्वासन विवरण

DNV·GL

कार्यक्षेत्र और दृष्टिकोण

डीएनवी जीएल बिजनेस एश्योरेंस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (''डीएनवी जीएल'') द्वारा अधिकृत **गेल (इंडिया) लिमिटेड** (गेल या 'द कंपनी') 31 मार्च, 2016 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए अपने मुद्रित फार्मेट (''रिपोर्ट'') में कंपनी की स्थायित्व रिपोर्ट 2015–16 का स्वतंत्र आश्वासन करती है। इस कार्य को करने में हमारी जिम्मेदारी रिपोर्ट में व्यक्त स्थायित्व निष्पादन के सत्यापन से संबंधित है और यह कंपनी के प्रबंधन के सहमत कार्यक्षेत्र के अनुसार है। इस आश्वासन विवरण को अभिप्रेत उपयोगकर्ता कंपनी का प्रबंधन है। हमारी आश्वासन नियुक्ति नियोजित है और इसे जून और जुलाई, 2016 के दौरान चलाया गया था।

हमने अपना कार्य डीएनवी जीएल आश्वासन पद्धति वेरिसस्टेन टीएम[1] का प्रयोग करते हुए किया, जो हमारे व्यावसायिक अनुभव, अंतर्राष्ट्रीय आश्वासन उत्कृष्ट पद्धति पर आधारित है जिसमें आश्वासन नियुक्ति पर अंतर्राष्ट्रीय मानक (आईएसएई) 3000 संशोधित*; तथा लेखा योग्यता एए1000 आश्वासन मानक 2008 [(एए1000 एएस (2008)], और वैश्विक रिपोर्टिंग पहल (जीआरआई) स्थायित्व रिपोर्टिंग वर्जन 4 (जीआरआईजी4) तथा तेल और गैस क्षेत्र प्रकटीकरण (ओजीएसडी) शामिल है।

हमने गेल (इंडिया) लिमिटेड के डेटा प्रोटोकोल सहित विश्वसनीयता सिद्धांत का प्रयोग करते हुए निष्पादन आंकड़ों का मूल्यांकन किया है कि डेटा को कैसे मापा, रिकार्ड और रिपोर्ट किया जाए। हमारे कार्यक्षेत्र में निष्पादन डेटा रिपोर्ट में स्थायित्व निष्पादन प्रकटीकरण पर गुणात्मक और मात्रात्मक सूचना का सत्यापन करना था, जिसमें जीआरआईजी4 पर आधारित तथा 1 अप्रैल, 2015 से 31 मार्च, 2016 तक की रिपोर्टिंग अवधि द्वारा शुरू किए गए कार्यकलापों का आर्थिक, पर्यावरणीय तथा सामाजिक निष्पादन शामिल था।

हम समझते हैं कि सूचित वित्तीय आंकड़े और सूचना गेल (इंडिया) लिमिटेड की 31 मार्च, 2016 को समाप्त वार्षिक रिपोर्ट तथा लेखा के आंकड़ों पर आधरित हैं जो एक पृथक स्वतंत्र लेखा–परीक्षा प्रक्रिया के अधीन है। वार्षिक रिपोर्ट और लेखाओं से लिए गए वित्तीय आंकड़ों की समीक्षा कार्यक्षेत्र में नहीं आती।

हमने अपनी आश्वासन राय का आधार उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक समझे जाने वाले स्वास्थ्य प्राप्त करने के लिए अपने कार्यों की योजना बनाई और अपना कार्य किया। हम मध्यम स्तर का आश्वासन उपलब्ध करा रहे हैं और इस आश्वासन नियुक्ति के मात्रा के रूप में किसी बाहरी शेयरधारक का साक्षात्कार नहीं लिया गया था।

गेल (इंडिया) लिमिटेड तथा आश्वासन प्रदायकों के प्रबंधन की जिम्मेदारी

गेल (इंडिया) लिमिटेड के शीर्ष प्रबंधन दल की रिपोर्ट को तैयार करने की एकमात्र जिम्मेदारी है और यह रिपोर्ट में उपलब्ध कराई गई सभी सूचना तथा विश्लेषण के लिए मुद्रित रिपोर्ट में प्रस्तुत सूचना के एकत्रीकरण, विश्लेषण और रिपोर्टिंग के लिए जिम्मेदार है।

अपने आश्वासन कार्य को निष्पादित करते हुए हमारी जिम्मेदारी गेल (इंडिया) लिमिटेड का प्रबंधन है, तथापि हमारा विवरण हमारी स्वतंत्र राय को दर्शाता है तथा गेल (इंडिया) लिमिटेड के शेयरधारकों को हमारे आश्वासन के निष्कर्ष बताना चाहता है।

डीएनवीजीएल गेल (इंडिया) लिमिटेड को अनेक प्रकार की सेवाएं उपलब्ध कराता है, जिनमें से किसी के प्रति इस आश्वासन कार्य हितों का विवाद नहीं है। यह तीसरा वर्ष है कि हमने पूरी रिपोर्ट का आश्वासन उपलब्ध कराया है।

डीएनवीजीएल की आश्वासन नियुक्ति इस अनुमान पर आधारित है कि गेल द्वारा हमारी समीक्षा के भाग के रूप में हमें उपलब्ध कराए गए आंकड़े और सूचना विश्वास के साथ उपलब्ध कराई गई है। डीएनवीजीएल इस आश्वासन विवरण को छोड़कर रिपोर्ट में शामिल कोई विवरण या आंकड़ें को तैयार करने में शामिल नहीं था। डीएनवीजीएल आश्वासन विवरण पर आधारित किसी व्यक्ति या कंपनी के किसी निर्णय के लिए कोई जवाबदेही या सह–जिम्मेदारी का दावा नहीं करता।

हमारी राय का आधार

कॉर्पोरेट कार्यालय और गेल (इंडिया) लिमिटेड के साइट स्तरों पर स्थायित्व और आश्वासन विशेषज्ञों का एक बहु–विषयक दल कार्य निर्धारित करता है। हमने निम्नलिखित कार्यकलाप किए:

- मौजूदा स्थायित्व मुद्दों की समीक्षा जो गेल प्रभावित कर सकते हैं और चयनित शेयरधारकों के हित में हो सकते हैं।
- शेयरधारक की वचनबद्धता और हाल के निदानों के लिए गेल दृष्टिकोण की समीक्षा करना यद्यपि हमारा शेयरधारकों के साथ कोई सीधा संबंध नहीं है।
- गेल द्वारा हमें उपलब्ध कराई गई सूचना की उनकी रिपोर्टिंग और उनके सिद्धांतों से संबंधित प्रबंधन प्रक्रियाओं की समीक्षा करना;
- स्थायित्व मुद्दों के प्रबंधन के लिए जिम्मेदार चयनित निदेशकों, नेतृत्व दल, और वरिष्ठ प्रबंधकों के साथ साक्षात्कार किया गया तथा मुद्दों के समर्थन में चयनित साक्ष्यों की समीक्षा की गईं। हमें साक्षात्कारों का चयन करने की स्वतंत्रता दी गई और हमने उनका कार्यक्रमों के लिए समग्र जिम्मेदारी के साथ साक्षात्कार लिया ताकि मध्यम और दीर्घावधि विजन, मिशन और उपलब्धियों के लिए गेल की स्थायित्व अपेक्षा 2020 प्रदान की जा सके;
- साइट स्तरीय स्थायित्व आंकड़ों को तैयार करने और स्थिरता कार्यनीति के कार्यान्वयन के लिए प्रक्रिया और प्रणालियों की समीक्षा करने हेतु नई दिल्ली में गेल कॉर्पोरेट कार्यालय, गेल प्रशिक्षण संस्थान (जीटीआई) तथा नोएडा में जुबली टॉवर तथा भारत में स्थित पांच प्रचालनात्मक स्थलों अर्थात् पेट्रोकेमिकल संयंत्र, पाटा (उ.प्र.) गैस प्रोसेसिंग यूनिट और कंप्रेशर स्टेशन, विजयपुर (म.प्र.), एलएनजी पंपिंग और प्राप्ति स्टेशन, लोनी (उ.प्र.), हजीरा में प्राकृतिक गैस कंप्रेशर स्टेशन तथा गंधार में गैस प्रोसेसिंग यूनिट का दौरा किया गया। हमने दौरे के लिए जिन स्थलों का चयन किया, उनका आधार पर्यावरण प्रभाव हेतु उनकी सामग्री, भौगोलिकता और प्रभागीय विस्तार था।
- रिपोर्ट में प्रमुख दावों और आंकड़ों हेतु सहायक साक्ष्यों की समीक्षा की गईं हमारी जांच प्रक्रिया में सामग्री के अनुसार प्राथमिकता दी गई तथा हमारी प्राथमिकता समेकित कॉर्पोरेट स्तर पर मुद्दों की सामग्री पर आधारित थी।
- विशिष्ट निष्पादन आंकड़ों को एकत्र और समेकित करने की प्रक्रिया की समीक्षा करना तथा नमूनों के लिए आंकड़ा समेकन की जांच करना, और
- वैश्विक रिपोर्टिंग पहल (जीआरआई) जी4 दिशा–निर्देश तथा तेल एवं गैस क्षेत्र प्रकटन (डीजीएसडी) की तुलना में गेल (इंडिया) लिमिटेड की स्वतंत्र आश्वासन रिपोर्टिंग करना।

आश्वासन प्रक्रिया के दौरान, हमें अन्वेषण और उत्पादन (ईएंडपी) प्रचालनों, संयुक्त उद्यमों, सहायक कंपनियों, पट्टे पर ली गई सुविधाओं, तथा अन्य कंपनियों, जो रिपोर्ट में निर्धारित अनुसार कार्यक्षेत्र और सीमा से बाहर हैं, से संबंधित प्रकटन को छोड़कर सहमत आश्वासन नियुक्ति के कार्यक्षेत्र की सीमा की कोई बात सामने नहीं आई।

राय

किए गए कार्य के आधार पर, हमारे संज्ञान में ऐसा कुछ नहीं आया जिससे यह पता चलता हो कि रिपोर्ट में जीआरआईजी4 तत्व सिद्धांतों, समन्वय मानक प्रकटन तथा ''के अनुसार –देखभाल रिपोर्टिंग'' के लिए विशिष्ट मानक प्रकटन का पालन करने के लिए गेल (इंडिया) द्वारा अनुपालन नहीं किया गया है।

- **सामान्य/मानक प्रकटन:** सामान्य मानक प्रकटन पर दी गई जानकारी सामान्यत: 'के अनुसार' – देखभाल राय हेतु प्रकटन आवश्यकता को पूरी करती है।
- **विशिष्ट मानक प्रकटन:** रिपोर्ट में निम्नानुसार चयनित सामग्री पहलुओं हेतु जेनरिक प्रबंधन दृष्टिकोण प्रकटन (डीएमए) तथा चयनित सामग्री पहलुओं के लिए निष्पादन संकेतकों का उल्लेख किया गया है।

आर्थिक

- आर्थिक निष्पादन –जी4–ईसी1, जी4–ईसी2, जी4–ईसी3, जी4–ईसी4;
- अप्रत्यक्ष आर्थिक पहलू –जी4–ईसी7, जी4–ईसीबी;
- प्रापण परिपाटियां –जी4–ईसी9;

---

[1]वेरीसस्टेन प्रोटोकॉल **dnvgl.com** पर उपलब्ध है
*ऐतिहासिक वित्तीय जानकारी की लेखा–परीक्षा या समीक्षा के अलावा अन्य आश्वासित कार्य

पर्यावरणीय

- सामग्री – जी4–ईएन1 और जी4–ईएन2;
- ऊर्जा – जी4–ईएन3, ईएन5 और ईएन6; ओजी2 और ओजी3;
- जल – जी4–ईएन8, जी4–ईएन8 और ईएन10;
- उत्सर्जन – जी4–ईएन15, ईएन16, ईएन18 से ईएन20; और ईएन21; ओजी6;
- बहि:स्राव और अपशिष्ट – जी4–ईएन22, ईएन24 और ईएन26;
- अनुपालन – जी4–ईएन29;
- समग्र – जी4 ईएन31;
- आपूर्तिकर्ता पर्यावरणीय आकलन – जी4–ईएन32 और 33;
- पर्यावरणीय शिकायत प्रणाली – जी4–ईएन34;

सामाजिक

श्रम परिपाटियां तथा उत्कृष्ट कार्य

- रोजगार – जी4–एलए1, एलए2 और एल3;
- श्रम और प्रबंधन संबंध – जी4–एलए4;
- व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा – जी4–एलए5, एलए6, एलए 7 और एलएबी;
- प्रशिक्षण और शिक्षा – जी4–एलए9, एलए10, और एलए11;
- विविधता और समान अवसर – जी4–एलए12;
- महिलाओं और पुरुषों के लिए समान पारिश्रमिक – जी4–एलए13;
- श्रम परिपाटी का आपूर्तिकर्ता आकलन – जी4–एलए14 और एलए15;
- श्रम परिपाटी शिकायत प्रणाली – जी4–एलए16;

मानवाधिकार

- निवेश – जी4–एचआर1 और एचआर2;
- गैर–भेदभाव – जी4–एचआर3;
- एसोसिएशन और सामूहिक सौदेबाजी की स्वतंत्रता – जी4–एचआर4;
- बाल मजदूरी – जी4–एचआर5;
- बलात और अनिवार्य मजदूरी – जी4–एचआर6;
- सुरक्षा परिपाटियां – जी4–एचआर4;
- स्वदेशी अधिकार – जी4–एचआर8;
- आकलन – जी4–एचआर9;
- आपूर्तिकर्ता मानवाधिकार आकलन – जी4–एचआर10 और एचआर11;
- मानवाधिकार शिकायत प्रणाली – जी4–एचआर12;

समाज

- स्थानीय समुदाय – जी4–एसओ1–एसओ2(
- भ्रष्टाचार–रोधी – जी4–एसओ3, एसओ4 और एसओ5(
- सार्वजनिक नीति – जी4–एसओ6(
- प्रतिस्पर्धी–रोधी आचरण – जी4–एसओ7(
- अनुपालन जी4–एसओ8(
- समाज पर प्रभाव के लिए आपूर्तिकर्ता आकलन – जी4–एसओ9(एसओ10(
- समाज पर प्रभाव के लिए शिकायत प्रणाली
- परिसंपत्ति अखंडता और प्रोसेस सुरक्षा– ओजी13;

उत्पाद उत्तरदायित्व

- ग्राहक स्वास्थ्य और सुरक्षा – जी4पीआर2;
- उत्पाद और सेवा लेबलिंग – जी4–पीआर3, पीआर4, पीआर5;
- विपणन संचार – जी4 – पीआर6, पीआर7;
- ग्राहक निजता – जी4–पीआर8;
- अनुपालन – जी4–पीआर9

टिप्पणियां

हमने अपनी राय को प्रभावित किए बिना निम्नलिखित टिप्पणिया की हैं। हमने 'अच्छा', 'स्वीकार्य' और 'सुधार की आवश्यकता है' के पैमाने पर निम्नलिखित सिद्धांतों के आधार पर रिपोर्ट के अनुपालन का मूल्यांकन किया है:

DNV·GL

एए1000एएस (2008) सिद्धांत

समग्रता

स्थिरता के लिए जवाबदेह और कार्यनीतिक प्रतिक्रिया का विकास और उसे प्राप्त करने हेतु शेयरधारकों की भागीदारी।

शेयरधारक नियुक्ति प्रक्रिया स्वास्थ्य और सुरक्षा मुद्दों, गैस और पेट्रोलियम विपणन, पारदर्शिता और नीतिपरकता, अपशिष्ट प्रबंधन और प्रचालनात्मक दक्षता जैसे विविध शेयरधारकों की प्रमुख समस्याओं को दर्शाती है। शेयरधारक नियुक्ति से उत्पन्न समस्याओं को दर्ज करके सूचित किया गया है। हमारे विचार में, रिपोर्ट में इस सिद्धांत के जिस स्तर का अनुपालन किया गया है वह **'अच्छी'** है।

भौतिकता

ऐसे मुद्दों पर कार्रवाई करना जो संगठन और इसके शेयरधारकों के लिए सर्वाधिक महत्वपूर्ण हों।

गेल के कर्मचारियों, ग्राहकों, आपूर्तिकर्ताओं, गैर–सरकारी संगठनों, सरकारों, विनियामक निकायों, स्थानीय समुदायों और वरिष्ठ प्रबंधन सहित प्रमुख शेयरधारकों से प्राप्त जानकारी के आधार पर सामग्री निर्धारण प्रक्रिया को पुनः वैध बनाया गया है तथा इसमें तेल और गैस क्षेत्र के लिए किसी ज्ञात सामग्री पहलुओं को छोड़ा नहीं गया है। गेल (इंडिया) लिमिटेड के प्रबंधन ने अपनी दीर्घावधि संगठनात्मक स्थिरता के लिए सतत् आधार पर निगरानी और प्रबंधन के लिए आंतरिक प्रक्रिया स्थापित की है। हमारे विचार में रिपोर्ट में इस सिद्धांत के लिए जिस स्तर का अनुपालन किया गया है वह **'स्वीकार्य'** है।

प्रतिक्रिया

वह सीमा जिस तक संगठन शेयरधारकों के मुददों पर प्रतिक्रिया करता है।

रिपोर्ट में शेयरधारकों के लिए सामग्री के पहलुओं की प्रमुख प्रतिक्रिया को व्यापक ढंग से लिए गए निर्णयों के बारे में सूचित किया गया है और रिपोर्ट में चयनित पहलू सीमा अवधि के अंदर तेल और गैस क्षेत्र के समग्र स्थिरता संदर्भ पर विचार करते हुए चयनित प्रमुख स्थिरता पहलुओं का पता लगाने से संबंधित कार्यनीतियों तथा प्रबंधन दृष्टिकोण का पर्याप्त रूप से खुलासा किया गया है। हमारे विचार में, रिपोर्ट में इस सिद्धांत के लिए जिस स्तर का अनुपालन किया गया है वह **'स्वीकार्य'** है।

विश्वसनीयता

रिपोर्ट में प्रस्तुत सूचना की सटीकता और तुलनीयता तथा आंकड़ा प्रबंधन प्रणालियों में निहित गुणवत्ता।

कॉरपोरेट कार्यालय, जुबली टॉवर और जीटीआई नोएडा, पांच प्रचालनगत स्थलों पर सत्यापित अधिकांश आंकड़े और सूचना सही पाए गए और हमारे संज्ञान में ऐसा कुछ नहीं आया जिससे यह पता चलता हो कि सूचित आंकड़े प्रचालन स्तर पर दी गई सूचना से मेल नहीं खाते थे, और न ही लगाया गया अनुमान अनुपयुक्त था। सत्यापन प्रक्रिया के दौरान पता चले कुछ गलत आंकड़े प्रतिलिपि, व्याख्या और सामूहिक त्रुटि से संबंधित थे तथा त्रुटियों में सुधार करने के लिए कहा गया था। अतः टाइप 2 के लिए एए1000एएस (2008) आवश्यकता के अनुसार, मध्यम स्तरीय आश्वासन व्यवसाय के बारे में हमारा निष्कर्ष है कि विशिष्ट सतत् विकास आंकड़े तथा रिपोर्ट में प्रस्तुत सूचना आम तौर पर विश्वसनीय है। हमारे विचार में, रिपोर्ट में इस सिद्धांत के जिस स्तर का अनुपालन किया गया है वह **'अच्छी'** है।

सतत् विकास निष्पादन पर सूचना का विशिष्ट मूल्यांकन

हम कंपनी द्वारा अपनी सतत् विकास निष्पादन रिपोर्टिंग के लिए कंपनी द्वारा विकसित सूचना प्राप्त करने की पद्धति और प्रक्रिया को उपयुक्त मानते हैं और रिपोर्ट में शामिल गुणात्मक और मात्रात्मक आंकड़े पहचान योग्य पाए गए थे; इसके लिए जिम्मेदार कार्मिक, आंकड़ों तथा इसकी विश्वसनीयता के मूल स्वरूप और व्याख्या को दर्शाने के लिए जिम्मेदार पाए गए। हमने पाया कि रिपोर्ट में कंपनी के सतत् विकास कार्यकलापों की निष्ठापूर्वक व्याख्या प्रस्तुत की गई है।

डीएनवीजीएल के वेरीसस्टेन प्रोटोकोल के अनुसार अतिरिक्त मानदंड

पूर्णता

संगठन और इसके शेयरधारकों से संबंधित कितनी सूचना की संगठन की सामग्री के रूप में पहचान की गई है।

रिपोर्ट में 'के अनुसार' – प्रमुख विकल्प से संबंधित जीआरआई जी–4 आवश्यकताओं के लिए प्रबंधन दृष्टिकोण, निगरानी प्रणालियों और सतत् विकास निष्पादन संकेतकों सहित सामान्य और विशिष्ट मानकों को खुलासा करने का स्पष्ट प्रयास किया गया है। कुछ सामग्री पहलुओं को छोड़कर निष्पादन और आंकड़ों की रिपोर्टिंग व्यापक है क्योंकि निष्पादन संकेतकों की रिपोर्ट करने की प्रणाली स्थापित की जा रही है और प्रकटन के लिए आंतरिक समय को निर्धारित किया जा रहा है। अतः हमारे विचार में, रिपोर्ट में इस सिद्धांत के जिस स्तर का अनुपालन किया गया है, वह **'स्वीकार्य'** है।

तटस्थता

रिपोर्ट किस सीमा तक तटस्थता में किसी संगठन के निष्पादन का संतुलित लेखा–जोखा उपलब्ध कराती है।

स्थायित्व मुद्दों से संबद्ध प्रकटन तथा निष्पादनों को विषय–वस्तु तथा प्रस्तुति के अनुसार तटस्थ रूप में सूचित किया जाता है, तथापि, रिपोर्ट में सभी चयनित सामग्री पहलुओं, स्थिरता लक्ष्य और उद्देश्यों आदि के अनुसार प्रचालनों के विभिन्न भौगोलिक स्थलों की रिपोर्टिंग अवधि के दौरान सामना की गई चुनौतियों से संबंधित प्रतिक्रियाओं को प्रस्तुत किया जा सकता है। हमारे विचार में, इस सिद्धांत में रिपोर्ट के जिस स्तर का अनुपालन किया गया है, वह **'अच्छा'** है।

सुधार के लिए अवसर

कंपनी के प्रबंधन को सुधार करने के लिए टिप्पणियां और अवसरों के अंश नीचे दिए गए हैं और इस रिपोर्ट पर हमने अपना निष्कर्ष निकालने पर विचार नहीं किया है; तथापि ये सामान्यतः प्रबंधन के उद्देश्यों के अनुरूप हैं:

- भावी रिपोर्टें मूल्य श्रृंखला, संयुक्त उद्यमों तथा सहायक कंपनियों में सामग्री पहलुओं के प्रभावों को और उजागर करेंगी अर्थात् उनमें सामग्री, सामाजिक और पर्यावरण पहलुओं से संबंधित सीमा को सूचित करने के लिए मूल्य श्रृंखला में सामग्री का पुनः मूल्यांकन किया जाएगा।
- जोखिम प्रबंधन प्रक्रिया को मुख्य निष्पादन संकेतकों की सतत् निगरानी और रिपोर्टिंग के जरिए इसके व्यवसाय की स्थिर कार्यनीति के साथ जोड़ना ताकि भू–स्थलों में स्थायी निष्पादन प्राप्त किया जा सके।
- दीर्घावधि स्थिर लक्ष्यों पर आधारित समीक्षा और निगरानी के लिए भू–स्थलों में स्थिरता निष्पादन को बैंचमार्क किया जाए। गेल (इंडिया) पद्धतियों की परिपक्वता तथा इसके संबद्ध व्यवसाय प्रभावों में सुधार करने के लिए स्थायी पद्धतियों पर उद्योग में अपने सहयोगी देख सकता है।

डीएनवी जीएल बिजनेस एश्योरेंस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए और उनकी ओर से

रमेश राजामनी प्रमुख सत्यापनकर्ता, डीएनवी जीएल – बिजनेस एश्योरेंस इंडिया प्राईवेट लिमिटेड	वादाकेपाठ नंदकुमार आश्वासन समीक्षक, क्षेत्रीय स्थायित्व प्रबंधक, क्षेत्रीय भारत और मध्य पूर्व, डीएनवी जीएल – बिजनेस एश्योरेंस इंडिया प्राईवेट लिमिटेड

नई दिल्ली, भारत, 16 जुलाई 2016

AA1000
Licensed Assurance Provider
000-10

डीएनवी जीएल – बिजनेस एश्योरेंस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड डीएनवी जीएल – बिजनेस एश्योरेंस का एक भाग है, जो प्रमाण–पत्र देने, सत्यापन करने, आकलन और प्रशिक्षण सेवाओं का एक वैश्विक प्रदायक है, जो ग्राहकों की स्थायी व्यवसाय निष्पादन करने में मदद करता है।

जीआरआई विषय–सूची

सामान्य मानक प्रकटन

सामान्य मानक प्रकटन	पृष्ठ	बाहरी आश्वासन
खंड : कार्यनीति और विश्लेषण		
जी4–1	6–अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का संदेश	जी हां; 105 – स्वतंत्र आश्वासन विवरण
जी4–2	6–अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का संदेश, 17–कॉर्पोरेट अभिशासन और जोखिम प्रबंधन	
खंड : संगठनात्मक रूपरेखा		
जी4–3	गेल (इंडिया) लिमिटेड	जी हां; 105 – स्वतंत्र आश्वासन विवरण
जी4–4	9–गेल के बारे में	
जी4–5	नई दिल्ली, भारत	
जी4–6	9–गेल के बारे में; 14, 55–गेल वार्षिक रिपोर्ट वित्तीय वर्ष 15–16 http://www.gailonline.com/final_site/pdf/ANNUAL_REPORT2015-16-FINAL.pdf	
जी4–7	गेल केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र का उद्यम है, जो बीएसई, एनएसई और लंदन स्टॉक एक्सचेंज पर ग्लोबल डेपोजिटरी रसीट (जीडीआर) पर सूचीबद्ध है।	
जी4–8	9–गेल के बारे में, 18 से 19–गेल वार्षिक रिपोर्ट वित्तीय वर्ष 15–16	
जी4–9	9–गेल के बारे में; 14, 25, 33–गेल वार्षिक रिपोर्ट वित्तीय वर्ष 15–16; http://www.gailonline.com/final_site/index.html; 62–नई पर्यावरण प्रणाली अपनाना: लाभप्रदता हेतु अभिनव परिवर्तन	
जी4–10	46–मानव पूंजी: विकास के लिए क्षमताओं को बढ़ाना; 103 से 104–निष्पादन रूपरेखा	
जी4–11	49–मानव पूंजी: विकास के लिए क्षमताओं को बढ़ाना	
जी4–12	9–गेल के बारे में; 76 से 77–आपूर्ति श्रृंखला में सुदृढ़ आधारभूत ढांचे का सृजन	
जी4–13	4–रिपोर्ट के बारे में	
जी4–14	17–कॉर्पोरेट अभिशासन और जोखिम प्रबंधन	
जी4–15	93–प्रभावी समन्वय और साझेदारी हेतु संप्रेषण	
जी4–16	88, 93–प्रभावी समन्वय और साझेदारी हेतु संप्रेषण (सरकारी और विनियामक एजेंसियां)	
खंड : चयनित सामग्री पहलू और सीमा		
जी4–17	9–गेल के बारे में; 154–गेल वार्षिक रिपोर्ट वित्तीय वर्ष 15–16	जी हां; 105 – स्वतंत्र आश्वासन विवरण
जी4–18	4–रिपोर्ट के बारे में	
जी4–19	29–शेयरधारकों को शामिल करना और उनका महत्व (भौतिक मैट्रिक्स)	
जी4–20	29–शेयरधारकों को शामिल करना और उनका महत्व (भौतिक मैट्रिक्स)	
जी4–21	29–शेयरधारकों को शामिल करना और उनका महत्व	
जी4–22	4–रिपोर्ट के बारे में; 104–निष्पादन रूपरेखा	
जी4–23	4 से 5–रिपोर्ट के बारे में	

सामान्य मानक प्रकटन	पृष्ठ	बाहरी आश्वासन
खंड : शेयरधारक वचनबद्धता		
जी4–24	25–शेयरधारकों को शामिल करना और उनका महत्व	जी हां; 105 – स्वतंत्र आश्वासन विवरण
जी4–25	25–शेयरधारकों को शामिल करना और उनका महत्व	
जी4–26	25–शेयरधारकों को शामिल करना और उनका महत्व	
जी4–27	25–शेयरधारकों को शामिल करना और उनका महत्व	
खंड : रिपोर्ट रूपरेखा		
जी4–28	वित्तीय वर्ष 15–16; 4–रिपोर्ट के बारे में	जी हां; 105 – स्वतंत्र आश्वासन विवरण
जी4–29	यह गेल की छठी स्थायित्व रिपोर्ट है। 5वीं रिपोर्ट 16.09.2015 को जारी हुई थी।	
जी4–30	वार्षिक	
जी4–31	122–भावी मार्ग	
जी4–32	4–रिपोर्ट के बारे में	
जी4–33	5–रिपोर्ट के बारे में	
खंड – अभिशासन		
जी4–34	14–कॉर्पोरेट अभिशासन और जोखिम प्रबंधन, 22–गेल वार्षिक रिपोर्ट 15–16	जी हां; 105 – स्वतंत्र आश्वासन विवरण
जी4–35	14–कॉर्पोरेट अभिशासन और जोखिम प्रबंधन	
जी4–36	14–कॉर्पोरेट अभिशासन और जोखिम प्रबंधन	
जी4–37	20–कॉर्पोरेट अभिशासन और जोखिम प्रबंधन	
जी4–38	22, 47 से 48–गेल वार्षिक रिपोर्ट वित्तीय वर्ष 13–14	
जी4–39	14–कॉर्पोरेट अभिशासन और जोखिम प्रबंधन	
जी4–40	14–कॉर्पोरेट अभिशासन और जोखिम प्रबंधन	
जी4–41	15–कॉर्पोरेट अभिशासन और जोखिम प्रबंधन	
जी4–42	14, 15–कॉर्पोरेट अभिशासन और जोखिम प्रबंधन	
जी4–43	14, 15–कॉर्पोरेट अभिशासन और जोखिम प्रबंधन	
जी4–44	14–कॉर्पोरेट अभिशासन और जोखिम प्रबंधन	
जी4–45	17–कॉर्पोरेट अभिशासन और जोखिम प्रबंधन	
जी4–46	17–कॉर्पोरेट अभिशासन और जोखिम प्रबंधन	
जी4–47	17–कॉर्पोरेट अभिशासन और जोखिम प्रबंधन	
जी4–48	15–कॉर्पोरेट अभिशासन और जोखिम प्रबंधन	
जी4–49	20–कॉर्पोरेट अभिशासन और जोखिम प्रबंधन	
जी4–50	20–कॉर्पोरेट अभिशासन और जोखिम प्रबंधन	
जी4–51	15–कॉर्पोरेट अभिशासन और जोखिम प्रबंधन	
जी4–52	15–कॉर्पोरेट अभिशासन और जोखिम प्रबंधन	
जी4–53	15–कॉर्पोरेट अभिशासन और जोखिम प्रबंधन	
जी4–54	15–कॉर्पोरेट अभिशासन और जोखिम प्रबंधन	
जी4–55	15–कॉर्पोरेट अभिशासन और जोखिम प्रबंधन	
खंड : नैतिकता और अखंडता		
जी4–56	18–कॉर्पोरेट अभिशासन और जोखिम प्रबंधन	जी हां; 105 – स्वतंत्र आश्वासन विवरण
जी4–57	18–कॉर्पोरेट अभिशासन और जोखिम प्रबंधन	
जी4–58	18–कॉर्पोरेट अभिशासन और जोखिम प्रबंधन	

विशिष्ट मानक प्रकटीकरण

सामग्री पहलू	डीएमए और संकेतक	पृष्ठ संख्या	लोप	बाहरी आश्वासन
प्रबंधन दृष्टिकोण का प्रकटन	जी4–डीएमए	सभी अध्याय		
श्रेणी : आर्थिक				
आर्थिक निष्पादन	जी4–डीएमए	62–नई पर्यावरण प्रणाली अपनाना: लाभप्रदता हेतु अभिनव परिवर्तन	-	जी हां; 105 – स्वतंत्र आश्वासन विवरण
	जी4–ईसी1	64–नई पर्यावरण प्रणाली अपनाना: लाभप्रदता हेतु अभिनव परिवर्तन		
	जी4–ईसी2	18–कॉर्पोरेट अभिशासन और जोखिम प्रबंधन; 40–प्रचालनात्मक उत्कृष्टता के माध्यम से बेहतर प्रणालियां और प्रक्रियाएं सुनिश्चित करना; 90–प्रभावी समन्वय और साझेदारी हेतु संप्रेषण;		
	जी4–ईसी3	89–प्रभावी समन्वय और साझेदारी हेतु संप्रेषण		
	जी4–ईसी4	64–नई पर्यावरण प्रणाली अपनाना: लाभप्रदता हेतु अभिनव परिवर्तन		
अप्रत्यक्ष आर्थिक प्रभाव	जी4–डीएमए	90–प्रभावी समन्वय और साझेदारी हेतु संप्रेषण		
	जी4–ईसी7	91, 92–प्रभावी समन्वय और साझेदारी हेतु संप्रेषण		
	जी4–ईसी8	91, 92–प्रभावी समन्वय और साझेदारी हेतु संप्रेषण		
खरीद पद्धति	जी4–डीएमए	78–आपूर्ति श्रृंखला में सुदृढ़ आधारभूत ढांचे का सृजन		
	जी4–ईसी9	गेल भारत को स्थानीय समझता है। 78–आपूर्ति श्रृंखला में सुदृढ़ आधारभूत ढांचे का सृजन		
श्रेणी : पर्यावरणीय				
सामग्री	जी4–डीएमए	32–प्रचालनात्मक उत्कृष्टता के माध्यम से सुदृढ़ प्रणालियां और प्रक्रियाएं सुनिश्चित करना	-	जी हां; 105 – स्वतंत्र आश्वासन विवरण
	जी4–ईएन1	99–निष्पादन रूपरेखा		
	जी4–ईएन2	99–निष्पादन रूपरेखा		
ऊर्जा	जी4–डीएमए	32–प्रचालनात्मक उत्कृष्टता के माध्यम से सुदृढ़ प्रणालियां और प्रक्रियाएं सुनिश्चित करना		
	ओजी2	66–नई पर्यावरण प्रणाली अपनाना: मुनाफे की दृष्टि से नई खोज		
	ओजी3	40–प्रचालनात्मक उत्कृष्टता के माध्यम से सुदृढ़ प्रणालियां और प्रक्रियाएं सुनिश्चित करना, 99–निष्पादन रूपरेखा		
	जी4–ईएन3	99–निष्पादन रूपरेखा		
	जी4–ईएन4	41–प्रचालनात्मक उत्कृष्टता के माध्यम से सुदृढ़ प्रणालियां और प्रक्रियाएं सुनिश्चित करना		
	जी4–ईएन5	21–सतत् विकास कार्यनीति		
	ओजी5	सामग्री नहीं		
	जी4–ईएन6	99–निष्पादन रूपरेखा		
	जी4–ईएन7	40–प्रचालनात्मक उत्कृष्टता के माध्यम से सुदृढ़ प्रणालियां और प्रक्रियाएं सुनिश्चित करना		

सामग्री पहलू	डीएमए और संकेतक	पृष्ठ संख्या	लोप	बाहरी आश्वासन
जल	जी4–डीएमए	41–प्रचालनात्मक उत्कृष्टता के माध्यम से सुदृढ़ प्रणालियां और प्रक्रियाएं सुनिश्चित करना	-	जी हां; 105 – स्वतंत्र आश्वासन विवरण
	जी4–ईएन8	41–प्रचालनात्मक उत्कृष्टता के माध्यम से सुदृढ़ प्रणालियां और प्रक्रियाएं सुनिश्चित करना		
	जी4–ईएन9	41–प्रचालनात्मक उत्कृष्टता के माध्यम से सुदृढ़ प्रणालियां और प्रक्रियाएं सुनिश्चित करना		
	जी4–ईएन10	99–निष्पादन रूपरेखा		
उत्सर्जन	जी4–डीएमए	40–प्रचालनात्मक उत्कृष्टता के माध्यम से सुदृढ़ प्रणालियां और प्रक्रियाएं सुनिश्चित करना		
	जी4–ईएन15	40–प्रचालनात्मक उत्कृष्टता के माध्यम से सुदृढ़ प्रणालियां और प्रक्रियाएं सुनिश्चित करना		
	जी4–ईएन16	40–प्रचालनात्मक उत्कृष्टता के माध्यम से सुदृढ़ प्रणालियां और प्रक्रियाएं सुनिश्चित करना		
	जी4–ईएन17	40–प्रचालनात्मक उत्कृष्टता के माध्यम से सुदृढ़ प्रणालियां और प्रक्रियाएं सुनिश्चित करना		
	जी4–ईएन18	21–सतत् विकास कार्यनीति		
	जी4–ईएन19	40–प्रचालनात्मक उत्कृष्टता के माध्यम से सुदृढ़ प्रणालियां और प्रक्रियाएं सुनिश्चित करना; 99–निष्पादन एक नज़र में		
	जी4–ईएन20	99–निष्पादन रूपरेखा		
	जी4–ईएन21	99–निष्पादन रूपरेखा		
बहिःस्राव और अपशिष्ट	जी4–डीएमए	37–प्रचालनात्मक उत्कृष्टता के माध्यम से सुदृढ़ प्रणालियां और प्रक्रियाएं सुनिश्चित करना		
	जी4–ईएन22	99–निष्पादन रूपरेखा		
	जी4–ईएन23	99–निष्पादन रूपरेखा		
	ओजी6	99–निष्पादन रूपरेखा		
	जी4–ईएन24	कोई बड़ा बिखराव नहीं		
	जी4–ईएन25	37–प्रचालनात्मक उत्कृष्टता के माध्यम से सुदृढ़ प्रणालियां और प्रक्रियाएं सुनिश्चित करना		
	जी4–ईएन26	हमारे प्रचालनों के आसपास स्थित जल निकायों में हमारे अपशिष्ट बहिःस्राव और अपवाह का कोई महत्वपूर्ण प्रभाव नहीं पड़ा है।		
अनुपालन	जी4–डीएमए	14–कॉर्पोरेट अभिशासन और जोखिम प्रबंधन; 33–प्रचालनात्मक उत्कृष्टता के माध्यम से सुदृढ़ प्रणालियां और प्रक्रियाएं सुनिश्चित करना 97–विनियामक भूदृश्य में अवसरों का सृजन		
	जी4–ईएन29	99–निष्पादन रूपरेखा		
परिवहन	जी4–डीएमए	32–प्रचालनात्मक उत्कृष्टता के माध्यम से सुदृढ़ प्रणालियां और प्रक्रियाएं सुनिश्चित करना		
	जी4– ईएन30	37–प्रचालनात्मक उत्कृष्टता के माध्यम से सुदृढ़ प्रणालियां और प्रक्रियाएं सुनिश्चित करना हमारे अधिकांश उत्पादों का वितरण पाइपलाइनों के जरिए किया जाता है जो स्कोप 2 उत्सर्जन का एक भाग है।		

सामग्री पहलू	डीएमए और संकेतक	पृष्ठ संख्या	लोप	बाहरी आश्वासन
समग्र	जी4–डीएमए	40–प्रचालनात्मक उत्कृष्टता के माध्यम से सुदृढ़ प्रणालियां और प्रक्रियाएं सुनिश्चित करना	-	जी हां; 105 – स्वतंत्र आश्वासन विवरण
	जी4–ईएन31	99–निष्पादन रूपरेखा		
आपूर्तिकर्ता पर्यावरणीय आकलन	जी4–डीएमए	79–आपूर्ति श्रृंखला में सुदृढ़ आधारभूत ढांचे का सृजन		
	जी4–ईएन32	पर्यावरणीय मानदंड के जरिए 100 प्रतिशत नए आपूर्तिकर्ताओं की जांच की गई है।		
	जी4–ईएन33	81–आपूर्ति श्रृंखला में सुदृढ़ आधारभूत ढांचे का सृजन		
पर्यावरण शिकायत प्रणाली	जी4–डीएमए	20–कॉर्पोरेट अभिशासन और जोखिम प्रबंधन		
	जी4–ईएन34	20–कॉर्पोरेट अभिशासन और जोखिम प्रबंधन		
श्रेणी : सामाजिक				
उप–श्रेणी : श्रम प्रथा और सभ्य कार्य				
रोजगार	जी4–डीएमए	44–मानव पूंजी : विकास के लिए क्षमताओं को बढ़ाना	-	जी हां; 105 – स्वतंत्र आश्वासन विवरण
	जी4–एलए1	46–मानव पूंजी : विकास के लिए क्षमताओं को बढ़ाना		
	जी4–एलए2	89–प्रभावी समन्वय और साझेदारी हेतु संप्रेषण		
	जी4–एलए3	47–मानव पूंजी : विकास के लिए क्षमताओं को बढ़ाना		
श्रम / प्रबंधन संबंध	जी4–डीएमए	44–मानव पूंजी : विकास के लिए क्षमताओं को बढ़ाना		
	जी4–एलए4	49–मानव पूंजी : विकास के लिए क्षमताओं को बढ़ाना		
व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा	जी4–एलए5	101– निष्पादन रूपरेखा		
	जी4–एलए6	101– निष्पादन रूपरेखा		
	जी4–एलए7	101– निष्पादन रूपरेखा		
	जी4–एलए8	49–मानव पूंजी : विकास के लिए क्षमताओं को बढ़ाना		
प्रशिक्षण और शिक्षा	जी4–डीएमए	48–मानव पूंजी : विकास के लिए क्षमताओं को बढ़ाना		
	जी4–एलए9	48–मानव पूंजी : विकास के लिए क्षमताओं को बढ़ाना		
	जी4–एलए10	48–मानव पूंजी : विकास के लिए क्षमताओं को बढ़ाना		
	जी4–एलए11	45–मानव पूंजी : विकास के लिए क्षमताओं को बढ़ाना		
विविधता और समान अवसर	जी4–डीएमए	44–मानव पूंजी : विकास के लिए क्षमताओं को बढ़ाना		
	जी4–एलए12	101– निष्पादन रूपरेखा		
महिलाओं और पुरुषों के लिए समान पारिश्रमिक	जी4–डीएमए	44–मानव पूंजी : विकास के लिए क्षमताओं को बढ़ाना		
	जी4–एलए13	48–मानव पूंजी : विकास के लिए क्षमताओं को बढ़ाना		
श्रम प्रथाओं के लिए आपूर्तिकर्ता आकलन	जी4–डीएमए	79–आपूर्ति श्रृंखला में सुदृढ़ आधारभूत ढांचे का सृजन		
	जी4–एलए14	81–आपूर्ति श्रृंखला में सुदृढ़ आधारभूत ढांचे का सृजन		
	जी4–एलए15	79–आपूर्ति श्रृंखला में सुदृढ़ आधारभूत ढांचे का सृजन		
श्रम प्रथा शिकायत प्रणाली	जी4–डीएमए	20–कॉर्पोरेट अभिशासन और जोखिम प्रबंधन		
	जी4–एलए16	20–कॉर्पोरेट अभिशासन और जोखिम प्रबंधन		

सामग्री पहलू	डीएमए और संकेतक	पृष्ठ संख्या	लोप	बाहरी आश्वासन
श्रेणी : सामाजिक				
उप–श्रेणी : मानवाधिकार				
मानवाधिकार निवेश	जी4–डीएमए	49–मानव पूंजी : विकास के लिए क्षमताओं को बढ़ाना	-	जी हां; 105 – स्वतंत्र आश्वासन विवरण
	जी4–एचआर1	49–मानव पूंजी : विकास के लिए क्षमताओं को बढ़ाना; 63–आपूर्ति श्रृंखला में सुदृढ़ आधारभूत ढांचे का सृजन		
	जी4–एचआर2	49–मानव पूंजी : विकास के लिए क्षमताओं को बढ़ाना		
गैर–विभेदकारी	जी4–डीएमए	44–मानव पूंजी : विकास के लिए क्षमताओं को बढ़ाना		
	जी4–एचआर3	49–मानव पूंजी : विकास के लिए क्षमताओं को बढ़ाना		
स्वतंत्रता एसोसिएशन	जी4–डीएमए	44–मानव पूंजी : विकास के लिए क्षमताओं को बढ़ाना		
	जी4–एचआर4	44–मानव पूंजी : विकास के लिए क्षमताओं को बढ़ाना		
बाल मजदूरी	जी4–डीएमए	49–मानव पूंजी : विकास के लिए क्षमताओं को बढ़ाना		
	जी4–एचआर5	49–मानव पूंजी: विकास के लिए क्षमताओं को बढ़ाना (मानवाधिकार)		
बलात या बंधुआ मजदूरी	जी4–डीएमए	49–मानव पूंजी: विकास के लिए क्षमताओं को बढ़ाना		
	जी4–एचआर6	49–मानव पूंजी: विकास के लिए क्षमताओं को बढ़ाना (मानवाधिकार)		
सुरक्षा प्रथाएं	जी4–डीएमए	49–मानव पूंजी: विकास के लिए क्षमताओं को बढ़ाना		
	जी4–एचआर7	49–मानव पूंजी: विकास के लिए क्षमताओं को बढ़ाना		
स्वदेशी अधिकार	जी4–डीएमए	91–प्रभावी समन्वय और साझेदारी हेतु संप्रेषण		
	जी4–एचआर8	91–प्रभावी समन्वय और साझेदारी हेतु संप्रेषण		
आकलन	जी4–डीएमए	44–मानव पूंजी: विकास के लिए क्षमताओं को बढ़ाना		
	जी4–एचआर9	49–मानव पूंजी: विकास के लिए क्षमताओं को बढ़ाना; 79–आपूर्ति श्रृंखला में सुदृढ़ आधारभूत ढांचे का सृजन		
आपूर्तिकर्ता मानवाधिकार आकलन	जी4–डीएमए	79–आपूर्ति श्रृंखला में सुदृढ़ आधारभूत ढांचे का सृजन		
	जी4–एचआर10	81–आपूर्ति श्रृंखला में सुदृढ़ आधारभूत ढांचे का सृजन		
	जी4–एचआर11	79–आपूर्ति श्रृंखला में सुदृढ़ आधारभूत ढांचे का सृजन		
मानवाधिकार शिकायत प्रणाली	जी4–डीएमए	20–कॉर्पोरेट अभिशासन और जोखिम प्रबंधन		
	जी4–एचआर12	20–कॉर्पोरेट अभिशासन और जोखिम प्रबंधन		

सामग्री पहलू	डीएमए और संकेतक	पृष्ठ संख्या	लोप	बाहरी आश्वासन
श्रेणी : सामाजिक				
उप–श्रेणी : समाज				
स्थानीय समुदाय	जी4–डीएमए	91–प्रभावी समन्वय और साझेदारी हेतु संप्रेषण	-	जी हां; 105 – स्वतंत्र आश्वासन विवरण
	जी4–एसओ1	91–प्रभावी समन्वय और साझेदारी हेतु संप्रेषण		
	जी4–एसओ2	59–हमारे लोग और पर्यावरण की सुरक्षा सुनिश्चित करना; 91–प्रभावी समन्वय और साझेदारी हेतु संप्रेषण		
	ओजी10	स्थानीय समुदाय और आदिवासी लागों के साथ हमारा कोई व्यापक विवाद नहीं है।		
	ओजी11	शून्य		
भ्रष्टाचार–रोधी	जी4–डीएमए	19–कॉर्पोरेट अभिशासन और जोखिम प्रबंधन		
	जी4–एसओ3	19–कॉर्पोरेट अभिशासन और जोखिम प्रबंधन		
	जी4–एसओ4	19–कॉर्पोरेट अभिशासन और जोखिम प्रबंधन		
	जी4–एसओ5	19–कॉर्पोरेट अभिशासन और जोखिम प्रबंधन		
सार्वजनिक नीति	जी4–डीएमए	84–प्रभावी समन्वय और साझेदारी हेतु संप्रेषण; 62–नई पर्यावरण प्रणाली अपनाना: लाभप्रदता हेतु अभिनव परिवर्तन		
	जी4–एसओ6	64–नई पर्यावरण प्रणाली अपनाना: लाभप्रदता हेतु अभिनव परिवर्तन		
प्रतिस्पर्धी–रोधी आचरण	जी4–डीएमए	98–विनियामक भूदृश्य में अवसरों का सृजन		
	जी4–एसओ7	98–विनियामक भूदृश्य में अवसरों का सृजन		
अनुपालन	जी4–डीएमए	19–कॉर्पोरेट अभिशासन और जोखिम प्रबंधन; 32 प्रचालनात्मक उत्कृष्टता के माध्यम से सुदृढ़ प्रणालियां और प्रक्रियाएं सुनिश्चित करना; 95–विनियामक भूदृश्य में अवसरों का सृजन		
	जी4–एसओ8	98–विनियामक भूदृश्य में अवसरों का सृजन		
समाज पर प्रभाव के लिए आपूर्तिकर्ता आकलन	जी4–डीएमए	79–आपूर्ति श्रृंखला में सुदृढ़ आधारभूत ढांचे का सृजन		
	जी4–एसओ9	81–आपूर्ति श्रृंखला में सुदृढ़ आधारभूत ढांचे का सृजन		
	जी4–एसओ10	79–आपूर्ति श्रृंखला में सुदृढ़ आधारभूत ढांचे का सृजन		
समाज पर प्रभाव के लिए शिकायत प्रणाली	जी4–डीएमए	20–कॉर्पोरेट अभिशासन और जोखिम प्रबंधन		
	जी4–एसओ11	20–कॉर्पोरेट अभिशासन और जोखिम प्रबंधन		
परिसंपत्ति एकीकरण और प्रक्रिया सुरक्षा	जी4–डीएमए	32–प्रचालनात्मक उत्कृष्टता के माध्यम से सुदृढ़ प्रणालियां और प्रक्रियाएं सुनिश्चित करना		
	ओजी13	55–हमारे लोगों और पर्यावरण की सुरक्षा सुनिश्चित करना		

सामग्री पहलू	डीएमए और संकेतक	पृष्ठ संख्या	लोप	बाहरी आश्वासन
श्रेणी : सामाजिक				
उप–श्रेणी : उत्पाद उत्तरदायित्व				
ग्राहक स्वास्थ्य और सुरक्षा	जी4–डीएमए	44–मानव पूंजी : विकास के लिए क्षमताओं को बढ़ाना; 90–प्रभावी समन्वय और साझेदारी हेतु संप्रेषण	-	जी हां; 105 – स्वतंत्र आश्वासन विवरण
	जी4–पीआर1	90–प्रभावी समन्वय और साझेदारी हेतु संप्रेषण		
	जी4–पीआर2	90–प्रभावी समन्वय और साझेदारी हेतु संप्रेषण		
उत्पाद और सेवा लेबलिंग	जी4–डीएमए	90–प्रभावी समन्वय और साझेदारी हेतु संप्रेषण		
	जी4–पीआर3	90–प्रभावी समन्वय और साझेदारी हेतु संप्रेषण		
	जी4–पीआर4	90–प्रभावी समन्वय और साझेदारी हेतु संप्रेषण		
	जी4–पीआर5	90–प्रभावी समन्वय और साझेदारी हेतु संप्रेषण		
विपणन और संचार	जी4–डीएमए	90–प्रभावी समन्वय और साझेदारी हेतु संप्रेषण		
	जी4–पीआर6	कंपनी द्वारा प्रतिबंधित या विवादित उत्पादों की बिक्री नहीं होती।		
	जी4–पीआर7	98–विनियामक भूदृश्य में अवसरों का सृजन		
उत्पाद अनुपालन	जी4–डीएमए	90–प्रभावी समन्वय और साझेदारी हेतु संप्रेषण		
	जी4–पीआर9	98–विनियामक भूदृश्य में अवसरों का सृजन		

एनवीजी–एसईई सिद्धांतों के साथ संयोजन

सिद्धांत संख्या	एनवीजी–एसईई	स्थायित्व रिपोर्ट वित्तीय वर्ष 15–16 खंडों के साथ संबंध
1.	व्यवसाय नीति, पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ किया और नियंत्रित किया जाना चाहिए।	अभिशासन और जोखिम प्रबंधन
2.	व्यवसाय द्वारा वस्तुएं और सेवाएं उपलब्ध करानी चाहिए जो सुरक्षित हों और अपने पूरे जीवन चक्र में स्थिरता के लिए योगदान दें।	स्थायित्व कार्यनीति और आपूर्ति श्रृंखला में पुनरुत्थान अवसंरचना का सृजन
3.	व्यवसाय से सभी कर्मचारियों के कल्याण को बढ़ावा मिलना चाहिए।	मानव पूंजी – हमारे सफल कर्मचारियों का मूल आधार; शेयरधारकों के साथ संवाद और संबंध
4.	व्यवसायों को हितों का सम्मान करना चाहिए, और सभी शेयरधारकों, विशेषकर उपेक्षित, कमजोर और हाशिए पर रहने वालों के प्रति जिम्मेदार होना चाहिए।	शेयरधारकों के साथ संवाद और संबंध
5.	व्यवसाय में मानवाधिकारों का सम्मान करना चाहिए और उन्हें प्रोत्साहित करना चाहिए।	मानव पूंजी – विकास के लिए क्षमता बढ़ाना; शेयरधारकों के साथ संवाद और संबंध
6.	व्यवसाय में पर्यावरण को बहाल करने का सम्मान, संरक्षण और प्रयास किए जाने चाहिए	प्रचालन उत्कृष्टता के जरिए ठोस प्रणाली और प्रक्रियाएं सुनिश्चित करना; शेयरधारकों के साथ संवाद और संबंध
7.	व्यवसाय में प्रभावशाली सार्वजनिक और विनियामक नीति को जिम्मेदार ढंग से लागू किया जाना चाहिए	विनियामक परिदृश्य में अवसरों का सृजन
8.	व्यवसाय में समग्र विकास और समान विकास का समर्थन करना चाहिए	मानव पूंजी: विकास के लिए क्षमता बढ़ाना; शेयरधारकों के साथ संवाद और संबंध
9.	व्यवसाय द्वारा अपने ग्राहकों और उपभोक्ताओं को उत्तरदायी ढंग से महत्व और मूल्य प्रदान करना चाहिए	व्यवसाय विकास और लाभप्रदत्ता तथा शेयरधारकों के साथ संवाद और संबंध

एपीआई/आईपीआईईसीए, यूएनजीसी, आईएसओ 26000 सिद्धांतों के साथ संयोजन

खंड	एपीआई / आईपीआईईसीए दिशानिर्देश	यूएनजीसी सिद्धांत	आईएसओ 26000 खण्ड
निगमित शासन और जोखिम प्रबंधन	एसई 11, एसई12	सिद्धांत 10, सिद्धांत 7	4.4, 6.2, 6.3.6, 6.6.1–6.6.3, 6.6.6, 6.8.1–6.8.2, 7.4.3, 7.7.5
स्थायित्व कार्यनीति	ई1, ई2, ई6	सिद्धांत 7, सिद्धांत 8, सिद्धांत 9	4.7, 6.5.4–6.5.5, 7.4.2
शेयरधारक वचनबद्धता और महत्व	एसई1, एसई16,	सिद्धांत 1	4.5, 5.2–5.3, 7.3.2–7.3.4
प्रचालनात्मक उत्कृष्टता के जरिए ठोस प्रणाली और प्रक्रिया प्रदान करना	ई1, ई2, ई3, ई4, ई6, ई7, ई8, ई9, ई10	सिद्धांत 8, सिद्धांत 9	6.5.4–6.5.5, 6.6.6
मानव पूंजी – विकास के लिए क्षमता बढ़ाना	एसई6, एसई8, एसई10, एसई15, एसई16, एसई17, एसई18	सिद्धांत 1, सिद्धांत 2, सिद्धांत 3, सिद्धांत 4, सिद्धांत 5, सिद्धांत 6	4.8, 6.3.1–6.3.8, 6.3.10, 6.4.1, 6.4.3–6.4.7, 6.6.6, 6.8.4–6.8.5
हमारे लोगों और पर्यावरण के लिए सुरक्षा सुनिश्चित करना	एचएस1, एचएस2, एचएस3, एचएस5	सिद्धांत 6	6.3.9, 6.5.3, 6.8
नई पारिस्थितिकी प्रणाली अपनानाः लाभप्रदत्ता के लिए अभिनवता	एसई4, एसई5, एसई7, एसई13	सिद्धांत 9	6.6.1–6.6.2, 6.6.4, 6.8.1–6.8.3, 6.8.7, 6.8.9
आपूर्ति श्रृंखला में नई अवसंरचना का सृजन	एसई5, एसई7, एसई9,	सिद्धांत 8, सिद्धांत 10	6.3.3–6.3.5, 6.4.3, 6.6.1–6.6.2, 6.6.6, 6.8.1–6.8.2, 6.8.7, 7.3.1
प्रभावी सहक्रियाशीलता और भागीदारी के लिए संवाद करना	एसई1, एसई2, एसई4, एसई14, एचएस4, एसई14, एचएस1, एचएस2,	सिद्धांत 6, सिद्धांत 7, सिद्धांत 8	4.6, 6.3.4, 6.3.6–6.3.9, 6.4.4, 6.5.1–6.5.3, 6.5.5, 6.6.6, 6.6.7, 6.7.1–6.7.6, 6.7.8–6.7.9, 6.8, 6.8.1–6.8.3, 6.8.7–6.8.9, 7.5.3, 7.6.2, 7.8
विनियामक परिदृश्य में अवसरों का सृजन	एसई14	सिद्धांत 10	4.6, 6.6.1–6.6.2, 6.6.5, 6.6.7
निष्पादन एक नज़र में	ई1, ई2, ई3, ई4, ई6, ई7, ई8, ई10, एचएस3	सिद्धांत 7, सिद्धांत 8, सिद्धांत 9	4.6, 6.2.3, 6.3.7, 6.3.10, 6.4.3, 6.4.6, 6.5.3–6.5.5, 6.8.8

प्राकृतिक गैस – 21वीं सदी का ईंधन

सबसे स्वच्छ जीवाश्म ईंधन – ऊर्जा के रूप में अत्यधिक दक्षता

समग्र ईंधन दक्षता 92%

5A

उपलब्धता, पहुंच, **स्वीकार्यता** और वहनीयता

कोयले की तुलना में 50% कम सीओ2 उत्सर्जन

SO_x

NO_x

तेल और कोयले की तुलना में **कम** (अम्लीय वर्षा का कारण), (धुंध सृजन) और पार्टिकुलेट तत्व का सृजन

उत्पादन, परिवहन, भण्डारण और प्रयोग करना **सुरक्षित**

प्राकृतिक गैस सबसे कम प्रदूषण फैलाने वाला जीवाश्म ईंधन है

- प्राकृतिक गैस प्रति यूनिट बिजली का उत्पादन करने के लिए सभी जीवाश्म ईंधनों में से सबसे कम सीओ2 का उत्सर्जन करती है।
- कोयला आधारित से गैस–आधारित उत्पादन तक मात्र 1% के अंतर से भारत में गैस की 8.5 एमएमएससीएमडी अतिरिक्त मांग का सृजन हो सकता है जिससे प्रति वर्ष 7.5 मिलियन टन सीओ2 की कमी हो सकती है।

प्राकृतिक गैस स्वच्छ ऊर्जा के लिए भारत की खोज का एक स्थायी विकल्प हो सकती है

"भारत के घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देकर गैस–आधारित अर्थव्यवस्था में परिवर्तित होने की योजना है तथा वह अपने ग्रीनहाउस उत्सर्जनों को रोकने के लिए विश्व के तीसरे सबसे बड़े तेल आयातक के रूप में सस्ता तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) खरीद रहा है.....हम धीरे–धीरे स्थायी गैस अर्थव्यवस्था में परिवर्तन हो रहे हैं।"

धर्मेन्द्र प्रधान
माननीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) – पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

अवसर

अक्षय ऊर्जा की सीमाएं (विश्वसनीयता, अनिश्चितता, निम्न पीएलएफ, भूमि आवश्यकता, पूंजी लागत)

निम्न कार्बन आपूर्तिकर्ताओं की मांग के बढ़ने की संभावना है क्योंकि संगठन अपनी आपूर्ति श्रृंखला में कार्बन उत्सर्जनों को कम करना चाहते हैं।

जलवायु वित्त–पोषण को बढ़ाकर न्यून कार्बन ढांचा बनाने के लिए नए अवसरों का सृजन करना

नए अवसर – स्मार्ट सिटी, प्राकृतिक गैस ईंधन, भारी वाहनों, रेलवे आदि के लिए एलएनजी

गैस क्षेत्र के विकास के लिए शीर्ष विद्युत नीति, गैस खरीद बाध्यताएं (जीपीओ), एलपीजी मुक्त क्षेत्र, हाइब्रिड पॉवर आदि अपेक्षित है।

प्राकृतिक गैस भावी न्यून कार्बन के लिए ईंधन के 'सेतु' के रूप में कार्य कर सकती है

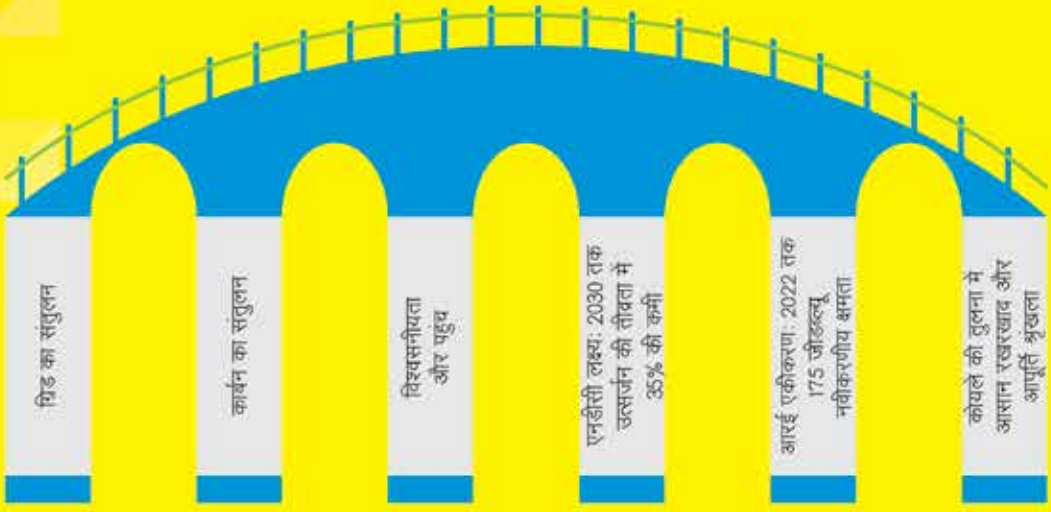

कोयला संचालित संयंत्रों की तुलना में गैस संचालित संयंत्रों से 1% विद्युत सृजन से वैश्विक सीओ2 उत्सर्जन में कमी आ सकती है और अक्षय ऊर्जा क्षमता 11% तक बढ़ सकती है*

भारत में 14.3 जीडब्ल्यू स्ट्रेंडेड गैस आधारित बिजली को पुनरुद्धार करने से 1 ट्रिलियम आईएनआर मूल्य का निवेश बच सकता है^

*आईसीएफ अध्ययन ^ मार्च 2015 में प्रकाशित मूडी की क्रेडिट आउटलुक पर आधारित

स्वच्छ ईंधन के अभिनव प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए हमारे प्रयास

भारत में प्राकृतिक गैस आधारित ईंधन प्रकोष्ठ के लिए गेल और ब्लूम एनर्जी के बीच समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर

36 नए सीएनजी स्टेशनों की शुरुआत

गेल हवा बदलो और #गैस4इंडिया द्वारा हाल की पहलें

गैस 4 इंडिया प्रत्येक नागरिक को उसकी पसंद के ईंधन के रूप में प्राकृतिक गैस का इस्तेमाल करने के राष्ट्रीय, सामाजिक आर्थिक और पारिस्थितिकीय लाभ को सूचित करने का एक एकीकृत क्रॉस कंट्री, मल्टी मीडिया, मल्टी–कार्यक्रम अभियान है। इस अभियान को श्री धर्मेन्द्र प्रधान, माननीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) द्वारा शुरू किया गया है।

हवा बदलो जन आंदोलन है जिसका उद्देश्य भारत कें वायु प्रदूषण के विनाशकारी प्रभाव के बारे में जागरूकता पैदा करना है और इसके द्वारा उद्योगों, परिवहन, घरेलू प्रयोजनों के लिए ईंधन के रूप में प्राकृतिक गैस जैसे स्थायी तरीके और पद्धतियों को अपनाने हेतु प्रोत्साहित करना है। गेल एक संगठन के रूप में हमेशा पर्यावरण का हिमायती रहा है। इसके मिशन वक्तव्य से भी यह बात उजागर होती है। अब चूंकि वायु प्रदूषण एक ज्वलंत पर्यावरण मुद्दा बन गया है, यह महत्वपूर्ण है कि गेल एक सार्थक अंतर बनाने के लिए ठोस कार्रवाई करे। एक युवा प्रगति शील ब्रांड के रूप में गेल अपने सभी स्टेकधारकों को एक बेहतर भविष्य देना चाहता है जहा प्रगति और पर्यावरण साथ–साथ चल सकें। और हवा बदलो अभियान इस आस्था का प्राकृतिक विस्तार है। हमने उक्त अभियान के माध्यम से 6.8 मिलियन लोगों को डिजीटल रूप से छुआ है।

भावी मार्ग

हमने अपना स्थायित्व सफर 2011 में शुरू किया था और तब से हमारा यह निरंतर प्रयास रहा है कि संगठन में स्थिरता के प्रभाव को शामिल किया जाए। हम समझते हैं कि उच्च निष्पादन की विरासत बनाने के लिए हमारा स्थायित्व प्रयास वित्तीय, पर्यावरणीय, सामाजिक और विनियामक मापदंडों में उत्कृष्टता हासिल करते समय हमारे सभी शेयरधारकों की आवश्यकता के अनुरूप होना चाहिए। इसे प्राप्त करने के लिए हम अपनी प्रौद्योगिकी, प्रणाली, नीतियों और प्रक्रियाओं के प्रयोग में नई खोज करना जारी रखेंगे ताकि हमारे उत्पाद और लाभप्रदता को अधिकतम किया जा सके।

यह जीआरआईजी4 दिशा–निर्देशों पर आधारित गेल की दूसरी स्थायित्व रिपोर्ट है। थोड़े समय में ही, गेल ने स्थिरता के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। अनिवार्य विनियामक रिपोर्टिंग आवश्यकताओं का अनुपालन करने के अलावा, गेल अन्य अनेक स्वैच्छिक पहलों जैसे गेल की संशोधित स्थिरता अपेक्षा 2020 यूएनजीसी सिद्धांत और आईएसओ 26000 दिशा–निर्देश के संबंध में इसके निष्पादन का लेखा–जोखा रखता है।

स्थिरता रिपोर्टिंग से हमें हमारी कंपनी के निष्पादन की निगरानी करने और संगठन के अंदर पूरी निष्ठा से स्थिरता को जोड़ने की अनिवार्य आवश्यकता से इतर होगा। इस दिशा में कदम बढ़ाते हुए, भविष्य में गेल की स्थिरता पहलों से जैव–विविधता पर हमारे प्रचालनों के प्रभाव की जांच होगी। पानी की खपत और पाइपलाइन प्रबंधन प्रणालियों पर आधारित उपग्रह के जरिए स्वास्थ्य और सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में सुधार के लिए प्रौद्योगिकी के सतत् एकीकरण से कंपनी का स्थिरता मुद्दों के अग्रणी क्षेत्र में नेतृत्व सुनिश्चित होगा। हम अपनी स्थिरता अपेक्षा 2020 में भी संशोधन करने जा रहे हैं। इसके अलावा, एक निश्चित रूपरेखा के लिए, हम गेल के लिए स्थिरता अध्याय का प्रारूप भी बना रहे हैं ताकि गेल में स्थिरता एजेंडा को सामूहिक रूप से आगे ले जाया जा सके।

इसके अलावा, कंपनी विश्व स्तर पर तेल की बदलती कीमतों के प्रभाव की विचारपूर्वक निगरानी करना जारी रखेगी तथा अपने ग्राहकों को मूल्य उपलब्ध कराने के लिए सभी आवश्यक पुनः मोल–तोल करेगी। गेल विकास पर ध्यान केन्द्रित करता रहेगा, जो अर्थव्यवस्था, शेयरधारकों, समुदाय और पर्यावरण के लिए स्थायी हो। हमें मालूम है कि स्थायी विकास अंदरुनी तौर पर हमारी पारिस्थितिकी प्रणाली से जुड़ा है। इस प्रकार हम अपने निवेशकों के लिए दीर्घावधि मूल्यों का सृजन करने तथा समुदायों के लाभ के लिए समर्पित हैं जहां हम प्रचालन करते हैं। गेल स्थायी सफलता के क्षेत्र में मूर्त प्रगति प्राप्त करने के लिए अपने सभी शेयरधारकों का विश्वास और समर्थन चाहता है।

हम इस रिपोर्ट के लिए आपका रचनात्मक योगदान प्राप्त करने की अपेक्षा करते हैं।

आप अपने प्रश्न निम्नलिखित को भेज सकते हैं:

श्री नरेन्द्र कुमार
कार्यकारी निदेशक (निगमित योजना और कॉर्पोरेट कार्य)
nkumar@gail.co.in

श्री शांतनु रॉय
महाप्रबंधक (कॉर्पोरेट योजना)
sroy@gail.co.in

हमारे भागीदार

GRI GOLD Community 2016
GAIL (India) Limited

हम एक पंजीकृत (संगठनात्मक शेयरधारक) वैश्विक रिपोर्टिंग पहल (जीआरआई) गोल्ड सामुदायिक सदस्य हैं और वैश्विक, बहु–शेयरधारक प्रक्रिया के माध्यम से विश्व स्तर पर स्वीकृत स्थिर रिपोर्टिंग दिशा–निर्देशों का विकास करने के लिए जीआरआई के मिशन का समर्थन करते हैं।

CDP™ CLIMATE DISCLOSURE LEADER 2015

गेल को सीडीपी के इंडिया लीडर्स 2015 जलवायु प्रकटन नेतृत्व सूची (सीडीएलआई) में शामिल किया गया है।

अस्वीकरण

इस रिपोर्ट में 'गेल', 'हम', एवं 'हमारे' शब्दों का प्रयोग भी गेल (इंडिया) लिमिटेड के लिए किया गया है। और सामान्य तौर पर इसका संयुक्त उद्यम/सहायक कंपनियां, तथा जहां किसी विशेष कंपनी या कंपनियों का पता लगाने से कोई उपयोगी अर्थ न निकलता हो। रिपोर्ट में भावी वक्तव्य शामिल किए गए हैं जिसमें वित्तीय परिदृश्य, प्रचालनों के परिणाम तथा गेल (इंडिया) लिमिटेड के व्यवसायों से संबंधित भावी विवरण भी शामिल किए गए हैं। भावी विवरण, भविष्य की अपेक्षाओं के विवरण हैं जो प्रबंध की वर्तमान अपेक्षाओं और अनुमानों पर आधारित हैं तथा इनमें ज्ञात और अज्ञात जोखिम तथा अनियमितताएं शामिल हैं जिनसे इन विवरणियों में व्यक्त या निहित भौतिक रूप से भिन्न वास्तविक परिणाम, निष्पादन या घटनाएं हो सकती हैं। ऐतिहासिक तथ्य के विवरणों के अलावा, सभी विवरणों को भावी विवरण माना जाएगा। यद्यपि प्रबंधन का यह मानना है कि ऐसे विवरण तर्कसंगत होने चाहिए, और ऐसा कोई आश्वासन नहीं दिया जा सकता कि ऐसी अपेक्षाएं सही साबित होंगी।

गेल (इंडिया) लिमिटेड को किसी हानि के लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता जो किसी पार्टी को ऐसे भावी वक्तव्य पर निर्भर रहने के कारण हुई हो। ऐसे वक्तव्य जोखिम और अनिश्चितता के अधीन हैं और ऐसी भावी घटनाएं अन्य तथ्यों (i) कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस में मूल्यों के उतार–चढ़ाव; (ii) गेल के उत्पादों की मांग में परिवर्तन होने (iii) मुद्रा में उतार–चढ़ाव, (iv) वेधन और उत्पादन परिणाम, (v) रिजर्व अनुमान (vi), पर्यावरणीय और भौतिक जोखिम, (vii) राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय निकायों के साथ जुड़े जोखिम और लेनदेन तथा ऐसे लेनदेन की सफल बातचीत और पूर्णता; (viii) जलवायु परिवर्तन के समाधान वाले विनियामक उपायों सहित वित्तीय और विनियामक विकास (ix) ट्रेडिंग स्थितियों में उतार–चढ़ाव भौतिक दृष्टि से भिन्न हो सकते हैं। विद्यमान कानूनों के अंतर्गत सीधे तौर पर विनियमित मामलों को छोड़कर, गेल (इंडिया) लिमिटेड अपने भावी विवरणों के लिए किसी अद्यतन स्थिति या समायोजन को वितरित या प्रकाशित करने के लिए बाध्य नहीं होगा जिससे अनुमान में कोई परिवर्तन प्रदर्शित होता हो या नई सूचना रखी जाए या जिससे बाद की किसी घटना, परिस्थिति या उसकी कोई व्याख्या की जाए।

गेल (इंडिया) लिमिटेड

पंजीकृत कार्यालय :
16, भीकाएजी कामा प्लेस,
आर. के. पुरम, नई दिल्ली–110066
वेबसाइट: gailonline.com
gailvoice.com पर हमें फॉलो करें

Designed by: National Advertising Agency